Table of Contents

अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ

तेंदुआ

गिद्ध
एक धैर्यवान
पक्षी
है

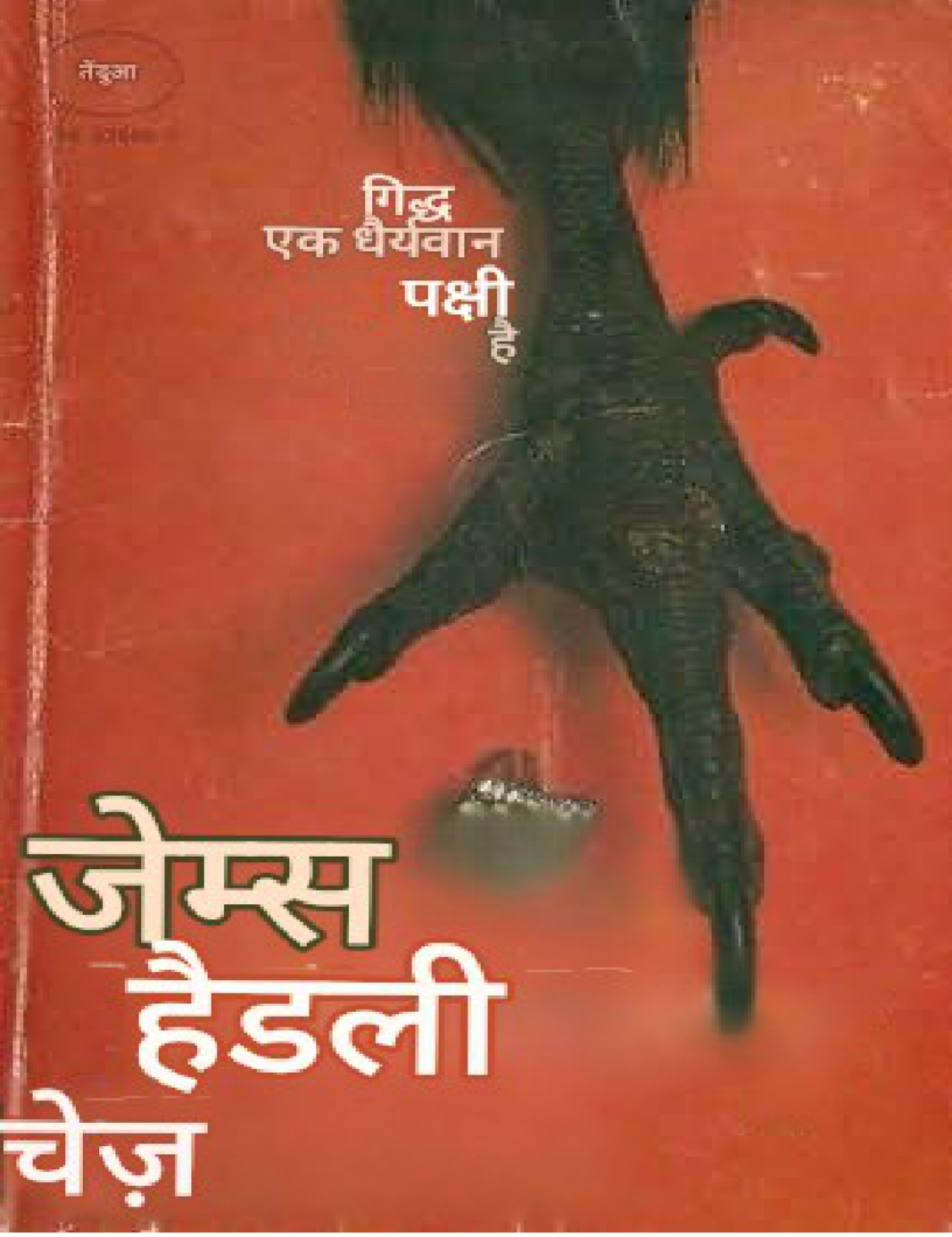

जेम्स हैडली चेज़

तेंदुआ

गिद्ध
एक धैर्यवान
पक्षी
है

जेम्स हैडली चेज़

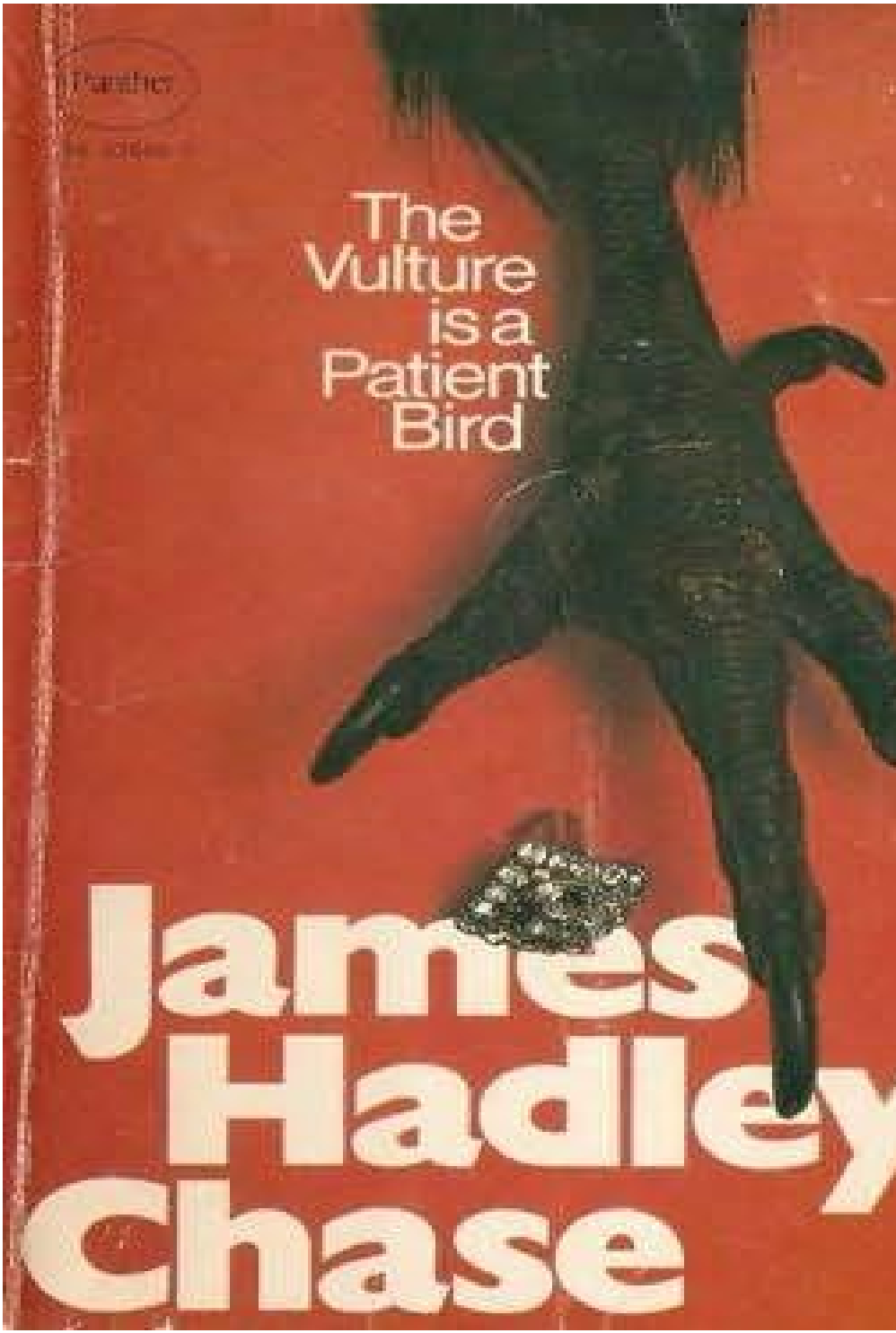
Panther
The Vulture is a Patient Bird
James Hadley Chase

able of Contents

अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ

गिद्ध एक धैर्यवान पक्षी है

जेम्स हैडली चेज़

अध्याय एक

खतरे को भांप लेने की उसकी सहज प्रवृत्ति ने फेनेल को तुरंत जगा दिया। उसने तकिये से सिर उठाया और ध्यान से सुनने लगा। चारों ओर घना अंधेरा छाया हुआ था: अंधों जैसा अंधेरा। ध्यान से सुनने पर उसे लंगर डाले हुए बजरे के किनारे से पानी की हल्की-हल्की आवाज़ सुनाई दी। उसे मिमी की हल्की साँसें भी सुनाई दे रही थीं। नदी की लहरों में बजरे के हिलने से एक हल्की लयबद्ध चरमराहट भी सुनाई दे रही थी। उसे ऊपरी डेक पर हल्की बारिश की आवाज़ भी सुनाई दे रही थी। ये सभी आवाज़ें सुकून देने वाली थीं। तो फिर, उसने खुद से पूछा, वह इतनी अचानक क्यों जाग गया?

पिछले एक महीने से वह लगातार मौत के साये में जी रहा था, और उसकी सहज प्रवृत्ति और भी तीव्र हो गई थी। खतरा करीब था: उसे इसका एहसास हो रहा था। उसे ऐसा लग रहा था मानो वह इसकी गंध भी महसूस कर सकता हो।

चुपचाप, उसने नीचे हाथ बढ़ाया और बिस्तर के नीचे टटोलने लगा, जब तक कि उसकी उंगलियां पुलिस लाठी के हैंडल पर नहीं टिक गईं। लाठी के सिरे पर साइकिल की एक छोटी सी चेन बंधी हुई थी। इस चेन ने लाठी को एक घातक, क्रूर हथियार में बदल दिया था।

अपने बगल में सो रही महिला को परेशान न करने के लिए, फेनेल ने धीरे से चादर और कंबल उठाया और बिस्तर से बाहर निकल गया।

वह हमेशा बड़ी सावधानी से अपने कपड़े बिस्तर के पास कुर्सी पर रखता था, चाहे वह कहीं भी रहता हो। मृत्यु के खतरे के साये में रहते हुए, अंधेरे में जल्दी से कपड़े ढूंढना और पहनना उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था।

उसने जल्दी से अपनी पतलून और रबर के तले वाले जूते पहने। बिस्तर पर लेटी महिला हल्की सी कराह उठी और करवट बदल ली। अपने दाहिने हाथ में कोड़ा पकड़े हुए, वह चुपचाप दरवाजे की ओर बढ़ा। उसे नाव की भौगोलिक स्थिति का ज्ञान था और घोर अंधेरा उसे परेशान नहीं कर रहा था। उसने चिकनाई से चिकना किया हुआ बोल्ट ढूंढा और उसे पीछे खींच लिया, फिर उसकी उंगलियां दरवाजे के हैंडल तक पहुंचीं और उसने उसे घुमा दिया। धीरे से, उसने दरवाजा कुछ इंच खोला। उसने बारिश और अंधेरे में बाहर झांका। नाव के किनारे से टकराते पानी की थपथपाहट और बारिश की तेज आवाज ने बाकी सभी आवाजों को दबा दिया था, लेकिन इससे फेनल धोखा नहीं खाया। अंधेरे में बाहर खतरा था। वह अपनी गर्दन के पिछले हिस्से के छोटे बालों को खड़े होते हुए महसूस कर सकता था।

सावधानी से उसने दरवाज़ा और चौड़ा खोला ताकि वह तटबंध की स्ट्रीट लाइटों से धुंधली सी दिखाई दे रही डेक की पूरी लंबाई देख सके। बाईं ओर, उसे लंदन के वेस्ट-एंड से आती रोशनी की चमक दिखाई दे रही थी। उसने फिर ध्यान से सुना; फिर से उसे कुछ भी ऐसा सुनाई नहीं दिया जिससे वह घबरा जाए। लेकिन खतरा तो था ही... उसे पूरा यकीन था। वह झुक गया, लेट गया और ठंडे, गीले डेक पर फिसल गया। बारिश की बूँदें उसके नंगे, मजबूत कंधों पर पड़ रही

थीं। वह थोड़ा आगे बढ़ा, फिर उसके होंठ उसके एक जैसे सफेद दाँतों से अलग होकर गुस्से से गुर्राए।

लंगर डाले हुए बजरा से लगभग पचास मीटर दूर, उसे एक चप्पू वाली नाव अपनी ओर आती हुई दिखाई दी। नाव में चार हट्टे-कट्टे आदमी बैठे थे। दूर की रोशनी में उनके सिर और कंधों की आकृति साफ दिखाई दे रही थी। उनमें से एक आदमी चप्पू चलाकर नाव को बजरा की ओर ले जा रहा था: उसकी हरकतें सधी हुई और खामोश थीं।

सौंफ डेक पर और आगे खिसक गई। उसकी उंगलियां डंडे के हैंडल पर कस गईं। वह इंतजार करने लगा।

सौंफ को साहसी कहना उतना ही गलत होगा जितना किसी तेंदुए को साहसी कहना। तेंदुआ मौका मिलते ही भाग जाता है, लेकिन जब घिर जाता है तो जंगल के सबसे खतरनाक और हिंसक जानवरों में से एक बन जाता है। सौंफ भी तेंदुए की तरह ही थी। अगर उसे बचने का रास्ता दिखता तो वह भाग जाती, लेकिन अगर वह फंस जाती तो एक निर्दयी जानवर में बदल जाती, जो किसी भी कीमत पर सिर्फ अपनी जान बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित होता।

फेनल को पता था कि देर-सवेर वे उसे ढूंढ ही लेंगे। खैर, वे आ ही गए थे, चुपचाप उसकी ओर बढ़ रहे थे। उनके आने से उसके मन में खुद को बचाने का एक और भी दृढ़ निश्चय पैदा हो गया था। वह डरा हुआ नहीं था। जब उसे पक्का पता चल गया कि मोरोनी ने उसकी मृत्यु का फरमान जारी कर दिया है, तो उसका सारा डर खत्म हो गया था।

जैसे-जैसे नाव पास आती गई, वह उसे देखता रहा। वे जानते थे कि वह खतरनाक है, और वे कोई जोखिम नहीं लेना चाहते थे। वे नाव पर चढ़ना चाहते थे, झटपट बेडरूम में जाना चाहते थे और फिर चारों मिलकर चाकू से उसे काटकर गला घोंट देना चाहते थे।

वह प्रतीक्षा करता रहा, अपने नंगे कंधों पर बारिश की ठंडी बूँदें महसूस करता रहा। चप्पू चलाने वाले व्यक्ति ने चप्पू को पानी में डुबोया और धीरे से एक प्रहार किया। नाव हवा से लहराते पानी पर तेज़ी से आगे बढ़ने लगी।

सौंफ परछाइयों में अदृश्य हो गई थी। उसने फैसला किया कि उसने अपनी स्थिति का सही अनुमान लगाया था। वे उस जगह से लगभग चार मीटर दूर नाव पर चढ़ेंगे जहाँ वह लेटा हुआ था। नाविक ने चप्पू उठाया और उसे बड़े आराम से, मानो चीनी से बना हो, नाव की तीनों सीटों पर रख दिया। अब उसके पास नाव को बजरा के किनारे तक लाने के लिए पर्याप्त जगह थी।

आगे की सीट पर बैठा आदमी खड़ा हुआ और आगे की ओर झुका। उसने नाव को बजरा के किनारे से सटाया और फिर फुर्ती से उस पर चढ़ गया। वह मुड़ा और आगे बढ़े दूसरे आदमी का हाथ पकड़ लिया। जैसे ही वह उसे डेक पर चढ़ने में मदद कर रहा था, फेनेल ने अपना दांव खेला।

वह अंधेरे से उठा, फिसलन भरे डेक पर सरक गया और कोड़े से वार करने लगा।

जंजीर पहले आदमी के चेहरे पर लगी। उसने जोर से चीख मारी, लड़खड़ाया और फिर नदी में जा गिरा।

दूसरे व्यक्ति ने फुर्ती से घूमकर चाकू हाथ में लिए फेनेल का सामना किया, लेकिन जंजीर ने

उसकी गर्दन पर वार किया, जिससे उसकी त्वचा फट गई और वह पीछे की ओर लड़खड़ा गया। उसने किसी चीज को पकड़ने की कोशिश नहीं की, फिर पीठ के बल पानी में गिर पड़ा।

फेनल झट से अँधेरे में गायब हो गया। उसकी मुस्कान क्रूर और शैतानी थी। वह जानता था कि नाव में बैठे बाकी दो आदमी उसे नहीं देख सकते। रोशनी उनके पीछे थी।

कुछ पल के लिए अफरा-तफरी मच गई। फिर, चप्पू चलाने वाले व्यक्ति ने घबराकर उसे पकड़ा और नाव से दूर खींचने लगा। दूसरा व्यक्ति अपने साथियों को नदी से निकालकर नाव में बिठाने की कोशिश कर रहा था।

फेनल लेटा हुआ देख रहा था। उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था, और उसकी चौड़ी नाक से साँसें रुक-रुक कर आ रही थीं।

दोनों आदमियों को घसीटकर नाव पर चढ़ाया गया। नाविक ने चप्पू को पतवार में फंसा लिया था और नाव को नाव से दूर खींच रहा था। फेनेल वहीं खड़ा रहा। अगर वे उसे देख लेते, तो शायद गोली चला देते। वह ठंड में कांपता हुआ तब तक इंतजार करता रहा जब तक नाव अंधेरे में गायब नहीं हो गई, फिर वह खड़ा हो गया।

वह नाव के किनारे झुककर जंजीर से खून साफ करने लगा। उसे अपनी पतलून के अंदर बर्फीली बारिश की बूंदें महसूस हो रही थीं। उसने सोचा कि वे बाद में वापस आ सकते हैं, और अगर वे आए, तो उसके खिलाफ हालात और भी खराब हो जाएंगे। अब वे अचानक हमला नहीं कर पाएंगे।

उसने अपनी आँखों से बारिश के पानी को झाड़ा। उसे बाहर निकलना होगा, और जल्दी निकलना होगा।

वह आठ सीढ़ियाँ उतरकर बड़े से बैठक कक्ष और शयनकक्ष में गया और बत्ती जला दी।

बिस्तर पर लेटी महिला उठ बैठी।

"क्या बात है, लू?"

उसने उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। उसने अपनी भीगी हुई पतलून उतारी और नग्न अवस्था में छोटे से बाथरूम में चला गया। हे भगवान! उसे कितनी ठंड लग रही थी! उसने गर्म पानी का नल चालू किया, एक पल रुका, फिर गर्म पानी की बौछार के नीचे लेट गया।

मीमी बाथरूम में आई। उसकी आँखें नींद से भरी हुई थीं, उसके लंबे काले बाल बिखरे हुए थे, और उसके बड़े स्तन उसकी नाइटड्रेस से बाहर निकल रहे थे।

"ल्यू! क्या बात है?"

फेनल ने उसकी बात अनसुनी कर दी। वह मोटा, विशाल और छोटा कद काठी वाला व्यक्ति गर्म पानी की बौछार के नीचे खड़ा रहा, और पानी को अपनी छाती, पेट और कमर के घने बालों को भिगोने दिया।

"ल्यू!"

उसने उसे हाथ से इशारा करके दूर जाने को कहा, फिर शॉवर बंद कर दिया और एक तौलिया उठा लिया।

लेकिन वह नहीं गई। वह बाथरूम के बाहर खड़ी रही, उसे घूरती रही, उसकी हरी, काली आंखों में

डर साफ झलक रहा था।
मुझे एक कमीज़ ला दो... वहाँ बेवकूफ की तरह खड़े मत रहो!
उसने तौलिया एक तरफ फेंक दिया।
"क्या हुआ? मैं जानना चाहता हूँ। लू! क्या चल रहा है?"
वह उसे धक्का देकर अंदर के कमरे में चला गया। उसने अलमारी का दरवाजा झटके से खोला, एक कमीज़ निकाली और उसे पहन लिया, फिर एक पतलून निकाली और उसे भी पहन लिया। उसने एक काला टर्टल नेक स्वेटर पहना, फिर कोहनियों पर चमड़े के पैच वाली एक काली जैकेट पहन ली। उसकी हरकतें तेज़ और निर्णायक थीं।
वह दरवाजे पर खड़ी होकर देख रही थी।
"तुम कुछ बोलो क्यों नहीं?" उसकी आवाज़ तीखी थी। "क्या हो रहा है?"
वह एक पल के लिए रुका, उसे देखा और उसका चेहरा बिगड़ गया। उसने मन ही मन सोचा, खैर, वह उसके लिए सुविधाजनक तो थी, लेकिन कोई भी समझदार आदमी उसे सुंदर तो नहीं कह सकता। फिर भी, पिछले चार हफ्तों से इस खस्ताहाल नाव पर उसने उसे छुपने की जगह दी थी। अभी, बिना मेकअप के, वह बेहद बदसूरत लग रही थी। वह बहुत मोटी थी। उसके लटके हुए स्तन उसे घिनौने लग रहे थे। उसकी घबराहट और डर उसे बूढ़ा दिखा रहे थे। वह कितनी उम्र की थी... चालीस? लेकिन वह उसके लिए सुविधाजनक तो थी। मोरोनी को उसे ढूंढने में चार हफ्ते लग गए थे, लेकिन अब जाने का समय आ गया था। फेनेल ने सोचा, तीन घंटे में, शायद उससे भी कम समय में, वह उसके लिए एक याद भी नहीं रहेगी।
"थोड़ी सी परेशानी है," उसने कहा। "कुछ नहीं। घबराओ मत। वापस बिस्तर पर जाओ।"
वह कमरे में दाखिल हुई। हवा के चलने से नदी में लहरें उठने लगीं और नाव थोड़ी ऊपर उठ गई।
"तुम कपड़े क्यों पहन रहे हो? तुम क्या कर रहे थे...?"
चुप रहो, क्या तुम? मैं जा रहा हूँ।
उसका चेहरा लटक गया।
"जा रहे हो? क्यों? कहाँ जा रहे हो?"
उसने मेज पर रखे सिगरेट के डिब्बे से एक सिगरेट निकाली। गर्म पानी से नहाने के बाद अब वह ठीक महसूस कर रहा था और पहले से ज़्यादा आश्वस्त था, लेकिन वह जानता था कि वह उसके लिए मुसीबत खड़ी करेगी। वह हद से ज़्यादा अधिकार जताने वाली थी। उसे उसके क्रूर प्रेम की ज़रूरत थी... यही वजह थी कि उसने उसे वहाँ रोक रखा था। वह इतनी आसानी से पीछा नहीं छुड़ाने वाली थी।
"बिस्तर पर लेट जाओ," उसने कहा। "तुम्हें सर्दी लग जाएगी।" मन ही मन सोचा: जैसे मुझे कोई फर्क पड़ता हो। "मुझे एक फोन करना है।"
उसे पता था कि वह झूठ बोल रहा है और उसने उसका हाथ पकड़ लिया।
"तुम मुझे छोड़कर नहीं जा सकते! मैंने तुम्हारे लिए सब कुछ किया है। तुम्हें नहीं जाना है!"
"भगवान के लिए, चुप रहो!" फेनेल गुस्से से गुर्राया और उसे धक्का देकर एक तरफ कर दिया, फिर वह कमरे के उस पार टेलीफोन की ओर भागा। नंबर डायल करते हुए उसने अपनी घड़ी

देखी। समय 3:50 बज रहा था। वह रिंगटोन की लगातार बजने वाली आवाज़ को सुनता रहा। एक क्लिक की आवाज़ आई और नींद में डूबी एक आवाज़ ने पूछा, "यह कौन है?"
"जैसी? यह लू है।"
हे भगवान! मैं सो रहा था!
"इसके बदले तुम्हें बीस निकर मिलेंगे," फेनेल ने धीरे और स्पष्ट स्वर में कहा। "अपनी कार ले आओ। बीस मिनट में किंग्स रोड पर क्राउन पब में मुझसे मिलो, और मेरा मतलब है ठीक बीस मिनट में।"
"पागल हो? समय देखो! क्या हुआ? मैं बाहर नहीं आ रहा। इतनी तेज बारिश हो रही है कि बत्तख भी डूब जाएगी।"
"बीस मिनट... बीस मिनट," फेनेल ने धीरे से कहा। काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। उसे जेसी की भारी साँसें सुनाई दे रही थीं और उसे लगा जैसे उसका लालची दिमाग चरमरा रहा हो।
"द क्राउन?"
"हाँ।"
मैं क्या-क्या करता हूँ! अच्छा, ठीक है। मैं जा रहा हूँ।
रिसीवर की जगह सौंफ का इस्तेमाल किया गया।
"तुम नहीं जा रही हो!" मीमी का चेहरा गुस्से से लाल हो गया और उसकी आँखें घूर रही थीं। "मैं तुम्हें जाने नहीं दूँगी!"
उसने उसकी बात अनसुनी कर दी और तेज़ी से ड्रेसिंग टेबल की ओर बढ़ा, एक दराज खोली और उसमें रखी ज़रूरी चीज़ें निकाल लीं: एक सेफ्टी रेज़र, ब्रशलेस क्रीम की एक ट्यूब, एक टूथब्रश, प्लेयर्स सिगरेट के तीन पैकेट और एक कंघी। उसने ये सब अपनी जैकेट की जेब में रख लीं।
उसने फिर से उसका हाथ पकड़ लिया।
"मैंने तुम्हारे लिए सब कुछ किया है!" वह विलाप करते हुए बोली। "तुम कमीने कैदी! मेरे बिना तुम भूखे मर जाते!"
उसने उसे धक्का देकर दूर किया और कमरे के उस पार जाकर शेल्फ पर रखे नकली चूल्हे के पास पहुँचा, जिसमें एक बिजली का चूल्हा रखा था। उसने एक बड़ी चीनी चायदानी नीचे उतारी। जैसे ही उसने उसे छुआ, वह झपट पड़ी और उससे चायदानी छीनने की कोशिश करने लगी। उसकी आँखें गुस्से से लाल थीं, उसके लंबे काले बाल उसके चेहरे पर लटके हुए थे जिससे वह किसी पागल चुड़ैल जैसी लग रही थी।
"अपने हाथ उससे हटाओ!" वह चिल्लाई।
उसकी धुंधली धूसर आँखों में झलकती बुराई ने उसे चेतावनी दे देनी चाहिए थी, लेकिन वह इतनी घबराई हुई थी कि उसे अपनी बचत लेने से रोकने की जहमत ही नहीं उठी।
"शांत रहो, मिमी," उसने कहा। "मुझे यह चाहिए। मैं तुम्हें यह वापस दे दूंगा... वादा करता हूँ।"
"नहीं!"
उसने अपनी उंगलियों को फंसाकर उसके चेहरे पर वार किया, साथ ही उसका बायां हाथ चायदानी को झटक रहा था। फेनल ने अपना सिर पीछे की ओर झटका, चायदानी छोड़ी और

फिर बेरहमी से उसके जबड़े पर वार किया। वार की ताकत से वह पीछे की ओर गिर पड़ी। उसकी आंखें ऊपर की ओर घूम गईं और उसका सिर ज़मीन पर ज़ोर से टकराया। जैसे ही उसकी पकड़ छूटी, चायदानी चकनाचूर हो गई और उसमें से पैसे बिखर गए।

फेनल ने चांदी के ढेर को एक तरफ सरकाया और दस पाउंड के नोटों का छोटा बंडल उठा लिया। उसने बेहोश पड़ी महिला की तरफ नहीं देखा। उसने पैसे अपनी कमर की जेब में रखे, अपना डंडा उठाया और डेक पर चला गया। उसके लिए मीमी के साथ बिताए तीस दिन अब मिटाए जा चुके ब्लैकबोर्ड पर चाक के निशान जैसे थे।

तेज़ बारिश हो रही थी और हवा उसके चेहरे पर ठंडी लग रही थी। वह कुछ पल तटबंध को देखता रहा, ताकि उसकी आँखें अंधेरे में अभ्यस्त हो जाएँ। कुछ भी नहीं हिला। उसने सोचा, उसे जोखिम उठाना ही होगा, और वह बजरा से फिसलकर गीले डामर पर उतर गया। वह तख्ते से नीचे फिसला, अंधेरे में प्रवेश किया और फिर रुककर सुनने लगा। फिर से उसे कुछ भी ऐसा सुनाई नहीं दिया जिससे वह घबरा जाए। उसकी उंगलियाँ डंडे पर कस गईं और तटबंध की दीवार के करीब चलते हुए, वह चुपचाप दूर स्थित उन सीढ़ियों की ओर चल पड़ा जो ऊपरी तटबंध की ओर जाती थीं।

जेसी के देर से आने पर उसकी जान खतरे में पड़ सकती थी, उसने सोचा। उन्हें खून बहना रोकना होगा: जिसकी गर्दन पर चोट लगी थी, उसका खून बुरी तरह बह रहा होगा। फिर वे मोरोनी को फोन करके असफलता की सूचना देंगे। मोरोनी तुरंत चार-पांच आदमियों को नीचे भेज देगा। फेनेल ने सोचा कि उसके पास शायद आधा घंटा ही समय है, इससे ज्यादा नहीं।

लेकिन उसे चिंता करने की कोई जरूरत नहीं थी। जैसे ही वह अंधेरे में पहुंचा,

क्राउन पब के पास, उसने जेसी की जर्जर मॉरिस कार को आते देखा। वह दौड़कर सड़क पार गया, कार का दरवाजा खोला और अंदर घुस गया।

"अपने घर वापस जाओ, जेसी।"

"ज़रा रुको," जेसी ने कहा। स्ट्रीट लाइट की रोशनी से उसका बूढ़ा, चूहे जैसा चेहरा जगमगा उठा। "क्या हो रहा है?"

सौंफ ने जेसी की पतली कलाई को कसकर पकड़ लिया।

"अपनी जगह वापस जाओ!" उसने गुस्से से कहा।

जेसी ने उसके होंठों की क्रूर विकृति और दबी हुई क्रोध से भरी आधी पागल सी अभिव्यक्ति की एक झलक देखी। उसने गुर्राते हुए गियर लगाया और मॉरिस को गतिमान कर दिया।

दस मिनट बाद, दोनों आदमी एक छोटे, जर्जर ढंग से सुसज्जित कमरे में थे, जो एक धूल भरे, बिना छाया वाले दीपक से रोशन था जो गंदी छत से खतरनाक तरीके से लटका हुआ था।

जेसी ने मेज पर ब्लैक एंड व्हाइट की एक बोतल और दो गिलास रखे। उसने दो गिलास भरे और गंदे हाथों से गिलास को थामे हुए सौंफ को बेचैनी से देखने लगा।

जेसी एक सट्टेबाज के यहाँ क्लर्क था और अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए छोटे-मोटे बदमाशों के लिए छोटे-मोटे काम करता था। वह फेनल को एक बड़ा बदमाश मानता था। दोनों की मुलाकात पार्कहर्स्ट जेल में हुई थी, जहाँ वे सजा काट रहे थे: फेनल पर हिंसा सहित डकैती का आरोप था

और जेसी पर दस शिलिंग के जाली नोट चलाने की कोशिश का। जेल से रिहा होने के बाद भी वे संपर्क में रहे और जेसी को यह जानकर खुशी हुई कि फेनल जैसा बड़ा आदमी उसमें दिलचस्पी ले रहा है। लेकिन अब उसे फेनल से संबंध रखने का पछतावा हो रहा था। उसने अंडरवर्ल्ड के सूत्रों से सुना था कि फेनल ने पुलिस को बताया था और मोरोनी के पाँच आदमी पुलिस के जाल में फंस गए थे। वह जानता था कि मोरोनी ने फेनल को मौत के घाट उतारने का आदेश दिया था, लेकिन बीस पाउंड कमाने का मौका वह इतना लालची था कि छोड़ नहीं सका।

फेनल ने मिमी के दस पाउंड के नोटों का बंडल निकाला। उसने उसमें से दो नोट निकाले और मेज पर फेंक दिए।

"जैसी, इन्हें संभाल कर रखो," उसने कहा। "मैं यहाँ कुछ दिनों के लिए रुक रहा हूँ।"

जेसी की नेवले जैसी आंखें चौड़ी हो गईं। उसने मेज पर रखे पैसों को छुआ तक नहीं।

"ल्यू, मैं तुम्हें यहाँ दो दिन भी नहीं रहने दे सकता। यह सुरक्षित नहीं है। अगर उन्हें पता चल गया कि तुम यहाँ थे, तो वे मुझे मार डालेंगे।"

"मैं तुम्हारी भी नक्काशी कर सकती हूँ," फेनेल ने धीरे से कहा। "और मैं यहीं हूँ।"

जेसी ने अपनी बिना दाढ़ी वाली ठुड्डी खुजलाई। उसकी नज़रें कमरे में इधर-उधर घूम रही थीं, वह स्थिति और खतरों पर विचार कर रहा था। मोरोनी शायद बिस्तर पर सो रहा होगा, लेकिन फेनल यहाँ थी। फेनल मोरोनी जितनी ही खतरनाक हो सकती थी।

"ठीक है, तो... दो दिन... एक घंटा और नहीं," उसने अंत में कहा।

"दो दिन में मैं देश से बाहर जा रहा हूँ," फेनेल ने कहा। "मुझे नौकरी मिल गई है। शायद मैं वापस न आऊँ।" उसने अपनी व्हिस्की खत्म की और फिर अंदर के कमरे में जाकर उस खस्ताहाल सोफे पर बैठ गया, जिस पर जेसी सोता था। उसने अपने जूते उतारे और लेट गया।

"तुम ज़मीन पर सो जाओ, और उस घटिया बत्ती को बंद कर दो।"

"जाओ," जेसी ने कड़वाहट से कहा। "खुद को घर जैसा महसूस करो।"

उसने हाथ बढ़ाकर लाइट बंद कर दी।

एक सप्ताह पहले, गैरी एडवर्ड्स ने डेली टेलीग्राफ में निम्नलिखित विज्ञापन देखा था:

तीन सप्ताह के एक विशिष्ट कार्य के लिए अनुभवी हेलीकॉप्टर पायलट की आवश्यकता है। वेतन बेहद आकर्षक है। कृपया अपने करियर की जानकारी और फोटो भेजें। बॉक्स S. 1012□

उसने विज्ञापन को दोबारा पढ़ा और उस पर गहराई से विचार किया। उसे 'अनोखा' और 'असाधारण' ये दो शब्द बहुत पसंद आए। वह एक अनोखे काम की तलाश में था और उसे असाधारण पैसों की सख्त ज़रूरत थी, इसलिए टोनी को बिना बताए उसने बॉक्स S.1012 पर एक पत्र लिखा, जिसमें उसने अपने पिछले करियर का ब्योरा दिया, जो झूठ से इतना भरा हुआ था जितना छलनी में छेद होते हैं। उसने साथ में एक पासपोर्ट साइज़ फोटो भी लगाई और पत्र को डाक से भेज दिया।

एक हफ़्ता बीत चुका था, और अब उसने किसी भी असाधारण वेतन या असामान्य नौकरी की सारी उम्मीदें छोड़ दी थीं। फ़रवरी की इस ठंडी, गीली सुबह में, वह टोनी के छोटे, अव्यवस्थित बैठक कक्ष में नेस्कैफे का एक कप बगल में रखकर बैठा था और डेली टेलीग्राफ में रिक्त पदों की

तलाश कर रहा था।

गैरी एडवर्ड्स उनतीस वर्ष का एक लंबा, मजबूत कद-काठी वाला व्यक्ति था। वह आकर्षक था, उसकी भूरी आँखें हास्यप्रद थीं और उसके गहरे भूरे बाल कॉलर तक लंबे थे, जो फैशन के अनुरूप थे। वह आसानी से हंस सकता था या खतरनाक रूप से पतला हो सकता था। जब वह टोनी के टूटे-फूटे सोफे पर सफेद बीच शॉल ओढ़े बैठा था, उसके लंबे पतले पैर नंगे थे, तब दीवार घड़ी में 8:45 बज रहे थे।

रिक्त पदों के कॉलम को ध्यान से देखने के बाद, उसने अखबार को झुंझलाहट में ज़मीन पर पटक दिया। खैर, उसे जल्द ही कुछ करना होगा, उसने खुद से कहा। उसके पास टोनी से गुजारा भत्ता मांगने से पहले ठीक एक सौ तीस पाउंड, पाँच शिलिंग और सात पेंस बचे थे, और उसने खुद से बड़े विश्वास के साथ कहा कि वह ऐसा कभी नहीं करेगा।

कैलिस-डोवर चैनल बोट पर उनकी मुलाकात टोनी व्हाइट से हुई थी। सौभाग्य से, जब वह दो सख्त दिखने वाले फ्रांसीसी जासूसों के साथ नाव पर सवार हुए, तब टोनी बार में मौजूद थीं। ये जासूस जहाज के रवाना होने तक उनके साथ रहे। उनके जाने के बाद, गैरी ने बारिश से भीगे घाट पर खड़े होकर जहाज को बंदरगाह से निकलते देखने के लिए उन्हें खुशी से हाथ हिलाया - जिसे उन्होंने पत्थर की तरह अनसुना कर दिया - और फिर वह तीन साल बाद अपना पहला ड्रिंक पीने के लिए फर्स्ट क्लास बार में चले गए।

टोनी बार के स्टूल पर बैठी थी, उसकी छोटी सी स्कर्ट उसके गुप्तांगों को मुश्किल से ढक रही थी, और वह बर्फ के साथ सिन्ज़ानो बिटर पी रही थी। उसने एक डबल वैट 69 ऑर्डर किया और फिर उसे सलाम किया। वह उस तरह की लड़की लग रही थी जिसे कोई आदमी अगर वश में हो तो सलाम कर सकता है, और गैरी में तो वश में करने की कला थी ही।

टोनी बाईस वर्ष की थी, सुनहरे बालों वाली, परी जैसी दिखने वाली, बड़ी नीली आँखों वाली, घनी और काली पलकों वाली, जिसे देखकर गाय भी ईर्ष्या करती। साथ ही, वह बेहद स्टाइलिश भी थी।

उसने गैरी को गहरी सोच और एकाग्रता से देखा। उसने तय किया कि वह अब तक का सबसे आकर्षक पुरुष था जिसे उसने देखा था, और उसके शरीर में खून का एक तेज प्रवाह दौड़ गया। वह उसे पाना चाहती थी: उसके साथ ऐसा शारीरिक संबंध बनाना चाहती थी जैसा उसने अपने छोटे से कामुक जीवन में पहले कभी नहीं बनाया था।

वह मुस्कुराई।

गैरी महिलाओं को अच्छी तरह जानता था। वह उनके सारे संकेत जानता था और उसे एहसास था कि यह एक ऐसा निमंत्रण था जिसमें ज्यादा नखरे दिखाने की जरूरत नहीं थी।

उसके बटुए में दो सौ नब्बे पाउंड थे: फ्रांसीसी पुलिस के उसे पकड़ने से पहले उसके विमान की बिक्री से बची हुई रकम। वह आत्मविश्वास से भरा हुआ था और जाने के लिए बेताब था।

उन्होंने अपना पेय समाप्त किया और फिर मुस्कुराते हुए कहा, "मैं आपको और अच्छे से जानना चाहूंगा। लैंडिंग से पहले हमारे पास एक घंटे से अधिक का समय है। क्या मुझे एक केबिन मिल सकता है?"

उसे उसका सीधा-सादा तरीका पसंद आया। वह उसे चाहती थी। उसके सुझाव ने सब कुछ आसान बना दिया। वह हंसी, फिर उसने सिर हिलाया।

केबिन लेना, पर्दे खींचना और खुद को अंदर बंद कर लेना आसान था। अटेंडेंट को उन्हें याद दिलाने के लिए कई बार दरवाजा खटखटाना पड़ा कि वे डोवर पहुँच चुके हैं और अगर उन्होंने जल्दी नहीं की तो उनकी बोट ट्रेन छूट जाएगी।

लंदन जाते समय, प्रथम श्रेणी के लगभग खाली डिब्बे में उसके बगल में बैठी टोनी ने उसे बताया था कि वह एक सफल मॉडल है, उसके पास काफी काम है, चेल्सी में उसका दो कमरों का अपार्टमेंट है और अगर उसे रहने के लिए छत चाहिए... तो "अच्छा, मेरे प्यारे, क्यों न तुम मेरे साथ रहने आ जाओ?"

गैरी ने क्रॉमवेल रोड के पास किसी साधारण से होटल में सस्ते कमरे में रहने की योजना बनाई थी, ताकि वह अपनी स्थिति का जायजा ले सके और अपने लिए कोई लाभकारी नौकरी ढूंढ सके। उसने जरा भी संकोच नहीं किया।

वह पिछले लगभग तीन हफ्तों से टोनी के साथ रह रहा था, अपनी बची हुई पूंजी खर्च कर रहा था लेकिन कोई लाभकारी नौकरी नहीं पा रहा था। अब, कोई भविष्य न होने के कारण, वह थोड़ा चिंतित होने लगा था। हालांकि, टोनी इसे एक बड़ा मजाक समझती थी।

"चिंता क्यों करते हो, मेरे प्यारे से जानवर?" उसने पिछली शाम को उसकी गोद में कूदते हुए और उसका कान कुतरते हुए कहा था। "मेरे पास दुनिया का सारा पैसा है! चलो जमकर प्यार करते हैं!"

गैरी ने अपनी अधठंडी कॉफी खत्म की, मुंह बनाया और फिर खिड़की के पास जाकर धीमी गति से चल रहे यातायात और छतरियों के नीचे शरण लिए काम पर जाने की जल्दी में लगे पुरुषों और महिलाओं की भीड़ को देखने लगा।

उसने सामने के दरवाजे पर एक आवाज सुनी: जैसे कोई व्यक्ति अपने बक्से में चिट्ठियां डाल रहा हो।

टोनी को हर सुबह उन बड़बड़ाते नौजवानों के कई पत्र मिलते थे जो उसे बहुत पसंद करते थे, लेकिन गैरी को उम्मीद थी कि शायद उसके लिए भी कोई पत्र हो। उसने पत्र पेटी से पंद्रह पत्र निकाले, उन्हें जल्दी से पलटा और अपने लिए एक पत्र ढूंढ लिया। लिफाफे का धारीदार किनारा और हाथ से बना कागज़ देखने में बहुत सुंदर था। उसने उसे फाड़कर खोला और उसमें से एक कागज़ निकाला।

रॉयल टावर्स होटल

लंदन, पश्चिमी आयरलैंड

श्री गैरी एडवर्ड्स से अनुरोध है कि वे 11 फरवरी को सुबह 11:30 बजे उपरोक्त पते पर आकर श्री आर्मो शालिक से मिलें। (संदर्भ: डेली टेलीग्राफ, बॉक्स S.1012)

हां, गैरी ने सोचा, वह श्री आर्मो शालिक से ज़रूर मिलेगा। ऐसे नाम और ऐसे पते के साथ, पैसे की महक तो ज़रूर आती होगी।

वह पत्र लेकर छोटे से बेडरूम में चला गया।

टोनी गहरी नींद में सो रही थी। वह पेट के बल लेटी थी, उसकी छोटी सी नाइटड्रेस ऊपर उठी हुई थी, और उसके लंबे, खूबसूरत पैर चौड़े फैले हुए थे।

गैरी बिस्तर के किनारे पर बैठ गया और उसे निहारने लगा। वह सचमुच बेहद खूबसूरत थी। उसने हाथ उठाया और उसकी नंगी कमर पर ज़ोर से थप्पड़ मारा। वह छटपटाई, पैर समेटे, पलकें झपकाईं और कंधे के ऊपर से उसकी ओर देखा। उसने फिर से थप्पड़ मारा और वह झट से घूमकर उठ बैठी।

"ये तो हमला है!" उसने कहा। "मेरी पैंट कहाँ है?"

उसने बिस्तर के किनारे से उन्हें ढूंढकर उसे दे दिया। वह मुस्कुराते हुए उसे देखती रही।

"क्या मुझे इनकी ज़रूरत है?"

"मुझे तो ऐसा नहीं लगना चाहिए था," गैरी ने मुस्कुराते हुए कहा। "मुझे एक पत्र मिला है। क्या आप थोड़ी देर के लिए अपने इस अभद्र दिमाग को काम की तरफ मोड़ सकते हैं?"

उसने प्रश्नवाचक दृष्टि से उसकी ओर देखा।

"क्या पकाया जा रहा है?"

उसने उसे डेली टेलीग्राफ में छपे विज्ञापन के बारे में बताया, कि उसने उसका जवाब दे दिया था और अब उसे जवाब मिल गया था। उसने उसे वह पत्र दे दिया।

"शाही टावर्स! सबसे नया और सबसे बेहतरीन! कितना प्यारा नाम है! आर्मो शालिक! मुझे तो सोने और हीरों की ढेरों खुशबू आ रही है।" उसने चिट्ठी हवा में उछाली और गैरी के गले लग गई।

लगभग 11 बजे, गैरी ने टोनी का हाथ छोड़ा, नहाया और फिर नीले ब्लेज़र और गहरे नीले रंग की पैंट पहनी। उसने शीशे में खुद को देखा।

"आँखों के नीचे थोड़े काले घेरे हैं," उन्होंने अपनी टाई ठीक करते हुए कहा। "लेकिन ये तो होना ही था। फिर भी, मुझे लगता है कि मैं स्वस्थ, सुंदर और आकर्षक दिखता हूँ... तुम्हें क्या लगता है, मेरी प्यारी गुड़िया?"

पूरी तरह नग्न अवस्था में टोनी आरामकुर्सी पर बैठी कॉफी की चुस्कियां ले रही थी। वह उसे स्नेह भरी नजरों से देख रही थी।

आप बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

गैरी ने उसे कुर्सी से उठाया और उसे सहलाया। उसे चूमने के बाद, उसने उसे वापस कुर्सी पर बिठाया और अपार्टमेंट से चला गया।

ठीक 11.30 बजे, वह रॉयल टावर्स होटल के हॉल पोर्टर के पास गए और श्री आर्मो शालिक के बारे में पूछा।

हॉल के पोर्टर ने उसे उस भावहीन चेहरे से देखा जो आमतौर पर पोर्टरों के चेहरे पर तब होता है जब वे न तो किसी बात को स्वीकार करते हैं और न ही अस्वीकार करते हैं। उसने एक नंबर डायल किया, धीरे से बोला और फिर रिसीवर वापस रख दिया।

"दसवीं मंजिल, महोदय। कमरा नंबर 27।"

गैरी को एक्सप्रेस लिफ्ट से दसवीं मंजिल पर ले जाया गया। लिफ्टकर्मी उन्हें सुइट नंबर 27 के दरवाजे तक ले गया। जाहिर है, वे इतने महत्वपूर्ण और इतने नाजुक थे कि दरवाजा खटखटा नहीं

सकते थे। लिफ्टकर्मी ने उनकी मदद की, झुककर अभिवादन किया और चला गया।
गैरी के लिए, पैसे की गंध अब असहनीय हो गई थी।
वह एक छोटे से शानदार कमरे में दाखिल हुआ, जहाँ एक लड़की एक मेज के पीछे बैठी थी, जिस पर तीन टेलीफोन, एक आईबीएम गोल्फ बॉल टाइपराइटर, एक इंटरकॉम और एक टेप-रिकॉर्डर रखे थे।
वह लड़की गैरी को उलझन में डाल रही थी क्योंकि भले ही उसका शरीर सुडौल था, उसने स्टाइलिश काली फ्रॉक पहनी थी, वह खूबसूरती से सजी-धजी थी, उसके बाल बेदाग थे, फिर भी वह उसके लिए एक मरी हुई औरत की बेजान तस्वीर से ज्यादा कुछ नहीं थी। उसका भावहीन चेहरा, उसकी करीने से संवारी हुई भौहें, उसकी फीकी लिपस्टिक ने उसके आकर्षण की कमी को और भी उजागर कर दिया: एक रोबोट जैसी औरत जिसे देखकर गैरी थोड़ा असहज महसूस कर रहा था।
श्री एडवर्ड्स?
उसकी आवाज भी धातु जैसी थी: मानो टेप रिकॉर्डिंग को खराब तरीके से रीप्रोड्यूस किया गया हो।
"ये मैं ही हूँ," गैरी ने कहा, और क्योंकि उसे कभी भी ऐसा बनना पसंद नहीं था।
किसी भी महिला से पराजित होकर, वह उसे अपनी मनमोहक मुस्कान देता था।
इसका कोई असर नहीं हुआ। लड़की ने एक बटन दबाया, थोड़ी देर रुकी, फिर बोली, "श्रीमान एडवर्ड्स यहाँ हैं, महोदय।"
इंटरकॉम पर हरी बत्ती जल उठी। जाहिर है, श्री शालिक को अपनी ऊर्जा बर्बाद करने की कोई परवाह नहीं थी। उन्हें बोलने की बजाय बटन दबाना ज्यादा पसंद था।
लड़की उठी, बड़े सलीके से दूर एक दरवाजे तक गई, उसे खोला और एक तरफ खड़ी हो गई।
इन सब बातों से प्रभावित होकर गैरी ने फिर से मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन वह मुस्कान फिर से उसी तरह उस पर बेअसर साबित हुई जैसे गोल्फ की गेंद ईंट की दीवार से टकराकर वापस उछलती है।
वह उसके पास से गुजरकर एक बड़े, धूपदार कमरे में चला गया, जो शानदार ढंग से पुराने जमाने के फर्नीचर और प्रभावशाली दिखने वाली पेंटिंग्स से सजा हुआ था, जो महान कलाकारों द्वारा बनाई गई हो सकती थीं, लेकिन शायद नहीं थीं।
एक विशाल मेज पर एक छोटा, मोटा आदमी सिगार पीते हुए बैठा था, उसके गोल-मटोल हाथ मेज पर रखे कागज पर टिके थे। गैरी ने अनुमान लगाया कि उसकी उम्र लगभग छियालीस वर्ष होगी। उसका रंग सांवला था, बाल छोटे-छोटे कटे हुए काले थे, उसकी आंखें काली थीं और उसका मुंह खाने के लिए तो खुला रहता था, लेकिन मुस्कुराता नहीं था। गैरी ने सोचा कि वह या तो अर्मेनियाई होगा या मिस्र का। उसमें शक्ति का भाव था - एक खामोशी और एक भेदक निगाह। जैसे ही गैरी धीरे-धीरे मेज की ओर बढ़ा, उसकी काली आंखों ने उसे गौर से देखा। वे आंखें मानो एक्स-रे की तरह थीं, और जब तक गैरी मेज तक पहुंचा, उसे एक अजीब सी बेचैनी महसूस हुई कि यह मोटा-सा आदमी उसे उससे कहीं ज्यादा अच्छी तरह जानता है जितना वह

खुद को जानता है।
"बैठ जाइए, श्रीमान एडवर्ड्स।" लहजा थोड़ा भारी था। एक गोल-मटोल हाथ ने कुर्सी की ओर इशारा किया।
गैरी बैठ गया। उसे अब एक घंटे पहले टोनी के साथ संबंध बनाने का पछतावा हो रहा था। वह थोड़ा थका हुआ महसूस कर रहा था और उसे यह आभास हो गया था कि यह मोटा-सा आदमी नौकरी के लिए ऐसे थके-हारे आवेदकों के लिए ज़्यादा समय नहीं देगा। गैरी सीधा बैठ गया और समझदार दिखने की कोशिश करने लगा।
शालिक ने गहरी गंध वाला धुआँ अंदर खींचा और उसे अपने मुँह से ऐसे बाहर निकलने दिया जैसे किसी छोटे, लेकिन सक्रिय ज्वालामुखी से धुआँ निकल रहा हो। उसने एक कागज़ उठाया जिसे गैरी ने उसके आवेदन पत्र के रूप में पहचान लिया। उसने कुछ देर तक उसे पढ़ा, फिर फाड़कर एक छिपे हुए कूड़ेदान में डाल दिया।
"आप एक हेलीकॉप्टर पायलट हैं, मिस्टर एडवर्ड्स?" उसने अपने हाथ ब्लॉटर पर रखते हुए और गैरी की तुलना में अपनी सिगार की राख को अधिक रुचि से देखते हुए पूछा।
"यह सही है। मैंने आपका विज्ञापन देखा और मैंने सोचा..."
उस गोल-मटोल हाथ ने उठकर गैरी की बात काट दी।
"अपने बारे में तुमने जो यह बकवास लिखी है... कम से कम इससे यह तो साबित होता है कि तुम्हारे पास कल्पनाशीलता है।"
गैरी अकड़ गया।
मुझे समझ नहीं आया। आपका क्या मतलब है?
शालिक ने अपनी सिगार की राख को अपनी कोहनी के पास रखे सोने के कटोरे में झाड़ दिया।
उन्होंने कहा, "मुझे तुम्हारे झूठ मजेदार लगे।" मैंने आपकी जाँच करवाई है। आपका नाम गैरी एडवर्ड्स है, आपकी उम्र उनतीस वर्ष है और आपका जन्म अमेरिका के ओहियो में हुआ था। आपके पिता एक ठीक-ठाक चलने वाला सर्विस स्टेशन चलाते थे। जब आपकी शिक्षा पूरी हो गई, तो आपने अपने पिता के साथ काम किया और आपको मोटर कारों के बारे में जानकारी मिली। आपके और आपके पिता के बीच संबंध अच्छे नहीं थे। शायद दोनों की ही कुछ गलतियाँ थीं, लेकिन मुझे इससे कोई लेना-देना नहीं है। आपको विमान उड़ाने का मौका मिला: आपने उसे लपक लिया। मशीनों में आपकी प्रतिभा है। आपको टेक्सास के एक तेल व्यापारी के यहाँ एयर शॉफर की नौकरी मिल गई, जहाँ आपको अच्छी तनख्वाह मिलती थी। आपने पैसे बचाए। आपको वह नौकरी पसंद नहीं आई। आपकी मुलाकात एक अवैध तस्कर से हुई, जिसने आपको मेक्सिकन लोगों को अमेरिका में तस्करी करने के लिए राजी कर लिया। तनख्वाह अच्छी थी, और जब यह काम पूरा हो गया, तो आपने तस्करी के धंधे में उतरने का फैसला किया। आप टैंजियर्स गए, अपना खुद का विमान खरीदा और विभिन्न प्रतिबंधित वस्तुओं की खेप फ्रांस में पहुँचाने लगे। तस्करों की तरह आपने कुछ समय तक खूब तरक्की की। हालाँकि, तस्करों की तरह आप लालची हो गए और आपने एक गलती कर दी। आपको गिरफ्तार कर लिया गया। आपके सह-पायलट ने किसी तरह आपको बचा लिया। पुलिस से जूझते हुए उसने तुम्हारा विमान हवा में उड़ा

दिया। उसने तुम्हारा विमान बेच दिया और पैसे बैंक में जमा कर दिए ताकि तीन साल की सजा काटने के बाद जब तुम फ्रांसीसी जेल से बाहर आओ तो तुम्हें वो पैसे मिल सकें। तुम्हें फ्रांस से निर्वासित कर दिया गया और तुम यहाँ हो।" शालिक ने अपनी सिगार बुझाई और गैरी की ओर देखा। "क्या तुम कहोगे कि मेरी जानकारी सही है?"

गैरी हँस पड़ा।

"बिल्कुल सही।" वह उठ खड़ा हुआ। "ठीक है, मैंने कोशिश की। मैं आपका और समय बर्बाद नहीं करूंगा।"

शालिक ने उसे वापस अपनी कुर्सी पर बैठने का इशारा किया।

"बैठ जाइए। मुझे लगता है कि आप ही वह व्यक्ति हैं जिसकी मुझे तलाश है। क्या आप मुझे आश्वस्त कर सकते हैं कि आपके पास पायलट का लाइसेंस है और आप हेलीकॉप्टर को संभाल सकते हैं?"

"बिल्कुल," गैरी ने जवाब दिया और अपने साथ लाया हुआ एक प्लास्टिक फोल्डर निकालकर मेज पर रख दिया। फिर वह दोबारा बैठ गया।

शालिक ने फोल्डर में रखे कागजातों की जांच की। उसने कुछ समय लिया और फिर फोल्डर वापस कर दिया।

"संतोषजनक।" उन्होंने अपनी डेस्क की दराज से एक और सिगार निकाला, उसे ध्यान से देखा, फिर सोने की तराशी से उसका सिरा काट दिया। "श्री एडवर्ड्स, क्या मैं सही सोच रहा हूँ कि आप एक ऐसे काम को करने के लिए तैयार होंगे जो पूरी तरह से ईमानदार न हो, बशर्ते पैसा सही हो?"

गैरी मुस्कुराया।

"मुझे इसमें कुछ स्पष्टीकरण चाहिए। आपका मतलब क्या है... पूरी तरह ईमानदार नहीं?"

"कठिन, अनैतिक काम जिसमें पुलिस का कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन अच्छी खासी कमाई होती है।"

क्या आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं?

"मैं तीन सप्ताह के असाइनमेंट के लिए प्रति सप्ताह तीन हजार डॉलर की पेशकश कर रहा हूँ। असाइनमेंट के अंत में, आपको नौ हजार डॉलर का लाभ होगा। कुछ जोखिम हैं, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इसमें पुलिस का कोई दखल नहीं होगा।"

गैरी सीधा बैठ गया। नौ हजार डॉलर!

"उसके खतरे क्या हैं?"

"विरोध।" शालिक ने अपनी सिगार को उदासीन, छोटी-छोटी आँखों से देखा। "लेकिन जीवन तो विरोधों से ही बना है, है ना, श्री एडवर्ड्स?"

"मुझे यह पैसा कमाने के लिए क्या करना होगा?"

"आज रात आपको इसके बारे में विस्तार से बताया जाएगा। आप अकेले नहीं होंगे। जोखिम और जिम्मेदारियां साझा की जाएंगी। अभी मैं बस इतना जानना चाहता हूं कि क्या आप नौ हजार डॉलर के लिए तीन सप्ताह काम करने को तैयार हैं?"

गैरी ने जरा भी संकोच नहीं किया।
"हाँ मैं हूँ।"
Shalik nodded.
"अच्छा। तो तुम आज रात 9 बजे यहाँ आना, तब मैं तुम्हें टीम के अन्य सदस्यों से मिलवाऊँगा और ऑपरेशन के बारे में समझाऊँगा।" मोटे हाथ ने हल्के से जाने का इशारा किया।
गैरी उठ खड़ा हुआ।
"कृपया इस असाइनमेंट के बारे में किसी से बात न करें, श्री एडवर्ड्स," शालिक ने आगे कहा। "आपको इसे अत्यंत गोपनीय समझना होगा।"
"ज़रूर... मैं कुछ नहीं कहूंगा।"
गैरी कमरे से बाहर चला गया।
काउंटर पर बैठी लड़की उठी और उसके लिए दरवाजा खोला। उसने उसे देखकर मुस्कुराने की जहमत भी नहीं उठाई। उसका दिमाग कहीं और ही सोच रहा था। नौ हज़ार डॉलर! वाह!
लड़की ने उसे लिफ्ट में जाते देखा और फिर अपनी डेस्क पर लौट आई। वह कुछ पल बैठी रही और सुनती रही। फिर अंदर के कमरे से कोई आवाज़ न सुनकर, उसने धीरे से अपनी डेस्क का एक दराज खोला और एक छोटे टेप रिकॉर्डर को बंद कर दिया, जिसकी रील रिकॉर्डिंग हेड के माध्यम से टेप को आगे बढ़ा रही थी।
ठीक रात 9 बजे, गैरी को शालिक के कार्यालय में उस काले बालों वाली लड़की द्वारा ले जाया गया, जिसे अब वह उसकी डेस्क पर लगी नेमप्लेट से नताली नॉर्मन के रूप में पहचान चुका था। दो आदमी कुर्सियों पर बेचैनी से बैठे सिगरेट पी रहे थे और इंतज़ार कर रहे थे। गैरी के कुर्सी पर बैठते ही दोनों ने उसे गौर से देखा। फिर गैरी ने भी उन्हें गौर से देखा।
उसके बाईं ओर खड़ा आदमी कद में छोटा और गठीला था। वह गैरी को ऑस्कर विजेता फिल्म स्टार रॉड स्टीगर की याद दिलाता था। उसके छोटे-छोटे घुंघराले बाल सफेद थे, उसकी धुंधली धूसर आँखें धूर्त थीं। उसके पतले होंठ और चौकोर ठोड़ी उसकी क्रूरता का संकेत दे रहे थे।
दूसरा आदमी गैरी से लगभग दस साल छोटा था: लगभग गैरी की उम्र का। वह मध्यम कद का, पतला-दुबला था, धूप से उसके बाल लगभग सफेद हो गए थे और उसकी त्वचा गहरे भूरे रंग की हो गई थी। उसकी मूंछें बिखरी हुई थीं और उसने लंबे जूते पहन रखे थे। गैरी को उसकी शक्ल पहली नज़र में ही पसंद आ गई, लेकिन दूसरे आदमी की शक्ल उसे नापसंद आई।
जैसे ही वह कुर्सी पर बैठा, कमरे के दूसरे छोर पर स्थित एक दरवाजा खुला और शालिक अंदर आया।
“तो आप सब आ गए हैं,” उन्होंने अपनी मेज पर आते हुए कहा। वे बैठ गए और सिगार जलाने की रस्म अदा करते हुए बारी-बारी से हर व्यक्ति को ध्यान से देखते हुए, गहरी निगाहों से देखने लगे। “चलिए आप सबका परिचय करा देते हैं।” उन्होंने सिगार गैरी की ओर इशारा करते हुए कहा, “ये हैं श्री गैरी एडवर्ड्स। ये एक हेलीकॉप्टर पायलट और कार विशेषज्ञ हैं। तस्करी के आरोप में इन्होंने तीन साल फ्रांस की जेल में बिताए हैं।” बाकी दोनों व्यक्तियों ने गैरी को घूरकर देखा, गैरी ने भी उन्हें घूरकर देखा। फिर सिगार ने युवा व्यक्ति की ओर इशारा किया। “ये हैं श्री

कैनेडी जोन्स, जो इस बैठक में शामिल होने के लिए जोहान्सबर्ग से आए हैं," शालिक ने आगे कहा। "श्री जोन्स सफारी विशेषज्ञ हैं। जंगली जानवरों, दक्षिण अफ्रीका और अफ्रीकी जंगल में अभियान की तैयारियों के बारे में वे आपको सब कुछ बता सकते हैं। मैं यह भी बता दूं कि श्री जोन्स को प्रिटोरिया की जेल में कुछ साल बिताने का दुर्भाग्य झेलना पड़ा है।" जोन्स ने छत की ओर देखा, उनके मजाकिया चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कान थी। कुछ देर रुकने के बाद शालिक ने आगे कहा, "अंत में, ये हैं श्री लू फेनेल, जो तिजोरी तोड़ने में माहिर हैं... मुझे लगता है यही शब्द सही है। पुलिस और अंडरवर्ल्ड में उन्हें उनके इस पेशे का सरताज माना जाता है। उन्होंने भी कई साल जेल में बिताए हैं।" शालिक रुका और तीनों आदमियों की ओर देखा। "तो सज्जनों, आप सब में एक बात समान है।"

उनमें से किसी ने कुछ नहीं कहा: वे इंतजार करते रहे।

शालिक ने अपनी डेस्क की दराज खोली और उसमें से एक फोल्डर निकाला।

"परिचय समाप्त हो गया, चलिए अब काम की बात करते हैं।" उन्होंने फ़ोल्डर खोला और उसमें से एक बड़ी चमकदार तस्वीर निकाली। उन्होंने यह तस्वीर फेनेल को दी, जो तस्वीर में दिखाई गई मध्ययुगीन हीरे की अंगूठी को हैरानी भरी निगाहों से देख रही थी। उन्होंने कंधे उचकाए और तस्वीर गैरी को दे दी, जिसने उसे जोन्स को सौंप दिया।

"आप एक अंगूठी देख रहे हैं," शालिक ने कहा, "जिसे सीज़र बोर्जिया ने डिज़ाइन किया है।" उसने तीनों आदमियों की ओर देखा। "मुझे लगता है कि आप सभी सीज़र बोर्जिया को जानते हैं?"

"वो वही आदमी है जिसने लोगों को जहर दिया था, है ना?" फेनेल ने कहा।

मुझे लगता है कि यह एक सटीक वर्णन है। हाँ, कई अन्य बातों के अलावा, उसने कई लोगों को ज़हर दिया या ज़हर दिलवाया। तस्वीर में दिख रही यह अंगूठी बोर्जिया द्वारा डिज़ाइन की गई थी और 1501 में एक अज्ञात सुनार द्वारा बनाई गई थी। अंगूठी को देखकर यह विश्वास करना मुश्किल होगा कि यह एक घातक हथियार है, लेकिन यह वास्तव में एक घातक हथियार है। यह इस तरह काम करती है। हीरों के समूह के नीचे एक छोटा सा जलाशय है और इस जलाशय में एक घातक ज़हर भरा जाता था। हीरों के समूह में असाधारण रूप से तेज़ एक सूक्ष्म खोखली सुई होती थी। जब बोर्जिया किसी दुश्मन से छुटकारा पाना चाहता था, तो उसे केवल अंगूठी को इस तरह घुमाना होता था कि हीरे और सुई अंदर की ओर आ जाएँ और उसे अपने दुश्मन का हाथ पकड़कर एक छोटी सी खरोंच लगानी होती थी। दुश्मन कुछ ही घंटों में मर जाता था।

"यह अंगूठी चार सदियों से गुम थी। कुछ साल पहले एक कार दुर्घटना में अपनी पत्नी और परिवार के साथ मारे गए फ्लोरेंस के एक बैंकर के सामान में यह मिली। उनका सामान बेच दिया गया। सौभाग्य से, एक विशेषज्ञ ने अंगूठी को पहचान लिया और उसे बहुत कम कीमत पर खरीद लिया। फिर मुझे यह अंगूठी बेचने का प्रस्ताव दिया गया।" शालिक ने अपनी सिगार की राख झाड़ते हुए कहा, "मैं कई काम करता हूँ, जिनमें से एक है कलाकृतियाँ खरीदना और उन्हें धनी संग्राहकों को बेचना। मैं एक ऐसे ग्राहक को जानता था जो बोर्जिया काल की कलाकृतियों का विशेषज्ञ था। मैंने उसे यह अंगूठी बेची। छह महीने बाद, अंगूठी चोरी हो गई। मुझे इसका पता

लगाने में बहुत समय लगा। इसे एक अन्य संग्राहक के एजेंटों ने चुराया है, जिसने इन एजेंटों के माध्यम से संभवतः दुनिया की सबसे बेहतरीन कलाकृतियों का संग्रह हासिल किया है। सज्जनों, यह ऑपरेशन, जिसे मैं आप तीनों को सौंपने के लिए कह रहा हूँ, आप तीनों के लिए अंगूठी को वापस लाने का है।"

कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर फेनेल आगे झुकते हुए बोली, "तुम्हारा मतलब है कि हम इसे चुरा लेंगे?"

शालिक ने सौंफ को घृणा भरी नजरों से देखा।

उन्होंने कहा, "सरल शब्दों में कहें तो, आप ऐसा कह सकते हैं। मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि पुलिस के हस्तक्षेप का कोई सवाल ही नहीं उठता। इस संग्रहकर्ता ने मेरे ग्राहक से अंगूठी चुराई है। आप उससे ले लीजिए। वह पुलिस में शिकायत करने की स्थिति में नहीं है।"

सौंफ ने अपनी सिगरेट की राख कीमती फारसी कालीन पर गिराते हुए पूछा, "यह अंगूठी कितनी कीमती है?"

"इससे आपका कोई लेना-देना नहीं है। बेशक, यह कीमती है, लेकिन इसका बाज़ार सीमित है।"

शालिक थोड़ी देर रुके, फिर बोले, "मैं आपको उस आदमी के बारे में कुछ बातें बताता हूँ जिसके पास अब यह अंगूठी है। वह बेहद अमीर है। उसे कला के बेहतरीन खजाने हासिल करने की ज़बरदस्त ललक है। वह बिलकुल बेईमान है। उसके पास कला चोरों का एक गिरोह है जो उसके लिए काम करता है। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों से, और यहाँ तक कि वेटिकन से भी, कई कलाकृतियाँ चुराई हैं, ताकि उसका संग्रहालय, जो निःसंदेह दुनिया का सबसे बेहतरीन संग्रहालय है, भरा जा सके।"

इस चर्चा में अपना योगदान देने की भावना से गैरी ने पूछा, "और यह संग्रहालय कहाँ है?"

"बासुटोलैंड और नेटाल की सीमाओं पर... ड्रेकेन्सबर्ग पर्वतमाला में कहीं।"

केनेडी जोन्स आगे की ओर झुके।

"क्या आप मैक्स काहलेनबर्ग के बारे में बात कर रहे होंगे?" उसने तीखे स्वर में पूछा।

शालिक ने अपनी सिगार की राख झाड़ने के लिए थोड़ी देर के लिए विराम लिया।

"क्या आप उसे जानते हैं?"

"दक्षिण अफ्रीका में रहने वाला कौन नहीं जानता?"

"तो मान लीजिए कि आप इन दोनों सज्जनों को उसके बारे में जो कुछ भी जानते हैं, वह बता देते हैं।"

"क्या वही वह आदमी है जिसके पास अंगूठी है?"

Shalik nodded.

जोन्स ने एक लंबी, धीमी सांस ली। उसने अपनी ठुड्डी को रगड़ा, भौंहें चढ़ाईं और फिर एक सिगरेट जलाई। धुआं छोड़ते हुए उन्होंने कहा, "मुझे तो बस वही पता है जो सबको पता है। काहलेनबर्ग एक रहस्यमयी शख्सियत हैं, जिनके बारे में तरह-तरह की अफवाहें फैली हुई हैं। मैं इतना जरूर जानता हूं कि उनके पिता, जो प्रथम विश्व युद्ध के जर्मन शरणार्थी थे, ने जोहान्सबर्ग के ठीक बाहर सोने की सबसे बड़ी खानों में से एक खोजकर खूब दौलत कमाई। बूढ़े कार्ल

काहलेनबर्ग चतुर और समझदार थे। उन्होंने अच्छा निवेश किया और अपनी खान से सारा सोना निकाल लिया। मैंने सुना है कि उनके पास करोड़ों रुपये हो गए थे। साठ साल से अधिक उम्र में उन्होंने एक स्थानीय लड़की से शादी की। उन्होंने शादी इसलिए की क्योंकि वे चाहते थे कि उनका बेटा उनके नाम को आगे बढ़ाए। उन्हें उनका बेटा मिला: मैक्स काहलेनबर्ग। बच्चे के जन्म को लेकर एक गहरा रहस्य था। डॉक्टर और नर्स के अलावा किसी ने भी बच्चे को नहीं देखा। अफवाह थी कि वह एक अजूबा था... कुछ लोगों ने तो उसे राक्षस भी कहा। खैर, किसी ने भी उस बच्चे को कभी नहीं देखा। बूढ़े आदमी की शिकार दुर्घटना में मौत हो गई। श्रीमती काहलेनबर्ग जोहान्सबर्ग से चली गईं और ड्रेकेन्सबर्ग पर्वत श्रृंखला के बीचोंबीच एक घर बनाया। उन्होंने अपने बेटे को छिपाए रखा और खुद को चोट पहुंचाती रहीं। सभी सामाजिक संपर्कों से अलग। उनकी माँ का निधन लगभग बीस साल पहले हो गया था। मैक्स काहलेनबर्ग एकांतप्रिय हैं। कहा जाता है कि वे अपने पिता की तरह ही बुद्धिमान हैं। उन्होंने अपनी माँ द्वारा बनाए गए घर का विस्तार किया है। उनके घर के चारों ओर लगभग सौ वर्ग मील का जंगल है और उन्होंने पैदल यात्रियों, पर्यटकों और ताक-झांक करने वालों को घर से दूर रखने के लिए कई प्रशिक्षित ज़ुलू लोगों को काम पर रखा है। जोन्स रुके, फिर आगे झुककर अपनी हथेली में उंगली चुभोते हुए बोले, "मैंने जो सुना है, उसके अनुसार काहलेनबर्ग के घर के पास जाना उंगलियों से सीप खोलने की कोशिश करने जैसा होगा।"

फिर एक लंबा विराम आया, उसके बाद फेनेल ने अपनी सिगरेट बुझाई और शालिक की ओर देखा, उसकी आंखें सिकुड़ी हुई थीं।

"क्या उसकी बात सही है?"

शालिक ने अपने मोटे कंधे उचकाए।

उन्होंने कहा, "काफी हद तक सही बयान है। मैंने कभी नहीं कहा कि यह आसान काम है। आखिर, मैं अच्छी खासी रकम दे रहा हूँ। खालेनबर्ग के घर तक पहुँचना आसान नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। मेरे पास काफी जानकारी है जो आपकी मदद करेगी।"

"ठीक है," फेनेल ने थोड़ा व्यंग्य करते हुए कहा, "लेकिन मान लीजिए कि हम घर पहुँच गए... तो अंदर कैसे जाएँगे?"

"हालाँकि श्री जोन्स को काहलेनबर्ग के बारे में अच्छी जानकारी है," शालिक ने कहा। "उन्होंने यह तथ्य छिपाया है - या शायद उन्हें पता ही नहीं है - कि काहलेनबर्ग विकलांग होने के बावजूद खूबसूरत महिलाओं के शौकीन हैं।" वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए। "हर किले का एक कमजोर पहलू होता है, बस आपको उसे ढूंढना आना चाहिए। मेरे पास एक ऐसी महिला है जो आपके लिए 'ट्रोजन हॉर्स' का काम करेगी। अगर वह आपको काहलेनबर्ग के घर तक नहीं पहुंचा सकती, तो कोई और नहीं पहुंचा सकता।"

उसने अपनी डेस्क पर एक बटन दबाया।

कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर शालिक के पीछे का दरवाजा खुला और तीनों पुरुषों में से किसी ने भी इतनी सनसनीखेज और खूबसूरत महिला को पहले कभी नहीं देखा था। वह महिला धीरे-धीरे कमरे में आई और शालिक की मेज के पास रुक गई।

अध्याय दो

लगभग दस साल पहले, अपनी साधारण जीवनशैली से तंग आकर, आर्मो शालिक ने एक मिस्री अखबार में एक गुप्त विज्ञापन देकर यह सूचना दी कि वह उचित शुल्क पर किसी भी मुश्किल काम को करने के लिए तैयार हैं। उन्हें अपने विज्ञापन का केवल एक ही जवाब मिला, लेकिन वह काफी था, क्योंकि उनके ग्राहक एक अरब राजकुमार थे जो अपने प्रतिद्वंद्वी और एक अमेरिकी तेल कंपनी के बीच होने वाले भावी तेल सौदे के बारे में अंदरूनी जानकारी चाहते थे। राजकुमार के पैसे और अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए, शालिक ने वह जानकारी हासिल कर ली। इस सौदे से उन्हें 10,000 डॉलर मिले, जो कि मामूली रकम थी, लेकिन राजकुमार आभारी थे और उन्होंने यह बात सबको बता दी कि अगर आप मुश्किल में हों, अंदरूनी जानकारी चाहते हों, तो शालिक से संपर्क करें।

अगले वर्ष अपनी बचत की पूंजी से शालिक लंदन चले गए। उन्होंने कुछ बेहद धनी ग्राहकों की एक छोटी सूची तैयार की, जो लगातार उनसे सलाह लेते थे। ज़ाहिर है, पैसे की कोई कमी नहीं थी। शालिक की फीस में तेज़ी से वृद्धि हुई, लेकिन उन्होंने हमेशा अपना वादा निभाया। उनके ग्राहकों में टेक्सास के तीन तेल करोड़पति, चार अरब राजकुमार, दो बेहद धनी अमेरिकी महिलाएं, एक ग्रीक शिपिंग टाइकून और कई ब्रिटिश, फ्रांसीसी और जर्मन उद्योगपति शामिल थे। वह अक्सर कहते थे, "असीमित धन और बुद्धि से कुछ भी असंभव नहीं है।" वह अपने ग्राहक को एकटक देखते हुए रुक जाते थे। "धन आप देंगे... बुद्धि मैं दूंगा।"

आर्मो शालिक ने खूब तरक्की की। शुरुआती दिनों में उन्होंने सोचा कि क्या उन्हें अपने अधीन स्थायी कर्मचारी रखने चाहिए, लेकिन उन्होंने फैसला किया कि यह आर्थिक दृष्टि से ठीक नहीं होगा। शालिक ने एक पैसा भी फिजूलखर्ची नहीं की। विशेषज्ञों की एक टीम को वेतन पर रखने का मतलब होता कि उनमें से आधे लोग ज्यादातर समय उनके पैसे पर निर्भर रहेंगे और कुछ नहीं करेंगे। उन्होंने तय किया कि जब काम मिलेगा, तभी सही व्यक्ति को काम पर रखा जाएगा। उन्हें एक ऐसी जासूस एजेंसी मिली जो बहुत ईमानदार नहीं थी और न केवल बिना कोई अटपटा सवाल पूछे संभावित आवेदकों की सिफारिश करने को तैयार थी, बल्कि उनकी जांच-पड़ताल भी करती थी और उनके पृष्ठभूमि की पूरी जानकारी देती थी। इसी तरह उन्हें लेव फेनेल, कैनेडी जोन्स और गैरी एडवर्ड्स मिले।

उनके स्थायी कर्मचारियों की संख्या कम थी: जिनमें नताली नॉर्मन शामिल थीं, जो उनकी रिसेप्शनिस्ट और निजी सहायक के रूप में काम करती थीं, और जॉर्ज शेरबोर्न, जो उनके निजी सचिव और नौकर थे।

लेकिन शालिक को जल्द ही पता चला कि उसके काम अधिक जटिल और इसलिए अधिक लाभदायक होते जा रहे थे। उसे क्षेत्र में एक ऐसी महिला की आवश्यकता थी जो स्थायी रूप से उसकी सेवा में हो: एक ऐसी महिला जिसे उसके साथ और उसके लिए काम करने का प्रशिक्षण दिया गया हो: असाधारण प्रतिभा और असाधारण सुंदरता वाली महिला। ऐसी महिला उसके लिए

एक दर्जन पुरुष विशेषज्ञों से कहीं अधिक उपयोगी हो सकती थी। पिछले कुछ वर्षों में, उसने अपने विशेषज्ञों के साथ काम करने के लिए कई महिलाओं को नियुक्त किया था, लेकिन अक्सर वे उसे निराश कर देती थीं: या तो महत्वपूर्ण क्षण में घबरा जाती थीं या अपने साथ काम करने वाले पुरुषों से भावनात्मक रूप से जुड़ जाती थीं, और यह बात शालिक को बिल्कुल पसंद नहीं थी।

इसलिए उसने एक ऐसी महिला की तलाश शुरू की जिसे वह अपनी आदर्श महिला ऑपरेटर बनने के लिए प्रशिक्षित कर सके। उसे सुंदर, सुगठित, प्रतिभाशाली होना था और अपने काम के प्रति समर्पित होने के लिए तैयार रहना था।

शालिक ने खूब यात्रा की और दुनिया के प्रमुख शहरों का दौरा करते हुए वह लगातार अपनी मनचाही महिला की तलाश में रहता था। उसे कई संभावित उम्मीदवार मिलीं, लेकिन जब उसने उनसे संपर्क किया, तो या तो उन्होंने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया या फिर वे खूबसूरत तो थीं, लेकिन बुद्धिहीन साबित हुईं। लगभग छह महीने बाद, वह निराश होने लगा और सोचने लगा कि कहीं उसने बहुत बड़ी उम्मीदें तो नहीं रखी थीं।

फिर एक दिन उन्हें टोक्यो में रहने वाली अपनी एक अमीर और नखरीली महिला ग्राहक का पत्र मिला, जिसमें उन्होंने उनसे तेंदुए की खाल का कोट, मिंक का शॉल और शाम की पार्टी के लिए एक ब्रॉडटेल कोट खरीदने का अनुरोध किया। उन्हें ये फर कोपेनहेगन के फर व्यापारी फिन लार्सन से मंगवाने थे, जिनके पास महिला के नाप थे और वे उनकी ज़रूरतों को बखूबी समझते थे। चूंकि महिला शालिक को सालाना 21,000 डॉलर शुल्क देती थी और वह उनकी ओर से की गई सभी खरीद पर पंद्रह प्रतिशत कमीशन लेते थे, और शालिक को भी कुछ दिनों की छुट्टी की ज़रूरत थी, इसलिए उन्होंने खुशी-खुशी उनकी मदद करने का फैसला किया।

नताली नॉर्मन ने कोपेनहेगन में फिन लार्सन को फोन करके बताया कि शालिक आ रहे हैं और उनकी क्या इच्छा है। उन्हें बताया गया कि लार्सन के कुछ खास ग्राहकों के लिए ल'एंग्लटेयर होटल में दोपहर का भोजन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मॉडल उनके फर का प्रदर्शन करेंगी और ग्राहक स्वादिष्ट डेनिश भोजन का आनंद लेंगे। लार्सन को उम्मीद थी कि श्री शालिक भी इसमें शामिल होंगे।

शालिक अगले दिन होटल पहुंचा और उस निजी कमरे में गया जिसे लार्सन अपने शानदार लंच के लिए इस्तेमाल करता था। वहां लार्सन ने उसका स्वागत किया, जो एक गंजा, भारी-भरकम डेनिश व्यक्ति था। उसने शालिक का हाथ पकड़ा और उसे एक मेज तक ले गया, फिर अपने एक और ग्राहक का स्वागत करने के लिए जल्दी से चला गया।

जब शालिक अपना दोपहर का भोजन कर रहा था, तभी लड़कियां लार्सन के खूबसूरत फर दिखाने के लिए अंदर आईं।

फिर अचानक, एक लड़की शानदार तेंदुए की खाल का कोट पहने हुए अंदर आई और शालिक खाना खाते-खाते रुक गया। छह महीने की तलाश के बाद, यही उसके लिए सच्चाई का पल था। उसे यकीन था कि इस बार यही वह लड़की है जिसकी उसे तलाश थी।

औसत से अधिक कद वाली, सुनहरे बालों वाली, जो रेशमी लहरों की तरह उसके कंधों तक

लहरा रहे थे, यह लड़की - लगभग छब्बीस वर्ष की - अब तक देखी गई सबसे मोहक और कामुक सुंदरता से भरपूर स्त्री थी। उसकी हरे रंग की आँखें, कामुक उत्तेजना का वादा करने वाले उसके भरे हुए होंठ, उसकी लंबी, पतली टांगें और उसके सुडौल, आकर्षक हाथ मिलकर एक पुरुष के सपनों की आदर्श छवि प्रस्तुत करते थे।

शालिक का दोपहर के भोजन में मन नहीं लगा जब उसने उसे एक प्रशिक्षित मॉडल की तरह अकड़कर कमरे के अंत तक जाते देखा। वह मुड़ी और उसके पास से वापस चली गई। उसने तेंदुए की खाल के कोट पर मुश्किल से ही नज़र डाली। जब वह चली गई और उसकी जगह सील की खाल का कोट पहने एक दूसरी लड़की आ गई, तो शालिक ने लार्सन को इशारा किया जो उसके पास आया।

"मैं तेंदुए की खाल का कोट ले लूँगा," शालिक ने कहा। "यह श्रीमती वैन रयान के लिए है।" वह थोड़ी देर रुका, फिर ऊपर देखकर पूछा, "कोट का मॉडल बनने वाली लड़की कौन है?"

लार्सन मुस्कुराया।

"लगभग मेरे कोट जितनी ही शानदार, है ना? ये हैं गे डेसमंड... एक अमेरिकी फ्रीलांस मॉडल जो समय-समय पर यहाँ आती हैं। मैं उन्हें अपने तेंदुए की खाल के लिए इस्तेमाल करता हूँ... किसी और लड़की में तेंदुए की खाल को इतने शानदार तरीके से दिखाने का हुनर नहीं है।"

शालिक ने अपना बटुआ निकाला, अपना कार्ड निकाला और लार्सन को दे दिया।

“क्या आप कृपा करके उसे मेरा कार्ड दे देंगे?” उसने पूछा। “मुझे लगता है कि अगर उसे नौकरी की ज़रूरत हो तो मैं उसे नौकरी दे सकता हूँ। आप उसे मेरे बारे में बता दीजिएगा।” शालिक ने लार्सन की ओर देखा। “श्रीमान लार्सन, मैं हमेशा गंभीर रहता हूँ। यह पूरी तरह से व्यावसायिक मामला है। आप उस लड़की पर एहसान कर रहे हैं।”

शालिक को जानने वाले लार्सन को कोई झिझक नहीं थी।

बाद में, जब शालिक अपने सुइट में बैठकर एक जटिल कानूनी दस्तावेज पढ़ रहे थे, तभी टेलीफोन की घंटी बजी।

उसने रिसीवर उठा लिया।

"ये गे डेसमंड हैं।" उन्हें उनकी सुरीली आवाज़ बहुत पसंद आई। "आपने मुझे अपना कार्ड भेजा था।"

"फोन करने के लिए धन्यवाद, मिस डेसमंड। मेरे पास एक प्रस्ताव है जिस पर मैं आपसे चर्चा करना चाहता हूँ। क्या हम टिवोली स्थित बेले टेरेस में रात 9 बजे साथ में डिनर कर सकते हैं?"

उसने हां कहा और फोन काट दिया।

वह समय पर पहुंची जिससे शालिक खुश हुआ, और वे दोनों साथ में छत पर एक मेज पर गए जहाँ से जगमगाते पूल और उन फूलों का नजारा दिखता था जिनके लिए टिवोली प्रसिद्ध है।

"कितनी अफ़सोस की बात है कि हम पेरिस में नहीं मिले, मिस डेसमंड," शालिक ने मेनू देखते हुए कहा। "यहाँ का खाना साधारण है। पेरिस में मैं आपको आपकी सुंदरता के अनुरूप शानदार भोजन परोस सकता था।"

उसने एक साधारण नीली पोशाक पहनी हुई थी और साथ में मिंक का शॉल ओढ़ा हुआ था।

उसके कानों में हीरे चमक रहे थे और उसने अपने भूरे बालों को कंधों से पीछे की ओर झटक दिया।

उन्होंने कहा, "मैं किसी देश में मिलने वाले भोजन को खाने में विश्वास रखती हूं। जब आप कोपेनहेगन में हैं तो पेरिस में बेहतर भोजन की चाह क्यों रखें?"

शालिक को यह अच्छा लगा। उसने सिर हिलाया।

तो आप क्या लेंगे?

उसे ज़रा भी झिझक नहीं थी, और इससे शालिक भी खुश हुआ। जो महिलाएं मेनू को खाली निगाहों से देखती रहती हैं और कोई फैसला नहीं कर पातीं, वे उसे उबाऊ लगती थीं।

उसने डेनिश झींगा और वाइन सॉस में पकी हुई बत्तख की छाती का मांस चुना।

मेनू को ध्यान से देखने के बाद, शालिक ने फैसला किया कि उसका चुनाव न केवल सुरक्षित था, बल्कि सही भी था। उसने भी वही ऑर्डर किया।

वेटर के जाने के बाद शालिक ने कहा, "मिस डेसमंड, मुझे अपने काम में मदद करने के लिए एक महिला की तलाश है। मैं एक खास एजेंट हूँ जो बेहद अमीर, बिगड़े हुए लोगों, चालाक व्यापारियों और यहाँ तक कि राजकुमारों की भी देखभाल करता हूँ। मैं दावा करता हूँ कि कुछ भी असंभव नहीं है। अगर आपके पास पैसा और दिमाग है तो कुछ भी असंभव नहीं है।" वह रुका और उसे घूरने लगा। "हालाँकि, मुझे लगता है कि अगर आप जैसी कोई महिला मेरे लिए स्थायी रूप से काम करे तो मेरा काम आसान हो जाएगा। मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूँ कि यह काम बहुत मेहनत वाला होगा: कभी-कभी खतरनाक भी, लेकिन हमेशा उस देश के कानून के दायरे में होगा जहाँ मैं काम करता हूँ।" यह बयान झूठा था। हाल ही में, शालिक ने लंदन में कई अवैध मुद्रा सौदे किए थे, जिनके पकड़े जाने पर उसे जेल हो सकती थी, लेकिन शालिक का सिद्धांत था कि जब तक वह पकड़ा नहीं जाता, कोई भी सौदा कानून के दायरे में है। "वेतन अच्छा होगा। लंदन के रॉयल टावर्स होटल में आपका अपना अपार्टमेंट होगा, जिसका भुगतान मैं करूँगा। आपको यात्रा के कई अवसर मिलेंगे।" उसने अपनी काली, चमकीली आँखों से उसे देखा। और मैं आपको आश्वस्त करता हूं, मिस डेसमंड, यह पूरी तरह से व्यावसायिक साझेदारी होगी।

अब टोस्ट के टुकड़ों के साथ छोटे, गुलाबी, स्वादिष्ट झींगे परोसे गए, और थोड़ी देर के लिए सन्नाटा छा गया।

जब गेय अपने टोस्ट पर मक्खन लगा रही थी, तो उसने पूछा, "श्री शालिक, आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं इस पद के लिए उपयुक्त हूं?"

शालिक ने झींगे के टुकड़े कुतरकर खाए। उसने अफसोस के साथ टोस्ट नहीं खाया। उसका वजन चार किलो अधिक था और उसने त्याग करने का पक्का इरादा कर लिया था।

"शायद मेरी सहज प्रवृत्ति है। मुझे लगता है कि तुम ही वो महिला हो जिसकी मुझे तलाश है।"

"आप कहते हैं कि वेतन अच्छा होगा... इसका क्या मतलब है?" उसने तीन और झींगे खाए और फिर बोला, "मान लीजिए आप मुझे अपने बारे में कुछ बताइए। तब मैं आपका मूल्यांकन कर पाऊंगा।"

उसने ठंडी हॉक बियर की एक घूंट ली और अपनी हरी आँखों से उसे देखा: विचारशील, चतुर,

हिसाब-किताब करने वाली आँखें जो उसे अच्छी लगीं।
"अच्छा..." वह अचानक मुस्कुराई और उसकी मुस्कान से उसका चेहरा खिल उठा, जो उसे हंसमुख और आकर्षक बना रहा था। "जैसा कि आप देख सकते हैं, मैं खूबसूरत हूँ। मैं बुद्धिमान हूँ। आपको इसका पता चल जाएगा। मैं फ्रेंच, इटैलियन और स्पैनिश धाराप्रवाह बोलती हूँ। जर्मन में मेरा काम चल जाता है। मैं मानो घोड़ों पर ही पली-बढ़ी हूँ। मेरे पिता केंटकी में घोड़े पालते थे। मैं स्कीइंग अच्छी तरह जानती हूँ। मैं नौका चला सकती हूँ और, बेशक, किसी भी तरह की मोटरबोट। मैं रेसिंग ड्राइवर रह चुकी हूँ और कारों के बारे में मुझे सब कुछ पता है। मैं पुरुषों को समझती हूँ और उनकी इच्छाओं को जानती हूँ। सेक्स से मुझे डर नहीं लगता। मैं पुरुषों को खुश करना जानती हूँ अगर... और केवल अगर... मुझे करना पड़े। मैं विशेष प्रकार के कपड़े मॉडल करके आराम से जीवन यापन करती हूँ, लेकिन मुझे पैसा पसंद है और मैं और कमाना चाहती हूँ।"
शालिक ने अपने झींगे खत्म किए और फिर अपनी मोटी नाक पर हाथ फेरा।
"बस इतना ही?"
वह हंसी।
"क्या यह काफी नहीं है?"
"हां, मुझे लगता है। क्या आप आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल कर सकते हैं?"
उसने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
मुझे इसकी आवश्यकता क्यों होगी?
"चूंकि आप वैसे भी काफी कुशल हैं, मुझे लगता है कि आपको हथियार चलाने और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेना चाहिए। इसका इंतजाम मैं कर सकता हूँ। जब कोई महिला आप जैसी खूबसूरत हो और उसे संदिग्ध किस्म के पुरुषों से मिलना-जुलना पड़े, तो उसके लिए आत्मरक्षा की कला जानना जरूरी है।"
वे थोड़ी देर के लिए रुके, जब वेटर ने बत्तख परोसी और मार्गाक्स '59 की वाइन डाली, जिसे शालिक ने जल्दबाजी में ऑर्डर कर दिया था। कीमत बहुत ज़्यादा थी, लेकिन वाइन बेहतरीन थी।
"अब तुम्हारी बारी है," उसने कहा। उसने बत्तख को काटा और मुँह बनाया। "यह बहुत सख्त है।"
"बेशक। आप और क्या उम्मीद कर रही थीं? यह कोपेनहेगन है, पेरिस नहीं।" उसने मोमबत्तियों से रोशन मेज के उस पार उसकी ओर देखा। "अब मेरी बारी... किसलिए?"
"अब आपकी बारी है मूल्यांकन करने की। मैंने अपने बारे में सब कुछ बता दिया है। अब मेरा मूल्यांकन कीजिए।"
शालिक को उनका सीधा-सादा तरीका पसंद आया।
“अगर आप ठीक वही करने को तैयार हैं जो मैं आपसे कहूँ, मिस डेसमंड,” उसने बत्तख को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटते हुए कहा। “अगर आप हर साल ग्यारह महीने मेरी आज्ञा का पालन करने को तैयार हैं... तो शेष एक महीना आपका होगा, जिसमें आप अपनी मर्ज़ी से कुछ भी कर सकती हैं। अगर आप आत्मरक्षा का कोर्स करने को तैयार हैं, तो मैं आपको सालाना 10,000 डॉलर दूँगा और आपके द्वारा किए गए कामों से होने वाली कमाई पर एक प्रतिशत का कमीशन

लूँगा। मोटे तौर पर, इससे आपको सालाना 25,000 डॉलर मिलेंगे।"
उसने मार्गाक्स की थोड़ी सी शराब पी।
"कम से कम शराब तो अच्छी है, है ना?"
"जिस कीमत पर ये लोग इसे बेच रहे हैं, उस हिसाब से तो ऐसा ही होना चाहिए," शालिक ने चिढ़कर कहा। उसे अपना पैसा बर्बाद करना बिल्कुल पसंद नहीं था। "तुम क्या कहते हो?"
वह उसके प्रस्ताव पर विचार करते हुए अपने गिलास से खेलने लगी, फिर उसने अपना सिर हिला दिया।
"नहीं... मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं इससे दुगनी रकम में किसी बूढ़े आदमी की रखैल बन सकती हूँ। आप मुझसे ग्यारह महीने के लिए गुलाम बनकर आपके हवाले होने को कह रहे हैं, उन महीनों में मेरा अपना कोई जीवन नहीं होगा, मैं पूरी तरह से आपके इशारों पर चलूँगी।" वह हँसी। "नहीं, श्रीमान शालिक, आप जो पेशकश कर रहे हैं, उसके मुकाबले यह कोई कीमत नहीं है।"
अगर उसने इसके विपरीत कुछ कहा होता तो शालिक निराश हो जाता।
"तो... मान लीजिए आप मुझे बताइए कि आप किन शर्तों पर मेरे लिए काम करेंगे?"
उसे खुशी हुई कि उसने बिना किसी झिझक के उसे बता दिया।
"मुझे सालाना 30,000 डॉलर मिलेंगे, चाहे मैं काम करूं या न करूं, और उन सौदों में जो कुछ भी आप कमाएंगे, उसका पांच प्रतिशत हिस्सा जिसमें मेरी हिस्सेदारी होगी।"
शालिक ने धीरे-धीरे और उदास होकर अपना सिर हिलाया।
"तो मुझे खेद है, मिस डेसमंड। मुझे कहीं और देखना होगा।" उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा और उसने उसे एक मनमोहक मुस्कान दी, लेकिन उसने देखा कि उसकी आँखों में एक व्यंग्य भरी चमक थी।
"तो मुझे भी खेद है। इसलिए मुझे भी कहीं और देखना होगा।"
शालिक अब जान गया था कि यही वह स्त्री है जिसकी उसे तलाश थी और वह सौदेबाजी के लिए तैयार हो गया, लेकिन यहीं उसे अपना स्वामी मिल गया और इससे वह प्रसन्न हुआ। उसे हारना पसंद नहीं था, लेकिन उसे एहसास हुआ कि अगर वह उसे हरा सकती है, तो उसके इशारों पर जिन पुरुषों से उसे मिलना-जुलना पड़ेगा, वे उसके हाथों की कठपुतली बन जाएंगे।
भोजन समाप्त होने के बाद, और शालिक द्वारा भारी भरकम बिल चुकाने के बाद, वे एक समझौते पर पहुँचे। समझौता हुआ कि शालिक को सालाना 30,000 डॉलर का मूल वेतन मिलेगा, साथ ही उसकी कमाई का चार प्रतिशत हिस्सा, जिसमें शालिक का सहयोग भी शामिल होगा, एक स्विस बैंक में कर-मुक्त रूप से जमा किया जाएगा। शालिक ने खेदपूर्वक यह भी कहा कि इससे शालिक को उसकी कमाई का कम से कम सात प्रतिशत हिस्सा मिलेगा।
एक बार इस पर सहमति बन जाने के बाद, वह लंदन आई और शालिक द्वारा आयोजित आत्मरक्षा पाठ्यक्रम में शामिल हुई। उसके प्रशिक्षक उससे बहुत प्रसन्न थे।
उन्होंने शालिक से कहा, "यह महिला अब आत्मरक्षा करने में बेहद कुशल है। वह किसी भी आपात स्थिति का सामना कर सकती है।"

अपनी खोज से पूरी तरह संतुष्ट होकर, शालिक ने उसे रॉयल टावर्स होटल में अपने कमरे से ठीक नीचे वाली मंजिल पर एक छोटे से सुइट में ठहराया, और दो महीने के भीतर ही उसने अपनी काबिलियत साबित कर दी।

उसने दो असाइनमेंट न केवल सफलतापूर्वक पूरे किए, बल्कि इतनी कुशलता से किए कि शालिक बहुत खुश हुआ। पहला असाइनमेंट एक प्रतिद्वंद्वी कंपनी द्वारा आवश्यक रासायनिक सूत्र प्राप्त करना था। दूसरा असाइनमेंट एक बड़े शिपिंग विलय के बारे में अग्रिम जानकारी प्राप्त करना था, जिससे ग्राहक को शेयर बाजार में काफी मुनाफा हुआ: जिसका एक हिस्सा उसने शालिक को सौंप दिया। दोनों मामलों में, गे को उन दो पुरुषों के साथ शारीरिक संबंध बनाने पड़े जिन्होंने आवश्यक जानकारी प्रदान की थी। शालिक ने कोई विवरण नहीं मांगा। वह गे द्वारा दी गई जानकारी को नकदी में बदलने से बेहद खुश था।

अब तक वह उसके लिए छह महीने काम कर चुकी थी और उसने अपने मूल वेतन से कहीं अधिक कमा लिया था।

उससे प्रसन्न होकर उसने उसे स्कीइंग की छुट्टी पर भेज दिया था। उसे पूरा यकीन था कि वह अकेली नहीं गई थी, लेकिन उसकी निजी जिंदगी से उसे कोई लेना-देना नहीं था। फिर बोर्जिया गिरोह का मामला सामने आया और उसने गस्टाड को एक टेलीग्राम भेजकर उसे तुरंत वापस लौटने को कहा।

वह उपलब्ध पहले विमान से लौटी और जब वह स्विस सूरज की सुनहरी भूरी त्वचा के साथ उसके कंधों पर बिखरे भूरे बालों के साथ उसके कार्यालय में दाखिल हुई, तो शालिक ने सोचा कि वह बेहद खूबसूरत लग रही थी।

उन्होंने बोर्जिया अंगूठी के बारे में बताया और उसकी रुचि देखकर प्रसन्न हुए।

“आपको नताल पसंद आएगा,” उन्होंने कहा। “यह देश शानदार है। आपके साथ काम करने वाले तीनों लोग विशेषज्ञ हैं और आपको कोई परेशानी नहीं होगी।” उन्होंने अपनी समान रूप से जलती सिगार को घूरते हुए कहा, “मुझे लगता है कि मुझे आपको आगाह करना चाहिए कि जोखिम हैं। काहलेनबर्ग खतरनाक है।”

उसने अपने खूबसूरत कंधों को उचकाया। उसकी मुस्कान आत्मविश्वास से भरी थी।

"कई पुरुष खतरनाक होते हैं," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "कई महिलाएं भी खतरनाक होती हैं।"

जैसे ही गे डेसमंड शालिक के बगल में रुकी, तीनों आदमी खड़े हो गए। शालिक ने उनका परिचय कराया, गे ने उन्हें गौर से देखा। उसे कैनेडी जोन्स का चेहरा पसंद आया। उसने सोचा कि वह हानिरहित है, आसानी से संभाला जा सकता है और मज़ेदार भी हो सकता है। उसकी हरी आँखें फेनल पर पड़ीं। यह आदमी न केवल खतरनाक था, बल्कि इसे संभालना मुश्किल भी हो सकता था। पुरुषों के बारे में उसके अनुभव और उसकी धुंधली धूसर आँखों में दिख रहे भावों से उसे समझ आ गया कि देर-सवेर उससे आमना-सामना तो होना ही है। फिर उसकी नज़र गैरी एडवर्ड्स पर पड़ी, जो उसे प्रशंसा भरी नज़रों से देख रहा था, जो उसे अच्छी लगी। उसने सोचा कि वह ठीक-ठाक है। खैर, उनके साथ यात्रा करना थोड़ा अजीब था, लेकिन कम से कम दो को तो

संभाला जा सकता था। मोटा वाला तो ज़रूर परेशानी खड़ी करेगा।
"ये हैं मिस गे डेसमंड... हमारी ट्रोजन हॉर्स," शालिक ने कहा।
"मुझे यह बहुत पसंद है," गे ने हंसते हुए कहा। "मैं घोड़े की बजाय हेलेन बनना पसंद करूंगी।"
"बैठ जाइए, कृपया।" शालिक ने गे के लिए एक कुर्सी खींची। "मिस डेसमंड आपके साथ यात्रा करेंगी। आप मंगलवार को जोहान्सबर्ग के लिए उड़ान भरेंगी। मैंने रैंड इंटरनेशनल होटल में आपके लिए कमरे बुक कर दिए हैं। आप वहां तब तक रहेंगी जब तक मिस्टर जोन्स अभियान का आयोजन नहीं कर लेते। मैंने एक हेलीकॉप्टर भी किराए पर ले लिया है जिसका उपयोग मिस डेसमंड और मिस्टर एडवर्ड्स करेंगे।" उन्होंने अपनी सिगार की राख झाड़ी और फिर आगे बोले, "मैंने काहलेनबर्ग के ठिकाने के बारे में कुछ जानकारी जुटाई है, लेकिन यह जानकारी पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है। अंगूठी पाने की उम्मीद करने से पहले, मिस डेसमंड के लिए काहलेनबर्ग के घर में जाकर मेरे द्वारा प्राप्त जानकारी की जाँच करना आवश्यक है: यह जानकारी विभिन्न सुरक्षा उपायों और संग्रहालय के स्थान से संबंधित है। मिस डेसमंड जंगली जानवरों की पेशेवर फोटोग्राफर के रूप में पेश आएंगी। मैंने व्यवस्था की है कि उनका नाम एनिमल वर्ल्ड पत्रिका में प्रकाशित हो, जो एक प्रतिष्ठित, छोटी अमेरिकी पत्रिका है जिसके लिए मैंने पहले भी काम किया है। संभव है कि काहलेनबर्ग जाँच कर लें, और सुरक्षा का ध्यान रखना मूर्खता होगी। श्री एडवर्ड्स उनके पेशेवर पायलट होंगे। जंगली जानवरों की तस्वीरें लेने के लिए हेलीकॉप्टर सबसे उपयुक्त यंत्र है। काहलेनबर्ग के पास एक हवाई अड्डा है। आप दोनों..." यहाँ शालिक ने गे और गैरी की ओर देखते हुए कहा, "हम हवाई अड्डे पर उतरेंगे। आपकी कहानी यह होगी कि आपने घर को हवाई मार्ग से देखा और क्या आप तस्वीरें ले सकते हैं? आपको मना कर दिया जाएगा, बेशक, लेकिन मुझे यकीन है कि काहलेनबर्ग मिस डेसमंड से मिलना चाहेंगे।"
"लेकिन मान लीजिए कि वह ऐसा नहीं करता?" गैरी ने कहा।
शालिक ने उसे घूरकर देखा।
"मैंने कहा था कि मुझे पूरा यकीन है, और इसका मतलब है कि वह ऐसा करेगा। मैं शब्दों का इस्तेमाल हल्के में नहीं करता।" इस अपमान को सहते हुए शालिक आगे बोला, "मुझे नहीं पता कि संग्रहालय कहाँ है। मुझे लगता है कि यह घर में ही कहीं होगा, जो एक विशाल एक मंजिला इमारत है। चूंकि संग्रहालय में कई चोरी की गई वस्तुएं हैं, इसलिए इसे अच्छी तरह से छिपाकर रखा जाएगा और इसकी कड़ी सुरक्षा की जाएगी। लगभग आठ साल पहले, डरबन में मेरे एक एजेंट ने एक जहाज से माल उतरते हुए देखा और पाया कि काहलेनबर्ग के नाम वाले कई बक्से किनारे पर आ रहे हैं। यह जानते हुए कि मुझे काहलेनबर्ग में दिलचस्पी है, उसने जाँच की। ये बक्से स्वीडन की बाहलस्ट्रॉम कंपनी से आए थे, जिनके बारे में आप जानते ही होंगे कि वे दुनिया के सबसे अच्छे तिजोरी निर्माता और सुरक्षा विशेषज्ञ हैं।" उसने फेनेल की ओर देखा। "क्या मैं तुम्हें कुछ नया बता रहा हूँ?"
सौंफ मुस्कुराई।
"मैं बहलस्ट्रॉम के बारे में सब कुछ जानता हूँ। कई साल पहले मैंने उनके लिए काम किया था। वे अच्छे हैं।"

“जी हां, श्रीमान फेनेल,” शालिक ने कहा। “यही मुख्य कारण है कि मैं आपको काम पर रख रहा हूं।” उन्होंने फिर से अपनी सिगार की राख झाड़ी और आगे कहा, “सौभाग्य से, मेरा एजेंट समझदार था। उसने कुछ शुल्क देकर शिपिंग एजेंट से बिलों की एक प्रति प्राप्त की और मुझे भेज दी। मैं इसे अब आपको जांच के लिए दे रहा हूं। बहलस्ट्रॉम की सुरक्षा प्रणाली के आपके ज्ञान और इन बिलों के आधार पर, संभव है कि आपको काहलेनबर्ग की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में कुछ जानकारी मिल जाए।” उन्होंने फेनेल को एक प्लास्टिक का लिफाफा दिया, जिस पर उन्होंने एक नज़र डाली और फिर उसे अपनी कमर की जेब में रख लिया। “सोमवार सुबह तक मुझे अपनी राय बता दीजिए।”

"ठीक है," फेनेल ने एक मोटी टांग दूसरी के ऊपर रखते हुए कहा। "मैं तुम्हें बताऊंगी।"

शालिक ने गैरी की ओर रुख किया।

"श्री एडवर्ड्स, मेरे पास ड्रेकेन्सबर्ग पर्वतमाला और काहलेनबर्ग की संपत्ति के हवाई नक्शे हैं।" फिर एक और प्लास्टिक का लिफाफा डेस्क पर आया। "मैं आपसे यह जानना चाहता हूँ कि क्या आप काहलेनबर्ग हवाई अड्डे पर श्री जोन्स द्वारा चुने गए स्थान से हेलीकॉप्टर उतार सकते हैं। इस पर हम सोमवार को चर्चा करेंगे।"

गैरी ने सिर हिलाया और लिफाफा ले लिया।

शालिक ने अब कैनेडी जोन्स की ओर रुख किया।

अभियान की साज-सज्जा और परिवहन की ज़िम्मेदारी आपकी होगी। आप और श्री फेनेल सड़क मार्ग से जाएँगे, जबकि मिस डेसमंड और श्री एडवर्ड्स हवाई मार्ग से जाएँगे। आप अपनी इच्छानुसार खर्च कर सकते हैं, लेकिन रास्ते में आने वाली कई कठिनाइयों से बचाव के लिए आपको बीमा करवाना होगा। काहलेनबर्ग की जागीर तक का रास्ता इस मौसम में, जब बारिश की संभावना रहती है, बेहद कठिन है। लेकिन यह आपकी ज़िम्मेदारी है। आपको उन ज़ुलुओं के घेरे से भी रास्ता निकालना होगा जो मार्गों की रक्षा करते हैं। आप विशेषज्ञ हैं, इसलिए मैं आपको कोई सुझाव नहीं देना चाहता।

"मैं इसका ख्याल रखूंगा," जोन्स ने कहा।

"ठीक है, तो हमारी आखिरी बैठक सोमवार को होगी," शालिक ने कहा। "तब हम बाकी सभी बातों पर चर्चा कर लेंगे। कोई सवाल है?"

सौंफ आगे की ओर झुकी।

"कुछ पैसे मिल जाएं तो कैसा रहेगा? इस कारनामे के लिए हमें नौ हजार रुपये प्रति व्यक्ति मिल रहे हैं, लेकिन कुछ अग्रिम भुगतान मिल जाए तो कैसा रहेगा?"

शालिक ने ऐसा मुंह बनाया जो मुस्कान जैसा लग रहा था।

"मुझे आपसे यही अनुरोध मिलने की उम्मीद थी।" उन्होंने दराज से चार लिफाफे निकाले और उनमें से एक गे को देते हुए बाकी तीन अपनी मेज पर रख दिए। "प्रत्येक लिफाफे में आपको कुल 3,000 डॉलर के खाली ट्रैवलर्स चेक मिलेंगे। जब आप अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे, तो आपको शेष राशि मिल जाएगी।" उन्होंने अपनी सोने की ओमेगा घड़ी पर एक नज़र डाली। "तो हम सोमवार को सुबह 9:30 बजे यहीं मिलेंगे।"

शालिक के पीछे वाले दरवाजे से गे कमरे से बाहर निकल गई। गैरी और केन जोन्स ने उसे जाते हुए अफसोस के साथ देखा। वे दूर वाले दरवाजे की ओर बढ़ने लगे, तभी फेनेल उठ खड़ा हुआ। श्री सौंफ . . ."

सौंफ ने शालिक की ओर देखा।

"इन अन्य सज्जनों का समय बर्बाद किए बिना कुछ और बातों पर चर्चा करनी है," शालिक ने धीमी आवाज़ में कहा।

सौंफ ने कंधे उचकाए और दोबारा बैठ गई। शालिक ने बाकी दोनों को हाथ हिलाकर विदा किया। उनके चले जाने के बाद, शालिक ने एक और सिगार चुना, उसका सिरा काटा और उसे जलाया, जबकि वह सौंफ को पत्थर की तरह देखता रहा।

"श्री फेनेल, आपसे खुलकर बात करना ज़रूरी है। आपके दोनों साथी जेल की सज़ा काट चुके हैं, लेकिन आप उन्हें अपराधी नहीं कह सकते। हालांकि, आप न सिर्फ अपराधी हैं, बल्कि एक खतरनाक और शातिर अपराधी हैं। मैंने आपको इस ऑपरेशन के लिए आपकी विशेषज्ञता के कारण चुना है, लेकिन यह मत सोचिए कि मैं आपके आपराधिक इतिहास से अनजान हूं। मुझे पता है कि आप फरार हैं और इंग्लैंड से निकलने के लिए बेताब हैं। आपने अपनी सज़ा कम करवाने के लिए पांच अपराधियों को धोखा दिया और इस गिरोह के सरगना - मोरोनी नाम के एक व्यक्ति - ने आपको जान से मारने की कसम खाई है। कल रात एक कोशिश की गई थी, लेकिन नाकाम रही। दूसरी कोशिश शायद नाकाम न हो।" शालिक रुका और फेनेल को घूरने लगा, जो अब सीधा बैठा था और उसकी आंखें चमक रही थीं। "तो, श्रीमान फेनेल, मेरी बातों से आपको पता चलेगा कि मैं अपने कर्मचारियों के बारे में पूरी जानकारी रखता हूँ। अब मुझे आपके बारे में कुछ और जानकारी मिली है। हांगकांग, काहिरा और इस्तांबुल में तीन जघन्य हत्याओं के लिए आप वांछित हैं। आपकी दो शिकार महिलाएं थीं, तीसरा एक पुरुष वेश्या था। मेरे पास इन अपराधों के सबूत हैं जिन्हें इंटरपोल सहर्ष स्वीकार करेगा। क्या श्रीमान फेनेल, मेरी ये सारी बातें आपको रुचिकर लगती हैं?"

सौंफ ने अपनी जीभ से अपने होंठों को गीला किया।

"क्या आप मुझे धमकी दे रहे हैं? मुझे तो ऐसा लग रहा था कि हम साथ मिलकर काम कर रहे हैं।"

"हाँ... हम साथ काम कर रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं तुम्हें धमकी नहीं दे सकता। तुम्हें दो बातें हमेशा याद रखनी हैं।" शालिक ने अपनी सिगार फेनेल की ओर इशारा करते हुए कहा। "पहली बात यह है कि तुम गे डेसमंड को बिल्कुल अकेला छोड़ दोगे। जैसे ही वह इस कमरे में आई, तुम्हारा घिनौना दिमाग उसके बारे में सोचने लगा। तुम सोच रहे थे कि अफ़्रीकी जंगल में तुम्हें वो मौका मिलेगा जिसमें तुम स्वाभाविक रूप से पशुवत व्यवहार कर सको। इसलिए मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूँ: अगर तुमने मिस डेसमंड के साथ ऐसा कुछ करने की कोशिश की, तो मैं वादा करता हूँ कि इंटरपोल को मेरी तरफ से तुम्हारी फाइल मिल जाएगी। समझ में आया?"

सौंफ ने असहज मुस्कान दी।

"तुम्हारे पास सारे पत्ते हैं," उसने बहादुरी दिखाने की कोशिश करते हुए कहा। "तुम मुझे गलत समझ रहे हो, लेकिन ठीक है, तो वह मेरी माँ जैसी है।"

Shalik grimaced.

"अगर आप मेरी इस व्यक्तिगत टिप्पणी को माफ कर दें... तो मुझे आपकी मां के लिए दुख हो रहा है।"

सौंफ ने जोर से, भौंकते हुए ठहाका लगाया।

"आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। वह उस गिरोह की सबसे शातिर चोरों में से एक थी। अगर आपको किसी के लिए अफ़सोस करना है, तो मेरे पिताजी के लिए अफ़सोस कीजिए। जब मेरी माँ को दस साल के लिए जेल भेजा गया था, तब उन्होंने अपना गला काट लिया था।"

"मुझे आपके पारिवारिक इतिहास में कोई दिलचस्पी नहीं है," शालिक ने कड़े शब्दों में कहा। "मेरा दूसरा मुद्दा यह है। मुझे यह अंगूठी चाहिए। यह ऑपरेशन आसान नहीं होगा, लेकिन आपके अनुभव और निर्मम स्वभाव के कारण आप इसे संभाल लेंगे। हालांकि, अगर आप असफल होते हैं, तो मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि मैं आपकी फाइल इंटरपोल को क्यों न सौंप दूं... इसलिए आपको यह समझना होगा कि मैं असफलता बर्दाश्त नहीं करूंगा।"

सौंफ ने दांत दिखाते हुए गुर्राते हुए मुस्कुराया।

मैं तुम्हारे लिए वो अंगूठी ज़रूर लाऊंगा, लेकिन अगर इतना कुछ मुझ पर निर्भर करता है, तो कुछ अतिरिक्त पैसे क्यों नहीं मिल जाते?

"जब मुझे अंगूठी मिल जाएगी तब मैं इस पर विचार करूंगा। अब यहाँ से चले जाओ!"

फेनल उसे घूर रहा था, लेकिन शालिक टेलीफोन की ओर बढ़ रहा था। जैसे ही उसने नंबर डायल करना शुरू किया, फेनल उठकर अंदर के कमरे में चला गया जहाँ नताली नॉर्मन टाइप कर रही थी। उसने उसकी तरफ नहीं देखा, बल्कि गलियारे से होते हुए लिफ्ट की ओर बढ़ गया।

जब वह चला गया, और जब उसे यकीन हो गया कि वह शालिक को टेलीफोन पर बात करते हुए सुन सकती है, तो उसने छिपे हुए टेप रिकॉर्डर को बंद कर दिया और रील को हटा दिया।

गैरी ने खुद को एक टेलीफोन बूथ में बंद कर लिया और टोनी को फोन किया, जिसने तुरंत जवाब दिया।

"हम जश्न मना रहे हैं, चिकन," उसने कहा। "मुझे भूख लगी है। ठीक एक घंटे बाद कार्लटन टावर्स के रिब रूम में मुझसे मिलो," और उसने उसकी खुशी की चीख को रोकते हुए फोन काट दिया।

उसे पता था कि उसे टोनी को तैयार होने के लिए कम से कम एक घंटा देना होगा। टोनी बड़ी सुस्त और धीरे-धीरे कपड़े पहनती थी। जब तक वह रिब रूम पहुँचा, तब तक वह रॉयल टावर्स होटल के बार में चार वोदका मार्टिनी पीकर नशे में चूर हो चुका था।

केन जोन्स उसे यह कहकर छोड़कर चला गया कि उसकी एक गर्लफ्रेंड के साथ डेट है। वे होटल की भीड़भाड़ वाली लॉबी में रुके और जोन्स ने पूछा, "इस सब के बारे में तुम्हारा क्या विचार है?"

"ये एक नौकरी है और पैसा अच्छा है," गैरी ने जवाब दिया। "हम दोनों की आपस में अच्छी बनेगी। मुझे ऐसा लगता है। ये सौंफ है..."

जोन्स मुस्कुराया।
"तुम्हें किस बात की चिंता है? तुम्हारे पास गॉर्जियस और एक चॉपर है। मेरे पास तो फेनल है।"
"अच्छा, उस पर नज़र रखो।"

"ज़रूर... अलविदा, सोमवार को मिलते हैं। बिस्तर पर खूब मस्ती करो," और जोन्स उस ठंडी, गीली रात में चला गया।
बेहद खूबसूरत दिख रही टोनी, रिब रूम में ठीक उसी समय पहुंची जब गैरी का धैर्य खत्म हो रहा था।
"मुझे बहुत भूख लगी है," उसने शिकायत की। "तुम देर से आए हो!"
"मुझे पता है, प्यारे, लेकिन मैं खुद को रोक नहीं सकती।" उसने अपनी लंबी पलकें झपकाते हुए उससे पूछा, "मुझे पसंद करते हो?"
लेकिन अब जब गैरी गे डेसमंड से मिल चुका था, तो टोनी व्हाइट अचानक थोड़ी कम उम्र की, कुछ ज्यादा ही कोशिश करती हुई और कम रोमांचक लगने लगी।
"तुम कमाल हो।" चार मार्टिनी ने उसकी आवाज़ में आत्मविश्वास भर दिया।
वे रेस्तरां में दाखिल हुए। बैठते ही टोनी ने पूछा, "तो तुम्हें नौकरी मिल गई?"
"क्या आपको लगता है कि अगर मैंने ऐसा नहीं किया होता तो हम यहां होते?"
"पहले ऑर्डर कर दो, फिर तुम बताना, ठीक है?"
"हूँ मत कहो... ऐसा तो सिर्फ अमेरिकी व्यापारी ही कहते हैं।" टोनी खिलखिलाकर हंस पड़ी।
हे भगवान! मुझे भी बहुत भूख लगी है! चलो जल्दी से ऑर्डर करते हैं।
होटल का मैनेजर आया। गैरी ने एक दर्जन ऑयस्टर (एक प्रकार का मीठा व्यंजन) और प्रत्येक के साथ आधी बोतल शैब्लिस वाइन मंगवाई, उसके बाद स्कॉच बीफ़, छिलके सहित बेक्ड आलू और 1961 की बैटेले वाइन की एक बोतल मंगवाई। मिठाई के लिए लेमन शर्बत तय किया गया।
"हम्मम्म!" टोनी ने धीरे से कहा। "यह नौकरी तो बहुत बढ़िया होगी। तुम्हें पता है कि इसमें बहुत सारा पैसा खर्च होगा?"
"तो क्या हुआ? मैं तो बहुत अमीर हूँ।" मेज की आड़ में गैरी ने अपना हाथ टोनी की मिनी स्कर्ट के अंदर डाला, लेकिन टोनी ने अपने पैर कसकर पकड़ लिए।
"श्री एडवर्ड्स! मुझे आप पर आश्चर्य हो रहा है!" उसने कहा।
गैरी ने अपना हाथ छुड़ा लिया।
"मैं खुद को लगातार आश्चर्यचकित कर रहा हूँ, मिस व्हाइट।"
सीपियाँ आ गईं।
"अच्छा, बताओ... काम क्या है?" टोनी ने एक मोटे से सीप को उसके खोल से निकालते हुए पूछा। "हे भगवान! मुझे सीप बहुत पसंद हैं!"
"लालची मत बनो," गैरी ने एक सीप को अपने मुंह में डालते हुए कहा। "एक जवान और आकर्षक लड़की के लिए लालची दिखना कभी शोभा नहीं देता।"

"चुप रहो! मुझे नौकरी के बारे में बताओ।"
"खैर, ये तो मज़ेदार बात है। मैं नेटाल जाता हूँ, और जैसा कि आपकी भूगोल की जानकारी मेरी तरह ही कमज़ोर है, नेटाल दक्षिण अफ्रीका में कहीं है। मैं एक अमेरिकी फोटोग्राफर को हेलीकॉप्टर में बिठाकर ले जाता हूँ ताकि वो जंगली जानवरों की तस्वीरें ले सके। ये तीन हफ्ते का असाइनमेंट है और पैसे भी ठीक-ठाक मिलते हैं।"
टोनी के मुंह के सामने सीप लटक रही थी। उसने गैरी की ओर ध्यान से देखा, जिसने उसकी आंखों से नज़रें चुरा लीं।
"वह? मतलब, आप एक महिला को तीन सप्ताह तक जंगलों में घुमाने ले जा रहे हैं?"
"बस इतना ही," गैरी ने लापरवाही से कहा। "अब घबराओ मत। मैं उससे मिल चुका हूँ। वह लगभग पैंतालीस साल की है, गर्भवती लग रही है, और ऐसी है जो खाना खाने के तुरंत बाद पीठ थपथपाती है और अपने दाँत साफ करती है।"
टोनी उसे घूरती रही।
"लेकिन यह तो बहुत भयानक लगता है।"
"है ना? फिर भी पैसा अच्छा है और आखिरकार वह दाढ़ी और लकड़ी का पैर भी रख सकती थी, है ना?"
टोनी ने सिर हिलाया और एक और सीप पर टूट पड़ा।
"हां, मुझे लगता है ऐसा ही है।"
वेटर द्वारा मलबा हटाने के दौरान काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा और गोमांस परोसे जाने के दौरान उससे भी अधिक देर तक सन्नाटा रहा।

गैरी ने उसके चेहरे पर एक नज़र डाली और फिर मुंह बना लिया। धिक्कार है! उसने सोचा, उसे पता चल गया है कि मैं झूठ बोल रहा हूँ। अब मैं क्या करूँ?
उन्होंने नरमी से कहा, "टोनी, मेरी प्यारी, क्या तुम्हारे मन में कुछ चल रहा है?"
"क्या मुझे खाना चाहिए था?" उसने उसकी तरफ नहीं देखा, बल्कि अपने मांस पर ध्यान केंद्रित किया। "यहाँ दुनिया का सबसे बेहतरीन मांस मिलता है।"
"मैं यह नहीं कहूंगा कि पूरी दुनिया में। मुझे हांगकांग याद है..."
"हांगकांग को छोड़ो। कृपया मुझे बताओ कि जंगल में एक गर्भवती महिला को ले जाने के लिए तुम्हें कितना भुगतान किया जा रहा है।"
"मैंने यह नहीं कहा कि वह गर्भवती है, मैंने कहा कि वह गर्भवती लग रही है। दोनों बातें बिल्कुल एक जैसी नहीं हैं।"
"कितना?"
"तीन हजार डॉलर," गैरी ने झूठ बोला।
"वाह, यह तो बहुत अच्छी बात है। तो आप तीन सप्ताह के लिए बाहर रहेंगे?"
"हाँ।"
टोनी खाना खाती रही। उसकी आँखों में एक विस्मयकारी भाव था जो गैरी को परेशान करने

लगा।
उन्होंने कहा, "मैंने सुना है कि नेटल काफी दिलचस्प जगह है। यह एक शानदार यात्रा हो सकती है।"
"क्या हम अपने डिनर का आनंद लेने की कोशिश करें, गैरी? मैं पहली बार रिब रूम में आया हूँ।"
"मुझे लगा कि हम इसका आनंद ले रहे थे। क्या तुम नाटक कर रहे हो?"
उसकी लंबी पलकें उसकी ओर झपकीं, फिर उसने अपना भुना हुआ आलू खाना शुरू कर दिया।
"कृपया हमें किसी और चीज का आनंद लेने दें, भले ही हम एक-दूसरे का आनंद न ले सकें।"
इससे उसका खाना खराब हो गया। अधीर होकर उसने अपनी प्लेट एक तरफ धकेल दी और एक सिगरेट जलाई। टोनी धीरे-धीरे बीफ़ खा रही थी, जाहिर तौर पर उसे बीफ़ का स्वाद बहुत पसंद आ रहा था। जब तक उसने खाना खत्म नहीं किया, तब तक वे चुप रहे, फिर जब वेटर ने प्लेटें हटा दीं, तो गैरी ने कहा, "टोनी, अचानक तुम्हें क्या हो गया है? यह तो जश्न का दिन होना चाहिए था।"
मुझे शर्बत बहुत पसंद है। महारानी विक्टोरिया अपने उन सभी मेहमानों के गले में शर्बत ठूंस देती थीं, जिनका पेट भोजन खत्म होने के बाद आधा भर चुका होता था। शर्बत की वजह से वे और भी ज्यादा खा पाते थे।
"मुझे नहीं पता था कि तुम इतनी पढ़ी-लिखी हो, प्रिय। मैंने पूछा था कि तुम्हें क्या तकलीफ हो रही है।"
लेमन सोरबेट आ गया। गैरी ने गुस्से में आकर अपनी सिगरेट को बर्फ में मसल दिया।
"क्या आपको ऐसा ही लगता है, मिस्टर ऑक्सफैम?" टोनी ने अपने खूबसूरत मुंह में बर्फ डालते हुए पूछा।
"देखो टोनी, मुझे नहीं पता तुम्हें क्या हो गया है, लेकिन यह बहुत उबाऊ हो गया है।"
"क्या सच में?" उसने चम्मच नीचे रख दिया। "गैरी, प्यारे, मैं हमेशा खुद से यही सवाल करती रहती हूँ कि आखिर मुझे ऐसा प्रेमी क्यों मिल गया जो मुझसे झूठ बोलता है। अब तो मुझे इससे ऊब होने लगी है।"
वे एक दूसरे को घूरते रहे।
"जो महिलाएं मेरे झूठ को पहचान लेती हैं, वे मुझे भी बोर करती हैं," गैरी ने धीमी आवाज़ में कहा।
"ये रहा।" टोनी ने बेबसी से अपने हाथ ऊपर उठा लिए। "धिक्कार है तुम पर, मैं तुमसे प्यार करती हूँ। चलो यहाँ से निकलकर घर चलते हैं और सेक्स करते हैं।"
उसने शालिक द्वारा दिए गए 50 डॉलर के ट्रैवलर्स चेक में से एक से बिना हिचकिचाए बिल का भुगतान कर दिया।
टैक्सी में टोनी उससे दूर बैठी थी और उसने अपने पैर ऊपर उठने वाली सीट पर रख दिए थे।
"ये फोटोग्राफर... कमाल की है ना?" उसने पूछा। "प्यारे गैरी, मुझसे झूठ मत बोलो... सच बताओ।"

उसने सड़क की रोशनी और फुटपाथ पर गिरती बारिश को देखा और आह भरी। "ठीक है... हाँ... वह अद्भुत है।"
टोनी का छोटा, सुंदर चेहरा दुख से सिकुड़ गया।
"क्या तुम वापस आओगे, गैरी?"
"अब देखो, टोनी..."
मैं तुमसे पूछ रहा हूँ... क्या तुम मेरे पास वापस आओगे?
वह हिचकिचाया, उसके दिमाग में अब उस भूरे बालों वाली महिला का ख्याल छा गया था।
"मुझें नहीं पता।"
"सच बोलने के लिए धन्यवाद।" वह उसके करीब आई और उसकी बाहों में समा गई।
फेनेल ने टैक्सी ड्राइवर से कहा कि उसे हॉर्नसे रोड के आखिरी छोर तक ले जाए जहाँ जेसी का जर्जर सा फ्लैट था। जैसे ही टैक्सी जेसी की इमारत के पास से गुजरी, फेनेल ने बारिश से भीगी खिड़की से झाँका, मानो किसी खतरे की आशंका कर रहा हो, लेकिन उसे कुछ भी ऐसा नहीं दिखा जिससे उसे चिंता हो। लंबी सड़क के अंत में पहुँचकर उसने टैक्सी का किराया चुकाया और वापस पैदल चलने लगा, छिपते हुए, उसकी आँखें खतरे के प्रति सतर्क थीं।
वह इमारत के प्रवेश द्वार पर पहुंचा, अंदर कदम रखा और इमारत की ऊपरी मंजिल तक जाने वाली खड़ी सीढ़ियों को देखा, जो एक पीले बल्ब की रोशनी से जगमगा रही थीं।
उसकी अंतरात्मा ने उसे आगाह किया कि वह खतरे में पड़ सकता है। वह हिचकिचाया, फिर चुपचाप बदबूदार लॉबी में घुसकर सीढ़ियों के पीछे बने टेलीफोन बूथ में चला गया। उसने जेसी का नंबर डायल किया। कुछ मिनट तक लगातार बजती घंटी की आवाज़ सुनता रहा, फिर उसने फोन काट दिया। जेसी का इस समय इतनी ठंडी बारिश में बाहर होना असंभव था... रात के 10 बजे से ज़्यादा हो चुके थे। जेसी सुबह जल्दी उठता था और जल्दी सो जाता था। फेनेल हिचकिचाया। उसका सामान, जो उसे नेटल यात्रा के लिए चाहिए था, ऊपर था। उसे उसे लाना ही था। वह जेसी के अटारी की छत की कड़ियों में सुरक्षित रूप से छिपा हुआ था। अगर वे उसे ढूंढते, तो उसे ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ती। उसने जेसी को यह नहीं बताया था कि उसने उसे कहाँ छिपाया है, इसलिए अगर वे जेसी पर दबाव डालते, तो भी उन्हें सफलता नहीं मिलती।
अचानक उसके मन में एक विचार आया और वह मुस्कुरा उठा। उसने रिसीवर उठाया और 999 डायल किया। पुलिस की आवाज़ सुनकर उसने कहा, "होम्सी रोड के 332 नंबर फ्लैट में बहुत बड़ी मुसीबत है... ऊपर वाले फ्लैट में... हत्या का मामला हो सकता है," और उसने फोन काट दिया।
फिर वह सावधानी से बूथ से बाहर निकला, सुना, और फिर अंधेरे और बारिश में चला गया। छाया में रहते हुए, उसने सड़क पार की और एक अंधेरी गली के प्रवेश द्वार पर इंतजार करने के लिए खड़ा हो गया।
उसे ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा।
रात के अंधेरे में दो पुलिस कारें तेजी से आईं, इमारत के बाहर रुकीं और चार पुलिसकर्मी सीढ़ियों

से ऊपर दौड़ पड़े।
फेनेल ने जेसी की अंधेरी खिड़कियों की ओर देखा। कुछ क्षण बाद एक रोशनी चमकी। वह गली की नम दीवार से टेक लगाकर खड़ा रहा, कड़ाके की ठंड में उसे हल्की सी कंपकंपी हो रही थी। लगभग बीस मिनट बाद, तीन पुलिसकर्मी बाहर आए और दो हट्टे-कट्टे आदमियों को पुलिस की गाड़ियों में धकेल दिया। दोनों आदमियों को हथकड़ी पहनाई गई। वे चले गए। अब वहाँ सिर्फ एक पुलिसकर्मी बचा था।
जेसी को क्या हुआ था? फेनेल सोचने लगा। खैर, अब और इंतज़ार नहीं किया जा सकता था। उसे अपना सामान लेना था। उसने अपनी जेब से रुमाल निकाला और उसे अपने चेहरे पर बांधकर मुखौटा बना लिया, फिर सड़क पार करके इमारत में दाखिल हुआ और चुपचाप सीढ़ियों से ऊपर भागा। जेसी के कमरे में पहुँचकर वह रुका और ध्यान से सुनने लगा। जेसी का सामने का दरवाज़ा खुला था। उसे कमरे में पुलिसवाले के इधर-उधर घूमने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। फेनल एक भूत की तरह दबे पांव दरवाजे तक गई और अंदर झांका। दूर की दीवार खून से सनी हुई थी। उसकी पीठ उसकी तरफ थी, पुलिसकर्मी जेसी के शव के पास घुटनों के बल बैठा था।
फेनल का चेहरा बिगड़ गया। तो जेसी, बेचारा मूर्ख, कट गया था। उसने ज़रा भी संकोच नहीं किया। तेज़ी से हरकत करते हुए, वह पुलिसवाले पर टूट पड़ा, इससे पहले कि उसे पता चलता कि उस पर हमला हो रहा है। उंगलियों को आपस में फंसाकर, फेनल ने एक ही झटके में पुलिसवाले की झुकी हुई गर्दन पर ज़ोरदार वार किया। पुलिसवाला जेसी के खून से लथपथ शरीर पर गिर पड़ा।
फेनल झट से उस छोटे, बदबूदार बेडरूम में घुसा और अटारी की ओर जाने वाली सीढ़ी पर चढ़ गया। कुछ ही पलों में उसने अपने सामान से भरा बैग ले लिया, फिर सीढ़ी से नीचे उतरकर लैंडिंग पर आ गया। वह रुककर सुनने लगा, फिर तीन-तीन सीढ़ियाँ एक साथ उतरकर भूतल पर गया। हाँफते हुए वह मुख्य द्वार पर पहुँचा, जहाँ दूर से आती पुलिस सायरन की आवाज़ सुनकर वह फिर रुक गया। वह बारिश में बाहर निकला, सड़क पार की और गली की दीवार से सटकर खड़ा हो गया, तभी एक एम्बुलेंस और दो पुलिस कारें गरजती हुई वहाँ आकर रुक गईं।
फेनल ने हल्की सी आवाज़ निकाली... उसने सोचा, सही समय पर आ गया, फिर वह गलियों से होते हुए मुख्य सड़क पर पहुँच गया। वहाँ उसे एक टैक्सी दिखाई दी और उसने हाथ हिलाया। टैक्सी रुकी और उसने ड्राइवर को रॉयल टावर्स होटल ले जाने को कहा।
वह शालिक के सुइट के बाहर पहुंचा और दरवाजे पर दस्तक दी। कुछ देर बाद दरवाजा खुला। जॉर्ज शेरबोर्न, एक तेजतर्रार बुजुर्ग व्यक्ति जो शालिक के गोपनीय सचिव और नौकर के रूप में काम करता था, ने फेनेल को हैरानी और नापसंदगी भरी नजरों से देखा। वह फेनेल के बारे में सब कुछ जानता था और कुछ देर हिचकिचाने के बाद, एक तरफ हट गया और उसे अंदर आने दिया।
उन्होंने कहा, "श्री शालिक सप्ताहांत के लिए बाहर गए हैं। क्या बात है?"
"मुझे जल्द से जल्द इस देश से निकलना होगा," फेनेल ने पसीने से तर चेहरे को हाथ के पिछले हिस्से से पोंछते हुए कहा। "मैं बहुत बड़ी मुसीबत में हूँ। मेरे पीछे पड़े बदमाशों ने मेरे दोस्त को ढूंढ लिया और उसे बुरी तरह घायल कर दिया। पुलिस अभी वहाँ है। उन्हें मेरे उंगलियों के निशान

ढूंढने में ज़्यादा समय नहीं लगेगा, और जब उन्हें मिल जाएंगे, तो मैं फँस जाऊंगा।"
शेरबोर्न कभी घबराते नहीं थे। वे किसी भी आपात स्थिति को उतनी ही शांति से संभाल लेते थे, जैसे कोई बिशप चाय पार्टी की अध्यक्षता कर रहा हो। वे जानते थे कि फेनेल के बिना बोर्जिया गिरोह का ऑपरेशन सफल नहीं हो सकता। उन्होंने फेनेल को रुकने को कहा और अंदर के कमरे में चले गए, दरवाजा बंद कर लिया। आधे घंटे बाद वे वापस लौटे।
“आपको लिड ले जाने के लिए नीचे एक कार इंतज़ार कर रही है,” उसने कहा। “आप एयर टैक्सी से ले टूकेट जाएँगे। ले टूकेट में एक और कार होगी जो आपको पेरिस के नॉर्मंडी होटल ले जाएगी, जहाँ आप जोहान्सबर्ग की फ्लाइट छूटने तक ठहरेंगे। आपका टिकट ओरली में आपका इंतज़ार कर रहा होगा।” शेरबोर्न की गोल-गोल आँखों ने सौंफ को भावहीनता से देखा। “क्या आप समझते हैं कि इन सबका खर्च आपकी फीस में से काट लिया जाएगा?”
"ऐसा कौन कहता है, मोटे?" सौंफ गुर्राई।
शेरबोर्न ने उसे तिरस्कार भरी नजरों से देखा।
"बेशर्मी मत बरतो। श्री शालिक इस घटना से बहुत नाराज़ होंगे। अब यहाँ से चले जाओ।" उन्होंने सौंफ को एक कागज़ का टुकड़ा दिया। "सभी ज़रूरी जानकारियाँ यहाँ हैं। क्या तुम्हारे पास पासपोर्ट है?"
"अरे, दफ़ा हो जाओ!" फेनल ने चिढ़कर कहा और अखबार छीनकर लिफ्ट की ओर दौड़ पड़ी।
पांच मिनट बाद, किराए की जगुआर में बैठे हुए, उन्हें तेजी से लिड ले जाया जा रहा था।

अध्याय तीन

गे, गैरी, जोन्स और फेनेल की बैठक समाप्त होने के दस मिनट बाद, शालिक अपने हाथ में ओवरकोट और सप्ताहांत का सामान लिए नताली के कार्यालय में आया। नताली ने अपना काम रोक दिया और ऊपर देखा।

शालिक के लिए, नताली नॉर्मन उनके जीवन का एक अभिन्न अंग थीं: उपयोगी, बेहद कुशल: एक समर्पित, शांत स्वभाव वाली महिला जो तीन साल से उनके साथ थी। उन्होंने एक एजेंसी द्वारा प्रस्तुत उच्च योग्यता प्राप्त महिलाओं की संक्षिप्त सूची में से उन्हें अपनी निजी सहायक के रूप में चुना था।

नताली नॉर्मन की उम्र अड़तीस वर्ष थी। वह धाराप्रवाह फ्रेंच और जर्मन बोलती थी, और उसके पास अर्थशास्त्र में एक उत्कृष्ट डिग्री थी। शालिक के कार्यालय के बाहर उसकी कोई स्पष्ट रुचि नहीं थी, इसलिए शालिक के लिए वह एक ऐसी मशीन थी जो कुशलतापूर्वक काम करती थी और उसके लिए अपरिहार्य थी।

शालिक को कामुक, खूबसूरत महिलाएं पसंद थीं। उसके लिए, साधारण दिखने वाली, पीली रंगत वाली नताली नॉर्मन महज एक रोबोट थी। जब वह उससे बात करता, तो शायद ही कभी उसकी ओर देखता।

“मैं सप्ताहांत में बाहर रहूंगा, मिस नॉर्मन,” उन्होंने उनकी मेज पर रुकते हुए कहा। “मैं आपसे कल एक घंटे के लिए डाक देखने आने का अनुरोध करूंगा, फिर आप सप्ताहांत की छुट्टी ले लें। सोमवार सुबह 9 बजे मेरी एक बैठक है,” और वे चले गए।

न तो कोई नजर आई, न कोई मुस्कान आई और न ही "शुभ सप्ताह" कहा गया।

अगली सुबह, वह अपने तय समय पर पहुंची, डाक का काम निपटाया और अपनी डेस्क साफ करने लगी थी कि तभी जॉर्ज शेरबोर्न अंदर आ गया।

वह शेरबोर्न से उतनी ही नफरत करती थी जितनी शेरबोर्न उससे। उसकी नज़र में वह एक चाटुकार, कामुक, मोटा और घिनौना बूढ़ा आदमी था। जिस दिन उसने शालिक के लिए काम करना शुरू किया, शेरबोर्न, जिसका मोटा चेहरा लाल हो गया था, ने कानूनी दस्तावेजों से भरे एक बड़े लिफाफे को सील करते समय उसके कसे हुए नितंबों पर हाथ फेर दिया। उसका स्पर्श उसे घोर अचंभित कर गया। वह तुरंत घूमी और लिफाफे के किनारे से उसके मोटे चेहरे पर वार किया, जिससे उसकी नाक से खून बहने लगा।

तब से वे एक दूसरे से नफरत करने लगे, लेकिन साथ मिलकर काम करते रहे, दोनों ने ही शालिक की कुशलतापूर्वक सेवा की।

"क्या तुम्हारा काम खत्म हो गया?" शेरबोर्न ने अकड़कर पूछा। "अगर हो गया है, तो चले जाओ। मैं यहीं रुकूंगा।"

"मैं कुछ मिनटों में जा रही हूँ," उसने बिना उसकी ओर देखे जवाब दिया।

शेरबोर्न ने सिर हिलाया, उसे तिरस्कार भरी नजरों से देखा और शालिक के कार्यालय में लौट

गया।
नताली कुछ देर तक सुनती रही, फिर जब उसने शेरबोर्न को नंबर डायल करते सुना, तो उसने दराज से एक बड़ा प्लास्टिक का शॉपिंग बैग निकाला। दूसरे दराज से उसने छोटा सा टेप रिकॉर्डर और टेप की तीन रीलें निकालीं। उसने जल्दी से इन्हें शॉपिंग बैग में डाला और ज़िप बंद कर दी। उसे शेरबोर्न की टेलीफोन पर बात सुनाई दे रही थी। वह चुपचाप दरवाजे के पास गई और सुनने लगी।
"मैं यहाँ बिल्कुल अकेली हूँ, जान," शेरबोर्न कह रही थी। "हाँ... पूरे सप्ताहांत के लिए। अगर तुम आ जाओ तो? हम खूब मजे कर सकते हैं।"
नताली ने घृणा से मुंह बनाया और वहां से हट गई। उसने अपना कोट पहना, सिर पर काला स्कार्फ बांधा और शॉपिंग बैग लेकर लिफ्ट की ओर बढ़ी और कॉल बटन दबा दिया।
जब वह इंतजार कर रही थी, तभी शेरबोर्न दरवाजे पर दिखाई दिया।
"क्या तुम जा रहे हो?"
जब उसने देखा कि वह उत्सुकता से शॉपिंग बैग को देख रहा है, तो वह उदास निगाहों से उसे घूरती रही।
"क्या तुम सारे रहस्य अपने साथ ले जा रहे हो?"
"हाँ।"
लिफ्ट के दरवाजे खुले और वह अंदर चली गई। दरवाजे बंद होते ही शेरबोर्न ने उस पर तिरस्कार भरी मुस्कान बिखेरी।
नताली टैक्सी लेकर केंसिंग्टन के चर्च स्ट्रीट स्थित अपने दो कमरों वाले फ्लैट में वापस लौटी। पिछली रात उसे बहुत कम नींद आई थी, करवटें बदलती रही, यह तय करने की कोशिश करती रही कि शालिक को धोखा दे या नहीं। अब भी जब उसने सामने का दरवाजा खोला और अपने छोटे लेकिन सुंदर बैठक कक्ष में प्रवेश किया, जिसे उसने बड़ी सावधानी से सजाया था, तब भी उसने अपना मन नहीं बनाया था।
उसने शॉपिंग बैग नीचे रखा, अपना सिर का स्कार्फ और कोट उतारा और फिर एक कुर्सी पर बैठ गई। वह कुछ मिनटों तक वहीं बैठी रही, यह जानते हुए कि उसे यह करना ही है और खुद से घृणा करते हुए। उसने अपनी घड़ी देखी। समय 11:10 बज रहा था। इस बात की संभावना हमेशा बनी रहती थी कि बर्नट इस शनिवार की सुबह बैंक में न हो। अगर वह नहीं होता, तो यह उसके लिए एक संकेत होता कि वह जो करने की योजना बना रही थी, उसे न करे। एक पल के लिए वह हिचकिचाई, फिर टेलीफोन की ओर बढ़ी और एक नंबर डायल किया।
घंटी की आवाज सुनते हुए वह कुर्सी के आर्मरेस्ट पर बैठ गई।
एक अज्ञात आवाज ने कहा, "यह नेशनल बैंक ऑफ नेटल है।"
"क्या मैं श्री चार्ल्स बर्नेट से बात कर सकता हूँ?"
"कौन फोन कर रहा है?"
"मिस नॉर्मन... श्री बर्नेट मुझे जानते हैं।"
"एक पल।"

कुछ देर की देरी के बाद, फोन पर एक मधुर, सुरीली बैरिटोन आवाज सुनाई दी।
"मिस नॉर्मन? बहुत खुशी हुई... आप कैसी हैं?"
वह कांप उठी, हिचकिचाई, फिर खुद को मजबूर करके बोली, "मैं आपसे मिलना चाहती हूँ, मिस्टर बर्नेट... यह बहुत जरूरी है।"
"बेशक। अगर आप तुरंत आ सकें... मैं एक घंटे में गांव के लिए निकल रहा हूं।"
"नहीं!" अब वह खुद से घृणा के उन्माद में डूब चुकी थी। "आधे घंटे में... यहीं... मेरे फ्लैट पर! 35ए चर्च स्ट्रीट, चौथी मंजिल। मैंने कहा था कि यह बहुत ज़रूरी है!"
कुछ देर की खामोशी के बाद, भारी और दमदार आवाज में, थोड़ा हैरान होकर, कहा गया, "मुझे खेद है कि यह सुविधाजनक नहीं है, मिस।"
नॉर्मन।"
"यहाँ! आधे घंटे में!" नताली चीखी, उसकी आवाज तीखी हो गई और उसने रिसीवर पटक दिया। वह कुर्सी की सीट पर बैठ गई और अपना सिर तकिये पर टिका दिया। उसका शरीर कांप उठा और वह फूट-फूट कर रोने लगी। कुछ मिनटों तक उसने खुद को रोने का आनंद लेने दिया। आखिरकार उसके गर्म आंसू थम गए। कांपते हुए वह बाथरूम में गई और अपना चेहरा धोया, फिर कुछ मिनट अपना मेकअप ठीक करने में बिताए।
वह बैठक कक्ष में लौटी, एक अलमारी खोली और डैज़ के लिए रखी व्हिस्की की बोतल निकाली। उसने अपने लिए एक कड़क गिलास बनाया और उसे बिना कुछ मिलाए गटक लिया, उसके हाथ कांप रहे थे।
वह इंतजार करने के लिए बैठ गई।
पैंतीस मिनट बाद, सामने के दरवाजे की घंटी बजी। घंटी की आवाज़ सुनते ही उसका चेहरा लाल हो गया और फिर शांत हो गया, जिससे उसका चेहरा एकदम सफ़ेद पड़ गया। कुछ देर तक वह बिना हिले-डुले बैठी रही, फिर जब घंटी दोबारा बजी, तो उसने खुद को ज़बरदस्ती उठाया और दरवाजा खोला।
नेशनल बैंक ऑफ नेटल के चेयरमैन चार्ल्स बर्नेट एक तेज रफ्तार जहाज की तरह कमरे में दाखिल हुए। वे एक बड़े, गठीले शरीर वाले व्यक्ति थे, जिनका चेहरा बैंगनी-लाल रंग का था, आँखें तेज और पैनी थीं, और उनके गंजे सिर पर चमकदार सफेद बाल थे जो गुलाबी रंग के लग रहे थे। सैविल रो के ग्रे रंग के सूट में सजे-धजे और बटन होल में गहरे लाल रंग का कार्नेशन फूल लगाए हुए, वे किसी फिल्मी धनी और प्रभावशाली बैंकर की छवि पेश कर रहे थे।
"मेरी प्यारी मिस नॉर्मन," उन्होंने कहा, "इतनी जल्दबाजी किस बात की है?"
उसने उसे गौर से देखा, उसके मन में अरुचि पैदा हुई, लेकिन वह इतना चतुर और अनुभवी था कि उसने इसे ज़ाहिर नहीं किया। कितनी भयानक बुढ़िया है! वह सोच रहा था: सुंदर कद-काठी, आकर्षक टांगें, बेशक, लेकिन वह पीला चेहरा, उसकी सादगी, वे निराशाजनक काली आँखें और वह गहरा छाया हुआ चेहरा।
अब नताली का खुद पर नियंत्रण था। व्हिस्की ने उसे झूठा आत्मविश्वास दे दिया था।
"कृपया बैठ जाइए, श्री बर्नेट। मैं आपका समय बर्बाद नहीं करूंगा। मेरे पास श्री काहलेनबर्ग के

बारे में कुछ जानकारी है जिसे आप सुनना चाहेंगे।"

बर्नेट ने अपना भारी-भरकम शरीर एक आरामकुर्सी में समेट लिया। उनके चेहरे पर हल्की दिलचस्पी दिख रही थी, लेकिन उनके चतुर दिमाग में चल रहा था: तो आखिरकार मेहनत रंग लाई। कभी-कभी बीज बोने से वह अंकुरित हो जाता है।

मैक्स काहलेनबर्ग के स्वामित्व वाले नेशनल बैंक ऑफ नेटाल के अध्यक्ष के रूप में, बर्नेट को अपने प्रमुख के निर्देश थे कि वह लंदन में प्रसारित होने वाली हर उस जानकारी को इकट्ठा करें जो नेटाल में काहलेनबर्ग के साम्राज्य को प्रभावित कर सकती है।

लगभग बारह दिन पहले, काहलेनबर्ग ने उन्हें एक संक्षिप्त तार भेजा था:

आर्मो शालिक. के. की गतिविधियों के संबंध में जानकारी चाहिए।

बर्नेट आर्मो शालिक के बारे में सब कुछ जानता था, लेकिन उसके व्यापारिक गतिविधियों के बारे में उसे कुछ भी पता नहीं था। उस तार ने उसे निराश कर दिया। शालिक के बारे में जानकारी प्राप्त करना... ऐसी जानकारी जिसमें काहलेनबर्ग की रुचि हो... स्फिंक्स से जानकारी प्राप्त करने जितना ही कठिन था। हालांकि, बर्नेट जानता था कि उसे इस अनुरोध के बारे में कुछ करना ही होगा। जब काहलेनबर्ग जानकारी मांगता था, तो वह चाहे कितनी भी कठिनाई हो या कितना भी खर्चा हो, उसे प्राप्त करने की उम्मीद करता था।

दो दिन बाद, शालिक ने अपने सुइट में एक कॉकटेल पार्टी दी, जिसमें बर्नेट को आमंत्रित किया गया था। यहीं पर उनकी मुलाकात नताली नॉर्मन से हुई।

बर्नेट अपने अधीनस्थों के प्रति विनम्र व्यवहार में विश्वास रखते थे। क्या जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने एक बार यह नहीं कहा था: आप किसी बूढ़े व्यक्ति को लात मार सकते हैं: आप जानते हैं कि वह कैसा है, लेकिन कभी किसी युवा को लात मत मारो: आप नहीं जानते कि वह क्या बनेगा?

नताली को पेय पदार्थों की देखरेख करते और बातूनी मेहमानों द्वारा अनदेखा किए जाते देख, उसने अपनी उबाऊ पत्नी से दूरी बनाकर उसे एक कोने में घेर लिया। वह आकर्षक था और आसानी से बातचीत करने में माहिर था, और उसने जल्दी ही जान लिया कि यह पीली त्वचा वाली, सादी दिखने वाली महिला शालिक की निजी सहायक थी, और वह समझ गया कि वह यौन इच्छाओं से वंचित थी।

उसने आसानी से उसका विश्वास जीत लिया और कुछ मिनटों तक उससे बातें करता रहा, जबकि उसका दिमाग तेज़ी से काम कर रहा था। वह उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकती थी और वह जानता था कि वह उसके साथ ज़्यादा देर नहीं रह सकता क्योंकि शालिक पहले से ही भौंहें उठाकर उनकी ओर देख रहा था।

"मिस नॉर्मन," उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा, "अगर आपको मदद की ज़रूरत हो तो मैं आपकी मदद करने के लिए तैयार हूँ। कृपया मेरा नाम याद रखें; चार्ल्स बर्नेट, नेशनल बैंक ऑफ नेटल। अगर आप कभी यहाँ की नौकरी से असंतुष्ट हों, या ज़्यादा पैसे कमाना चाहें, तो कृपया मुझसे संपर्क करें।"

जब उसके चेहरे पर हैरानी के भाव आए, तो वह मुस्कुराया और उसे छोड़कर चला गया।

घर लौटने के बाद, वह अपने अध्ययन कक्ष में बैठा और अपनी अगली चाल पर विचार करने

लगा। उसे उम्मीद थी कि उसने इस पीली-सी दिखने वाली महिला के साथ जल्दबाजी नहीं की थी। वह शायद वही जासूस हो सकती थी जिसकी उसे ज़रूरत थी। ज़ाहिर है, उसे एक बलवान पुरुष के साथ शारीरिक संबंध की ज़रूरत थी। बर्नेट को सारे संकेत पता थे: उसका दुबलापन, उसकी आँखों के नीचे काले घेरे, उसका उदास चेहरा। उसे एक जोशीले साथी की ज़रूरत थी: उसने फैसला किया कि उसे अपने जाल में फंसाने के लिए यही पहला कदम होना चाहिए।
बर्नेट के कई उपयोगी संपर्क थे और उनमें से एक सी.आई.डी. के पूर्व इंस्पेक्टर टॉम पार्किंस थे। उन्होंने उन्हें फोन किया।
"पार्किन्स... मुझे एक ऐसे नौजवान बदमाश की तलाश है जो मेरे लिए एक खास काम कर सके। वह पूरी तरह बेईमान, आकर्षक व्यक्तित्व वाला और लगभग पच्चीस साल का होना चाहिए, इससे ज्यादा उम्र का नहीं। क्या आप ऐसे किसी व्यक्ति को जानते हैं?"
पुलिसवाले की आवाज आई, "ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए, सर। क्या वेतन आकर्षक होगा?"
"बहुत।"
मैं इस बारे में सोच-विचार करूँगा, महोदय। मान लीजिए कि मैं आपको दोपहर के भोजन के बाद फोन करूँ?
"ऐसा करो," बर्नेट ने संतुष्ट होकर कहा कि उसे वही मिलेगा जो वह चाहता था।
लगभग दोपहर 3 बजे, पार्किंस ने फोन किया।

“मुझे आपका आदमी मिल गया है, महोदय,” उसने कहा। “डैज़ जैक्सन: चौबीस साल का, शानदार शक्ल-सूरत, सोहो के एक मामूली क्लब में गिटार बजाता है और उसे पैसों की ज़रूरत है। तीन साल पहले उसने छोटी-मोटी चोरी के जुर्म में दो साल की सज़ा काटी थी।”
बर्नेट हिचकिचाया।
"यह थोड़ा पेचीदा हो सकता है, पार्किंस। मैं खुद को ब्लैकमेल के जाल में नहीं फंसाना चाहता?"
"नहीं, महोदय। ऐसा कुछ भी नहीं होगा... और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ... मैं आपके लिए सब संभाल लूँगा। मेरे पास इस बदमाश लड़के के बारे में काफी जानकारी है। आपको उस पहलू के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।"
"बहुत अच्छा। उसे शाम 5 बजे यहाँ भेज देना। मैं तुम्हारे खाते में दस पाउंड जमा करवाने का इंतज़ाम कर दूँगा, पार्किंस।"
"आपकी बहुत मेहरबानी है, महोदय। आप जैक्सन से पूरी तरह संतुष्ट होंगे।"
डैज़ जैक्सन ठीक समय के दस मिनट बाद पहुंचे। बर्नेट की सचिव उन्हें बर्नेट के विशाल कार्यालय में ले गईं। वह बर्नेट के लिए इतने लंबे समय से काम कर रही थीं कि उन्हें किसी भी बात से आश्चर्य नहीं होता था... यहां तक कि डैज़ जैक्सन से भी नहीं।
बर्नेट ने उस युवक को बड़े कमरे में इतराते हुए देखा, उसके चेहरे पर एक घमंडी मुस्कान थी। उसने सरसों के रंग की पैंट, गहरे नीले रंग की झालरदार कमीज और गले में सोने की चेन पहन रखी थी, जिसमें एक छोटी घंटी लटक रही थी जो उसके हिलने पर बजती थी।

बर्नेट ने सोचा, यह कैसा नमूना है, लेकिन कम से कम यह साफ-सुथरा तो है।
बिना पूछे ही, जैक्सन ने अपने दुबले-पतले शरीर को एक कुर्सी पर बिठाया, एक पैर दूसरे के ऊपर रखा और अपनी भौंहों को तिरस्कारपूर्ण ढंग से ऊपर उठाते हुए बर्नेट को देखा।
"उस पुराने बदमाश ने बताया कि तुम्हारे पास नौकरी है। तनख्वाह कितनी है?" उसने पूछा। "और सुनो, मुझे इस कब्रिस्तान में काम करना पसंद नहीं है। समझे?"
बर्नेट हर तरह के लोगों से निपटने के आदी थे और वे परिस्थितियों के अनुसार ढलने में सक्षम थे। हालाँकि वे इस युवा बीटनिक को बाहर निकाल देना चाहते थे, लेकिन उन्होंने देखा कि शायद वही वह व्यक्ति थे जिनकी उन्हें तलाश थी।
"मैं आपसे यहां काम करने के लिए नहीं कह रहा हूँ, मिस्टर जैक्सन," उन्होंने कहा। "मेरे पास एक
यह एक विशेष नौकरी है जिसे आप संभाल सकते हैं और जिसमें अच्छी कमाई होती है।"
जैक्सन ने बनावटी विरोध जताते हुए सुस्ती से हाथ उठाया।
"मिस्टर वगैरह सब छोड़ो," उसने कहा। "मुझे डैज़ कहो।"
बर्नेट की बनावटी मुस्कान थोड़ी सख्त हो गई।
"बिल्कुल... लेकिन डैज़ ही क्यों?"
"लड़कियां मुझे इसी नाम से बुलाती हैं... मैं उन्हें चकाचौंध कर देता हूँ।"
"शानदार।" बर्नेट अपनी कार्यकारी कुर्सी पर पीछे झुक गए। "मैं चाहता हूं कि आप यह करें..." उन्होंने समझाया।
डैज़ जैक्सन अपनी कुर्सी पर आराम से बैठा सुन रहा था। बर्नट के बोलते समय उसकी बर्फीली धूसर आँखें उसके चेहरे को निहार रही थीं। अंत में, जब बर्नट ने कहा, "बस, यही है... क्या तुम इसे मेरे लिए संभाल सकते हो?" तो डैज़ ने मुँह बना लिया।
"चलिए, बात साफ़-साफ़ समझ लेते हैं," उसने अपने लंबे पैर फैलाते हुए कहा। "यह लड़की लेटना चाहती है... है ना?" जब बर्नेट ने सिर हिलाया, तो वह आगे बोला, "एक बार जब मैं उसे संतुष्ट कर दूंगा, तो वह और चाहेगी, है ना?" बर्नेट ने फिर सिर हिलाया। "फिर उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी... आप चाहते हैं कि मैं उसे निचोड़ कर उसका सारा रस निकाल दूं... है ना?"
"हां...यही स्थिति है।"
"तुम मुझे यह काम करने के लिए सौ निकर दोगे और उससे जो भी मिलेगा, मैं उसे रख लूंगा... ठीक है?"
बर्नेट ने अपना सिर झुकाया। ऐसे आदमी से निपटना उसे थोड़ा शर्मिंदा महसूस करा रहा था।
जैक्सन अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और बर्नेट को घूरने लगा, "अरे, भगवान के लिए, और वे मुझे अपराधी कहते हैं!"
बर्नेट की आंखें एकदम ठंडी पड़ गईं।
"क्या आप यह नौकरी चाहते हैं या नहीं?"
वे दोनों एक दूसरे को काफी देर तक देखते रहे, फिर डैज़ ने कंधे उचका दिए।
"ओह ज़रूर... मेरा क्या नुकसान होगा? यह रचना कैसी है?"

"साधारण लेकिन कामचलाऊ," बर्नेट ने अनजाने में जवाब दिया, और फ्रांस के मिशेलिन गाइड में तीसरे दर्जे के होटल का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल होने वाले वाक्यांश का प्रयोग किया।
"ठीक है, तो मुझे वह कहाँ मिलेगी?"
बर्नेट ने उसे नताली के घर और व्यवसाय के पते एक खाली कार्ड पर टाइप करके दिए।
मुझे त्वरित कार्रवाई चाहिए।
डैज़ मुस्कुराया।
"अगर तुम कहोगे कि वो इसके लिए तरस रही है, तो उसे मिल जाएगा और एक बार मुझसे मिल जाने के बाद, वो बार-बार चाहेगी।" डैज़ ने बर्नेट को गौर से देखा, उसकी निगाहें हिसाब लगा रही थीं। "पुलिस इसमें दखल नहीं देगी?"
इसमें कोई शक नहीं है।
"अगर उन्होंने ऐसा किया तो मैं ज़ुबान खोल दूँगा। मुझे इस नौकरी से कोई खास लगाव नहीं है।"
बर्नेट ने ठंडे लहजे में उसकी ओर देखा।
"लेकिन क्या आप ऐसा करेंगे?"
डैज़ ने कंधे उचका दिए।
मैंने कहा था ना कि मैं ऐसा करूंगा?
"उससे जितना हो सके उतना पैसा वसूल लो। मैं चाहता हूँ कि उसकी आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो जाए कि उसे संभालना नामुमकिन हो जाए। मैं चाहता हूँ कि वह कर्ज में पूरी तरह डूब जाए।"
डैज़ खुद को घसीटते हुए पैरों पर खड़ा हुआ।
"अभी कुछ पैसे दे दो ना... मेरे पास बिल्कुल पैसे नहीं हैं।"
"जब आप अपना वादा पूरा करेंगे," बर्नेट ने संक्षिप्त लहजे में कहा और जाने का इशारा किया।
जनवरी की कड़ाके की ठंड में, नताली नॉर्मन ने पाया कि उसकी कार का पीछे वाला टायर पंचर हो गया है। वह देर रात तक काम कर रही थी और अब घर जाकर गर्म पानी से नहाने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। उसने अपनी ऑस्टिन-मिनी को हमेशा की तरह पार्क लेन के पास एक सुनसान गली में पार्क किया था। वह कड़ाके की ठंड में कांपती हुई पंचर टायर को बेबसी से देखती रही, तभी अंधेरे से एक लंबा, दुबला-पतला युवक निकला, जिसने भेड़ की खाल से बना छोटा कोट पहना हुआ था और उसके हाथ उसकी काली पैंट की जेबों में गहरे तक डाले हुए थे।
डैज़ को पता चल गया था कि नताली अपनी कार कहाँ पार्क करती है, और उसने लगभग पचास मिनट पहले ही टायर की हवा निकाल दी थी। वह पास के एक दरवाजे पर खड़ा ठंड से कांप रहा था और कोस रहा था, जब तक कि उसने उसे कार की ओर आते नहीं देखा। यह उसकी नताली की पहली झलक थी। जैसे ही स्ट्रीट लाइट ने उसकी लंबी, पतली टांगों को रोशन किया, उसका चेहरा खिल उठा। उसने कम से कम इतनी तो उम्मीद की ही थी कि उसे ऐसी टांगें मिलेंगी जो एक भव्य पियानो को भी संभाल सकती हैं।
वह इंतज़ार करता रहा, उसे देखता रहा। वह पूरी रोशनी में आई और उसने मुंह बनाया। शरीर तो अच्छा था, लेकिन साफ तौर पर एक साधारण, कामुक कुंवारी औरत थी, जिसमें एक भीगी हुई

बिल्ली जितनी ही शख्सियत थी।
अरे बाप रे! उसने सोचा। क्या मुझे उसे अपने साथ संबंध बनाने के लिए अपनी कल्पना का सहारा लेना पड़ेगा!
"क्या आप किसी मुसीबत में हैं, मैडम?" उसने कहा। "क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ?"
नताली उसके अचानक प्रकट होने से चौंक गई। उसने बेबसी से दाएं-बाएं देखा, लेकिन उस बंद गली में उनके अलावा कोई नहीं था।
"मेरी गाड़ी का टायर पंचर हो गया है," उसने घबराते हुए कहा। "कोई बात नहीं। मैं टैक्सी ले लूंगी... धन्यवाद।"
वह स्ट्रीट लाइट के नीचे आ गया ताकि वह उसे देख सके। दोनों ने एक-दूसरे को देखा और उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। वह दुबला-पतला और लंबा था, मानो किसी खूबसूरत जवान जानवर जैसा हो, उसने सोचा। उसके कॉलर तक लहराते बाल उसे उत्तेजित कर रहे थे। उसके शरीर में खून का प्रवाह तेज़ हो गया: ऐसा अक्सर तब होता था जब वह सड़क पर किसी मर्दाना आदमी को देखती थी, लेकिन उसके पीले, भावहीन चेहरे पर उसके अंदर उमड़ रही भावनाओं का कोई संकेत नहीं दिख रहा था।
"मैं इसे ठीक कर दूंगा," डैज़ ने कहा। "आप गाड़ी में बैठ जाइए, मैडम। ठंड से बाहर निकल जाइए। उफ़! कितनी ठंड है, है ना?"

"जी हाँ... लेकिन कृपया परेशान न हों। मैं टैक्सी ले लूंगा।"
"अंदर आ जाओ... मैं इसे ठीक कर दूंगा... मुझे एक पल भी नहीं लगेगा।"
उसने कार का दरवाज़ा खोला और कृतज्ञतापूर्वक छोटी सी कार में बैठ गई, फिर दरवाज़ा बंद कर लिया। वह उसकी हरकतों को देखती रही। वह बहुत फुर्तीला था। दस मिनट से भी कम समय में, वह कार की खिड़की के पास आया और अपने हिपस्टर्स की सीट पर हाथ पोंछे।
"सब ठीक हो गया है, महोदया... आप उतर सकती हैं।"
उसने खुली कार की खिड़की से ऊपर उसकी ओर देखा। वह आगे की ओर झुका हुआ था और उसे घूर रहा था। क्या उसकी युवा आँखों में कोई उम्मीद की किरण थी? उसने सोचा। उसका दिल ताज़ी पकड़ी गई मछली की तरह उछल रहा था।
"क्या मैं आपको लिफ्ट दे सकता हूँ?"
वह मुस्कुराई और जब वह मुस्कुराई, तो उसने फैसला किया कि वह देखने में उतनी भी बुरी नहीं है।
"तुम नाइट्सब्रिज के पास तो नहीं जाओगी?" उसने पूछा, क्योंकि वह जानता था कि वह वहीं रहती है।
"ओह हाँ... चर्च स्ट्रीट।"
"खैर, लिफ्ट मिल जाए तो अच्छा रहेगा।"
वह कार के चारों ओर घूमकर उसके बगल में आकर बैठ गया। उसका कंधा उससे छू गया और उसे ऐसा लगा जैसे उसे बिजली का झटका लगा हो।

वह खुद पर बहुत गुस्सा थी क्योंकि उसका हाथ इतनी बुरी तरह कांप रहा था कि वह चाबी को इग्निशन लॉक में नहीं डाल पा रही थी।

"आपको ठंड लग रही है। क्या आप चाहती हैं कि मैं गाड़ी चलाऊं, मिस?"

चुपचाप उसने उसे चाबियाँ सौंप दीं और वह कार से बाहर निकल गया जबकि वह यात्री सीट पर चली गई। उसकी स्कर्ट गियर लीवर में फंस गई। वह हिचकिचाई, फिर यह जानते हुए कि उसकी टांगें और पतली जांघें ही उसकी एकमात्र आकर्षक विशेषताएँ हैं, उसने अपनी स्कर्ट को वैसे ही रहने दिया।

"मैं जम सी गई हूँ," उसने खुद को मजबूर करके कहा जब डैज़ ड्राइविंग सीट पर बैठ गया।

"मैं भी... यह नष्ट हो रहा है।"

उसे उम्मीद थी कि वह तेज़ और दिखावटी तरीके से गाड़ी चलाएगा, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसने अच्छी तरह से गाड़ी चलाई, 30 मील प्रति घंटे की निर्धारित गति सीमा से थोड़ा नीचे और एक विशेषज्ञ के आत्मविश्वास के साथ, जिसने उसे आश्चर्यचकित कर दिया।

"क्या आप नाइट्सब्रिज में रहते हैं?" उसने पूछा।

"कौन... मैं?" वह हँसा। "इतना आलीशान तो नहीं। मैं पार्सन्स ग्रीन में एक छोटे से घर में रहता हूँ। मैं बेरोजगार हूँ। जब भी मेरे पास एक-दो पैसे बचते हैं, तो मुझे नाइट्सब्रिज में घूमना और दुकानों के बाहर से सामान देखना अच्छा लगता है। मैं सोचता हूँ कि अगर मेरे पास ढेर सारे पैसे होते तो मैं हैरोड्स से क्या-क्या खरीदता।"

उसने उसके आकर्षक चेहरे को देखा, और एक बार फिर उसे वासना की वह भयानक पीड़ा महसूस हुई।

"लेकिन आप बेरोजगार क्यों हैं?" उसने पूछा। "आजकल लोगों को कभी बेरोजगार होने की जरूरत ही नहीं है।"

"मैं बीमार था। मेरे फेफड़े कमजोर हैं... कभी-कभी दिक्कत करते हैं... फिर मुझे नौकरी से निकाल दिया जाता है। मुझे दो हफ्ते से नौकरी से निकाल दिया गया है।" डैज़ ने सोचा: मैं कितना झूठ बोल सकता हूँ। मुझे खुद भी लगभग इस पर यकीन हो रहा है। फिर उसे लगा कि वह कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर बोल रहा है, इसलिए उसने कहा, "मुझे अगले हफ्ते कुछ काम मिल जाएगा, अब मैं ठीक महसूस कर रहा हूँ।"

नताली ने यह सब पचा लिया।

"मैं खुश हूं।"

वह मुड़ा और उसने उसे मुस्कुराकर देखा, उसी मुस्कान के कारण उसे उसका उपनाम मिला था। उसके लिए उसकी चाहत बढ़ती जा रही थी और वह खुद को बेबस और कमजोर महसूस कर रही थी।

"आपको मेरे बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, महोदया। मेरे समेत कोई भी मेरे बारे में चिंता नहीं करता।" वह रुका, फिर बोला, "आप देर रात तक बाहर रहती हैं, है ना?"

मैं अक्सर देर तक काम करता हूँ।

"आपने चर्च स्ट्रीट कहा?"

वे अब नाइट्सब्रिज अंडरग्राउंड स्टेशन के पास से गुजर रहे थे।

"हाँ।"
"क्या आप अकेले रहते हैं?"
ओह हाँ, नताली ने कड़वाहट से सोचा। अकेली... हमेशा अकेली।
"हाँ।"
डैज़ की नज़र उसकी टांगों पर पड़ी, जो घुटने के ऊपर तक खुली हुई थीं। बेचारी! उसने सोचा। यह तो बहुत आसान होने वाला है।
“खैर, बहुत से लोग अकेले रहते हैं,” उन्होंने कहा। “काम से लौटने के बाद, वे अपने नीरस कमरों में खुद को बंद कर लेते हैं और अगली सुबह काम पर जाने तक बस इतना ही करते हैं। इसीलिए मुझे रात में सड़कों पर घूमना अच्छा लगता है। अकेले अपने कमरे में रहना मुझे डरावना लगता है।”
"मैं समझ सकती हूँ।" फिर जब वह चर्च स्ट्रीट पर गाड़ी चलाने लगा, तो वह बोली, "यही वह जगह है... दाईं ओर।"
अब असली मुद्दा तो यही है, उसने सोचा। क्या वह मुझे अंदर आने के लिए आमंत्रित करेगी?
"आपका मतलब इस बड़े ब्लॉक से है?"
"जी हां। आप रैंप से नीचे गैराज में जाइए।" वह थोड़ी हिचकिचाई, फिर धीमी आवाज़ में बोली, "मुझे लगता है कि टायर बदलने के बाद आप नहाना चाहेंगे। मुझे लगता है कि आपको एक ड्रिंक भी मिलनी चाहिए।"
उसने अपनी मुस्कान छुपा ली। उसे लगा था कि यह आसान होगा, लेकिन इतना आसान नहीं।
"हाँ। मुझे गाड़ी धुलवाने की ज़रूरत है," और उसने गाड़ी को बड़े, रोशनीदार गैरेज में ले जाकर खड़ी कर दी।
वे लिफ्ट से चौथी मंजिल पर गए। ऊपर जाते समय न तो उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा और न ही कुछ बोला।
उसने अपने घर का दरवाज़ा खोला और उसे छोटे, रोशन बैठक कक्ष में ले गई। "अपना कोट उतार दो।" उसकी आवाज़ बहुत कांप रही थी।
उसने चारों ओर देखा।
"यह तो बहुत अच्छा है।"
उसे पता चला कि 'अच्छा' उसका पसंदीदा शब्द था।
"बाथरूम उधर है।"
वह उसे बाथरूम में छोड़कर अपना कोट और स्कार्फ उतार बैठी, उसके अंदर उसके लिए तीव्र चाहत उमड़ रही थी। जब वह बाथरूम से बाहर आया, तब भी वह कमरे के बीचोंबीच खड़ी थी, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह कांप रही थी। उसे तुरंत पता चल गया कि अब कोई परेशानी नहीं होगी।
हम एक दूसरे को नहीं जानते। मैं डैज़ जैक्सन हूँ।

मैं नताली नॉर्मन हूं।
"अच्छा नाम है... नताली... मुझे यह नाम पसंद आया।"
वे एक-दूसरे को देखते रहे, फिर वह उसके करीब आया और अपनी बाहों को उसके चारों ओर लपेट लिया।
उसके पतले शरीर पर हाथ फेरते ही वह सिहर उठी। एक क्षण के लिए, उसके अवचेतन मन ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसकी ज़रूरत बहुत प्रबल थी।
उसे बस इतना ही एहसास हुआ कि उसे उठाकर बेडरूम में ले जाया जा रहा है। वह बिस्तर पर लेट गई और कपड़े उतारते समय थोड़ा करवट बदलने लगी। फिर उसने खुद को उसकी हवस भरी हवस के हवाले कर दिया।
डैज़ जैक्सन ने अपनी आँखें खोलीं और एक लंबी, धीमी आह भरी। वाह, इतनी ज़ोर से चिल्लाने के बाद क्या हुआ! उसने सफेद छत की ओर देखते हुए सोचा। भला कौन यकीन करेगा। यह अब तक का सबसे बेहतरीन अनुभव है!
वह करवट बदलकर नताली की ओर मुड़ा, जो पीठ के बल लेटी हुई थी, अपने हाथों से अपने छोटे स्तनों को ढके हुए सो रही थी। उसने उसके शरीर को निहारा। अच्छा, बेचारा चेहरा। उसने उसकी पसलियों में हल्के से गुदगुदी की।
"जागो! मुझे भूख लगी है। क्या तुम्हारे पास कुछ खाने को है?"
वह हिली और उसकी ओर देखा, उसकी आँखों में एक ऐसी संतुष्टि झलक रही थी जो उसने पहले कभी महसूस नहीं की थी। उसे ऐसा लगा मानो जिस गुप्त द्वार की वह लंबे समय से तलाश कर रही थी, वह अचानक खुल गया हो और सूरज की रोशनी, हवा और समुद्र की आवाज़ उस बंजर, अंधेरी गुफा में आ गई हो जिसमें वह इतने लंबे समय से रह रही थी।
"खाना... बिल्कुल।" वह उठ बैठी, अपने पैर बिस्तर से नीचे लटकाए और एक शॉल उठा ली। "वहीं रहो... मैं तुम्हारे लिए कुछ लाती हूँ। क्या तुम कुछ पीना चाहोगे... मेरे पास तो बस जिन है।"
उसने उसे गौर से देखा। उसे खुश करने की उसकी बेचैनी, उसकी आँखों में कोमल भाव और उसकी उत्सुकता भरी कंपकंपी ने उसे उबाऊ बना दिया था।
"बस खाना खाओ।"
वह रसोई में भागी। वह एक पल रुका, फिर बिस्तर से उठा और जल्दी-जल्दी कपड़े पहनने लगा। उसने बिस्तर के पास रखी घड़ी में देखा कि समय 2:25 बज रहा था। उसे बेकन तलने की खुशबू आ रही थी, फिर उसने छोटे से साफ-सुथरे कमरे में चारों ओर देखा। उसने दरवाजे के पार, बैठक के दूसरी ओर देखा और उसे रसोई में चूल्हे के पास खड़ी पाया, उसकी पीठ उसकी ओर थी। जल्दी से उसने उसकी दराजों की अलमारी खोली। सबसे ऊपर वाली दराज में उसे एक सोने का सिगरेट केस, एक सोने का लाइटर और एक छोटा सा गहनों का डिब्बा मिला जिसमें मोतियों की एक माला और दो मामूली अंगूठियां थीं, लेकिन उसने उन सभी को उठा लिया और अपनी जेब में रख लिया। फिर वह आराम से बैठक में गया और रसोई के दरवाजे पर खड़ा हो गया।
"अच्छी खुशबू आ रही है," उसने कहा।

वह मुड़ी और उसकी ओर मुस्कुराई।
"क्या आप चार से अधिक अंडे खा सकते हैं?"
"वह ठीक हो जाएगा।"
वह जल्दी से उसके पास से गुजरी और फटाफट मेज पर सामान लगा दिया।
"क्या तुम खाना नहीं खा रही हो?" उसने पूछा, यह देखकर कि उसने केवल एक ही जगह पर खाना रखा था।
"नहीं... यह तैयार है। बैठ जाइए।"
उसने भूख से खाना खाया। चाय की चुस्की लेते हुए उसने सोचा, "वाह, वो अंडे और बेकन तो बहुत अच्छे से बना सकती है।" चिप्स और टमाटर केचप न होते तो अफसोस होता, पर हर चीज़ की उम्मीद तो नहीं की जा सकती।
उसे इस बात का एहसास था कि वह सोफे पर बैठी उसे देख रही है।
उसकी आँखों में वो कोमल चमक थी जिसने उसे बता दिया कि वो उस पर मोहित हो चुकी है।
जब उसका काम समाप्त हो गया, तो वो वापस बैठ गया और उसके द्वारा दिए गए कागज़ के नैपकिन से अपना मुँह पोंछा।
"बहुत बढ़िया," उसने कहा। "सचमुच बहुत बढ़िया।"
"तुम्हें भूख लगी थी, है ना?"
उसने सीधे उसकी ओर देखा।
"हां...और आप भी।"
उसके चेहरे पर खून के धब्बे थे और उसने नजरें फेर लीं।
"इसमें गुस्सा होने जैसी कोई बात नहीं है।" उसने अपनी मनमोहक मुस्कान बिखेरी। "यह प्रकृति है। तुम्हें पसंद आया ना? मैं तुम्हें एक बात बताता हूँ: तुम बहुत अच्छी थीं... सचमुच बहुत अच्छी।"
"कृपया इसके बारे में बात न करें। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं किया है।"
"तो क्या हुआ? कभी न कभी तो शुरुआत करनी ही पड़ती है।" वह खड़ा हो गया। "अच्छा, मुझे अब जाना होगा।" वह रुका। "सब कुछ के लिए धन्यवाद। बहुत अच्छा लगा... सब कुछ।"
उसने देखा कि उसके हाथ मुट्ठी में बदल गए।
"क्या आप रुकना नहीं चाहेंगे?" उसने हांफते हुए कहा। "यह बहुत ही भयानक रात है। अगर आप चाहें तो रुक सकते हैं।"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"मुझे अपने घर वापस जाना है।" वह धीरे-धीरे सामने के दरवाजे की ओर बढ़ने लगा।
"मुझे लगता है कि हम—हम फिर से मिल सकते हैं," उसने अपनी गहरी आँखों में हताशा लिए कहा।
उसने सोचा, ये रहा। हुक।
"कुछ भी हो सकता है। चीजें तो होती ही रहती हैं, है ना? अलविदा," और इससे पहले कि उसे एहसास होता कि वह सचमुच जा रहा है, वह जा चुका था।

सामने का दरवाजा जोर से बंद हो गया। यह आवाज उसके दिमाग में किसी भयानक बिजली की कड़क जैसी थी।

अगली शाम ही उसे पता चला कि उसका सिगरेट का डिब्बा और लाइटर गायब हैं, जो शालिक ने उसे जन्मदिन के तोहफे में दिए थे, साथ ही उसके गहने भी। यह जानकर उसे गहरा सदमा लगा और वह तुरंत समझ गई कि इन्हें किसने चुराया है। उसकी पहली प्रतिक्रिया पुलिस को फोन करने की थी, लेकिन फिर उसने अपने गुस्से पर काबू पाया और सोचने के लिए बैठ गई। वह बेरोजगार था। वह भूखा था। उसे सोने के सिगरेट के डिब्बे या लाइटर की क्या ज़रूरत थी? वैसे भी वह सिगरेट नहीं पीती थी। उसके बारे में सोचते हुए, उसने फैसला किया कि वह उसकी सारी चीज़ें रख सकती है, बशर्ते वह उसके पास वापस आ जाए।

पांच लंबे, दिल दहला देने वाले दिनों तक, वह बढ़ती हुई हताशा के साथ उससे फिर से संपर्क होने का इंतजार करती रही, जब तक कि अंततः उसके भीतर एक धीमी सी दहशत पैदा नहीं हो गई कि उसे इस कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ेगा कि उसने उसका इस्तेमाल किया, उसकी चीजें चुराईं और उसे भुला दिया।

फिर पांचवीं रात, जब वह अपने फ्लैट में अकेली उदास बैठी थी, एक और लंबी रात अकेलेपन का सामना करने के लिए तैयार थी, तभी टेलीफोन की घंटी बजी। उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा और वह उछलकर खड़ी हो गई और रिसीवर उठाने के लिए कमरे के उस पार भागी।

"हाँ?"

"ये डैज़ है... मुझे याद है ना?"

उसके पैर इतने कमजोर हो गए थे कि उसे बैठना पड़ा।

"बिल्कुल।"

"देखो, मुझे माफ कर दो मैंने तुम्हारा सामान ले लिया। क्या तुम मुझसे नाराज हो?"

"नही बिल्कुल नही।"

"खैर, यह अच्छा नहीं था। मैंने उन्हें गिरवी रख दिया। मुझे जल्दी पैसे चाहिए थे... थोड़ी परेशानी हुई। मैं आपको टिकट दे देता हूँ... क्या मैं उन्हें अभी ले आऊँ?"

"हाँ।"

"ठीक है, फिर," और फिर लाइन कट गई।

वह रात 10:05 बजे तक नहीं पहुंचा, जिससे उसे डेढ़ घंटे तक बेसब्री से इंतजार करना पड़ा। उसने देखा कि वह दुबला लग रहा था और उसके चेहरे पर एक गंभीर और उदास भाव था।

"ये लीजिए," उसने मेज पर तीन गिरवी टिकट रखते हुए कहा। "मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था... लेकिन मैं मुश्किल में था... मुझे जल्दी से पैसे जुटाने थे।"

"कोई बात नहीं। मैं समझ गया। क्या तुम्हें भूख लगी है?"

"नहीं... मैं नहीं रुक सकता। मुझे जाना होगा," और वह सामने के दरवाजे की ओर मुड़ गया।

वह घबराहट भरी निगाहों से उसे घूर रही थी।

"लेकिन आप—कृपया रुकिए। मैं चाहता हूँ कि आप रुकें।"

वह उसकी ओर मुड़ा, उसकी आँखों में अचानक क्रूरता झलक रही थी।
उन्होंने कहा, "मुझे और पैसे जुटाने होंगे। मैं यहाँ यूँ ही समय बर्बाद नहीं कर सकता। मेरे घर के पास एक लड़की रहती है जो मेरे लिए कुछ पैसे जुटाने की कोशिश कर रही है। मुझे आज रात उससे मिलना ही होगा।"
"एक लड़की?" नताली का चेहरा ठंडा पड़ गया। "डैज़... क्या तुम समझाओगे कि ये सब क्या है? क्या तुम बैठोगे? अगर तुम समझाओगे तो मैं तुम्हारी मदद कर सकती हूँ।"
"बस बहुत हो गया तुम्हारा।" डैज़ ने सिर हिलाया। "खैर, लोला ने लगभग वादा कर दिया है..."
"कृपया बैठ जाइए और मुझे बताइए।"
वह बैठ गया। उससे झूठ बोलना आसान था। घोड़ा जीतना तो पक्का था। शर्त वह पूरी नहीं कर पाया, और अब सट्टेबाज उसके पीछे पड़ गया था।
उन्होंने आखिर में कहा, "वे लोग बहुत सख्त हैं। अगर मैं कल तक पचास पाउंड नहीं जुटा पाया तो वे मुझे मार डालेंगे।"
"क्या सच में?" नताली ने हैरानी से उसकी तरफ देखा। "इसका क्या मतलब है?"

"मुझे काट दो, बिल्कुल," उसने अधीरता से कहा। "मुझे रेज़र से चीर दो... तुम्हारा क्या ख्याल है?"
उसने उस खूबसूरत चेहरे को खून से लथपथ होने की कल्पना की। यह सोचकर उसे चक्कर आने लगा।
"मैं तुम्हें पचास पाउंड दे सकता हूँ, डैज़... बिल्कुल।"
मैं इसे तुमसे नहीं ले सकता... नहीं, मैं लोला से मिलूंगा।
"मज़ाक मत करो। मैं तुम्हें अभी चेक दे दूंगा।"
एक घंटे बाद, वे बिस्तर पर एक-दूसरे के बगल में लेटे हुए थे। डैज़ से आखिरी बार मिलने के बाद से नताली पहली बार सुकून और खुशी महसूस कर रही थी। उसे लग रहा था कि यह बहुत अच्छा था, पहली बार से भी बेहतर। उसने डैज़ की तरफ देखा और उसके चेहरे पर फिर से वही उदास और गंभीर भाव देखकर उसका दिल बैठ गया।
"क्या बात है, डैज़?"
"बस सोच रहा था... क्या एक आदमी सोच भी नहीं सकता, भगवान के लिए?" उसकी आवाज़ में कठोरता सुनकर वह सहम गई।
"क्या यह आपके लिए अच्छा नहीं था? क्या मैंने आपको निराश किया?"
"मैं उस बारे में सोच ही नहीं रहा था।" उसने बिस्तर के पास रखे लैंप की हल्की रोशनी में अधीरता से उसकी ओर देखा। "वो बात खत्म। मैं आगे की सोच रहा हूँ। बस एक मिनट चुप रहो, प्लीज़?"
वह स्थिर खड़ी रही, प्रतीक्षा करती रही और उसके कठोर युवा चेहरे और उसकी आंखों के हिलने-डुलने के तरीके को देखती रही, जो उसे किसी जाल में फंसे जानवर की याद दिला रहा था।
"हाँ," उसने अंत में कहा, मानो अपने मन की बात ज़ोर से बोल रहा हो। "मैं यही करूँगा। मैं

निकल जाऊँगा। मैं डबलिन जाऊँगा। बस! डैनी मुझे नौकरी दिलवा देगा।"
नताली चादर को अपने स्तनों से कसकर पकड़े हुए उठ बैठी।
"डबलिन? आपका क्या मतलब है?"
उसने उस पर इस तरह भौंहें चढ़ाईं मानो उसे अभी-अभी एहसास हुआ हो कि वह उसके साथ है।
"मैं क्या कहूँ? मुझे यहाँ से निकलना होगा। वह पचास पाउंड जो तुमने मुझे दिए हैं।"
इससे कुछ दिनों के लिए आइज़ैक मुझसे दूर रहेगा। तब तक मैं उसकी पहुँच से बाहर हो जाऊँगा।
उसे ऐसा लगा जैसे वह फिर से बेहोश हो जाएगी। उसे देखते हुए, डैज़ को एहसास हुआ कि उसने एक तुरुप का पत्ता खेल दिया है।
"लेकिन तुमने कहा था कि अगर मैं तुम्हें पैसे दे दूं तो सब ठीक हो जाएगा," उसने हांफते हुए कहा। "डैज़! मुझे बताओ! तुम्हारा मतलब क्या है?"
उसने तिरस्कार भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
"आपको नहीं लगता कि कोई सट्टेबाज पचास पाउंड के लिए किसी को धोखा देगा, है ना? मैं बारह सौ पाउंड के कर्ज में डूबा हुआ हूँ।"
सदमे से उबरने के बाद, उसके तेज़ दिमाग ने उपाय खोजने शुरू कर दिए। बारह सौ पाउंड! यह तो नामुमकिन था! उसने शरद ऋतु में महंगी छुट्टियाँ ली थीं, और उसके बैंक खाते में सिर्फ़ दो सौ पाउंड ही बचे थे। लेकिन डैज़ का इंग्लैंड छोड़कर आयरलैंड जाना तो सोचा भी नहीं जा सकता था।
वह बिस्तर से नीचे उतरी और अपनी शॉल ओढ़ ली, जबकि डैज़ उसे देखता रहा। उसने देखा कि उसके चेहरे के भाव बदल गए हैं। उसने महसूस किया कि उसका दिमाग काम कर रहा है, और वह चुपचाप लेटा रहा, नतीजों का इंतज़ार करता रहा। वह बेचैनी से सोच रहा था कि कहीं उसने कीमत ज़्यादा तो नहीं लगा दी, लेकिन बर्नेट ने उसे सब कुछ लुटाने को कहा था। मान लो अगर उसके पास पैसे न हों तो?
वह सोचते हुए कमरे में इधर-उधर घूमी, फिर आकर बिस्तर पर बैठ गई और सीधे उसकी ओर देखने लगी।
"डैज़... अगर मैं तुम्हें बारह सौ पाउंड दूं, तो क्या तुम लंदन में रहोगे?"
"बिल्कुल, लेकिन आप मुझे उतनी रकम नहीं दे सकते... तो फिर इस बारे में बात क्यों करें?"
मैं कोशिश कर सकता हूँ। आप कब तक इंतजार कर सकते हैं?
"इसके बारे में बात क्यों करें?" वह पीठ के बल लेटा हुआ छत को घूर रहा था। "मुझे यहाँ से निकलना होगा। मैं कल चला जाऊँगा।"
"तुम कब तक इंतज़ार कर सकते हो?" उसकी आवाज़ भी अब उतनी ही कठोर थी जितनी उसकी।

"दस दिन... इससे ज्यादा नहीं।"
"अगर मैं तुम्हें ये पैसे दे दूं, डैज़, तो क्या तुम यहाँ आकर रहोगे?" डैज़ ने सोचा, इस बेचारी गाय से झूठ बोलना कितना आसान था।

"क्या तुम्हारा मतलब यहीं रहने से है? तुम चाहते हो कि मैं यहाँ रहूँ?"
"हाँ।" उसने अपनी आवाज़ पर काबू पाने की कोशिश की। "मैं तुम्हें यहाँ चाहती हूँ।"
"अच्छा होगा... हाँ, बिल्कुल। मुझे नौकरी मिल सकती है, और हम साथ रह सकते हैं। लेकिन इसके बारे में बात क्यों करें?"
"मुझे लगता है मैं संभाल लूंगी," नताली ने अपना शॉल उतार फेंका। वह उसके बगल में बिस्तर पर बैठ गई। "तुम मुझसे प्यार करते हो ना, डैज़?"
उसने सोचा, "ये तो पुराना जैज़ संगीत है," और उसे अपनी ओर खींच लिया।
"तुम जानती हो मैं तुमसे प्यार करता हूँ। मैं तुम्हारे लिए पागल हूँ।"
"तो मुझसे प्यार करो!"
डैज़ उसके बगल में सो रहा था, जबकि नताली अंधेरे में टकटकी लगाए लेटी थी, उसका मन विचारों में खोया हुआ था। वह जानती थी कि शालिक से एक हज़ार पाउंड उधार मांगना बेकार होगा। डैज़ से यह कहते हुए भी कि उसे लगता है कि वह उसके लिए पैसे जुटा सकती है, वह नेशनल बैंक ऑफ नेटल के चार्ल्स बर्नेट के बारे में सोच रही थी।
नताली आज के बड़े व्यवसायों में चल रही जासूसी और प्रति-जासूसी से भलीभांति परिचित थी। वह जानती थी कि बर्नेट सूचना के बदले भुगतान करने का संकेत दे रहा था और उसने उस संकेत को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया था, लेकिन अब डैज़ को हमेशा के लिए खोने के वास्तविक खतरे के दबाव में, उसने पाया कि वह पहले की तुलना में कहीं अधिक सतर्क नहीं थी।
सोने से पहले उसने बर्नेट से संपर्क करने का मन बना लिया। डैज़ को सोते हुए छोड़कर वह अगली सुबह रॉयल टावर्स होटल चली गई।
उसने जल्दी से शालिक की डाक को उसकी मेज पर व्यवस्थित किया, उसे दिन भर के विभिन्न कार्यक्रमों की याद दिलाने के लिए एक नोट छोड़ा और फिर अपने कार्यालय लौट गई।
इस समय, उसे पता था कि शालिक को घृणित शेरबोर्न दाढ़ी बना रहा है और कपड़े पहना रहा है। उसने बस कुछ पल के लिए संकोच किया, फिर नेटल के राष्ट्रीय बैंक को फोन किया।
उन्हें तुरंत चार्ल्स बर्नेट से बात कराई गई, जिन्हें डैज़ ने पहले ही टेलीफोन पर बता दिया था कि क्या होने वाला है।
"बिल्कुल, मिस नॉर्मन। आपसे दोबारा मिलकर मुझे बहुत खुशी होगी। कब मिलना सुविधाजनक रहेगा?"
"दोपहर 13:15 बजे आपके कार्यालय में," नताली ने उसे बताया।
"तो मैं आपकी प्रतीक्षा करूंगा।"
जब वह पहुंची, तो बर्नेट ने एक दयालु चाचा की तरह उसका स्वागत किया। नताली ने अचानक उससे कहा कि उसे एक हजार पाउंड की जरूरत है।
"यह एक बड़ी रकम है," बर्नेट ने अपने गुलाबी नाखूनों को देखते हुए कहा, "लेकिन नामुमकिन नहीं।" उन्होंने ऊपर देखा, उनकी आँखों में अब सौम्य भाव नहीं थे। "आप एक बुद्धिमान महिला हैं, मिस नॉर्मन। मुझे आपको स्पष्ट रूप से बताने की ज़रूरत नहीं है। आपको पैसे चाहिए: मुझे श्री शालिक की गतिविधियों के बारे में जानकारी चाहिए जिनका नेटाल के श्री मैक्स काहलेनबर्ग से

दूर-दूर तक कोई संबंध हो।"
नताली एकदम सख्त हो गई।
पिछले कुछ दिनों में शालिक की मेज पर लिखे हुए नोट्स से और शेरबोर्न से उसकी बातचीत सुनकर उसे पता चला था कि कुछ महत्वपूर्ण योजना बनाई जा रही है जो मैक्स काहलेनबर्ग नामक एक व्यक्ति से संबंधित है, जिसका उसके लिए इस क्षण तक कोई महत्व नहीं था।
शालिक के सभी निजी पत्र शेरबोर्न द्वारा टाइप किए जाते थे। नताली का काम शालिक की मुलाकातों, दोपहर के भोजन और रात के खाने की व्यवस्था करना, उनकी कॉकटेल पार्टियों में मेज़बान की भूमिका निभाना और उनके जीवन को सुचारू और आसान बनाने वाले सौ से अधिक व्यक्तिगत मामलों का ध्यान रखना था।
"मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें मदद कर सकती हूँ," उसने निराशा भरे स्वर में कहा। "मैं श्री शालिक के व्यावसायिक जीवन से अलग हूँ, लेकिन मुझे इतना पता है कि काहलेनबर्ग नाम के एक व्यक्ति से संबंधित कुछ चल रहा है।"

बर्नेट मुस्कुराया।
"मैं आपकी मदद कर सकता हूँ, मिस नॉर्मन। आपका काम बेहद आसान होगा। मुझे समझाने दीजिए..."
बीस मिनट बाद, उसने उसके द्वारा तैयार किए गए प्लास्टिक के शॉपिंग बैग को स्वीकार कर लिया, जिसमें एक छोटा टेप-रिकॉर्डर, टेप की छह रीलें और एक बहुत ही खास जासूसी माइक्रोफोन था।
"मिस नॉर्मन, रिकॉर्डिंग की गुणवत्ता स्वाभाविक रूप से आपके द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि को प्रभावित करेगी। हालांकि, यदि आपको एक हजार पाउंड की तत्काल आवश्यकता है और आप मुझे कुछ ब्याज योग्य वस्तु प्रदान करती हैं, तो पैसा उपलब्ध कराया जाएगा।"
अब, आठ दिन बाद, वह उसके फ्लैट में था, उसका मोटा, बैंगनी चेहरा मुस्कान से भरा हुआ था, और उसका खून जैसा लाल कार्नेशन एक स्टेटस सिंबल था।
"मेरी प्यारी मिस नॉर्मन, इतनी जल्दबाजी किस बात की है?"
पिछले तीन दिनों के दौरान, बर्नेट के माइक्रोफोन ने बातचीत को छुपकर सुना था।
पिछले आठ दिनों में डैज़ ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे, और उसे कामुकता की रंगीन दुनिया में खींच लिया था। उसने उसे पैसे देने का वादा किया था और वह उसकी सेवा करने के लिए तैयार था, खुद को समझाते हुए कि अंधेरे में सभी बिल्लियाँ धूसर रंग की दिखती हैं।
"मेरे पास श्री काहलेनबर्ग के बारे में कुछ जानकारी है जिसे आप सुनना चाहेंगे," नताली ने कहा।
उसने जो व्हिस्की पी थी, उससे वह बेकाबू और चक्कर महसूस कर रही थी।
"शानदार।" बर्नेट ने अपना एक मोटा पैर दूसरे के ऊपर रखा। "मुझे सुनाओ।"
"श्री शालिक, श्री काहलेनबर्ग से सीज़र बोर्जिया की अंगूठी चुराने की योजना बना रहे हैं," नताली ने कहा। "मेरे पास तीन टेप हैं, जिनमें इस ऑपरेशन की पूरी जानकारी और इसमें शामिल लोगों के नाम दर्ज हैं।"

"बोर्जिया गिरोह?" बर्नेट हैरान रह गई। "तो वह उसी के पीछे पड़ा है? बधाई हो, मिस नॉर्मन। मुझे टेप सुनाइए।"
उसने अपना सिर हिलाया।
"मिस्टर बर्नेट, टेप सुनने से पहले मुझे दस पाउंड के नोटों में एक हजार पाउंड चाहिए।"
उसकी मुस्कान स्थिर हो गई।
"मिस नॉर्मन, यह ठीक नहीं है। मुझे कैसे पता चलेगा कि आपके पास टेप हैं भी? मुझे उन्हें सुनना ही होगा... चलिए, समझदारी से काम लें।"
उसके पास पहले से ही टेप रिकॉर्डर में रिकॉर्डिंग तैयार थी और उसने शालिक और गैरी एडवर्ड्स के बीच तीन मिनट की बातचीत उसे सुनने दी। फिर जैसे ही शालिक कह रहा था, "आज रात सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। तुम अकेले नहीं रहोगे। जोखिम और जिम्मेदारियां साझा की जाएंगी," उसने स्टॉप बटन दबा दिया।
"लेकिन श्री काहलेनबर्ग के बारे में अभी तक कुछ भी नहीं कहा गया है," बर्नेट ने टेप रिकॉर्डर की ओर उत्सुकता से देखते हुए कहा।
"जब तुम मुझे पैसे लाकर दे दोगे, तब तुम्हें बाकी की बातें पता चलेंगी, उससे पहले नहीं।"
दोनों ने एक-दूसरे को देखा और बर्नेट को समझ आ गया कि उसे मनाने की कोशिश करना बेकार होगा। वह खड़ा हो गया और खुद को याद दिलाया कि मैक्स काहलेनबर्ग के लिए एक हजार पाउंड का उतना ही महत्व था जितना इंग्लैंड के प्रधानमंत्री के लिए एक पैसे का।
दो घंटे बाद, शनिवार की दोपहर बर्बाद हो चुकी थी, बर्नट पैसे लेकर वापस आया। उसने टेप सुने, उसका मोटा, बैंगनी चेहरा और भी ज्यादा चौंकता जा रहा था। सुनते-सुनते उसे एहसास हुआ कि ये टेप उसे सस्ते में मिल रहे हैं।
"शानदार, मिस नॉर्मन," उन्होंने आखिरी टेप बंद करते हुए कहा। "सचमुच शानदार। आपने अपनी फीस पूरी तरह से वसूल कर ली है। अगर आप इस तरह की कोई और जानकारी जुटाती हैं, तो मैं आपको उसका भी भरपूर भुगतान करूंगा।"
"अगली बार ऐसा नहीं होगा," नताली ने कहा। उसका चेहरा पीला पड़ गया था और उसके चेहरे पर दिख रही आत्म-घृणा ने बर्नेट को चौंका दिया। उसने छोटा सा टेप रिकॉर्डर उसकी ओर बढ़ा दिया। "इसे ले जाओ!"
"अब, मिस नॉर्मन..."
“ले लो! ले लो!” वह चीखी और हंगामा होने के डर से बर्नेट ने रिकॉर्डर और तीनों टेप उठाए और जल्दी से वहाँ से चला गया। लिफ्ट से नीचे आते समय ही उसे एहसास हुआ कि उसने महंगा जासूसी माइक्रोफोन वापस नहीं किया था। उसने सोचा कि क्या उसे वापस जाकर माइक्रोफोन लाना चाहिए, लेकिन उसके परेशान चेहरे और आँखों में दिख रही घबराहट ने उसे ऐसा न करने की चेतावनी दी। उसने सोचा कि सप्ताहांत के बाद जब वह शांत होगी, तब वह माइक्रोफोन ले आएगा।
लगभग तीन घंटे बाद, डैज़ फ्लैट में वापस लौटा। उसने पहले ही बर्नेट से बात कर ली थी, जिसने उसे बताया था कि पैसा उसका इंतजार कर रहा है।

इतनी बड़ी रकम मिलने की उम्मीद से उत्साहित होकर उसने एक लड़की को बिली वॉकर के बार में मिलने के लिए बुलाया, जो कभी एक शानदार रेस्तरां हुआ करता था, और वहां से वे किंग्स रोड के एक क्लब में जाएंगे और फिर वहां से उसके बिस्तर पर।

उसका नताली से नाता टूट चुका था। एक हजार पाउंड हाथ में और अपने अनुभव के दम पर, डबलिन ही उसके लिए सबसे उपयुक्त जगह थी।

जब वह फ्लैट में दाखिल हुआ तो उसने नताली को सोफे पर बैठी हुई, पीले चेहरे वाली, कांपती हुई और रोती हुई देखकर थोड़ा चौंक गया।

"क्या चल रहा है?" उसने पूछा, यह सोचते हुए कि वह कितनी बदसूरत दिख रही थी।

उसने अपनी आँखों को पोंछा और सीधी खड़ी हो गई।

"मेरे पास पैसे हैं, डैज़।"

वह कमरे में और आगे बढ़ गया।

"क्या सच में? तुम इतने दुखी क्यों हो? तुम्हें तो खुश होना चाहिए।"

"यहूदा प्रसन्न नहीं हुआ... उसने खुद को फांसी लगा ली।"

डैज़ ने जूडास के बारे में थोड़ा-बहुत सुना था। उसे ठीक से पता नहीं था कि वह कौन था, लेकिन उसे इतना अंदाजा था कि वह एक बुरा आदमी था, अच्छा नहीं।

"तुम किस बारे में बात कर रहे हो? कौन किसे फांसी दे रहा है?"

"कुछ नहीं... तुम्हें समझ नहीं आएगा। क्या तुम्हें भूख लगी है?" उसने अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपना मुंह पोंछा।

पैसा कहाँ है?

"तुम्हें भूख नहीं है? मैंने तुम्हारे लिए एक स्टेक खरीदा है।"

"स्टेक जाए भाड़ में। पैसा कहां है?"

उसे देखकर वह दुबले-पतले, सुंदर चेहरे पर लालच देखकर स्तब्ध रह गई।

वह लड़खड़ाते हुए उठी और एक अलमारी के पास गई। उसने करीने से रखे हुए नोट उसके सामने रख दिए।

उसे पैसों को इस तरह छूते देख उसका दिल बैठ गया। यह वह आदमी नहीं हो सकता था जिससे वह बेइंतहा प्यार करती थी और जिसने उसकी जिंदगी का छिपा हुआ दरवाजा खोला था: यह तो एक लालची, दुष्ट नौजवान जानवर था जो पैसों को उसी तरह नोच रहा था जैसे उसने उसके शरीर को नोचा था।

"क्या आप संतुष्ट हो?"

उसने उसकी बात अनसुनी कर दी और पैसे को अपनी अलग-अलग जेबों में भरने लगा।

"तुम क्या कर रहे हो?" उसकी आवाज तीखी हो गई।

उसने पैसों का आखिरी पैकेट छिपा दिया और फिर उसकी ओर देखा।

मैं यहाँ से निकल रहा हूँ... मैं यही कर रहा हूँ।

"तुम्हारा मतलब है कि अब तुम्हारे पास पैसा है, तो तुम मुझे नहीं चाहते?"

"तुम्हें भला कौन चाहेगा?" उसने उंगली उसकी तरफ़ करते हुए कहा। "मैं तुम्हें एक सलाह दे रहा

हूँ। अब से, जान, अपने पैर कसकर बांधकर रखना। यही तुम्हारी मुसीबत है। तुम खुद अपनी कब्र खोद रही हो," और वह चला गया।

नताली स्तब्ध खड़ी थी, उसका हाथ उसके धीरे-धीरे धड़कते दिल पर था। वह लिफ्ट के नीचे उतरने की आवाज़ सुन रही थी, जो उसे हमेशा के लिए उसके जीवन से दूर ले जा रही थी।

फिर वह धीरे-धीरे चलकर एक कुर्सी पर बैठ गई। वह वहीं बैठी रही, दीवार पर लगी घड़ी की सुइयाँ घंटे गिनते हुए घूमती रहीं। फिर जब रोशनी कम होने लगी, तो उसने अपने लंबे, पतले पैरों को फैलाकर अपनी अकड़न दूर की। उसका दिमाग फिर से चलने लगा। आखिर, उसने खुद से कहा, उसे क्या फर्क पड़ता है? मैं समझ सकती थी कि क्या होने वाला है। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। अब उसकी सादगी और आकर्षण की कमी पहले से कहीं ज़्यादा स्पष्ट हो गई थी। उसे एहसास हुआ कि वह हमेशा से प्रार्थना करती रही थी, इंतज़ार करती रही थी, किसी चमत्कार की उम्मीद करती रही थी, लेकिन यह चमत्कारों का साल नहीं था।

उसने अपने सामने आने वाली लंबी, अकेली रातों के बारे में सोचा। वह यह भी जानती थी कि उसके विश्वासघात का बोझ उसके अंतरात्मा पर भारी पड़ेगा। उसने डैज़ को अपने पास रखने के लिए ही यह घिनौना विश्वासघात किया था। अब आगे क्यों जिएं? उसने खुद से पूछा। तुम खुद से कभी न्याय नहीं पा सकती... तो फिर आगे क्यों जिएं?

वह नींद में चलने वाले व्यक्ति की तरह धीरे-धीरे रसोई में गई और उसे एक छोटा, तेज़ धार वाला सब्ज़ी काटने वाला चाकू मिला। उसे लेकर वह दरवाज़े पर कुंडी लगाने के लिए रुकी, फिर बाथरूम में चली गई। उसने बाथटब के नल चालू किए और तब तक एक अजीब सी तन्मयता में खड़ी रही जब तक कि बाथटब गुनगुने पानी से आधा भर नहीं गया। उसने अपने जूते उतारे और बाथटब में उतर गई। उसकी प्लीटेड स्कर्ट फूल गई और उसने उसे नीचे दबाया। उसने महसूस किया कि सुकून देने वाला पानी उसके कपड़ों से रिसकर उसके बेजान शरीर तक पहुँच रहा है।

वह शांत लेटी रही। क्या दर्द होगा? उन्होंने कहा था कि मरने का यही सबसे आसान तरीका है। दांत पीसते हुए उसने तेज धार वाले चाकू को अपनी बाईं कलाई पर चलाया। गहरा घाव हो गया और दर्द से चीखने से खुद को रोका। चाकू उसके हाथ से फिसल गया। एक पल के लिए उसने अपने चारों ओर फैले पानी को देखा, जो अब गुलाबी और गहरा होता जा रहा था, फिर उसने अपनी आँखें बंद कर लीं।

वह वहीं लेटी रही, डैज़ के बारे में सोचती रही, उसके सुंदर चेहरे, उसके लंबे काले घुंघराले बालों और उसके खूबसूरत मजबूत शरीर के बारे में, जब तक कि वह चुपचाप उस जीवन से दूर नहीं हो गई जिसकी उसे अब कोई आवश्यकता नहीं थी।

चौथा अध्याय

आर्मो शालिक सोमवार की सुबह 8:30 बजे अपने सुइट में लौटे। वहां उनकी मुलाकात शेरबोर्न से हुई, जिन्होंने बताया कि फेनेल पेरिस में हैं। शेरबोर्न ने उन्हें सारी परिस्थितियाँ समझाईं, जबकि शालिक अपनी डेस्क पर बैठे-बैठे उन्हें घूर रहे थे।

"मुझे उम्मीद है कि मैंने सही किया, महोदय। अगर मुझे पता होता कि आपसे कैसे संपर्क करना है, तो मैं निश्चित रूप से आपसे परामर्श करता।"

शालिक ने देश में कहीं एक वेश्या के साथ एक असंतोषजनक सप्ताहांत बिताया था, और उसका शेरबोर्न को इस तथ्य का खुलासा करने का कोई इरादा नहीं था, इस बात ने उसके गुस्से को और बढ़ा दिया।

"खैर, वह चला गया। उसने काहलेनबर्ग व्यवस्था के बारे में अपने विचार नहीं बताए?"

"नहीं, महोदय। वह रॉकेट की तरह अंदर आया और बाहर चला गया।"

शालिक को पहले से ही आभास हो रहा था कि यह सोमवार उसके लिए एक काला सोमवार साबित होगा। अगर उसे पता होता कि बोर्जिया गिरोह को चुराने की उसकी योजना का ब्यौरा रिकॉर्ड करने वाले तीनों टेप मैक्स काहलेनबर्ग के डेस्क पर पहुँच चुके हैं, तो वह इस सोमवार को एक आपदा मानता, लेकिन उसे यह पता नहीं था।

चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव के साथ, उन्होंने 9:30 बजे की बैठक की अध्यक्षता की और गे, गैरी और केन जोन्स को समझाया कि फेनेल को जाना पड़ा था और वह अब पेरिस में है।

“विस्तार से बताने की कोई ज़रूरत नहीं है,” उन्होंने कहा। “श्री फेनेल इतनी जल्दी में चले गए कि वे मुझे काहलेनबर्ग के सुरक्षा उपायों के बारे में अपनी राय नहीं बता पाए। मुझे उम्मीद है कि जब आप सभी रैंड इंटरनेशनल होटल में मिलेंगे तो वे आपको बता पाएंगे। चूंकि मेरी सुबह व्यस्त है, इसलिए इस बैठक को लंबा खींचने का कोई फायदा नहीं है।” उन्होंने गैरी की ओर देखा। “क्या तुमने मेरे दिए हुए नक्शे देख लिए हैं?”

"जी हां... कोई दिक्कत नहीं," गैरी ने कहा। "मैं वहां पहुंच जाऊंगा।"

"तो अब यह ऑपरेशन आपके हाथों में है। मैंने आपके लिए इसे आसान बनाने की पूरी कोशिश की है। अब यह आप पर निर्भर है। आप आज रात रवाना होंगे और कल सुबह जोहान्सबर्ग पहुँच जाएँगे।" वह रुके, थोड़ा हिचकिचाए, फिर बोले, "आपको यह बताना ज़रूरी है कि फेनेल एक खतरनाक अपराधी है, लेकिन इस ऑपरेशन की सफलता के लिए यह बेहद आवश्यक है।" उन्होंने गैरी की ओर सीधे देखा। "आप अपना ख्याल रखने में सक्षम प्रतीत होते हैं, इसलिए मैं आपसे मिस डेसमंड का भी ख्याल रखने का अनुरोध करता हूँ।"

"मुझे इसमें खुशी होगी," गैरी ने धीमी आवाज़ में कहा।

"ओह, आर्मो!" गे ने अधीरता से कहा। "तुम जानते हो कि मैं अपना ख्याल खुद रख सकती हूँ। तुम किस बात पर इतना परेशान हो रहे हो?"

“पुरुष खूबसूरत महिलाओं पर फिदा होते हैं। मैं भी अपवाद नहीं हूँ,” शालिक ने अपने चौड़े कंधों

को उठाते हुए कहा। फिर उसने गैरी की ओर देखा, जिसने सिर हिलाकर सहमति जताई। “अच्छा, आपकी यात्रा मंगलमय हो, शेरबोर्न आपको टिकट और बाकी सारी ज़रूरी जानकारी दे देगा।”

तीनों के चले जाने के बाद, शालिक ने अपनी मुलाकातों की सूची ढूंढी जो नताली हमेशा उसकी मेज पर छोड़ जाती थी। उसे वह नहीं मिली। उसे फिर से लगा कि यह सोमवार बहुत ही थकाऊ होने वाला है। गुस्से में वह उसके कमरे में गया। उसे यह देखकर हैरानी हुई कि वह पिछले तीन सालों से हमेशा की तरह अपनी मेज पर नहीं बैठी थी। उसने अपनी घड़ी देखी। समय 10 बज रहा था। अपने दफ्तर लौटकर उसने शेरबोर्न को बुलाया।

"मिस नॉर्मन कहाँ हैं?"

"मुझे कोई जानकारी नहीं है, महोदय," शेरबोर्न ने उदासीनता से जवाब दिया। शालिक ने उसे घूरकर देखा।

"तो पता लगाओ! हो सकता है वो बीमार हो। उसके फ्लैट पर फोन करो!"

टेलीफोन की घंटी बजी। अधीर होकर शालिक ने शेरबोर्न को फोन उठाने का इशारा किया।

शेरबोर्न ने रिसीवर उठाया और अपने आडंबरपूर्ण स्वर में कहा, "श्री शालिक का निवास।" थोड़ी देर रुकने के बाद, अचानक बेसुरी आवाज़ में उसने कहा, "कौन? आपने क्या कहा?"

शालिक ने गुस्से से उसकी ओर देखा, फिर वह अकड़ गया क्योंकि शेरबोर्न का रंग उड़ गया था और उसकी आँखों में घबराहट थी।

"पकड़ना।"

"यह क्या है?"

"स्पेशल ब्रांच के सार्जेंट गुडयार्ड आपसे बात करना चाहते हैं, महोदय।"

दोनों आदमियों ने एक-दूसरे को देखा। शालिक के दिमाग में हाल ही में किए गए उन तीन खतरनाक मुद्रा लेन-देनों की याद आ गई, जब उसने लगभग नौ लाख पाउंड इंग्लैंड से बाहर भेजे थे। क्या स्कॉटलैंड यार्ड को इसकी भनक लग सकती है? उसके हाथ पसीने से तर हो गए।

अपनी आवाज को स्थिर करते हुए और शेरबोर्न की ओर देखे बिना, उन्होंने कहा, "उसे ऊपर आने के लिए कहो।"

तीन मिनट बाद, शेरबोर्न ने सुइट का दरवाजा खोला तो उसका सामना एक विशाल, भारी-भरकम आदमी से हुआ जिसकी आंखें तीक्ष्ण थीं, मुंह मक्खी पकड़ने वाले जाल जैसा था और जबड़ा किसी जहाज के अगले हिस्से जैसा था।

"अंदर आइए, महोदय," शेरबोर्न ने एक तरफ हटते हुए कहा। "श्री शालिक आपसे तुरंत मिलेंगे।"

सार्जेंट गुडयार्ड कमरे में दाखिल हुए। उन्होंने शेरबोर्न को घूरकर देखा, फिर अपनी भारी भौंहें ऊपर उठाईं।

"अरे, हेलो जॉर्ज... मुझे लगा था कि तुम मर गए हो।"

"नहीं, महोदय," शेरबोर्न ने पसीने से तर चेहरे के साथ कहा।

"अफसोस की बात है। तुम मुसीबत से दूर रहे?"

"जी श्रीमान।"

सार्जेंट गुडयार्ड ने बाहरी कमरे का बारीकी से निरीक्षण किया।
"जॉर्ज, तुमने यहाँ एक बढ़िया सा छोटा सा घोंसला ढूंढ लिया है, है ना? मुझे लगता है कि यह पेंटनविले से बेहतर है।"
"जी श्रीमान।"
शेरबोर्न ने शालिक के कार्यालय का दरवाजा खोला।
कुछ देर तक उसे घूरने के बाद, गुडयार्ड उस शानदार और आलीशान कमरे में दाखिल हो गया।
शालिक ने ऊपर की ओर देखा। उसने पुलिस अधिकारी को देखा जो धीरे-धीरे डेस्क की ओर आ रहा था।
"सार्जेंट गुडयार्ड?"
"जी श्रीमान।"
शालिक ने उसे कुर्सी की ओर इशारा किया।
"बैठ जाइए, सार्जेंट। क्या बात है?"
गुडयार्ड कुर्सी पर बैठ गया और शालिक को पत्थर की तरह देखने लगा, जिसे पुलिस की निगरानी में होने पर सभी दोषी लोगों की तरह बेचैनी महसूस हो रही थी, हालांकि उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था।
"मुझे लगता है कि मिस नताली नॉर्मन आपके लिए काम करती हैं?"
आश्चर्यचकित होकर शालिक ने सिर हिलाया।
"हाँ, सही है। वह आज सुबह नहीं आई है। क्या उसे कुछ हो गया है?"
"शनिवार रात उसकी मौत हो गई," गुडयार्ड ने अपनी सपाट, पुलिसवाले वाली आवाज में उससे कहा। "आत्महत्या।"
शालिक सहम गया। उसे मृत्यु से घोर भय था। कुछ क्षणों तक वह स्थिर रहा, फिर उसका तीव्र, निर्मम मन जागृत हुआ। उसकी जगह कौन लेगा? अब उसकी देखभाल कौन करेगा? उसके लिए उसकी मृत्यु कोई मायने नहीं रखती थी। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि पिछले तीन वर्षों से वह अपने सामाजिक और व्यावसायिक जीवन को संभालने के लिए उस पर निर्भर था।
"यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ।" उन्होंने सिगार उठाते हुए उसका सिरा काटा। "क्या कोई कारण था?"
कितना कमीना है! गुडयार्ड ने सोचा, लेकिन उसके पुलिस वाले चेहरे पर घृणा का कोई भाव नहीं दिखा।
"इसीलिए तो मैं यहाँ आया हूँ, महोदय। मुझे उम्मीद थी कि आप मुझे बता सकेंगे।"
शालिक ने सिगार जलाया और उसकी महकदार धुएं को अपने मुंह से बाहर निकलने दिया।
मुंह। उसने अपना सिर हिलाया।
"माफ़ कीजिए, लेकिन मैं मिस नॉर्मन के बारे में कुछ नहीं जानता... बिलकुल कुछ नहीं। मैंने हमेशा उन्हें एक कुशल कर्मचारी पाया है। वह तीन साल से मेरे साथ काम कर रही हैं।" वह अपनी कार्यकारी कुर्सी पर पीछे झुक गए और सीधे गुडयार्ड की ओर देखा। "मैं एक व्यस्त व्यक्ति हूँ,

सार्जेंट। मेरे लिए अपने कर्मचारियों में ज़्यादा दिलचस्पी लेना नामुमकिन है।"
गुडयार्ड ने अपने ओवरकोट की जेब में हाथ डाला और एक छोटी सी वस्तु निकाली जिसे उसने शालिक के सामने सफेद सोख्ता कागज पर रख दिया। "क्या आप जानते हैं कि यह क्या है, महोदय?"
शालिक ने मोटे पेपर क्लिप को देखकर भौंहें चढ़ाईं: यह उस तरह का क्लिप था जिसका इस्तेमाल भारी कानूनी दस्तावेजों को एक साथ जोड़ने के लिए किया जाता है।
"ज़ाहिर है, यह एक पेपर क्लिप है," उसने रूखेपन से कहा। "मुझे उम्मीद है कि आपके पास मुझसे ऐसा सवाल पूछने का कोई कारण होगा, सार्जेंट। आप मेरा कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।"
"हाँ, मेरे पास एक कारण है," शालिक के तीखे लहजे से गुडयार्ड अविचलित रहे। "मैं समझता हूँ, श्रीमान शालिक, कि आप कई ऐसे लेन-देन में शामिल हैं जिनमें प्रतिद्वंद्वी कंपनियों की रुचि हो सकती है।"
शालिक का चेहरा सख्त हो गया। "यकीनन इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है?"
"नहीं, महोदय, लेकिन यह यहाँ मौजूद इस वस्तु की व्याख्या कर सकता है," और गुडयार्ड ने पेपर क्लिप को थपथपाया।
"आपका मतलब क्या है?"
"यह दिखने में कागज की क्लिप जैसी दिखने वाली वस्तु वास्तव में एक अत्यंत संवेदनशील माइक्रोफोन है, जिसे रखना गैरकानूनी है और जिसका उपयोग केवल अधिकृत संस्थाओं द्वारा किया जाता है। दूसरे शब्दों में, महोदय, इस उपकरण का उपयोग केवल जासूसी कार्यों में किया जाता है।"
शालिक ने पेपर क्लिप को घूरते हुए देखा, और अचानक उसकी रीढ़ की हड्डी में ठंडे खून का एक झोंका दौड़ गया।
उन्होंने कहा, "मुझे समझ नहीं आ रहा है।"
"यह पेपर क्लिप मिस नॉर्मन के फ्लैट में मिली थी," गुडयार्ड ने बताया। "सौभाग्य से उनकी मौत की जांच कर रहे जिला जासूस ने इसे पहचान लिया। इसे विशेष शाखा को सौंप दिया गया। इसीलिए मैं यहां हूं।"
शालिक ने अपने सूखे होंठों को चाटते हुए कहा, "मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।"
"क्या आपने इसे पहले कभी देखा है?"
"मुझे नहीं लगता... मैं कैसे बता सकता हूँ?" घबराहट को काबू करते हुए, शालिक ने अपनी मेज पर रखे दस्तावेजों के ढेर की ओर इशारा किया, जिनमें से हर एक बड़े-बड़े पेपर क्लिप से जुड़ा हुआ था, लेकिन कोई भी क्लिप उसके ब्लॉटर पर पड़े क्लिप जितना बड़ा नहीं था। "हो सकता है... मुझे नहीं पता।"
गुडयार्ड ने माइक्रोफोन उठाते हुए और उसे अपनी जेब में रखते हुए कहा, "इस माइक्रोफोन का सफलतापूर्वक उपयोग करने के लिए, एक विशेष टेप रिकॉर्डर की आवश्यकता है। क्या मैं मिस नॉर्मन की डेस्क की जांच कर सकता हूँ?"

"बिल्कुल।" शालिक उठ खड़ा हुआ और नताली के दफ्तर की ओर आगे बढ़ा। "यह उसकी डेस्क है।"

गुडयार्ड की तलाशी त्वरित और गहन थी। उन्होंने कई फाइलिंग कैबिनेट और उस कोठरी की भी जाँच की जहाँ नताली अपना कोट टांगती थी।

"नहीं..." वह शालिक की ओर मुड़ा। "क्या आपके पास यह मानने का कोई कारण है कि मिस नॉर्मन आपकी जासूसी कर रही थीं?"

"हरगिज नहीं।"

"क्या आपको उसकी निजी जिंदगी के बारे में कुछ नहीं पता? मुझे पता चला है कि उसके साथ एक युवक रहता था। उसकी बिल्डिंग में कई लोगों ने उसे उसके फ्लैट में घुसते देखा है। क्या आप जानते हैं कि वह कौन है?"

शालिक के चेहरे पर हैरानी साफ झलक रही थी।

"मुझे इस बात पर मुश्किल से ही विश्वास हो रहा है... फिर भी, अगर आप ऐसा कहते हैं तो ठीक है। नहीं, मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता।"

"आगे की पूछताछ की जाएगी, महोदय। मैं आपसे फिर मिलना चाहूंगा।"

मैं आमतौर पर यहीं रहता हूँ।

गुडयार्ड दरवाजे की ओर बढ़ा, फिर रुक गया।

"मुझे नहीं पता कि आपको इस बात की जानकारी है या नहीं कि आपका नौकर जॉर्ज शेरबोर्न है, जिसने जालसाजी के आरोप में छह साल की सजा काटी है।"

शालिक के चेहरे पर कोई भाव नहीं था।

"हां, मुझे पता है। शेरबोर्न एक सुधरा हुआ व्यक्ति है। मैं उससे बहुत संतुष्ट हूं।"

गुडयार्ड की उदास, पुलिसवाले जैसी आंखें उसे घूर रही थीं।

"क्या वे कभी सुधरते हैं?" उसने पूछा और चला गया।

शालिक अपनी मेज पर बैठ गया। सोचते हुए उसने अपना रुमाल निकाला और अपने गीले हाथों को पोंछा।

क्या माइक्रोफोन कभी उनकी डेस्क पर रहा था?

मान लीजिए कि ऐसा हुआ था? क्या उस गोरे चेहरे वाली कुतिया ने उसके लेन-देन रिकॉर्ड किए थे? उसने खतरनाक मुद्रा सौदों के बारे में सोचा। फिर वित्त मंत्री के सहायक द्वारा दी गई जानकारी थी, जिससे उसके चार ग्राहकों की किस्मत चमक गई थी। एक पैसे के लिए बेताब टाइपिस्ट से मिली विलय की जानकारी भी थी। सूची अंतहीन थी। अगर उसने उसके डेस्क पर माइक्रोफोन लगाया होता, तो उसके कितने सौदे टेप किए गए होते? काहलेनबर्ग कांड भी था। क्या उसने उसे रिकॉर्ड किया था? उसने अपना रुमाल मुट्ठी में कस लिया, उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया। टेप रिकॉर्डर कहाँ था? शायद, उसने सोचा, किसी ने उसे बहकाया हो और वह आधी-अधूरी ही मानी हो। शायद, उसने सोचा, उसने माइक्रोफोन ले लिया हो और टेप रिकॉर्डर लेने के बारे में दोबारा सोचा हो। उसे शर्मिंदगी महसूस हुई होगी। वह एक सनकी किस्म की थी। शायद उसने उसे धोखा देने के बजाय खुद को मारना बेहतर समझा हो। लेकिन, मान लीजिए कि

उसने उन चार लोगों के साथ हुई बातचीत रिकॉर्ड कर ली हो जो बोर्जिया गिरोह का पीछा कर रहे थे? मान लीजिए कि टेप पहले से ही काहलेनबर्ग के रास्ते में थे?

वह अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और सामने वाली दीवार को घूरने लगा, जबकि उसका दिमाग तेजी से काम कर रहा था।

क्या उसे उन्हें चेतावनी देनी चाहिए?

उसने जोखिम पर विचार किया। तीनों आदमी उसके लिए किसी काम के नहीं थे। गे डेसमंड को खोने का उसे बहुत दुख होगा। उसे ढूंढने में उसने बहुत मेहनत की थी, लेकिन उसने खुद से कहा, आखिर गे ही तो दुनिया की इकलौती औरत है। अगर वह उन्हें चेतावनी दे दे कि योजना शायद पहले ही विफल हो चुकी है, तो क्या वे पीछे नहीं हट जाएंगे? अंगूठी वापस पाने के लिए उसकी फीस 500,000 डॉलर और खर्चे थे। उसने मुंह बनाया। चार लोगों की वजह से इतनी बड़ी रकम छोड़ना बहुत मुश्किल था। उसने खुद से कहा, ऐसी स्थिति में उसे अपना धैर्य बनाए रखना चाहिए और यह सोचकर जोखिम उठाना चाहिए कि उस मरी हुई औरत ने कही गई बातों को रिकॉर्ड नहीं किया होगा।

और सोचने के बाद, उसने कुछ न कहने और इंतजार करने का फैसला किया।

उसने अपना मेल उठाया और क्योंकि उसका दिमाग तेज था, कुछ ही मिनटों में उसने गुडयार्ड की यात्रा को पूरी तरह से खारिज कर दिया और इस विचार को भी नकार दिया कि काहलेनबर्ग को पता चल सकता है कि वह बोर्जिया रिंग खोने वाला है।

चार्ल्स बर्नेट शान से अपने कार्यालय में दाखिल हुए। उन्होंने दोपहर के भोजन में संतरे की चटनी में पका हुआ स्मोक्ड सैल्मन और बत्तख खाया था और वे अच्छी तरह से तृप्त और संतुष्ट महसूस कर रहे थे।

उनके सचिव ने उन्हें एक सांकेतिक संदेश सौंपा, जिसमें बताया गया था कि यह संदेश कुछ मिनट पहले ही प्राप्त हुआ है।

"धन्यवाद, मिस मॉरिस," बर्नेट ने एक छोटी सी डकार को दबाते हुए कहा। "मैं इस पर ध्यान दूंगा।"

वह अपनी मेज पर बैठ गया और एक दराज का ताला खोला। उसमें से उसने काहलेनबर्ग की कोडबुक निकाली। कुछ मिनट बाद, वह उसे पढ़ रहा था:

प्रसन्नता हुई। आगंतुकों का असाधारण रूप से गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। आपके स्विस खाते के लिए 20,000 हनीवेल खरीद लिए गए हैं। K.

बर्नेट ने मिस मॉरिस से हनीवेल के शेयर का आज का भाव बताने को कहा। उन्होंने बताया कि शेयर में तीन अंक की बढ़ोतरी हुई है।

बर्नेट को उस समय बेहद संतुष्टि महसूस हो रही थी जब पूर्व इंस्पेक्टर पार्किंस ने फोन पर अपनी बात रखी।

"मुझे लगा कि आपको यह जानकारी होनी चाहिए, महोदय, कि श्री शालिक की सचिव, नताली नॉर्मन, आज सुबह अपने फ्लैट में मृत पाई गईं... आत्महत्या।"

बर्नेट कुछ सेकंड तक बोल नहीं पाईं।

"क्या आप वहां हैं, महोदय?"
उसने खुद को संभाला। तो वह सही था: वह पागल लग रही थी: उसे इस बात का पूरा यकीन था।
"पार्किंस, आपको ऐसा क्यों लगता है कि मुझे इसमें दिलचस्पी हो सकती है?" उसने अपनी आवाज में कंपन को छिपाने की कोशिश करते हुए पूछा।
"जी महोदय, ये नौजवान बदमाश, डैज़ जैक्सन, उससे काफी मिल रहा था। मुझे लगा कि शायद आपको बता देना चाहिए, लेकिन अगर मुझसे कोई गलती हुई है तो मैं माफी मांगता हूं।"
बर्नेट ने एक गहरी, धीमी सांस ली।
"तो जैक्सन उससे मिलने गया... बहुत अजीब। क्या वह इसमें शामिल होगा?"
मुझे इस पर संदेह है। जैक्सन शनिवार रात को डबलिन के लिए रवाना हो गया था। पुलिस के पास उसका हुलिया है। फिर भी, डबलिन उसके लिए एक अच्छी जगह है।
"जी हाँ। अच्छा, धन्यवाद, पार्किंस... दिलचस्प।" बर्नेट को पार्किंस का चालाक चेहरा और उसकी छोटी आँखों में उम्मीद की किरण लगभग साफ दिखाई दे रही थी। "आपके खाते में एक अतिरिक्त राशि जमा हो जाएगी," और उसने फोन काट दिया।
वह कुछ देर तक सोचता रहा। उसे नताली के फ्लैट में छूटा हुआ महंगा माइक्रोफोन याद आया। कुछ पल के लिए उसे चिंता हुई, फिर उसने खुद को समझाया कि कोई उसे पहचान नहीं पाएगा और वह उसके बाकी कचरे के साथ फेंक दिया जाएगा।
लेकिन पार्किंस के फोन ने उनकी दोपहर खराब कर दी थी।
रैंड इंटरनेशनल होटल की लॉबी बड़े-बड़े, शोर मचाने वाले अमेरिकी पर्यटकों से भरी हुई थी, जो अभी-अभी एक बस से उतरे थे, जिससे तरह-तरह का सामान बाहर निकल रहा था।
पारदर्शी रेन कवर में लिपटे हुए, वे इधर-उधर घूम रहे थे, एक-दूसरे पर चिल्ला रहे थे, अपने द्वारा मचाए जा रहे शोर से पूरी तरह बेखबर। लॉबी चीखों से गूंज रही थी: "जो... तुमने मेरा बैग देखा?" "इस बारिश से तंग आ गए हो... सूरज कहाँ है?" "भगवान के लिए, मार्था, तुम बेवजह परेशान हो रही हो। सारा सामान अभी बाहर नहीं आया है।" "अरे, माँ... वो आदमी हमारे पासपोर्ट मांग रहा है!" और इसी तरह की आवाज़ें लगातार आती रहीं। कुछ पलों के लिए ऐसा लगा जैसे अमेरिका ने रैंड इंटरनेशनल होटल पर कब्ज़ा कर लिया हो, जबकि श्वेत और अश्वेत कर्मचारी इस अफरा-तफरी से जूझ रहे थे।
नाश्ते के कमरे के पास बैठकर, इस सारी हलचल को देखते हुए, लेव फेनेल ने चिढ़कर देखा।
बारिश लगातार बरस रही थी। छतरियों के नीचे शरण लिए हुए बंटू लोग होटल के कांच के दरवाजों से लॉबी में मची अफरा-तफरी को देखने के लिए रुक गए। देखने के बाद वे मुस्कुराए और लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ गए। पुरुष फटे-पुराने यूरोपीय कपड़ों में थे, जबकि महिलाएं अपने सिर पर चमकीले स्कार्फ और अपने रंग को निखारने वाली चमकीली पोशाकें पहने हुए थीं।
फेनल ने सिगरेट का कश लिया और अमेरिकी दल के आखिरी सदस्यों को, जो अब भी एक-दूसरे पर चिल्ला रहे थे, लिफ्टों में जाते हुए देखा। वह अब छत्तीस घंटे से जोहान्सबर्ग में था। दक्षिण अफ्रीका जाने वाली फ्लाइट पकड़ने से पहले उसने पेरिस में आधा दिन घबराहट में

बिताया था। अब, एक महीने से ज़्यादा समय में पहली बार, वह सुकून और सुरक्षित महसूस कर रहा था। मोरोनी और पुलिस बहुत दूर थे।
उसने अपनी घड़ी देखी, फिर कुर्सी पर अपने भारी शरीर को और अधिक आराम से हिलाया।
एक काली कैडिलैक होटल के बाहर आकर रुकी और जैसे ही फेनेल ने गेय का सांवला सिर होटल की छत के नीचे भागते हुए देखा, वह तुरंत खड़ा हो गया।
दस मिनट बाद, वे तीनों होटल की आठवीं मंजिल पर स्थित उनके सुइट के छोटे से बैठक कक्ष में उनके साथ थे।
सौंफ का मिजाज सौहार्दपूर्ण और उदार था।
"मुझे लगता है आप सब आराम करना चाहते हैं," उसने फ्रिज से पेय पदार्थ परोसते हुए कहा, "लेकिन जाने से पहले, मैं आपको बताना चाहूंगा कि हम क्या उम्मीद कर सकते हैं... ठीक है?"
गैरी ने अपने भारी कंधों को ढीला छोड़ा। चौदह घंटे की उड़ान ने उसकी मांसपेशियों को जकड़ लिया था। उसने गे की ओर देखा।
"क्या तुम सुनना चाहते हो या पहले हम नहा लें?"
"हम सुनते हैं," गे ने सोफे पर पीछे झुकते हुए कहा। उसने फेनल द्वारा दिए गए जिन और टॉनिक का एक घूंट लिया। "मैं पूरी तरह से मरी नहीं हूँ।"
फेनेल की आंखें सिकुड़ गईं। तो एडवर्ड्स उस महिला में पहले से ही मालिकाना हक जताने लगा था जिसे उसने मन ही मन अपने लिए आरक्षित कर रखा था।
"अच्छा, फैसला कर लो!" उसने गुस्से में कहा। "सुनना चाहते हो या नहीं?"
"मैंने हाँ कह दी," गे ने कहा, उसकी शांत निगाहें उसे घूर रही थीं। "क्या बात है?"
"शालिक ने मुझे वो बिल दिए थे। उनसे तो सब साफ़ हो जाता है।" फेनेल ने अपनी व्हिस्की और पानी का थोड़ा सा घूंट पिया। "अब मुझे पता चल गया है कि संग्रहालय ज़मीन के नीचे ही होगा। काहलेनबर्ग के घर पर सारी चीज़ों से लैस एक लिफ्ट भेजी गई थी और क्योंकि घर एक ही मंज़िल का है, तो लिफ्ट का मतलब यही है कि संग्रहालय घर के नीचे है। समझे?"
"चलते रहो," गैरी ने कहा।
"बिल में छह क्लोज-सर्किट टेलीविजन सेट और एक मॉनिटर दर्ज हैं। इससे मुझे पता चलता है कि संग्रहालय में छह कमरे हैं और एक गार्ड मॉनिटर पर नज़र रख रहा है, शायद घर में कहीं। बटन दबाकर गार्ड छहों कमरों का जायजा ले सकता है, लेकिन एक बार में सिर्फ एक ही कमरे का।" फेनेल ने सिगरेट जलाई और फिर बोला, "मैं इस सिस्टम को जानता हूँ। इसकी कमजोरी यह है कि गार्ड सो सकता है, मॉनिटर देखे बिना किताब पढ़ सकता है या शौचालय जाने के लिए उठ सकता है। लेकिन हमें पता लगाना होगा कि क्या वह ये सब या इनमें से कोई भी काम करता है और क्या वह रात में ड्यूटी पर होता है। यह पता लगाना तुम्हारा काम है," और फेनेल ने अपनी छोटी उंगली गैरी की ओर इशारा करते हुए कहा।
गैरी ने सिर हिलाया।
"म्यूज़ियम के दरवाज़े का ज़िक्र बिल में है। यह बहुत मज़बूत स्टील का बना है। मैंने बहलस्ट्रॉम के लिए काम किया है, इसलिए मुझे उनके उपकरणों की अच्छी जानकारी है। दरवाज़े पर टाइम

लॉक लगा है। आप इसे एक निश्चित समय पर सेट कर देते हैं और काउंटर डायल को दूसरे समय पर सेट कर देते हैं, और बहलस्ट्रॉम के अलावा दुनिया में कोई भी इन दो समयों के बीच दरवाज़ा नहीं खोल सकता।" फेनेल मुस्कुराया। "सिवाय मेरे। मुझे उस टाइम लॉक को इस्तेमाल करना आता है। मैंने इसे बनाने में मदद की थी।"

अब हम एक ऐसी बात पर आते हैं जिसका आपको ध्यान रखना होगा।" वह सीधे गैरी से बात कर रहा था।

"लिफ्ट... ये तो पेचीदा मामला है। हम ये काम रात में करेंगे। मैं ये जानना चाहता हूँ कि क्या रात में लिफ्ट बंद रहती है? मेरा मतलब है, क्या बिजली चली जाती है? अगर लिफ्ट रात में काम नहीं करती, तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि हम संग्रहालय तक कैसे पहुँचेंगे।"

"चलिए निराशावादी दृष्टिकोण अपनाते हैं," गैरी ने कहा। "मान लीजिए बिजली की आपूर्ति बंद हो जाए तो क्या होगा?"

"इसे चालू करना आपकी जिम्मेदारी है, वरना हम डूब जाएंगे।"

गैरी ने मुंह बनाया।

"लिफ्ट के साथ-साथ सीढ़ियाँ होने की भी संभावना हमेशा रहती है।"

"हो सकता है।" फेनल ने सिर हिलाया। "यह भी आपको ही पता लगाना होगा। अंदर जाने के बाद जितना हो सके उतनी जानकारी जुटाना आपका काम है। एक और बात जो आपको मुझे बतानी होगी, वह यह है कि मैं अंदर कैसे जाऊं... दरवाजे से या खिड़की से? यह भी आप पर निर्भर करता है। आप जो भी जानकारी जुटाएं, मुझे टू-वे रेडियो पर बता देना ताकि मुझे पता रहे कि मुझे किस चीज के लिए तैयार रहना है।"

"अगर ड्रग्स मिल सकती है, तो मैं उसे हासिल कर लूंगा।"

सौंफ ने अपना पेय समाप्त कर लिया।

"अगर आपको बात समझ नहीं आती, तो हम काम नहीं करेंगे... बात इतनी ही सरल है।"

गे खड़ी हो गई। आसमानी नीले रंग की सूती पोशाक में वह बेहद खूबसूरत लग रही थी: एक ऐसी पोशाक जो उसके शरीर पर एकदम फिट बैठ रही थी। तीनों आदमी उसे देख रहे थे।

"ठीक है, मैं अब तुम्हें छोड़कर नहाने जा रही हूँ। मुझे नींद चाहिए। हवाई जहाज में मुझे बिल्कुल नींद नहीं आई।"

उसने उन्हें सिर हिलाकर अभिवादन किया और कमरे से चली गई। गैरी ने अंगड़ाई ली और जम्हाई ली।

"मैं भी... जब तक कि आपको मुझसे कोई और काम न हो?"

"नहीं।" फेनल ने केन की ओर देखा। "उपकरणों का क्या हुआ? क्या आपने उनका इंतजाम कर लिया है?"

"मुझे लगता है ऐसा ही है। मैं नहाकर जाकर देख लेता हूँ। मेरा एक दोस्त मेरे लिए यह सब व्यवस्थित कर रहा है। मैंने उसे लंदन से एक तार भेजा है जिसमें हमने अपनी ज़रूरतें बताई हैं। मैं वहाँ जाकर देख लेता हूँ कि उसने कितना काम कर लिया है। क्या तुम मेरे साथ आना चाहोगे?"

"क्यों नहीं? ठीक है, मैं यहीं आपका इंतजार करूंगा।"

गैरी और केन गलियारे से होते हुए अपने कमरों में गए। वे सभी आठवीं मंजिल पर थे: प्रत्येक के पास एक छोटा सा सुइट था जिसमें एयर कंडीशनर लगा था और शहर का नज़ारा दिखता था।
"अच्छा, फिर मिलते हैं," गैरी ने अपने दरवाजे पर रुकते हुए कहा। "यह थोड़ा मुश्किल हो सकता है।"
केन मुस्कुराया। गैरी को अब पता चल गया था कि केन एक अटूट आशावादी था।
"क्या पता... सब ठीक हो जाए। मैं नहाने चला जाऊँगा," और वह सीटी बजाते हुए अपने कमरे की ओर चला गया।
एक घंटे बाद, वह फेनेल के कमरे में लौटा। फेनेल ने काफी व्हिस्की पी ली थी और उसका चेहरा थोड़ा लाल हो गया था।
"क्या हम चलें?" केन ने दरवाजे पर झुकते हुए पूछा।
"हाँ।" फेनेल उठ खड़ा हुआ और दोनों आदमी गलियारे से होते हुए लिफ्ट की ओर चल पड़े।
"मेरा एक दोस्त प्लेन स्ट्रीट पर एक गैरेज चलाता है," केन ने लिफ्ट के नीचे आते हुए कहा। "यह बस सामने ही है। हम पैदल जा सकते हैं।"
वे अमेरिकी पर्यटकों के एक और समूह के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़े जो अभी-अभी पहुंचे थे। उनके शोर से दोनों आदमी सहम गए।
"अमेरिकी इतने शोर क्यों मचाते हैं?" केन ने हंसते हुए पूछा। "क्या उन्हें लगता है कि उनके आसपास के सभी लोग बहरे हैं?" फेनल ने गुस्से में कहा।
"मुझे नहीं पता। शायद उन्हें बचपन में अपना मुंह बंद रखना नहीं सिखाया गया था।"
वे होटल की छत के नीचे रुके और ब्री स्ट्रीट पर बरसती बारिश का जायजा लिया।
"अगर ड्रेकेन्सबर्ग पर्वतमाला में इसी तरह बारिश होती रही तो हमारी तो वाट लग जाएगी," केन ने अपनी जैकेट का कॉलर ऊपर करते हुए कहा। "चलो... भीगना शुरू ही कर देते हैं... अच्छी प्रैक्टिस हो जाएगी।"
तेज बारिश से बचने के लिए सिर झुकाए हुए, दोनों आदमी तेजी से प्लेन स्ट्रीट की ओर चल पड़े। गैराज के मालिक सैम जेफरसन, एक लंबे, पतले, बुजुर्ग व्यक्ति थे जिनका चेहरा हंसमुख और झाइयों वाला था, उन्होंने उनका स्वागत किया।
"हाय केन! आपकी यात्रा कैसी रही?"
केन ने कहा कि यात्रा अच्छी रही और उसने फेनेल का परिचय कराया। फेनेल से हाथ मिलाते ही जेफरसन की खिलखिलाती मुस्कान थोड़ी फीकी पड़ गई। फेनेल के चेहरे पर दिख रहे ठंडे और कठोर भाव को देखकर वह स्पष्ट रूप से थोड़ा चौंक गया था। फेनेल उसके जैसे लोगों में से नहीं था।
“मैंने सारा सामान लाकर रख दिया है और सब कुछ तुम्हारे लिए तैयार है,” उसने केन की ओर मुड़ते हुए कहा। “एक नज़र डाल लो। अगर कुछ भूल गया हूँ तो मुझे बता देना। अब मुझे माफ़ करना। मेरे बालों में गियर बॉक्स फंसा हुआ है।” सिर हिलाते हुए वह बड़े गैराज के उस पार चला गया जहाँ दो बंटू लोग एक ऊँची की हुई पोंटियाक कार को खाली निगाहों से घूर रहे थे।
केन आगे-आगे चलते हुए एक छोटे से अंदरूनी गैरेज में ले गया जहाँ एक लैंड रोवर खड़ी थी।

एक बंटू, जो अपने पिछले पैरों पर बैठा अपनी टखने को खुजला रहा था, धीरे-धीरे उठा और केन को अपने दाँतों से भरी चौड़ी मुस्कान दी।
“सब ठीक है, बॉस,” उसने कहा और केन ने उससे हाथ मिलाया। “यह जो है,” उसने फेनेल से कहा। “सैम और उसने हमारी ज़रूरत का सारा सामान इकट्ठा कर लिया है।”
फेनल को अश्वेत लोगों के लिए कोई तरस नहीं था। उसने मुस्कुराते हुए बंटू को घूरकर देखा, घुरघुराया और मुँह फेर लिया। कुछ देर तक अजीब सी खामोशी छाई रही, फिर केन ने कहा, "अच्छा, जो, देखते हैं तुम्हारे पास क्या है।"
बंटू ने लैंड रोवर की ओर दौड़कर बोनट को ढकने वाली तिरपाल को हटाया। "मैंने इसे ठीक करवा दिया, जैसा आपने कहा था, बॉस।"
रेडिएटर के सामने की ओर दो स्टील सपोर्ट के बीच एक ड्रम वेल्ड किया गया था। ड्रम के चारों ओर एक लंबी पतली पट्टी लपेटी गई थी।
स्टील केबल। केन ने इसकी जांच की, फिर संतुष्टि में सिर हिलाया।
"यह किस काम का है?" फेनल ने ढोल को देखते हुए पूछा।
“ये एक विंच है,” केन ने समझाया। “हम बहुत ही फिसलन भरी सड़कों पर जा रहे हैं और आसानी से फंस सकते हैं। जब भारी बारिश होती है, तो ड्रेकेन्सबर्ग की सड़कें नरक जैसी हो जाती हैं। ये विंच हमें बिना ज़्यादा मेहनत किए बाहर खींच लेगी।” उसे लैंड रोवर के फर्श पर एक छोटा सा नौका लंगर पड़ा मिला। “देखो ये? अगर हम फंस गए, तो हमें बस इस लंगर को एक पेड़ की जड़ में गाड़ना है और विंच की मदद से खुद को बाहर निकालना है।”
"क्या सड़कें इतनी खराब होने वाली हैं?"
"भाई! तुम्हें अंदाजा भी नहीं है। हमें काफी लंबी यात्रा करनी है।"
सौंफ ने तेवर चढ़ाए।
"उन दोनों के लिए तो यह आसान तरीका है... सीधे हवाई जहाज से आ रहे हैं, है ना?"
"मुझे इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। अगर कोई पंखा गिर भी जाए, तो वो जंगल में जाकर गिरेगा और बस बात खत्म। इस देश में मुझे उड़ने की बजाय गाड़ी चलाना ज्यादा पसंद है।"
"बॉस..." जो, अब भी मुस्कुरा रहा था, लेकिन फेनेल की मौजूदगी में असहज महसूस कर रहा था। उसने लैंड रोवर से कुछ दूरी पर रखी एक लंबी मेज को ढकने वाली तिरपाल को खींचकर हटाया। "क्या आप यह सब देखना चाहते हैं?"
दोनों आदमी रखे हुए सामान की ओर बढ़े। वहाँ पानी के लिए चार जेरीकैन, गैस के लिए पाँच और जेरीकैन, चार स्लीपिंग बैग, अतिरिक्त बैटरी के साथ चार शक्तिशाली इलेक्ट्रिक टॉर्च, कीचड़ से बाहर निकलने के लिए छह फुट लंबी दो छिद्रित स्टील की पट्टियाँ, एक फोल्डेबल टेंट, दो लकड़ी के बक्से और एक बड़ा गत्ते का डिब्बा था।
“अगर किस्मत अच्छी रही, तो मुझे लगता है कि काम पूरा करने में हमें पाँच दिन जाने में और चार दिन वापस आने में लगेंगे,” केन ने लकड़ी के दो बक्सों पर हाथ फेरते हुए कहा। “हमारे पास इतने समय के लिए पर्याप्त डिब्बाबंद खाना है।” उसने कार्टन पर हाथ फेरा। “ये शराब है: चार

स्कॉच, दो जिन और चौबीस क्वार्ट बीयर। मेरे पास एक स्प्रिंगफील्ड, एक 12 बोर और एक .22 है। जहाँ हम जा रहे हैं, वहाँ शिकार के लिए बहुत कुछ है। तुम्हें गिनी-फाउल पसंद है? इम्पाला? क्या तुमने कभी धीमी आँच पर पका हुआ इम्पाला का सैडल मिर्च की चटनी के साथ खाया है?" वह मुस्कुराया और आँखें घुमाईं। "ये लाजवाब है!"

"चिकित्सा सामग्री के बारे में क्या ख्याल है?" फेनेल ने पूछा।

"लैंड रोवर में... पूरा मेडिकल किट है। मैंने कुछ समय पहले सफारी फर्स्ट-एड कोर्स किया था। मैं सांप के काटने से लेकर टूटे हुए पैर तक, हर चीज का इलाज कर सकता हूँ।"

"लगता है तुमने सब कुछ संभाल लिया है।" फेनल ने सिगरेट जलाई और धुआं अपनी नाक से नीचे उतारा। "तो अब हमें सिर्फ अपना निजी सामान ही ले जाना है?"

बस इतना ही... हम हल्का-फुल्का सामान लेकर यात्रा करते हैं... बस एक बदलाव।

"मेरे पास मेरा टूल बैग है।" फेनेल ने अपनी मोटी पीठ लैंड रोवर से टिका दी। "यह भारी है, लेकिन इसके बिना मेरा काम नहीं चल सकता।"

"ठीक है, बशर्ते आप इसे ढो सकें।"

सौंफ ने अपना सिर एक तरफ झुकाया।

हम गाड़ी चलाते हैं, है ना?

"हो सकता है हमें कुछ दूर पैदल चलना पड़े। इस चरखी के साथ भी, काहलेनबर्ग के घर तक जाने वाली सड़क हमें डुबो सकती है और अगर ऐसा होता है, तो हम पैदल ही चलेंगे।"

"क्या हम उस नीग्रो को भी साथ ले चलें?"

"देखो दोस्त, ये सब छोड़ो।" केन का चेहरा सख्त हो गया था। "हम यहाँ नीग्रो की बात नहीं करते। हम मूल निवासियों की बात करते हैं। बंटू या गैर-यूरोपीय, नीग्रो नहीं।"

"किसको परवाह है?"

"हाँ, मुझे परवाह है, और अगर हम एक-दूसरे के साथ अच्छे से रहना चाहते हैं, तो तुम्हें भी परवाह करनी होगी।" फेनेल हिचकिचाई और फिर कंधे उचका दिए।

"ठीक है, ठीक है, तो क्या हुआ? उस मूल निवासी, उस बंटू, उस गैर-यूरोपीय कमीने को अपने साथ ले जाने में क्या बुराई है ताकि वह उस घटिया थैले को उठा ले?"

केन ने उसे गौर से देखा, उसकी नापसंदगी स्पष्ट थी।

नहीं। वापस आकर वो खूब बातें करेगा। मेरा एक दोस्त है जो मेनविले में हमारे कैंप में आ रहा है। उसने मेरे साथ तब काम किया था जब मैं एक वन्यजीव अभ्यारण्य में था। वो हमारे साथ आ रहा है। वो किकुयू जनजाति का है और एक बेहतरीन ट्रैकर है। उसके बिना हम कभी वहाँ नहीं पहुँच पाते। वो अभी काहलेनबर्ग की जागीर में पहरेदारों से बचने का रास्ता ढूंढ रहा है और मैं आपको बता दूं कि वहाँ करीब तीन सौ ज़ुलू लोग पहरा दे रहे हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि जब हम मेनविले में मिलेंगे, तब तक वो उनसे भी बचने का रास्ता ढूंढ लेगा, लेकिन वो किसी का सामान नहीं उठाता, सिर्फ अपना। ये बात अपने दिमाग में बिठा लो।

फेनल ने सिगरेट के धुएं के बीच से उसे तिरछी नजरों से देखा।

"क्या वो... काला है?"

"वह एक किकुयू है... इसी वजह से वह अश्वेत है।"
"एक मित्र?"
"मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक।" केन ने फेनेल को घूरकर देखा। "अगर तुम्हें इस बात पर यकीन करना इतना मुश्किल लग रहा है, तो मैं तुम्हें बता दूं कि यहाँ के बंटू लोग, जब तुम उन्हें जान लेते हो, तो बहुत अच्छे दोस्त और बहुत अच्छे इंसान होते हैं।"
सौंफ ने कंधे उचका दिए।
"यह तुम्हारा देश है... मेरा नहीं। चलो होटल वापस चलते हैं? इस बारिश से मुझे प्यास लग रही है।"
"आप जाइए। मुझे इन सब चीज़ों का हिसाब-किताब करना है और इन्हें लोड करवाना है। चलिए, हम सब साथ में डिनर करते हैं? होटल के बगल में एक अच्छा रेस्टोरेंट है। हम जो भी बात सुलझानी हो, सुलझा लेंगे। हम कल निकल सकते हैं।"
"ठीक है... फिर मिलते हैं," और फेनेल गैराज से निकलकर होटल की ओर चल पड़ा।
केन उसे जाते हुए देखता रहा, उसके चेहरे पर शिकन थी। फिर उसने कंधे उचकाए और सैम जेफरसन के पास चला गया, जहाँ वह पोंटियाक कार पर काम कर रहा था।
वे सभी रैंड इंटरनेशनल होटल के चेकमेड रेस्तरां में रात 8:30 बजे के कुछ देर बाद मिले। हमेशा की तरह, गे सबसे आखिर में पहुंचीं, उन्होंने नींबू के रंग की सूती पोशाक पहनी हुई थी और रेस्तरां में मौजूद हर पुरुष की निगाहें उन पर टिकी हुई थीं, ठीक उसी भूखी निगाह से जो पुरुषों की बेहद खूबसूरत महिलाओं को देखकर होती है।
जैसे ही वह कुर्सी पर बैठी, फेनल ने उसे निहारा और अपनी मोटी पीठ पर पसीना बहता हुआ महसूस किया। उसने अपने जीवन में कई महिलाओं को जाना था, लेकिन कोई भी उसके जैसी नहीं थी। उसके भीतर तीव्र इच्छा की लहर दौड़ गई और वह इतना कांप उठा कि उसने जानबूझकर अपना नैपकिन गिरा दिया ताकि वह झुककर उसे ढूंढ सके और अपनी इच्छा को चेहरे से दबाने की कोशिश कर सके।
"तो फिर हम क्या खाने वाले हैं?" गैरी ने पूछा।
वे सभी भूखे थे और उन्होंने ब्रोश पर समुद्री भोजन और फ्रेंच फ्राइज़ के साथ ब्रेडेड वील (बछड़े का मांस) चुना।
"कैसा चल रहा है?" गैरी ने केन से पूछा। वह फेनेल की घबराहट को भांप गया था और उसने उसके लाल चेहरे पर एक नज़र डाली, फिर नज़रें हटा लीं।
"सब कुछ नियंत्रण में है। हमने सब कुछ व्यवस्थित कर लिया है। अगर आप दोनों को ठीक लगे तो हम कल निकल सकते हैं।"
"क्यों नहीं?" गैरी ने पुष्टि के लिए गे की ओर देखा और उसने सिर हिलाया।
"जितनी जल्दी हम निकलेंगे, उतना ही आसान होगा। बारिश शुरू हो गई है। हो सकता है कि बारिश अभी तक ड्रेकेन्सबर्ग तक न पहुँची हो, लेकिन अगर पहुँच गई है, तो फेनेल और मुझे काफी लंबा सफर तय करना पड़ेगा। इसलिए, अगर आपको कोई आपत्ति न हो, तो हम कल सुबह 8 बजे निकलेंगे। हम लैंड रोवर में जा रहे हैं... सामान से लदे होने के कारण सफर उतना

आरामदायक नहीं होगा। मेनविले में हमारे कैंप तक लगभग तीन सौ किलोमीटर का रास्ता है।"
समुद्री भोजन परोसा गया और जब वेटर चला गया, तो केन ने आगे कहा, "मेनविले, काहलेनबर्ग के घर से लगभग चार सौ किलोमीटर दूर है। हेलीकॉप्टर मेनविले में होगा। अगर कोई गड़बड़ न हो तो एयरलिफ्ट में ज़्यादा समय नहीं लगेगा। आप दोनों एक दिन कैंप में रुकेंगे, जबकि मैं और फेनल सड़क मार्ग से आगे बढ़ेंगे। फिर आप उड़ान भरेंगे। हम आपसे टू-वे रेडियो पर संपर्क में रहेंगे। मैंने इन्हें टेस्ट किया है... ये ठीक हैं। अगर किस्मत अच्छी रही तो हम दोपहर के ठीक बाद मेनविले पहुँच जाएँगे। मैं और फेनल अगली सुबह लगभग 5 बजे निकलेंगे। आप अगली सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरेंगे। आपको काहलेनबर्ग के घर एक घंटे में पहुँच जाना चाहिए। आपको ज़्यादा जल्दी नहीं पहुँचना है। कैसा रहेगा?"
"ठीक है," गैरी ने कहा। "और हेलीकॉप्टर का क्या? उसकी सर्विस और पेट्रोल का क्या होगा?"
"सब कुछ ठीक हो गया है। आपके पास उसे लाने-ले जाने के लिए पर्याप्त ईंधन होगा। मैं गारंटी देता हूँ कि उसकी पूरी सर्विस हो चुकी होगी। यह सुनिश्चित करना आपकी ज़िम्मेदारी है कि वह ठीक है या नहीं, लेकिन मुझे जो बताया गया है, उसके अनुसार वह वहाँ आपका इंतज़ार कर रही होगी और चलने के लिए तैयार होगी।"
"मेनविले कैसा है?" गे ने अपना चाकू और कांटा नीचे रखते हुए पूछा।
केन मुस्कुराया। "घोड़े और बग्गी वाला कस्बा। मैंने कस्बे से पांच मील दूर जंगल में शिविर का इंतजाम कर लिया है।"
उन्होंने बछड़े का मांस खाना शुरू किया, जिसका उन्होंने बड़े चाव से आनंद लिया। उन्होंने ऑपरेशन के बारे में और विस्तार से चर्चा की। गे और गैरी दोनों जानते थे कि फेनेल खाने के ऊपर गुर्राने और गे को देखते रहने के अलावा कुछ खास नहीं बोलता था। खाना खत्म होने पर उन्होंने कॉफी पी और इस दौरान केन बातें करता रहा। वह सहज और दिलचस्प वक्ता था और उसने उन दोनों का मनोरंजन किया।
“मेनविले तक गाड़ी चलाने में आपको मज़ा आएगा,” उन्होंने कहा। “आखिरी चक्कर में मैं हाईवे पर नहीं जाऊँगा और आपको जंगली जानवर देखने को मिलेंगे... जंगली सूअर, इम्पाला, वॉटरबक, वर्वेट बंदर वगैरह। अगर आप जानना चाहें तो जब भी हम उन्हें देखेंगे, मैं आपको उनके बारे में सारी जानकारी दे दूँगा। मैं एक ज़माने में एक आलीशान अभयारण्य में वन्यजीव संरक्षक था... लोगों को लैंड रोवर में घुमाकर जंगली जानवर दिखाता था।”
"आपने इसे क्यों छोड़ दिया?" गे ने पूछा। "मुझे लगा था कि यह एक प्यारा जीवन था।"
केन हँस पड़ा।
"आप ऐसा ही सोचते होंगे, है ना? जानवरों में कोई खराबी नहीं थी, लेकिन ग्राहकों ने आखिरकार मुझे परेशान कर दिया। आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि जंगल में जाकर आपको जानवर आपका इंतज़ार करते मिलेंगे। आपको धैर्य रखना होगा। कई बार, खासकर इस मौसम में, आप मीलों तक गाड़ी चला सकते हैं और कुछ भी नहीं दिखेगा। ग्राहक हमेशा शिकायत करते रहते हैं... मुझे दोष देते हैं। कुछ सालों बाद मैं इससे तंग आ गया। एक ग्राहक ने तो मुझ पर हद ही कर दी। ठीक है, उसकी किस्मत अच्छी नहीं थी। बरसात का मौसम था, और वह एक भैंस की

तस्वीर खींचना चाहता था। उसने अमेरिका में अपने एक दोस्त के साथ हज़ार डॉलर की शर्त लगाई थी कि वह तस्वीर लेकर आएगा... लेकिन भैंस नहीं दिखी। हम घंटों तक उन्हें ढूंढते रहे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, इसलिए उसने अपना गुस्सा मुझ पर निकाला।" केन मुस्कुराया। "मैंने उसे ज़ोर से मुक्का मारा और उसका जबड़ा तोड़ दिया... इसके लिए मुझे अठारह महीने जेल हुई, इसलिए जब मैं बाहर आया, तो मैंने काम छोड़ दिया।"

फेनेल, जो बेसब्री से सुन रहा था, बीच में बोला, "खैर, मुझे नहीं पता कि तुम दोनों क्या करने वाले हो, लेकिन मैं मिस डेसमंड को अपने साथ चलने और नाइटस्पॉट देखने के लिए आमंत्रित कर रहा हूँ।" उसने गे की ओर सीधे देखते हुए कहा, "कैसा रहेगा?"

थोड़ी देर का विराम रहा। गैरी ने जल्दी से फेनेल के लाल चेहरे की ओर देखा और फिर गे की ओर देखा जो पूरी तरह से शांत होकर मुस्कुरा रही थी।

"आपकी मेहरबानी के लिए धन्यवाद, श्रीमान फेनेल, लेकिन मुझे माफ़ कीजिए। अगर मुझे इतनी जल्दी उठना है, तो मुझे नींद भी चाहिए।" वह खड़ी हो गई। "शुभ रात्रि। सुबह मिलते हैं," और पुरुषों की निगाहों के बीच वह रेस्तरां से बाहर निकल गई।

फेनल अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गया, उसका चेहरा पीला पड़ गया था, उसकी आँखें गुस्से से लाल थीं। "बेवकूफी भरा बर्ताव!" वह गुर्राया। "वह खुद को समझती कौन है?"

केन उठ खड़ा हुआ।

"मैं बिल का भुगतान कर दूंगा और फिर सोने जा रहा हूं," और वह कैश काउंटर की ओर चल पड़ा।

गैरी ने धीरे से कहा, "आराम से। लड़की थक गई है। अगर तुम कहीं जाना चाहो तो मैं तुम्हारे साथ चलूंगा।"

फेनल ने मानो कुछ सुना ही नहीं। वह वहीं बैठा रहा, उसकी आँखों में थोड़ी सी क्रोध झलक रहा था, उसके चेहरे पर अब थोड़ी रौनक लौट रही थी। वह भारी कदमों से उठा और रेस्तरां से बाहर निकलकर लिफ्ट की ओर चल पड़ा। वह हताशा और गुस्से से कांप रहा था।

ठीक है, कमीनी, वह सोच रहा था जैसे ही लिफ्ट के दरवाजे खुले। मैं तुझे ठीक कर दूंगा! बस मुझे दस मिनट के लिए अकेला छोड़ दे और मैं तुझे इतनी जल्दी ठीक कर दूंगा कि तुझे पता भी नहीं चलेगा कि तेरे साथ क्या हुआ।

वह अपने कमरे में पहुँचा, दरवाजा जोर से बंद किया और अपने कपड़े फाड़ डाले। उसने खुद को बिस्तर पर पटक दिया, उसके नाखून उसकी हथेलियों में गड़ गए, और उसके भारी गालों से पसीना बह रहा था।

एक घंटे से अधिक समय तक, उसके कामुक मन में उन चीजों की कल्पना चलती रही जो वह उसके साथ अकेले में करेगा, लेकिन कुछ देर बाद, कामुक विचार समाप्त हो गए और उसका मन सामान्य होने लगा।

उसे अचानक शालिक की कही बात याद आ गई: तुम गे डेसमंड को बिलकुल अकेला छोड़ दोगे... अगर तुमने मिस डेसमंड के साथ ऐसा कुछ करने की कोशिश की, तो मैं वादा करता हूँ कि इंटरपोल को मेरी तरफ से तुम्हारी फाइल मिल जाएगी।

शालिक को तीनों हत्याओं के बारे में कैसे पता चला था?

सौंफ बिस्तर पर बेचैनी से हिलने लगी। उसने सिगरेट उठाई, उसे जलाया और सामने लगे घूमते हुए साइनबोर्ड की रोशनी में कमरे के दूसरी ओर देखने लगी।

अचानक वह हांगकांग में वापस आ गया, वानचाई के फेनविक स्ट्रीट घाट पर एक नाव से उतरते हुए। वह अपने तीन चीनी दोस्तों के साथ तस्करी के एक मिशन पर था। उन्होंने चू लू कोक द्वीप पर बिना किसी परेशानी के अफीम की खेप उतार दी थी और फेनेल की जेब में 3,000 डॉलर थे। उसे दस घंटे में इंग्लैंड वापस जाना था। छह दिनों तक उस बदबूदार नाव में बंद रहने के बाद, उसे एक महिला की ज़रूरत थी।

उसके चीनी दोस्तों ने उसे बताया था कि कहाँ जाना है। वह रिक्शा, तेज़ रफ़्तार वाहनों, फल विक्रेताओं और शोर मचाते चीनी लोगों की भीड़ के बीच से होते हुए ग्लॉस्टर रोड पर चलता रहा, जब तक कि वह उस वेश्यालय तक नहीं पहुँच गया, जिसकी सिफारिश की गई थी।

चीनी लड़की छोटी, गठीली और भारी नितंबों वाली थी, जो फेनेल को पसंद थे, लेकिन वह बिल्कुल भावहीन थी। वह महज़ उसकी हवस मिटाने का ज़रिया थी और जब वह असंतोषजनक मिलन खत्म हुआ, तो फेनेल, जिसके अंदर आधी बोतल व्हिस्की थी और जिससे उसकी इंद्रियाँ सुस्त पड़ गई थीं, सो गया, लेकिन फेनेल हमेशा बेहोशी की हद से थोड़ा नीचे ही सोता था। उसने हमेशा जोखिम भरी ज़िंदगी जी थी और खुद को इस तरह से प्रशिक्षित किया था कि चाहे वह कितना भी पी ले, कभी पूरी तरह बेहोश न हो। जब वह जागा तो उसने लड़की को अभी भी नग्न पाया, उसकी हाथीदांत जैसी त्वचा सड़क की रोशनी से जगमगा रही थी।

बिना पर्दे वाली खिड़की से अंदर आकर, उसने उसके भरे हुए बटुए से अपने लिए पैसे निकाल लिए।

फेनल बिस्तर से उठकर उसके पूरी तरह जागने से पहले ही उस पर टूट पड़ा। उसकी मुट्ठी उसके चेहरे पर ज़ोर से लगी, जिससे उसका सिर पीछे की ओर झुक गया और वह गिर पड़ी, उसके छोटे से हाथ से उसके पैसे गिर गए और उसकी आँखें ऊपर की ओर घूम गईं।

फेनल उस पर गुर्राया, फिर पैसे इकट्ठा करने लगा। जब उसने अपने कपड़े पहने और अपना बटुआ अपनी कमर की जेब में डाला, तब उसे एहसास हुआ कि कुछ गड़बड़ है। वह बेजान शरीर पर झुका और उसकी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई। उसने उसके घने बालों से उसका सिर उठाया और सिर को कंधों पर बुरी तरह लुढ़कते देख उसका चेहरा बिगड़ गया। उसके क्रूर, हिंसक प्रहार से उसकी गर्दन टूट गई थी।

उसने अपनी घड़ी देखी। लंदन जाने से पहले उसके पास दो घंटे थे। उसने कमरा छोड़ा, दरवाजा बंद किया और सीढ़ियों से नीचे उतरकर उस जगह पहुँचा जहाँ एक बूढ़ा चीनी व्यक्ति ग्राहकों के आने-जाने का हिसाब-किताब करने के लिए डेस्क पर बैठा था। वह जानता था कि उसे अपनी आज़ादी की कीमत चुकानी पड़ेगी।

"मैं बीस मिनट में कबाड़ से निकल रहा हूँ," उसने झूठ बोला। "वेश्या मर चुकी है। कितना खर्चा आएगा?"

पीले झुर्रीदार चेहरे पर कुछ भी नहीं दिख रहा था: बुढ़ापे का एक कागज़ का नक्शा।

"एक हजार डॉलर," बूढ़े आदमी ने कहा। "मुझे एक घंटे में पुलिस को फोन करना है।"
सौंफ ने क्रूरता से गुर्राते हुए अपने दांत दिखाए।
"बूढ़े आदमी, मैं तुम्हारा गला घोंट सकता हूँ... यह बहुत ज्यादा होगा।"
उस चीनी व्यक्ति ने अपने कंधे उचकाए।
"फिर मुझे पांच सौ डॉलर मिलेंगे और मैं आधे घंटे में पुलिस को फोन कर दूंगा।"
सौंफ ने उसे हज़ार डॉलर दे दिए। वह हांगकांग में इतने लंबे समय से रह रहा था कि उसे पता था कि सौदा फायदे का सौदा होता है। उसे निकलने के लिए कम से कम एक घंटा चाहिए था और वह निकल चुका था।
अपने बिस्तर पर लेटे हुए, सामने वाली दीवार पर परावर्तित प्रकाश से बन रही आकृतियों को देखते हुए, उसे उस लड़की की याद आ गई। अगर वह थोड़ी और समझदार होती, तो वह उसे इतनी ज़ोर से नहीं मारता। खैर, उसने मन ही मन बिना किसी दृढ़ विश्वास के कहा, उसे जो मिला, वह उसी की हकदार थी।
इस्तांबुल की एक गंदी, बदबूदार गली में जिस पुरुष वेश्या से उसकी बदकिस्मती से मुलाकात हुई थी, उसे भी उसकी करनी का फल मिल गया। फेनल मार्सिले जाने से पहले कुछ घंटे शहर में बिताने के लिए जहाज से उतरा था। वह भारत से तीन किलो सोना एक ऐसे आदमी के लिए लाया था जो अच्छी रकम दे रहा था: एक मोटा, बूढ़ा तुर्क जो रिश्वत के तौर पर सोना चाहता था। फेनल ने सौदा किया, पैसे लिए और फिर रात बिताने के लिए एक लड़की ढूंढ ली। अब उसके बारे में सोचते हुए फेनल को एहसास हुआ कि वह चालाक थी। उसने उसे शराब पिला दी थी और जब होटल के बिस्तर पर सोने का समय आया, तो वह इतना नशे में था कि उसे उसकी परवाह ही नहीं थी। वह तीन घंटे सोया और जब उठा तो वह वहां नहीं थी, लेकिन कम से कम वह चोर तो नहीं थी। गुस्से से आग बबूला और लगभग होश में, फेनल अपने जहाज की ओर वापस चल पड़ा। यहीं, इस गंदी गली में, उसकी मुलाकात एक इत्र लगाए लड़के से हुई: सुंदर, काली आंखों वाला और एक धूर्त, व्यंग्यात्मक मुस्कान वाला, जिसने उससे विनती की। फेनल ने अपना क्रोध उस पर उतारा और उसका सिर दीवार पर दे मारा, जिससे दीवार पर एक बड़ा लाल धब्बा बन गया, जबकि दीवार पहले गंदी सफेद थी।
खिड़की से झांकती एक महिला ने हिंसा का वह क्रूर कृत्य देखा और चीखने लगी। फेनेल अपने जहाज पर वापस आ गया, लेकिन जहाज के रवाना होने पर ही उसने खुद को सुरक्षित समझा।
फेनल अक्सर अपने अतीत के भूतों के साथ जीता था। वह खुद को समझाता रहता था कि मृतकों का उसके जीवन में कोई स्थान नहीं है, लेकिन वे उसके मन में बने रहते थे। ऐसे क्षणों में, जब वह यौन रूप से कुंठित और अकेला होता था, तो उसके अतीत की हिंसा बार-बार उसके मन में आ जाती थी।
यह तीसरी हत्या उसे बाकी दो हत्याओं से कहीं ज़्यादा परेशान कर रही थी। उसे एक धनी मिस्रवासी ने एक व्यापारी की तिजोरी खोलने के लिए काम पर रखा था, जिसे मिस्रवासी ने एक बड़े ऋण के बदले ज़मानत के तौर पर बांड दिए थे। फेनेल समझता था कि ये बांड जाली थे और किसी भी क्षण पकड़े जा सकते थे: काम अत्यंत ज़रूरी था।

वह आसानी से आलीशान घर में घुस गया था और तिजोरी खोलने के लिए उसके सामने बैठ गया था। समय 2:45 बज रहा था और घरवाले सो रहे थे।

तिजोरी पुराने जमाने की थी और फेनेल को उसे खोलने में दिक्कत हो रही थी। जैसे ही उसने आखिरकार तिजोरी का दरवाजा खोला, उसके औजार इधर-उधर बिखर गए और जिस कमरे में वह खुद था, उस कमरे का दरवाजा धक्का देकर खुल गया।

फेनल ने अपनी टॉर्च बंद की, जिस छोटी स्टील की छड़ से वह काम कर रहा था उसे उठाया और घूम गया।

दरवाजे पर एक धुंधली सी आकृति खड़ी थी, फिर बत्ती जल गई।

एक लड़की नाइटड्रेस और ड्रेसिंग गाउन पहने फेनल के सामने खड़ी थी। वह छोटी, सांवली, बड़ी-बड़ी काली आँखों वाली और सांवली रंगत की थी। उसकी उम्र दस साल से ज़्यादा नहीं रही होगी —असल में वह नौ साल की थी। वह डर से फेनल को घूर रही थी और चीखने के लिए उसका मुंह खुलने लगा। फेनल दो तेज़ कदमों में उसके पास पहुँचा और लोहे की छड़ उसके सिर पर दे मारी।

उस घबराहट भरे क्षण में, उसे उसे जान से मारने में ज़रा भी संकोच नहीं हुआ था। वह अच्छी तरह जानता था कि वार जानलेवा था। उसने उसे देख लिया था, और अगर वह उसे केवल बेहोश कर देता, तो वह पुलिस को उसका हुलिया बता सकती थी।

उसने तिजोरी से बॉन्ड निकाले, अपने औजारों को बांधा और निकल गया। जब वह अपनी कार में बैठा, तभी उसने अपने एक हाथ पर खून देखा और उसे अपने किए का पूरा एहसास हुआ।

वे बड़ी-बड़ी, भयभीत काली आँखें अक्सर उसके सपनों में दिखाई देती थीं। अगले दिन अखबारों से उसे पता चला कि वह बच्ची मूक-बधिर थी। उसने खुद को समझाने की कोशिश की कि उसका मर जाना ही बेहतर था, लेकिन जब वह अकेला बिस्तर पर था, तो रात के कपड़े में उस बच्ची की तस्वीर और चीखने की कोशिश करते हुए उसके चेहरे पर व्याप्त भय उसके अंतरात्मा को झकझोर रहा था।

वह सामने लगे साइनबोर्ड से निकलती लाल और नीली रोशनी को छत पर प्रतिबिंबित होते हुए देखता रहा, और अंततः बेचैन नींद में डूब गया।

अध्याय पाँच

मैक्स काहलेनबर्ग हमेशा सुबह 5 बजे उठते थे। ऐसा लगता था मानो उनके दिमाग में अलार्म घड़ी लगी हो। सात घंटे की नींद के दौरान शायद उनकी जान ही निकल जाती। उन्हें न तो सपने आते थे और न ही वे तब तक हिलते-डुलते थे जब तक कि वे अपनी आँखें खोलकर अपने बिस्तर के सामने वाली विशाल खिड़की से फैले भव्य पर्वत श्रृंखला के ऊपर सूर्योदय नहीं देख लेते थे।

बिस्तर बहुत बड़ा था, एक चबूतरे पर रखा हुआ था, जिसका ऊपरी हिस्सा शंख के आकार का था और उस पर नींबू रंग के रेशम का लेप लगा था। उसकी पहुँच में धुएँ से तपती ओक की लकड़ी से बने कुछ बटन थे। हर बटन से उसे उठने का तरीका नियंत्रित होता था। लाल बटन से नींबू रंग के खिड़की के पर्दे खुलते और बंद होते थे। पीले बटन से बिस्तर फर्श तक नीचे आ जाता था ताकि वह अपनी बिजली से चलने वाली व्हीलचेयर में बैठ सके। नीले बटन से उसके बिस्तर के पास एक छोटा सा ढक्कन खुलता था जिससे उसकी कॉफी की ट्रे आती थी। काले बटन से उसका बाथटब अपने आप और बिल्कुल सही तापमान पर भर जाता था।

हरे बटन को दबाने से उसके बिस्तर के अंत में स्थित टीवी मॉनिटर चालू हो गया, जिससे वह सीधे अपनी एक सचिव से संपर्क कर सका।

मैक्स काहलेनबर्ग की नींद खुली और उसने लाल बटन दबाया। खिड़की के पर्दे खुल गए और उसने आसमान की ओर देखा, भागते हुए बादलों को देखकर उसे लगा कि बारिश जल्द ही आने वाली है। उसने हेडबोर्ड के पीछे छिपी डिफ्यूज्ड लाइट जलाई और लाल बटन को अंगूठे से दबाया। जैसे ही उसके बगल वाला ढक्कन ऊपर सरका, एक चांदी की कॉफी पॉट, दूध का जग, चीनी का डिब्बा और एक कप-तश्तरी वाली ट्रे उसकी पहुँच में आ गई और ढक्कन बंद हो गया।

विशाल पलंग पर लेटे हुए मैक्स काहलेनबर्ग किसी आकर्षक फिल्म स्टार की तरह दिख रहे थे। उनका सिर पूरी तरह मुंडा हुआ था। उनकी आंखें चौड़ी और नीली-भूरी थीं, नाक सुडौल थी और मुंह बड़ा, भावहीन था, ऊपरी होंठ पतला था। वे हमेशा नग्न सोते थे, और जैसे ही वे उठे, उनका गहरा टैन किया हुआ, शानदार ढंग से विकसित धड़ दिखाई दिया।

उन्होंने अपनी कॉफ़ी पी, सिगरेट जलाई और फिर हरे बटन को दबाकर अपनी एक सेक्रेटरी से बात की। टीवी स्क्रीन चालू हुई और उन्होंने देखा कि सुबह की शिफ्ट में काम करने वाली भारतीय लड़की मिया पेंसिल और पैड उठा रही है। उन्होंने उसे देखकर प्रसन्नता का भाव दिखाया। उन्हें सुंदर महिलाएं पसंद थीं और वे केवल उन्हीं महिलाओं को काम पर रखते थे जो उनकी नज़रों को भाती थीं। पतली, सांवली, बेहद खूबसूरत दिखने वाली उस लड़की ने, जिसकी बड़ी-बड़ी आंखें सीधे उनकी ओर देख रही थीं, हालांकि वह उन्हें देख नहीं पा रही थी, कहा, "सुप्रभात महोदय।"

काहलेनबर्ग ने उसे गौर से देखा, फिर कहा, "सुप्रभात, मिया। क्या डाक आ गई है?"

"अब इसका समाधान किया जा रहा है, महोदय।"

"मैं एक घंटे में बोलकर लिखवाने के लिए तैयार हो जाऊंगा। नाश्ता कर लो," और उसने फोन बंद

कर दिया। फिर उसने काले बटन को दबाया जिससे उसका बाथटब भर गया और बिस्तर नीचे फर्श पर आ गया। उसने अपने ऊपर से चादर हटा दी।

उस क्षण काहलेनबर्ग एक सुंदर, आकर्षक एथलीट से एक विकृत और भद्दा प्राणी बन गया। उसकी माँ और डॉक्टर के अलावा किसी ने भी उसके पैर नहीं देखे थे। जन्म से ही वे कभी बढ़े नहीं थे। उसके सुविकसित धड़ की तुलना में, वे दो भयानक दिखने वाले अंग थे, जो पूरी तरह से बने हुए थे, लेकिन उसका भार उठाने में असमर्थ थे। वह उनसे इतनी घृणा करता था कि न केवल उसका जीवन पूरी तरह बर्बाद हो गया, बल्कि वह मानसिक रूप से भी खतरनाक रूप से विक्षिप्त हो गया था।

जब वह खुद अपने कमरे में होता था, तब किसी को भी उसके कमरे में जाने की अनुमति नहीं थी। वह तभी सुरक्षित महसूस करता था जब वह कपड़े पहनकर अपनी कुर्सी पर बैठा होता था, जिस पर पैरों के ऊपर बटन वाला कवर लगा होता था, और तभी वह ताक-झांक करने वाली निगाहों से बच पाता था।

उसने खुद को कुर्सी पर बिठाया और उसे विशाल बाथरूम की ओर दौड़ा दिया।

एक घंटे बाद, वह नहा-धोकर और दाढ़ी बनाकर बाहर निकला, और बाथरूम से सटे सुसज्जित व्यायामशाला में उसने अच्छी कसरत भी की थी। उसने अपने शरीर के निचले हिस्से को सूती लंगोटी से लपेटा, सफेद खुली गर्दन वाली कमीज पहनी, कुर्सी पर कवर डाला और कुर्सी को अपने कार्यालय की ओर जाने वाले लंबे गलियारे में ले गया।

एक पूरी तरह विकसित चीता उसकी ओर आ रहा था। यह हिंडेनबर्ग था, काहलेनबर्ग का निरंतर साथी। उसने कुर्सी रोक दी और उस विशाल बिल्ली के पास आने का इंतज़ार किया। उसने चीते के घने फर को सहलाया, जिससे चीते ने एक गहरी, कर्कश आवाज़ निकाली। फिर एक आखिरी थपकी के साथ, काहलेनबर्ग ने कुर्सी को आगे बढ़ा दिया, हिंडेनबर्ग उसके पीछे-पीछे गया और स्वचालित रूप से खुलने वाले दोहरे दरवाजों तक पहुँचकर कमरे में प्रवेश कर गया।

काहलेनबर्ग का कार्यालय विशाल था और उसमें एक खिड़की थी जो कमरे के दृश्य वाले हिस्से की पूरी लंबाई में फैली हुई थी।

अपनी बड़ी मेज से, उन्हें अपने लॉन, फूलों की क्यारियों, दूर के जंगल, उनके ज़ुलू परिवार के बिखरे हुए गोल घरों से सजी लहरदार घास से ढकी पहाड़ियों से लेकर ड्रेकेन्सबर्ग पर्वत श्रृंखला तक का निर्बाध दृश्य दिखाई देता था।

उनकी डेस्क पर विभिन्न रंगों के स्टिकर लगे हुए डाक पत्र पड़े थे, जो उनकी प्राथमिकता को दर्शाते थे।

सोने से पहले, उसने उन विभिन्न मामलों के नोट्स बना लिए थे जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता थी। उसने अपनी मेज पर लगे हरे बटन को दबाया और जब टीवी मॉनिटर चालू हुआ और उसने मिया को अपनी मेज पर बैठे देखा, तो उसने बोलना शुरू कर दिया।

एक घंटे बाद, उसने पिछले दिन के नोट्स पूरे कर लिए थे। "बस इतना ही, मिया। क्या हो-लू वहाँ है?"

"वह अभी इंतजार कर रही है, महोदय।"

"मैं आधे घंटे में उसके लिए तैयार हो जाऊंगा," और उसने टीवी बंद कर दिया।
उन्होंने लगभग पचास पत्रों की डाक को तेजी से पढ़ा, ऐसे त्वरित निर्णय लिए जिनसे उनकी पहले से ही विशाल संपत्ति में और इजाफा होगा, और फिर से मॉनिटर स्क्रीन को रोशन किया। इस बार मेज पर फूल जैसी सुंदर वियतनामी लड़की धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रही थी। उन्होंने उसका अभिवादन किया और बोलकर लिखवाना शुरू कर दिया।
सुबह 10 बजे तक उन्होंने अपना डेस्क खाली कर दिया था। कुछ पल आराम से बैठे रहे, अपनी उंगलियों से हिंडेनबर्ग के सिर को सहलाते रहे, फिर उन्होंने इंटरकॉम का एक बटन दबाया और कहा, "कृपया अंदर आइए।"
कुछ क्षणों की देरी के बाद, दरवाजे पर एक दस्तक सुनाई दी और दरवाजा खुल गया।
काहलेनबर्ग के निजी सहायक गुइलो टाक अंदर आए, दरवाजा बंद किया और डेस्क की ओर बढ़े।
गुइलो टाक एक लंबा, दुबला-पतला आदमी था, जिसके घने काले बाल उसके दुबले-पतले चेहरे को और भी उभारते थे। उसकी काली आँखें धँसी हुई थीं और खोपड़ी जैसे चेहरे पर मानो ज्वाला से जल रही थीं। इतालवी माँ और चेक पिता के पुत्र, उसने कम उम्र में ही गणित में अद्भुत प्रतिभा दिखाई थी। उसने एक स्विस बैंक में नौकरी प्राप्त की और जल्दी ही खुद को वित्तीय मामलों में माहिर साबित कर दिया। जब काहलेनबर्ग ने बैंक के एक निदेशक से पूछा कि क्या वह किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो उनके निजी सहायक के रूप में काम कर सके, तो निदेशक ने बिना किसी झिझक के टाक का नाम सुझा दिया।
काहलेनबर्ग ने उन्हें न केवल वित्तीय मामलों में माहिर पाया, बल्कि बेहद निर्मम, बेहद कुशल और पूरी तरह वफादार भी। काफी समय से काहलेनबर्ग अपने संग्रहालय के लिए कला चोरों की आपूर्ति के लिए विशेषज्ञ चोरों को काम पर रख रहे थे। इसके लिए काफी संगठन और विचार-विमर्श की आवश्यकता थी और काहलेनबर्ग को इसमें लगने वाले समय से परेशानी होती थी। उन्होंने इन सभी कामों को टाक को सौंपने में काफी हिचकिचाहट दिखाई, और लगभग अठारह महीने बाद आखिरकार उन्होंने फैसला किया कि टाक पर भरोसा किया जा सकता है। अब टाक न केवल संग्रहालय के प्रभारी थे, बल्कि काहलेनबर्ग के पोर्टफोलियो का भी प्रबंधन करते थे, अक्सर सुझाव देते थे और उन अवसरों की ओर इशारा करते थे जिन्हें काहलेनबर्ग अपने अन्य कामों के कारण शायद चूक जाते।
"सुप्रभात महोदय," टाक ने थोड़ा झुककर कहा।
"बैठ जाओ," काहलेनबर्ग ने अपनी कोहनियों को डेस्क पर टिकाते हुए और टाक को घूरते हुए कहा, और सोच रहे थे कि यह कितना असाधारण दिखने वाला आदमी है। "बोर्जिया रिंग कांड के बारे में कोई खबर है?"
"जी जनाब। तीनों चोर कुछ मिनट पहले रैंड इंटरनेशनल होटल पहुंचे हैं। फेनेल परसों आया था। वह पेरिस से आया था। एक गैराज मालिक, सैम जेफरसन, उनका सामान खरीद रहा है। अगर आप देखना चाहें तो मेरे पास उसकी सूची है। मेरे पास हवाई अड्डे पर पहुंचते समय ली गई इन लोगों की तस्वीरें भी हैं।" उन्होंने काहलेनबर्ग पर एक नज़र डाली और फिर अपने साथ लाया हुआ

एक बड़ा लिफाफा मेज पर रख दिया। "शायद आपको यह महिला आकर्षक लगे।"
काहलेनबर्ग ने तीनों पुरुषों की ज़ूम की हुई तस्वीरों पर एक नज़र डाली और उन्हें ब्लॉटर पर रख दिया, लेकिन कुछ पल तक वह गे की तस्वीर को ध्यान से देखता रहा। फिर उसने ऊपर देखा। "तुम उसके बारे में क्या जानते हो?"
"उनकी सारी फाइलें लिफाफे में हैं, महोदय।"
"धन्यवाद, टाक। आपसे बाद में मिलेंगे।"
टाक के जाने के बाद, काहलेनबर्ग ने गे की तस्वीर उठाई और कुछ मिनटों तक उसका अध्ययन किया, फिर एक दराज खोलकर तस्वीर को रख दिया। उन्होंने चारों फाइलें पढ़ीं, उपकरणों की सूची देखी, और पढ़ा कि शिविर मेनविले के पास स्थित था और पिछले दिन वहाँ एक हेलीकॉप्टर आया था। उन्होंने सभी कागज़ात वापस लिफाफे में डाले और उसे बंद कर दिया। वे काफी देर तक झुकी हुई आँखों से अपनी रिपोर्ट को देखते रहे, फिर अपने निर्णय पर संतुष्टि से सिर हिलाते हुए, अपनी कुर्सी को हिलाया और हिंडेनबर्ग को उंगली दिखाकर इशारा किया, और आधे घंटे के आराम के लिए बगीचे में चौड़े रास्ते पर चल दिए। बड़ी बिल्ली उनके साथ-साथ घूमती रही।
सुबह 11 बजे अपने डेस्क पर लौटकर, काहलेनबर्ग ने दोपहर के भोजन तक आए हुए और कागजों पर काम किया। उन्होंने हॉर्सरैडिश सॉस के साथ स्मोक्ड ट्राउट और एक कॉफी का दोपहर का भोजन किया, फिर अपने कार्यालय लौटकर टाक को दोबारा बुलवाया।
"मैंने बोर्जिया की अंगूठी के लिए कितने पैसे दिए?" उसने पूछा।
"साठ हजार डॉलर। मर्सियल ने ढाई लाख डॉलर दिए। हमें यह बहुत सस्ते में मिल गया। अब मर्सियल इसे वापस पाने के लिए शालिक को पांच लाख डॉलर दे रहा है। बेतुका है, लेकिन इसके बिना उसका बोर्जिया संग्रह बर्बाद हो जाएगा।"
"मेरा मन तो यही है कि मैं उसे यह वापस दे दूं," काहलेनबर्ग ने टाक की ओर देखते हुए कहा, जिसने कुछ नहीं कहा। टाक अब तक काहलेनबर्ग के सोचने का तरीका समझ चुका था। "यह मज़ेदार तो हो सकता है, लेकिन इन चारों को बिना मेहनत किए यह दे देना ठीक नहीं होगा, है ना?"
टाक ने अपना सिर झुकाया और इंतजार करता रहा।
"तो फिर उन्हें यहाँ आने क्यों न दिया जाए? जैसा कि आपने कहा, वह महिला आकर्षक है। यह देखना दिलचस्प होगा कि फेनेल, जो इतनी बड़ी विशेषज्ञ मानी जाती है, संग्रहालय में सेंध लगा पाती है या नहीं। चलिए उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। बाकी की जानकारी आप पर छोड़ दीजिए।"
"क्या आप चाहते हैं कि वे अंगूठी लेकर चले जाएं, महोदय?"
"हम उनके प्रवेश को आसान और उनके प्रस्थान को कठिन बना देंगे, लेकिन अगर वे इसे संपत्ति से बाहर ले जा सकते हैं, तो मुझे लगता है कि वे इसे रखने के हकदार होंगे, लेकिन केवल तभी जब वे इसे संपत्ति से बाहर ले जा सकें।" काहलेनबर्ग की निगाहें टाक के चेहरे पर टिकी थीं। "समझे?"
"जी श्रीमान।"
"इसलिए हम उन्हें अंदर आने देते हैं और उनके लिए बाहर निकलना मुश्किल बना देते हैं। अगर

उन्हें कुछ हो जाता है, तो मुझे लगता है कि मगरमच्छ अतिरिक्त भोजन का स्वागत करेंगे।"
टाक की आंखें सिकुड़ गईं।
"क्या आपकी यही इच्छा है कि उनके साथ कुछ बुरा हो जाए, महोदय?"
"खैर, अगर वे संग्रहालय में घुसकर फिर बातचीत करने के लिए निकल जाते हैं तो यह अजीब स्थिति होगी। हम नहीं चाहेंगे कि इंटरपोल यहाँ आकर पूछताछ करे। बृहस्पति की प्रतिमा के गायब होने से वेटिकन विशेष रूप से नाराज था। मुझे हमेशा से यह समझ नहीं आया कि वह बदमाश उसे वेटिकन से बाहर कैसे ले गया। नहीं, इंटरपोल को यह पता चलना ठीक नहीं होगा कि संग्रहालय जमीन के नीचे है।"
"लेकिन ऐसी कुछ अटकलें थीं, महोदय, कि आप अंगूठी मर्सियल को लौटा रहे थे।"
"हां... मैं अंगूठी लौटा दूंगा लेकिन उसके ऑपरेटरों को नहीं।"
टाक ने इस बात का अनुसरण नहीं किया, बल्कि उसने इंतजार किया।
"मुझे लगता है कि हमारे ज़ुलू लोग बदलाव के तौर पर किसी अपराधी की तलाश का स्वागत करेंगे?"
"उन पर भरोसा किया जा सकता है, महोदय।"
"हाँ... वे अभी भी उस बर्बर व्यक्ति के बहुत करीब हैं। बेशक, इसकी आवश्यकता नहीं है। हमारे चारों साहसी लोग रास्ता भटक सकते हैं। फिर भी, उन्हें सतर्क कर दिया जाए। किसी प्रकार के इनाम की व्यवस्था करें और सबूत पर जोर दें।"
"जी श्रीमान।"
"मुझे मानना पड़ेगा कि ऐसी खोज मुझे मज़ेदार लगेगी।" काहलेनबर्ग के पतले होंठों वाला मुंह कस गया। "जब उन्हें ढूंढकर अंगूठी मुझे वापस मिल जाएगी, तो मैं उसे मर्सियल को भेज दूंगा।" उसने टाक को घूरते हुए अपनी ठुड्डी रगड़ी। "हमें कोई गलती नहीं करनी चाहिए। अगर उनमें से एक भी भाग निकला तो यह खतरनाक होगा। आपको क्या लगता है इसकी क्या संभावना है?"
उनके पास मेरे सौ ज़ुलू और जंगल के खिलाफ क्या है?
टक ने समस्या पर विचार किया, फिर अपना सिर हिलाया।
"बिल्कुल भी संभावना नहीं है, महोदय।"
"मुझे भी यही लगता है।" काहलेनबर्ग थोड़ी देर रुके, अपने डेस्क में रखी तस्वीर के बारे में सोचते हुए। "उस महिला के लिए बहुत दुख की बात है।"
टक उठ खड़ा हुआ।
"क्या और कुछ है, महोदय?"
"हाँ... मुझे बोर्जिया की अंगूठी दे दो।"
जब टाक चला गया, तो काहलेनबर्ग ने इंटरकॉम पर एक स्विच नीचे किया और कहा, "केमोसा को मेरे पास भेजो।"
कुछ मिनट बाद, बेदाग सफेद वर्दी पहने एक बूढ़ा, झुका हुआ बंटू कार्यालय में आया। केमोसा काहलेनबर्ग के पिता की सेवा कर चुका था और अब मूल निवासी कर्मचारियों का प्रभारी था, उन पर लोहे की छड़ी से शासन करता था। वह काहलेनबर्ग के सामने खड़ा होकर प्रतीक्षा कर रहा

था।
"क्या वह बूढ़ा जादूगर अभी भी जागीर में है?" काहलेनबर्ग ने पूछा। "जी हां, मालिक।"
"मैं उसे कभी नहीं देखता। मुझे लगा कि वह मर गया है।"
केमोसा ने कुछ नहीं कहा।
"मेरे पिता ने मुझे बताया कि इस आदमी को जहरों का बहुत अनुभव है," काहलेनबर्ग ने आगे कहा। "क्या यह सही है?"
"हाँ मास्टर।"
"उसके पास जाओ और कहो कि मुझे एक ऐसा जहर चाहिए जो धीरे-धीरे असर करे और बारह घंटे में किसी आदमी को मार दे। क्या तुम्हें लगता है कि वह ऐसा जहर मुहैया करा सकता है?"
केमोसा ने सिर हिलाया।
"बहुत खूब। मुझे यह कल सुबह तक चाहिए। ध्यान रहे कि उसे उचित इनाम मिले।"
"जी, स्वामी जी।" केमोसा ने सिर झुकाया और चला गया।
काहलेनबर्ग ने एक कानूनी दस्तावेज अपनी ओर खींचा और उसका अध्ययन करने लगा। कुछ मिनट बाद टाक एक छोटा सा कांच का डिब्बा लेकर आया, जिसमें नीले मखमली आधार पर सीज़र बोर्जिया की अंगूठी रखी हुई थी।
"इसे मेरे पास छोड़ दो," काहलेनबर्ग ने बिना ऊपर देखे कहा। टाक ने डिब्बा मेज पर रखा और चला गया।
दस्तावेज़ को पढ़ने और उसे नीचे रखने के बाद, काहलेनबर्ग ने कांच का बक्सा उठाया और अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए, उसने ढक्कन को सरकाकर अंगूठी निकाल ली।
उसने दराज से घड़ीसाज़ का शीशा निकाला और उसे अपनी आँख में लगा लिया। कुछ क्षण तक उसने शीशे का निरीक्षण किया, फिर उसे हीरे से ढका हुआ एक छोटा सा फिसलने वाला जाल मिला, जिससे जहर रखने वाले छोटे से भंडार तक पहुँचा जा सकता था।
वे सुबह 8 बजे के कुछ देर बाद रैंड इंटरनेशनल होटल से निकले और एन.16 राजमार्ग पर हैरिसमिथ की ओर चल पड़े।
उन सभी ने बुश शर्ट, शॉर्ट्स, घुटनों तक के मोज़े, मोटे तले वाले जूते और चीते की खाल से बंधी बुश टोपी पहन रखी थी। जैसे ही गे लैंड रोवर की आगे वाली सीट पर बैठी, सभी पुरुषों ने उसे घूरकर देखा। यह पहनावा उसके शरीर पर बहुत अच्छा लग रहा था और उसे शोभा दे रहा था। एक बार फिर फेनेल के मन में दबी हुई इच्छा का एक तीव्र आवेग उठा।
केन जोन्स ने गाड़ी चलाना शुरू किया और गैरी और फेनेल पीछे की बेंच सीट पर बैठ गए। चारों के लिए और उनके सामान के लिए जगह बहुत तंग थी। हर कोई अपने निजी सामान से भरे बैग साथ लाया था और उन्हें पीछे की सीट पर दोनों आदमियों के बीच ढेर कर दिया गया था।
आकाश धूसर था और वातावरण उमस भरा और घुटन भरा था, और जब वे शहर से निकलकर खुली सड़क पर आ गए तो उन्हें बहुत खुशी हुई।
"यह सफर काफी नीरस होने वाला है," केन ने कहा। "हैरिसमिथ तक 200 किलोमीटर, फिर हम राष्ट्रीय सड़क से मुड़कर बर्गविले की ओर चलेंगे। मेनविले में दोपहर का भोजन करेंगे, अपने

गाइड को लेंगे और फिर कैंप तक जंगल के बीच से 30 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। यह मजेदार होगा: हमें यकीन है कि कुछ जानवर देखने को मिलेंगे।"
"हेलीकॉप्टर की देखभाल कौन कर रहा है?" गैरी ने आगे झुकते हुए पूछा। "तुमने इसे जंगल में यूं ही तो नहीं छोड़ दिया?"
केन हँस पड़ा।
मैंने इसकी सुरक्षा के लिए चार बंटू लोगों को काम पर रखा है। मैं उन्हें जानता हूँ... वे ठीक हैं। यह कल ही आया है। आपको चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है।
गे ने कहा कि उन्हें जोहान्सबर्ग छोड़ने की खुशी है।
मुझे यह पसंद नहीं आया।
"मैं ऐसे किसी को नहीं जानता जो ऐसा करता हो," केन ने जवाब दिया। "लेकिन आपको केप टाउन पसंद आएगा और आप डरबन के दीवाने हो जाएंगे।"
लैंड रोवर में सफर तय करते हुए तीनों आपस में बातें करते रहे। गैरी ने देखा कि फेनेल उदास होकर चुप बैठा था। वह अपने औजारों से भरे भारी थैले को पैरों के बीच रखकर आगे की ओर झुका बैठा था और उसकी छोटी-छोटी आँखें लगातार गे की पीठ और उसके चेहरे के किनारे के दृश्य को देख रही थीं।
उन्हें अक्सर मधुमक्खी के छत्ते के आकार की झोपड़ियों की एक श्रृंखला दिखाई देती थी, जहाँ वे बंटू लोगों को बिना किसी उद्देश्य के इधर-उधर घूमते हुए देख सकते थे, और छोटे लड़के दुबले-पतले, उदास दिखने वाले मवेशियों और बकरियों के झुंड की रखवाली करते हुए दिखाई देते थे।
गे ने सवालों की झड़ी लगा दी, जिनका जवाब केन ने दिया। फेनेल ने इन सब बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया। वह बस गे को अकेले में पाने के बारे में सोच रहा था। उसे पूरा भरोसा था कि एक बार जब वह उसे अकेले में पा लेगा, तो वह उसके सामने झुक जाएगी। उसे काले लोगों में कोई दिलचस्पी नहीं थी और वह चाहता था कि केन बकवास करना बंद कर दे।
दोपहर 2 बजे के बाद वे मेनविले के कस्बे में पहुँचे, जो एक अव्यवस्थित चौक था और फूलों से लदे शानदार रंगीन पेड़ों की छाया में था। चौक के बाईं ओर डाकघर था। उसके बगल में एक स्थानीय दुकान थी और उसके सामने एक डच व्यक्ति की दुकान थी जो जूतों से लेकर खांसी की दवा की बोतल तक सब कुछ बेचता हुआ प्रतीत होता था। पेड़ों के नीचे बैठे बंटू लोग उन्हें उत्सुकता से देख रहे थे, और उनमें से दो-तीन ने केन को सुस्ती से हाथ हिलाया, जिसने जवाब में हाथ हिलाया।
"लगता है आप यहाँ एक जाने-माने व्यक्ति हैं," गे ने कहा।
"हाँ, ज़रूर। मैं अक्सर आता-जाता रहता हूँ। मुझे ये लोग पसंद हैं और ये मुझे याद रखते हैं।" केन ने चौक के चारों ओर गाड़ी घुमाई और एक बड़े, जर्जर गैरेज की ओर बढ़ा। वह सीधे अंदर चला गया।
जब केन लैंड रोवर से बाहर निकला तो दो बंटू लोग उसके पास आए और उससे हाथ मिलाया। केन ने उनसे अफ़्रीकान्स में बात की और वे मुस्कुराते हुए सिर हिलाकर अभिवादन करने लगे।
"ठीक है दोस्तों," उसने बाकी लोगों की ओर मुड़ते हुए कहा। "हम सब यहीं छोड़कर होटल में

दोपहर का भोजन करने जा सकते हैं। मैं तो भैंस भी खा सकता हूँ।"
"क्या मतलब, वे इनमें से कुछ भी नहीं चुराएंगे?" फेनेल ने पूछा।
केन ने उसे घूरकर देखा, उसके होंठ कस गए।
"वे मेरे दोस्त हैं... इसलिए वे कुछ भी नहीं चुराएंगे।"
फेनल लैंड रोवर से नीचे उतर गई।
"ठीक है, अगर आपको इस बात का पूरा यकीन है।"
बाकी तीनों चिलचिलाती धूप में बाहर निकल आए। जोहान्सबर्ग से निकलने के बाद से ही धूप निकल आई थी और बहुत गर्मी थी।
होटल सादा लेकिन अच्छा था और केन का स्वागत एक मोटे, पसीने से तर भारतीय ने किया, जो बाकी तीनों को देखकर मुस्कुरा रहा था।
"थेम्बा को देखा?" केन ने बड़े से भोजन कक्ष में प्रवेश करते हुए पूछा।
"जी हां, मिस्टर जोन्स। वो यहीं कहीं हैं। उन्होंने कहा था कि वो आधे घंटे में यहां पहुंच जाएंगे।"
उन सभी ने बढ़िया चिकन करी का लंच किया और साथ में बीयर भी पी। अपनी मेज से वे चौक के उस पार गैराज देख सकते थे और फेनेल लगातार गैराज को संदेह भरी निगाहों से देख रही थी।
"वे कुछ भी नहीं चुरा रहे हैं!" केन ने तीखे स्वर में कहा। वह फेनेल के संदेह से चिढ़ गया था।
"क्या तुम अपना दोपहर का भोजन आराम से नहीं कर सकते, भगवान के लिए?"
सौंफ ने उसे तिरछी नजरों से देखा।
उन्होंने कहा, "उस औजारों के थैले में जो सामान है, उसकी कीमत बहुत ज्यादा है। इसे इकट्ठा करने में मुझे सालों लग गए। इनमें से कुछ औजार मैंने खुद बनाए हैं। मैं यह सुनिश्चित कर रहा हूं कि कोई भी अश्वेत इसे चुरा न ले।"
केन के चेहरे पर गुस्से की लाली देखकर, गे ने बीच में ही टोकते हुए होटल के बारे में पूछा। तनाव थोड़ा कम हुआ, फिर केन उठ खड़ा हुआ।
मैं बिल का भुगतान कर दूंगा, फिर थेम्बा को ढूंढने जाऊंगा।
"क्या वह हमारा मार्गदर्शक है?" गे ने पूछा।
"यह सही है।"
"और उसका एक और अश्वेत मित्र," फेनेल ने व्यंग्य भरे लहजे में कहा।
केन हिचकिचाया, फिर वहां से चला गया।
गैरी ने कहा, "अगर तुम कभी थोड़ा खुशमिजाज बनने की कोशिश करो तो कैसा रहेगा? अभी तो तुम ऐसे बर्ताव कर रहे हो जैसे तुम्हारी पीठ पर फोड़ा हो गया हो।"
सौंफ ने उसे घूरकर देखा।
मैं अपनी मर्जी से काम करता हूं, और मुझे कोई रोक नहीं सकता!
"काम पूरा हो जाने के बाद झगड़ने के लिए बहुत समय होगा," गे ने धीरे से कहा। "कृपया विनम्र रहें, श्रीमान सौंफ।"
उसने उसे घूरकर देखा, उठा और रेस्टोरेंट से बाहर चला गया। गे और गैरी ने उस मोटे भारतीय

को उसकी करी के लिए बधाई दी और फिर फेनल के पीछे-पीछे चौक पार करके गैराज में चले गए।
"वह कितना प्यारा है, है ना?" गे ने धीरे से कहा।
"वो मोटा और आलसी है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो उसकी नाक पर लात पड़ेगी!"
"आर्मो ने जो कहा था, उसे याद रखना... वह खतरनाक है।"
गैरी ने तेवर चढ़ाए।
"मुझे भी ऐसा ही लगता है। मुझे इस बात से परेशानी होती है कि केन को उसके साथ यात्रा करनी पड़ती है।"
लेकिन जब उसने एक लंबे, शानदार कद-काठी वाले बंटू व्यक्ति को, जो देहाती कपड़े पहने हुए था और एक तरफ ऑस्ट्रेलियाई फैशन में टोपी लगाए हुए था, केन से हाथ मिलाते हुए देखा, तो वह कम परेशान हुआ।
"यह थेम्बा ही होगा। खैर, केन और वह सौंफ का ख्याल रख सकते हैं; यह तो पक्का है।"
केन ने परिचय कराया। गैरी और गे ने हाथ मिलाया, जबकि फेनेल उस बड़े बंतू को बस घूरता रहा और फिर यह देखने के लिए लैंड रोवर की ओर चला गया कि उसका औजारों का थैला अभी भी वहीं है या नहीं।
"थेम्बा सिर्फ अफ़्रीकान्स बोलता है," केन ने समझाया। "इसलिए बातचीत के लिहाज़ से वह तुम दोनों के लिए बिलकुल बेकार है।"
"मुझे लगता है कि वह बहुत शानदार दिखते हैं," गे ने प्रशंसा करते हुए कहा।
"वह शानदार है। हमने पांच साल साथ काम किया है... नेटल में उससे बेहतर कोई ट्रैकर नहीं है।"
वे लैंड रोवर में सवार हो गए। थेम्बा पीछे की ओर एक छोटी सी झूलने वाली सीट पर बैठ गया, जिससे वह बाकी लोगों से ऊपर हो गया और उसे आसपास के इलाके का अच्छा नजारा दिखाई देने लगा।
"अब हम जंगल में चलते हैं," केन ने कहा। "अगर वहां कोई शिकार दिखेगा तो थेम्बा उसे ढूंढ लेगा।"
दस मिनट और गाड़ी चलाने के बाद वे मुख्य सड़क से हटकर एक कच्ची सड़क पर आ गए और वहां का सफर ऊबड़-खाबड़ हो गया।
"समय बीतने के साथ-साथ हालात और खराब होते जाते हैं," केन ने हंसते हुए कहा, "लेकिन आपको इसकी आदत पड़ जाएगी।"
हालात और बिगड़ गए, और केन को रफ्तार कम करनी पड़ी। सड़क पर गड्ढे दिखने लगे और लैंड रोवर बुरी तरह से उछलने-कूदने लगी, जिससे सभी को कसकर पकड़ना पड़ा, और फेनेल मन ही मन बड़बड़ाने लगा।
लगभग एक मील आगे जाकर, थेम्बा ने केन से कुछ कहा, और केन ने गति धीमी करके लैंड रोवर को सड़क से हटाकर झाड़ियों में मोड़ दिया। अब वे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे और उन्हें कंटीली झाड़ियों और नीचे लटकती शाखाओं से सावधान रहना पड़ रहा था, जो आगे बढ़ने पर खतरनाक हो जाती थीं।

अचानक उनके सामने एक विशाल हिरण अपने राजसी सींगों के साथ प्रकट हुआ, जो उनकी ओर देख रहा था। वह मुड़ा और ऊँची छलांग लगाते हुए भाग गया, उसकी पीठ के चारों ओर सफेद फर का एक उत्तम घेरा दिखाई दे रहा था।

"ओह, मुझे वो बहुत पसंद है!" गे ने बताया। "और वो सफेद अंगूठी... कमाल की है!"

“जानते हो उसे ये कैसे मिला?” केन ने मुस्कुराते हुए पूछा। “मैं बताता हूँ। जब हिरण नाव पर पहुँचा, तो वो दौड़कर नूह के पास गया और बोला, “श्रीमान नूह, सबसे नज़दीकी शौचालय कहाँ है?” नूह ने कहा, “तुम्हें इंतज़ार करना पड़ेगा। सारे शौचालयों पर अभी-अभी पेंट हुआ है।” हिरण बोला, “मैं इंतज़ार नहीं कर सकता।” तब से ये नाम उसके लिए जाना जाता है।

"तुम गाड़ी चलाते समय ध्यान क्यों नहीं देते और याक को क्यों नहीं रोकते?" फेनल गुर्राया जबकि बाकी लोग हंस रहे थे।

"हर किसी को हमेशा खुश नहीं किया जा सकता," केन ने कंधे उचकाते हुए कहा और आगे बढ़ गया।

गेय ने देखा कि कई पेड़ टूटे हुए और सूखे हुए थे, जिससे झाड़ियों का रूप विक्षिप्त सा लग रहा था।

"क्या बिजली गिरने से इतना नुकसान हुआ?" उसने पूछा।

"क्या, वो पेड़— नहीं... हाथी। लगता है एक समय में यहाँ से हाथियों का एक बड़ा झुंड गुजरा होगा। हाथी सभी जंगली जानवरों में सबसे विनाशकारी जानवर है। वे पेड़ों को छीलते हैं और चलते-चलते उन्हें कुचल देते हैं। जहाँ भी हाथी गया हो, वहाँ आपको सूखे पेड़ मिलेंगे।"

थोड़ी देर बाद उन्हें पाँच जिराफ़ दिखाई दिए और केन उनसे पचास मीटर की दूरी पर रुक गया। जानवर बिना हिले-डुले, घूरते हुए खड़े रहे।

"काश मैंने अपना कैमरा पैक न किया होता," गे ने आह भरते हुए कहा। "ये तो बिल्कुल पालतू लगते हैं।"

"वे पालतू नहीं हैं... वे जिज्ञासा से भरे हुए हैं," केन ने समझाया, और जैसे ही उसने यह कहा, विशालकाय जानवर मुड़े और तेज़ी से भाग निकले, ज़मीन को तेज़ी से पार करते हुए, हालांकि ऐसा लग रहा था जैसे कोई धीमी गति की फिल्म चल रही हो।

"शेर उन्हें खोदकर निकालते हैं, लेकिन वे उन्हें शायद ही कभी पकड़ पाते हैं," केन ने आगे कहा और लैंड रोवर को फिर से चलाना शुरू कर दिया।

"क्या इस जिले में कोई शेर हैं?" गे ने पूछा। "मैं एक शेर देखना चाहूंगी।"

"आप ऐसा करेंगे, और उन्हें सुनेंगे भी।"

उनके ऊपर स्थित अपने ठिकाने से थेम्बा लगातार केन को बुला रहा था और उसे दिशा-निर्देश दे रहा था।

"इस आदमी के बिना," केन ने गे से कहा, "मैं कभी शिविर नहीं ढूंढ पाता। उसके दिमाग में एक कंपास बना हुआ है।"

आधे घंटे की ड्राइव के बाद, जिसके दौरान उन्होंने ज़ेबरा के एक बड़े झुंड को परेशान कर दिया, जो उनके दिखाई देने से पहले ही घनी झाड़ियों में भाग गया, वे झाड़ियों से निकलकर एक चौड़े

समतल मैदान में आ गए जहाँ हेलीकॉप्टर खड़ा था।
हेलिकॉप्टर के सामने चार बंटू लोग बैठे हुए थे, जो लैंड रोवर के रुकते ही चौड़ी मुस्कान के साथ खड़े हो गए।
"हम यहाँ पहुँच गए हैं," केन ने ट्रक से उतरते हुए कहा। "मैं इन लोगों को पैसे दे देता हूँ। हम नहीं चाहते कि ये लोग यहाँ मंडराते रहें। थेम्बा और मैं टेंट लगा लेंगे।"
गैरी तुरंत हेलीकॉप्टर की ओर चला गया। गे ज़मीन पर बैठ गई और अंगड़ाई ली। सफ़र काफ़ी ऊबड़-खाबड़ था और उसे अकड़न और गर्मी महसूस हो रही थी। फेनेल नीचे उतरा और सिगरेट जलाई। उसने थेम्बा को सामान उतारने में मदद करने की कोई इच्छा नहीं दिखाई, बल्कि अपने हाथों को शॉर्ट्स की जेब में डाले खड़ा रहा और गे को देखता रहा, जो उसकी ओर पीठ करके, टांगें फैलाकर, हाथों को कमर पर रखकर खड़ी थी।
केन ने बंटू जनजाति के लोगों को वहां से भगाया और लैंड रोवर में वापस आ गया। उसने गे से कहा, "उन पेड़ों के उस पार एक बड़ा तालाब और झरना है। वहां तैरना सुरक्षित है... मगरमच्छ नहीं हैं।"
"क्या मैं मदद कर सकता हूँ?"
"नहीं, धन्यवाद... थेम्बा और मैं इसे संभाल लेंगे।"
वह थेम्बा के साथ शामिल हो गया, और दोनों पुरुषों ने मिलकर तम्बू से सामान उतारा।
सांसें लड़खड़ाती हुई, फेनेल गे के पास चली गई।
"एक झरना, है ना? चलो उसे देखने चलते हैं?"
उसे उम्मीद थी कि वह मना कर देगी, और उसका उग्र स्वभाव पहले से ही भड़कने लगा था। उसने भावहीन चेहरे से उसकी ओर देखा, फिर उसे आश्चर्यचकित करते हुए कहा, "हाँ... चलो इसे देखते हैं," और मुड़कर वह आगे बढ़ गई, पेड़ों की घनी कतार और ऊँची हाथी घास की ओर जो खुले मैदान को घेरे हुए थी।
फेनल के शरीर में खून का तेज़ बहाव दौड़ गया। क्या यह कोई निमंत्रण था? उसने जल्दी से हेलीकॉप्टर की ओर देखा। गैरी इंजन की तिरपाल उतारने में व्यस्त था। केन और थेम्बा तंबू खोलने में लगे थे। थोड़ा कांपते हुए, फेनल गे के पीछे चल पड़ा, जो अब झाड़ियों में गायब हो चुका था।
वह संकरे रास्ते पर चलते हुए उसके पास पहुंचा और उसने अपनी चाल धीमी कर दी, उसकी निगाहें उसकी पतली कमर और लंबी खूबसूरत टांगों पर टिकी थीं। लगभग बीस मीटर आगे जाकर वे एक छोटे झरने पर पहुंचे जो लगभग दस मीटर की ऊंचाई से एक बड़े जलकुंड में गिर रहा था, और वह जलकुंड अपने दूसरे छोर पर एक चौड़ी धारा में बह रहा था। वह जलकुंड एक आदर्श, कृत्रिम स्नान कुंड का रूप ले चुका था।
जैसे ही वह उसके पास पहुंचा, वह मुड़ गई।
"क्या यह प्यारा नहीं है?"
सूरज की तेज गर्मी उन पर पड़ रही थी। वे पेड़ों से घिरे हुए थे। ऐसा लग रहा था मानो वे धरती पर अकेले दो ही लोग हों।

"चलो तैरते हैं," फेनेल ने कहा और अपनी कमीज़ उतार दी। "आओ, जान, कपड़े उतारो।"
उसने उसके बालों से भरे, मांसल धड़ को देखा, उसकी आँखें चौकस थीं और उसने सिर हिलाते हुए कहा, "मैं अकेले में तैरती हूँ, श्रीमान सौंफ।"
"अरे, रहने दो! तुम्हें ऐसा नहीं लगता कि मैंने पहले कभी नग्न स्त्री नहीं देखी, और मुझे यकीन है कि तुमने नग्न पुरुष तो ज़रूर देखे होंगे।" वह एकटक मुस्कुराया, उसका चेहरा उसके लिए वासना से लाल हो गया था। "मेरे साथ शर्माने की ज़रूरत नहीं है। कपड़े उतारो, वरना मुझे तुम्हारी मदद करनी पड़ेगी।"
उसकी शांत, निर्भीक निगाहों ने उसे विचलित कर दिया।
"तुम तैरो... मैं वापस जा रहा हूँ।"
जैसे ही वह मुड़ी, उसने उसकी कलाई पकड़ ली।
"तुम यहीं रुकोगी," उसने धीमी और कांपती हुई आवाज़ में कहा, "और अपने कपड़े उतारोगी। तुम्हें प्यार चाहिए, जान, और मैं ही वह आदमी हूँ जो तुम्हें प्यार दे सकता है।"
"अपना हाथ मुझसे हटाओ," उसने धीमी आवाज़ में कहा।
"चलो जान, नखरे मत करो... थोड़ा प्यार और फिर तैराकी।"
वह उसकी ओर बढ़ी, और एक पल के लिए उसे लगा कि वह उसके सामने आत्मसमर्पण कर देगी। मुस्कुराते हुए उसने अपनी पकड़ ढीली की और उसकी कमर को गले लगा लिया। उसके हाथ ने उसकी कलाई पकड़ ली और उसकी बांह में असहनीय दर्द हुआ, जिससे वह चीख पड़ा। जैसे ही वह पीठ के बल गिरी, उसका पैर उसकी छाती पर लगा। फेनेल को लगा जैसे वह हवा में उछल गया हो और फिर तालाब में जा गिरा। ठंडा पानी उस पर छा गया, और जब वह सतह पर आया और अपनी आंखों से पानी झाड़ा, तो उसने देखा कि वह किनारे पर खड़ी उसे नीचे देख रही है। गुस्से से घुटते हुए, उसकी बांह में दर्द हो रहा था, उसने उसे गुस्से से घूरा, यह देखकर कि उसके हाथों में चट्टान का एक बड़ा टुकड़ा था।
"वहीं रहो, वरना तुम्हारी खोपड़ी टूट जाएगी," उसने कहा।
उसकी खामोशी और उसकी ठंडी आंखों ने उसे आगाह कर दिया कि वह झूठ नहीं बोल रही थी।
"तू कुतिया!" उसने गुस्से से कहा। "मैं तुझे इसका सबक सिखाऊंगा!"
"तुम मुझे डरा नहीं सकते, मोटे जानवर," उसने तिरस्कार भरे लहजे में कहा। "अब से मुझे अकेला छोड़ दो। अगर तुमने दोबारा मुझे छूने की कोशिश की, तो मैं तुम्हारी बांह तोड़ दूंगी। अगर तुम इस ऑपरेशन के लिए इतने ज़रूरी न होते, तो मैं अभी ही कर देती। याद रखना! अब जाओ और नहा लो, घिनौने बंदर।" उसने पत्थर को ठीक उसके सामने पानी में फेंक दिया, और जब तक उसने अपनी आँखें खोलीं, वह जा चुकी थी।
काहलेनबर्ग कुछ पत्रों पर हस्ताक्षर कर रहे थे तभी उनके कार्यालय का दरवाजा चुपचाप खुला और केमोसा अंदर आए। काहलेनबर्ग के हस्ताक्षर समाप्त होने तक वे धैर्यपूर्वक दरवाजे पर खड़े रहे और जब काहलेनबर्ग ने जिज्ञासा भरी नजरों से ऊपर देखा तो वे थोड़ा आगे बढ़े। उन्होंने एक छोटी सी कांच की बोतल ब्लॉटर पर रख दी।
"यह रहा, स्वामी।"

काहलेनबर्ग ने बोतल को देखा।
"यह क्या है?"
"वही जहर जिसका आपने आदेश दिया था, स्वामी।"
मुझे पता है... जहर क्या है?
केमोसा का चेहरा भावहीन था।
"मुझे यह नहीं पता, गुरुजी।"
काहलेनबर्ग ने अधीरता से हरकत की।
"क्या तुमने तांत्रिक को ठीक-ठीक वही बताया जो मैं चाहता था?"
"हाँ मास्टर।"
"ऐसा जहर जो बारह घंटे में किसी आदमी को मार डाले?"
"हाँ मास्टर।"
"क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है?"
"हाँ मास्टर।"
"आपने उसे कितना भुगतान किया?"
"बीस बकरियां।"
"क्या तुमने उसे बताया कि अगर जहर काम नहीं करता है, तो वह अपनी सारी बकरियां खो देगा और मैं उसका पिछवाड़ा जला दूंगा और उसे अपनी जागीर से बेदखल कर दूंगा?"
मैंने उससे कहा कि अगर जहर असर नहीं करता है, तो दो आदमी रात में आएंगे और उसे मगरमच्छों के तालाब में फेंक देंगे।
"क्या वह इस बात पर विश्वास करता है?"
"हाँ मास्टर।"
काहलेनबर्ग ने संतुष्टि से सिर हिलाया।
"केमोसा, मेडिकल किट में जाओ और मेरे लिए एक सिरिंज और रबर के दस्ताने ले आओ।"
केमोसा के चले जाने के बाद, काहलेनबर्ग छोटी बोतल को देखते हुए बैठ गया। उसका मन चार सौ साल पीछे चला गया। सीज़र बोर्जिया ने भी शायद इसी तरह की ज़हर की शीशी के बारे में सोचा होगा, किसी दुश्मन के अंत की योजना बनाते हुए, उसी आनंद का अनुभव किया होगा जो काहलेनबर्ग को हो रहा था।
जब केमोसा सिरिंज और दस्ताने लेकर लौटा, तब भी वह व्यक्ति बिना हिले-डुले बैठा हुआ था।
"धन्यवाद," कहकर काहलेनबर्ग ने उसे हाथ हिलाकर विदा किया।
दरवाजा बंद होते ही उसने एक दराज खोली और अंगूठी वाला कांच का डिब्बा निकाला। उसने अंगूठी निकालकर अपने दाहिने हाथ की चौथी उंगली में पहन ली। उसने चमकते हीरों को ध्यान से देखा, फिर अंगूठी को इस तरह घुमाया कि हीरे अंदर की ओर आ गए। अब दिख रही सादी चांदी की पट्टी बेहद मासूम लग रही थी। उसने अंगूठी उतारकर सोख्ता कागज पर रख दी। फिर उसने शल्य चिकित्सा के दस्ताने पहन लिए। घड़ीसाज़ का शीशा अपनी आंख में लगाकर उसने अंगूठी में बने छेद को खोला। फिर अंगूठी को वापस नीचे रखकर उसने बोतल का ढक्कन खोला

और उसमें से कुछ रंगहीन तरल सिरिंज में भर लिया। उसने बड़ी सावधानी से सिरिंज की सुई को अंगूठी के अंदर बने छेद में डाला और उतनी ही सावधानी से प्लंजर को दबाया। जब उसने घड़ीसाज़ के शीशे से देखा कि तरल छेद के ऊपर तक भर गया है, तो उसने सुई निकाल ली और हीरे के छेद को वापस अपनी जगह पर लगा दिया। सिरिंज को नीचे रखकर उसने अंगूठी को अपने रूमाल से पोंछा, और इस प्रक्रिया में उसने काफी समय लगाया। अपने दस्ताने उतारे बिना ही, उसने सोख्ता कागज पर अंगूठी को तेज़ी से हिलाना शुरू कर दिया, ताकि जलाशय में रिसाव के कोई संकेत मिल सकें। अंततः संतुष्ट होकर, उसने अंगूठी को एक दराज में रख दिया, अपना रुमाल एक लिफाफे में डाला और केमोसा को फिर से बुलवाया। जब बूढ़ा आदमी अंदर आया, तो उसने उसे सिरिंज, ज़हर, दस्ताने और रुमाल को नष्ट करने के लिए कहा।

"यह सुनिश्चित कर लो कि वे सभी नष्ट हो गए हैं," उसने कहा। "समझे? सिरिंज की सुई को छूने से बहुत सावधान रहना।"

"हाँ मास्टर।"

उसके जाने के बाद, काहलेनबर्ग ने अंगूठी निकाली और उसे गौर से देखा। क्या अब यह एक घातक हथियार बन गया था? उसने खुद से पूछा। वह जादूगर अस्सी साल से अधिक उम्र का होगा। क्या उसने अपनी चालाकी खो दी थी? क्या उस पर भरोसा किया जा सकता था? अगर ज़हर घातक था, तो हीरों के गुच्छे में छिपी हुई छोटी खोखली सुई धूल से भर गई होगी? अगर ऐसा हुआ होता, तो वह अपना समय बर्बाद कर रहा होता, और काहलेनबर्ग इसे कभी बर्दाश्त नहीं करता था। उसे निश्चित रूप से जानना था। वह सोचता रहा, फिर मन बना लिया, उसने अंगूठी को अपने दाहिने हाथ की चौथी उंगली में पहना और उसे उल्टा कर दिया। वह हिंडेनबर्ग के पीछे-पीछे बगीचे में चला गया।

ज़्वीडे को ढूंढने में उसे थोड़ा समय लगा, जो एक बंटू था जिसके बारे में केमोसा अक्सर शिकायत करता था, कहता था कि यह आदमी न केवल हद से ज़्यादा आलसी है बल्कि अपनी पत्नी के साथ भी बुरा बर्ताव करता है। उसे महीने के अंत में बर्खास्त किया जाना था, और काहलेनबर्ग की निर्मम सोच के अनुसार, इससे किसी को कोई नुकसान नहीं था।

उसने उसे छाया में अधनी नींद में बैठा पाया। जब उसने काहलेनबर्ग को देखा, तो वह झट से उठा, एक कुदाल उठाई और पास के गुलाब के क्यारे से खरपतवार निकालने में तेज़ी से जुट गया।

काहलेनबर्ग अपनी कुर्सी उसके बगल में रोककर बैठ गया। हिंडेनबर्ग भी बैठा रहा, उसकी निगाहें चौकस थीं।

"मैंने सुना है कि आप महीने के अंत में जा रहे हैं, ज़्विडे," काहलेनबर्ग ने धीमी आवाज़ में कहा।

वह आदमी भय से कांपते हुए चुपचाप सिर हिलाता रहा।

काहलेनबर्ग ने अंगूठी पहने हुए हाथ को आगे बढ़ाया।

"मैं आपके लिए सौभाग्य की कामना करता हूँ। मुझसे हाथ मिलाइए।"

ज़्वीड हिचकिचाया, शर्मिंदगी से उसकी आँखें घूम गईं, फिर उसने अनिच्छा से अपना हाथ आगे बढ़ाया। काहलेनबर्ग ने गंदे गुलाबी रंग की हथेली वाले उस हाथ को मजबूती से पकड़ लिया,

उसकी निगाहें उस आदमी के चेहरे पर टिकी थीं। उसने देखा कि वह थोड़ा चौंक गया। फिर काहलेनबर्ग ने हाथ छोड़ दिया और कुर्सी को आगे बढ़ा दिया। कुछ मीटर आगे जाने के बाद उसने पीछे मुड़कर देखा।

ज़्वीड अपने हाथ को हैरानी भरे भाव से घूर रहा था और जब काहलेनबर्ग उसे देख रहा था, ज़्वीड ने अपनी एक उंगली मुंह तक उठाई और उसे चाट लिया।

काहलेनबर्ग अपने रास्ते चला गया। उसने सोचा, कम से कम सुई ने खरोंच तो लगाई। बारह घंटे बाद उसे पता चल जाएगा कि अंगूठी जानलेवा है या नहीं।

जैसे ही गे खुले मैदान में पहुँची, उसने हेलीकॉप्टर के इंजन के चालू होने की आवाज़ सुनी। वह थम सी गई और प्रोपेलर को घूमते हुए देखने लगी। उसे गैरी नियंत्रण कक्ष में दिखाई दिया।

वह चिल्लाई, "अरे! मेरा इंतज़ार करो!"

लेकिन उसने उसकी बात नहीं सुनी। मशीन ने उड़ान भरी, तेजी से ऊपर चढ़ी और फिर पेड़ों के पीछे ओझल हो गई।

केन और थेम्बा ने टेंट लगा लिया था। वे विमान के उड़ान भरने का नजारा भी देख रहे थे। अब वे लैंड रोवर से सामान उतारने लगे। थेम्बा भी उनके साथ शामिल हो गई।

"उसने मेरा इंतज़ार क्यों नहीं किया?" उसने पूछा। "यह तो बहुत बुरा था!" केन मुस्कुराया।

"जब वो वापस आए तो उससे पूछना। हमारा प्यारा बॉयफ्रेंड कहाँ है?"

"तैर रहा हूँ।"

उसकी आवाज में एक ऐसा स्वर था जिसने उसे चौंकाते हुए उसकी ओर देखा।

"मुश्किल?"

"यह तो हमेशा की तरह था, लेकिन मैंने इसे सुलझा लिया।"

"तुम तो कमाल की लड़की हो।" उसकी प्रशंसा भरी नज़रें उसे अच्छी लगीं। "उससे सावधान रहना... वो बहुत खतरनाक है।"

"थेम्बा और मैं उसका ख्याल रख सकते हैं।" उसने चारों स्लीपिंग बैग बाहर निकाले। "मैं तुम्हारा स्लीपिंग बैग गैरी और मेरे बीच में रख रहा हूँ। थेम्बा मेरे बगल में सोएगा... फिर फेनेल।"

उसने सिर हिलाया।

"यह सिर्फ एक रात के लिए है, है ना?"

"हाँ... उसके और मेरे लिए, लेकिन गैरी और तुम्हारे लिए दो रातें।" उसने आसमान में तैरते बादलों की ओर देखा। "जितनी जल्दी हम निकल जाएं उतना अच्छा है। अगर बारिश हुई तो सड़क बहुत खराब हो जाएगी। गैरी के साथ तुम ठीक रहोगी... वो अच्छा आदमी है।"

"मुझे पता है।"

उसने स्लीपिंग बैग तंबू के अंदर ले जाकर बिछा दिए। थेम्बा तंबू से थोड़ी दूर आग जला रहा था। केन ने .22 राइफल उठाई और कुछ गोलियां जेब में रख लीं।

मैं गिनी फाउल का शिकार करने जा रहा हूँ। क्या तुम आना चाहोगे?

"बिल्कुल।"

वे दोनों एक साथ झाड़ियों की ओर चल पड़े।

सौंफ पेड़ों से धीरे-धीरे बाहर निकली। उसका हाथ अभी भी दुख रहा था। उसने चारों ओर देखा, फिर केवल थेम्बा को आग जलाने में व्यस्त देखकर, वह लैंड रोवर के पास गया, अपना बैग निकाला और तंबू में चला गया। उसने अपने गीले शॉर्ट्स उतारकर सूखे शॉर्ट्स पहन लिए। वह ढलती धूप में बाहर आया और लकड़ी के बक्सों में से एक पर बैठ गया। उसका मन सुलग रहा था। खैर, वह उसे ठीक कर देगा, उसने सिगरेट जलाते हुए खुद से कहा। अभी समय है। ऑपरेशन खत्म करो। वापस आते समय, वह उसे सिखाएगा।

वह अब भी वहीं बैठा सोच में डूबा हुआ था, तभी हेलिकॉप्टर उतरा। थोड़ी देर बाद गैरी उसके पास आया।

"बहुत ही खूबसूरत है," उसने उत्साह से कहा। "पक्षी की तरह उड़ती है।"

सौंफ ने ऊपर देखा और गुर्राई।

"बाकी लोग कहाँ हैं?"

सौंफ ने कंधे उचका दिए।

मुझे नहीं पता।

"बीयर कैसी रहेगी?"

"हाँ।"

गैरी ने डिब्बा खोला। थेम्बा गिलास और बर्फ से भरा थर्मस लेकर आया। गैरी जब बोतलें खोल रहा था, तभी गे और केन झाड़ियों से बाहर आए। केन ने अपनी कमरबंद से बंधी रस्सी से चार गिनी-फाउल लटका रखे थे।

"तुमने मेरा इंतजार क्यों नहीं किया?" गे ने पूछा।

गैरी ने अपना सिर हिलाया।

"परीक्षण उड़ान। पहली बार मैंने इसे संभाला है। हम दोनों के मारे जाने का खतरा था।"

गे की आंखें चौड़ी हो गईं। उसने मुस्कुराते हुए थेम्बा द्वारा दी गई बियर ले ली। केन ने बोतल से एक घूंट पिया, आह भरी, फिर पक्षियों को थेम्बा को सौंप दिया, जो उन्हें अपने साथ ले गया।

"आज रात हम अच्छा खाना खाएंगे," केन ने कहा और घास पर बैठ गया। "चलिए काम की बात करते हैं, लू। हम दोनों और थेम्बा सुबह तड़के निकलेंगे... लगभग 4 बजे। हम राइफल और शॉटगन, स्लीपिंग बैग, बैकपैक और खाना ले जाएंगे।" उसने गैरी की ओर देखा, "क्या तुम .22 कैलिबर की बंदूक चलाने में माहिर हो?"

गैरी ने मुंह बनाया।

"कभी कोशिश नहीं की।"

"हाँ," गे ने कहा। "मैं तुम्हारे लिए एक गिनी फाउल ला दूँगा, गैरी।"

"वह ठीक है।"

फेनल ने ऊपर देखा, गे की तरफ देखा, फिर गैरी की तरफ देखा, और फिर नज़रें हटा लीं।

"ठीक है... वैसे भी, तुम्हारे पास यहाँ सिर्फ़ एक और दिन है। परसों तुम काहलेनबर्ग के घर के लिए निकल जाओगे।" केन ने अपनी जेब से पेंसिल निकाली और रेत पर एक गोल घेरा बनाया। "मैं थेम्बा से बात कर रहा था। वह पिछले दो दिनों से काहलेनबर्ग की जागीर में है।" उसने सिगरेट

जला रहे लू की तरफ देखा। "सुन रहे हो लू?"
"क्या तुम्हें लगता है कि मैं बहरा हूँ?"
"यह वृत्त काहलेनबर्ग की संपत्ति को दर्शाता है। थेम्बा मुझे बताता है कि यह..."
दक्षिण, पश्चिम और पूर्व में कई ज़ुलू लोग इस क्षेत्र की रक्षा करते हैं, लेकिन उत्तर की ओर नहीं। उत्तर की ओर से एस्टेट में जाने वाली सड़क को दुर्गम माना जाता है, लेकिन थेम्बा उस पर जा चुका है। वह कहता है कि एक जगह बहुत मुश्किल है, लेकिन अगर हम उसे पार नहीं कर पाए, तो हम पैदल जा सकते हैं। यही हमारा एकमात्र सुरक्षित रास्ता है।
"अगर हम गाड़ी नहीं चला सकते तो हमें कितना पैदल चलना होगा?" फेनेल ने आगे झुकते हुए पूछा, जब केन ने वृत्त के उत्तरी किनारे पर एक जगह चिह्नित की।
"लगभग बीस किलोमीटर की दूरी पर।"
सौंफ को अपने भारी औजारों के थैले की याद आ गई।
"लेकिन क्या ट्रक से निकलने की कोई संभावना है?"
"थेम्बा को ऐसा लगता है, बशर्ते बहुत तेज बारिश न हो। अगर सच में बहुत तेज बारिश हुई तो हम मुसीबत में पड़ जाएंगे।"
“खैर; कुछ लोगों की किस्मत बहुत अच्छी होती है,” फेनेल ने गैरी की ओर देखते हुए कहा, लेकिन गैरी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। वह उठा और थेम्बा को मुर्गियाँ पकाते देखने चला गया। काश वह अफ़्रीकान्स बोल पाता। उस बड़े-बड़े बंटू के चेहरे में कुछ ऐसा था जो उसे आकर्षित कर रहा था। मानो उसके मन की बात जान ली हो, थेम्बा ने ऊपर देखा और मुस्कुराते हुए सींक को घुमाना जारी रखा।
गे गैरी के साथ शामिल हो गई।
"हम्मम, अच्छी खुशबू आ रही है... मुझे बहुत भूख लगी है।"
थेम्बा ने एक उंगली उठाई और उसे अपने बाएं हाथ की दूसरी उंगली से क्रॉस किया।
"इसका मतलब है कि आपको आधा घंटा इंतजार करना पड़ेगा," गैरी ने कहा। "हेलीकॉप्टर के पास आ जाओ। मैं तुम्हें इसके बारे में सब कुछ बता दूंगा।"
वे हेलीकॉप्टर की ओर चले गए।
फेनेल उन्हें देख रहा था, उसकी आँखें चमक रही थीं। केन को उससे बात करने की कोई इच्छा नहीं थी। वह पास जाकर थेम्बा के साथ बैठ गया। वे दोनों अफ़्रीकी भाषा में बात करने लगे।
"लगता है जल्द ही बारिश होने वाली है?" केन ने बंटू के बगल में बैठते हुए कहा।
"आज रात आ सकता है।"
केन ने मुंह बनाया।
"खैर, हमारे पास विंच है। अगर इससे हम बाहर नहीं निकल पाए तो फिर किसी और चीज से भी नहीं निकल पाएंगे।"
"हाँ।"
वे बातें करते रहे। आधे घंटे बाद, पक्षी पक गए। अब अंधेरा हो चुका था और हवा घुटन भरी और भारी थी। वे आग के चारों ओर बैठे उंगलियों से खाना खा रहे थे। सौंफ के बिना, पार्टी खुशनुमा

हो सकती थी, लेकिन उसके गंभीर चेहरे और चुप्पी ने किसी भी खुशनुमा माहौल को खत्म कर दिया।

जब उनका काम खत्म हो गया और थेम्बा ने सब कुछ साफ कर दिया, तो केन ने कहा, "मैं सोने जा रहा हूँ। हमें कल सुबह जल्दी उठना है।"

"हां... मुझे सोने की बहुत तीव्र इच्छा हो रही है।" गे खड़ी हो गईं।

केन ने कहा, "अपने बैग में सामान रखने के लिए मैं तुम्हें पांच मिनट देता हूँ, फिर मैं अंदर आ रहा हूँ।"

गेय तम्बू के अंदर गायब हो गया।

"मुझे लगता है मैं भी तुम्हारे साथ आ जाऊँगा," गैरी ने अंगड़ाई लेते हुए कहा। "खाना तो ज़बरदस्त था।" उसने फेनल की तरफ देखा। "क्या तुम सोने जा रहे हो?"

क्या धुआं अंदर सो रहा है?

"अगर आपका मतलब यह है कि क्या थेम्बा वहां सो रहा है... तो हां, वह सो रहा है।"

आग में सौंफ के टुकड़े चटक रहे थे।

मुझे किसी अश्वेत व्यक्ति के साथ एक ही हवा में सांस लेना पसंद नहीं है।

"ठीक है... तो अपना स्लीपिंग बैग निकाल लो।"

फेनल तेज़ी से खड़ा हुआ और मुट्ठी भींचकर केन की ओर बढ़ा। वह केन से कहीं अधिक ताकतवर था और केन का उसके सामने टिकना नामुमकिन था। गैरी उन दोनों के बीच खड़ा हो गया और फेनल का सामना करने लगा।

"मैं तुमसे तंग आ गया हूँ," उसने शांत स्वर में कहा। "अगर किसी को मारने का मन कर रहा है, तो मुझे मारो।"

फेनेल ने उसे देखा, हिचकिचाई, फिर पीछे हट गई।

"भाड़ में जाओ," वह गुर्राया और बैठ गया। वह बाकी लोगों के सो जाने के काफी देर बाद तक बुझती हुई आग के पास बैठा रहा, फिर आखिरकार जब उसे नींद आने लगी तो वह तंबू में घुस गया और अपने स्लीपिंग बैग में घुस गया।

लगभग 2 बजे, तंबू की छत पर बारिश की बूंदों की आवाज से वे सभी जाग गए।

बारिश की आवाज़ के ऊपर एक शेर की दबी हुई दहाड़ सुनाई दी।

अध्याय छह

किसी ने तेज़ रोशनी वाली टॉर्च जलाई तो फेनेल की नींद खुल गई। उसने देखा कि केन अपने स्लीपिंग बैग से बाहर निकल रहा है। थेम्बा टॉर्च पकड़े हुए टेंट से बाहर जा रहा था।

"चलने का समय हो गया?" फेनल ने जम्हाई लेते हुए पूछा।

"बस थोड़ा सा। थेम्बा नाश्ता बना रहा है। मैं तैरने जा रहा हूँ... आ रहे हो?"

फेनल ने हल्की सी आवाज़ निकाली, जूते और शॉर्ट्स पहने और एक तौलिया उठाया। वह केन के पीछे-पीछे नम, हल्की रोशनी में बाहर निकल गया। बारिश रुक गई थी, लेकिन बादल घने और भरे हुए थे।

"यह थोड़ा मुश्किल होने वाला है," केन ने कहा जब दोनों आदमी पूल की ओर दौड़ पड़े, "लेकिन विंच की मदद से, और अगर हम भाग्यशाली रहे, तो हम इसे कर लेंगे।"

पूल तक पहुँचकर वे उसमें कूदे, तैरकर दूसरी तरफ गए, मुड़े और तैरकर वापस बाहर आ गए। उन्होंने तौलिये से अपने शरीर को अच्छे से सुखाया, शॉर्ट्स पहने और फिर दौड़ते हुए कैंप की ओर वापस चल दिए।

गे और गैरी दोनों उठकर आग के पास बैठे थे और थेम्बा को अंडे और बेकन तलते हुए देख रहे थे।

जब तक उन्होंने नाश्ता खत्म किया और थेम्बा ने सफाई कर दी, तब तक इतनी रोशनी हो चुकी थी कि वे चल-फिर सकें।

"चलो चलते हैं," केन ने कहा। गैरी की ओर मुड़कर उसने आगे कहा, "क्या तुम तंबू को उतारकर मोड़ सकते हो?"

"ज़रूर। मैं इसे हेलीकॉप्टर में पैक कर दूंगा... ठीक है?"

"अगर तुम इसे यहीं छोड़ दोगे, तो यह पक्का गायब हो जाएगा।" केन ने थेम्बा की तरफ देखा। "सब ठीक है?"

थेम्बा ने सिर हिलाया।

"चलिए अपनी घड़ियाँ मिला लेते हैं। हम आपको सुबह 11 बजे रेडियो पर कॉल करेंगे, बस प्रगति की जानकारी देने के लिए। उसके बाद हम आपको हर दो घंटे में कॉल करेंगे... ठीक है?"

उन्होंने अपनी घड़ियाँ देखीं, फिर गैरी ने अपना हाथ आगे बढ़ाया।

"शुभकामनाएं... उस कमीने पर नजर रखना।"

फेनेल अपना टूल किट लैंड रोवर में रख रहा था। वह पीछे की सीट पर बैठा और उदास होकर सामने देखने लगा।

"बड़ा ही प्यारा है ना?" केन मुस्कुराया। उसने गे की ओर मुड़कर हाथ मिलाया। दोनों ने उसे ड्राइविंग सीट पर बैठते हुए देखा। थेम्बा ने खुशी से हाथ हिलाया और केन के बगल में आगे की सीट पर बैठ गया।

केन जंगल में घुस गया जहाँ इतनी अँधेरी थी कि उसे हेडलाइट्स जलानी पड़ीं। वह धीरे-धीरे गाड़ी चला रहा था, और फेनेल सोच रहा था कि इस घने जंगल में भला कोई कैसे जान पाएगा कि वह कहाँ जा रहा है। थेम्बा लगातार केन को रास्ता बता रही थी। शायद यह काला बंदर उतना भी बंदर नहीं है, फेनेल ने सोचा। वह जानता था कि वह खुद अकेला असहाय होगा, और इस विचार ने उसे परेशान कर दिया।

जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, सूरज निकलने लगा और केन ने हेडलाइट्स बंद कर दीं। वह थोड़ी गति बढ़ा सका। सफ़र ऊबड़-खाबड़ और झटकों से भरा था और फेनेल को कसकर पकड़ना पड़ा।

थेम्बा ने अचानक इशारा किया और केन ने अपनी गति धीमी कर दी।

"तुम्हारे दाहिनी ओर... एक गैंडा!"

फेनल ने अपना सिर घुमाया।

बीस मीटर से भी कम दूरी पर एक विशाल गैंडा खड़ा था। वह बेडौल जानवर धीरे-धीरे अपना सिर घुमाकर उन्हें घूरने लगा। फेनेल ने उसके बड़े सींग को देखा और स्प्रिंगफील्ड की ओर हाथ बढ़ाया, उसे एहसास हो रहा था कि उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा है।

"ये खतरनाक होते हैं, है ना?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा। "ये सफेद गैंडा है। ये शांत स्वभाव का होता है," केन ने उसे बताया। "तुम्हें काले वाले से सावधान रहना होगा।"

वह गाड़ी चलाता रहा और रफ्तार बढ़ाता गया। इस समय झाड़ियों में जानवरों की चहल-पहल साफ दिख रही थी। लैंड रोवर के आते ही इम्पाला के झुंड तितर-बितर हो गए। दो जंगली सूअर झाड़ियों में घुस गए, उनकी पूंछें पेरिस्कोप की तरह ऊपर उठी हुई थीं। काले पेट वाले सारस पेड़ों की चोटियों से उन्हें देख रहे थे। जब वे झाड़ियों के किनारे के पास पहुँच रहे थे, तभी थेम्बा ने इशारा किया और केन ने कहा, "शेर!"

ट्रैक के किनारे दो पूरी तरह से विकसित नर शेर लेटे हुए थे। फेनेल ने अनुमान लगाया कि वे उनके चार मीटर के भीतर से गुजरेंगे।

"तुम उन कमीनों को पास नहीं होने दोगे?" उसने गुस्से से पूछा।

"चिंता की कोई बात नहीं," केन ने हंसमुख होकर कहा। "आप शेर को अकेला छोड़ दें, वह भी आपको अकेला छोड़ देगा।"

लेकिन फेनेल को यकीन नहीं हुआ। उसने स्प्रिंगफील्ड पिस्तौल उठाई और उसकी उंगली ट्रिगर पर कस गई।

अब वे शेरों के बिल्कुल करीब थे। दोनों जानवरों ने अपने सिर उठाए और आती हुई लैंड रोवर को नींद भरी उदासीनता से देखा। फेनल के चेहरे पर पसीना आ गया। जब वे गुजरे, तो वे इतने करीब थे कि वह राइफल की नोक से शेरों को छू सकता था।

"देखा?" केन ने कहा। "शेरों से तो आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन अगर आपने किसी शेर को घायल कर दिया और आप उसके पीछे गए तो आपको बहुत सारी चिंताओं का सामना करना पड़ेगा।"

फेनेल ने राइफल नीचे रख दी और अपने पसीने से तर चेहरे को हाथ के पिछले हिस्से से पोंछा।

"यह बहुत ही करीबी मामला था।"

वे जंगल से निकलकर एक कच्ची सड़क पर आ गए। थेम्बा ने केन को दाईं ओर मुड़ने का इशारा किया।

“यही सड़क काहलेनबर्ग की जागीर की ओर जाती है... पूरे साठ किलोमीटर की,” केन ने थेम्बा से बात करने के बाद कहा। उसने अपनी घड़ी देखी। समय 8 बज रहे थे। “थेम्बा का अनुमान है कि हम तीन घंटे में जागीर के किनारे पहुँच जाएँगे। वहाँ पहुँचते ही हम गैरी को रेडियो पर सूचना दे देंगे।”

"साठ किलोमीटर तय करने में तीन घंटे। क्या तुम पागल हो?"

"सड़क खराब है। हमें ज्यादा समय लग सकता है।"

सड़क खराब थी और धीरे-धीरे और भी बदतर होती जा रही थी। यह लगातार हल्की चढ़ाई वाली थी। रात की बारिश से सतह नरम हो गई थी और लैंड रोवर थोड़ा फिसलने लगी। उनके आगे एक बहुत ही तीखी चढ़ाई थी और जैसे ही केन ने चढ़ाई के लिए गति बढ़ाई, पिछले पहिये फिसल गए और केन ने जल्दी से स्टीयरिंग को फिसलन की दिशा में मोड़ दिया, ठीक उसी समय जब ऐसा लग रहा था कि वे सड़क से उतरने ही वाले हैं।

"ध्यान से चलो!" फेनल चौंककर गुर्राई।

"मुझे पीछे बैठकर सलाह देने वाले की ज़रूरत नहीं है," केन ने जवाब दिया। "बस चुप रहो, क्या तुम?"

लैंड रोवर धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ने लगी और जब केन ने देखा कि नीचे का गड्ढा पानी से भरा हुआ है और उस गड्ढे से बाहर निकलने के लिए एक और तीक्ष्ण चढ़ाई है, तो उसने अचानक ब्रेक लगा दिए।

“हम उस रास्ते से नहीं जाएंगे,” उसने कहा और ट्रक को रिवर्स गियर में डालकर धीरे-धीरे ढलान से नीचे सरकने लगा। फिर वह सड़क से उतरकर सूखी शाखाओं, झाड़ियों और बारिश से भीगी खुरदरी घास के बीच जा घुसा। वे अभी दस मीटर ही चले थे कि पिछले पहिए घूमने लगे और फेनेल को लगा कि ट्रक धंस रहा है।

केन ने इंजन को और अधिक गैस दी, जिसके परिणामस्वरूप केवल गीली, चिपचिपी मिट्टी की बौछार हुई जो पहिए घूमने के साथ ही उन पर छिटक गई।

थेम्बा उछलकर बाहर निकला और पीछे की ओर चला गया। केन ने गियर बदले जबकि थेम्बा ने धक्का दिया, लेकिन वे और भी गहरे धंसते चले गए।

केन मुड़ा, और जैसे ही उसने गियर हटाया, उसने सीधे फेनेल की ओर देखा।

"ल्यू, इस बात को साफ कर लो। क्या तुम हमारे साथ हो या सिर्फ एक फालतू यात्री हो?"

फेनल हिचकिचाया, फिर लैंड रोवर से नीचे उतरा। उसकी बैल जैसी ताकत और थेम्बा के वजन का असर दिखने लगा। कीचड़ के छींटे और भी तेज़ हो गए, फिर टायरों ने ज़मीन पर पकड़ बनाई और लैंड रोवर अपने द्वारा खोदे गए दो गड्ढों से बाहर निकल आई। उसके बगल में चलते हुए, फिर से कार्रवाई के लिए तैयार, फेनल और थेम्बा सावधानी से देख रहे थे। लैंड रोवर दो बार फिसली लेकिन फिर संभल गई। वे अब गड्ढे से बाहर निकल चुके थे और केन ने गाड़ी को वापस सड़क पर मोड़ दिया।

"समझे मेरी बात?" उसने कहा। "बीस मिनट बर्बाद हो गए।"
फेनल कराहते हुए गाड़ी पर चढ़ गया। उसकी साँसें तेज़ चल रही थीं। अब सूरज बहुत तेज़ था और उन पर तप रहा था। केन ने गति बढ़ा दी और वे पथरीली सड़क पर उछलते-कूदते हुए चढ़ाई जारी रखने लगे। जहाँ संभव था, वह पानी से भरे गड्ढों से बचता रहा, और जहाँ संभव नहीं था, वहाँ उनमें जा घुसता रहा, जिससे सभी को ज़ोर का झटका लगा और फेनल गुस्से से बड़बड़ाने लगा।
सड़क अचानक संकरी हो गई और पत्थरों से भरी एक ऊबड़-खाबड़ पगडंडी जैसी रह गई। अगले सौ मीटर के दौरान तीन बार थेम्बा को नीचे कूदकर पत्थरों को रास्ते से हटाना पड़ा। अब वे लगभग दस किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से रेंग रहे थे।
फेनेल को देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि इस संकरे, ऊपर की ओर चढ़ते रास्ते पर कभी कोई वाहन आया हो। पेड़ों की डालियाँ नीचे लटकी हुई थीं, जिससे दोनों आदमियों को बार-बार झुकना पड़ रहा था। लैंड रोवर की गति और भी धीमी हो जाने के कारण थेम्बा अब आगे चल रहा था।
"क्या मतलब, हमें इस घटिया सड़क पर अभी पचास किलोमीटर और गाड़ी चलानी है?" फेनल ने एक और शाखा के नीचे झुकते हुए कहा।
"बस इतना ही। थेम्बा के अनुसार, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, स्थिति और खराब होती जाती है, लेकिन कम से कम हम आगे तो बढ़ रहे हैं।"
ऐसा कहना जल्दबाजी भरा कदम साबित हुआ क्योंकि लगभग तुरंत ही वे नरम जमीन के एक हिस्से से टकरा गए और इससे पहले कि केन फिसलन को नियंत्रित कर पाता, वे संकरे ट्रैक से फिसल गए और दाहिनी ओर के पहिए एक नाले में जा गिरे।
वे रुक गए।
"जैसे ही केन लैंड रोवर से बाहर निकला, थेम्बा दौड़कर वापस आ गया। दोनों आदमियों ने पहियों की स्थिति का जायजा लिया और आपस में चर्चा की, जबकि फेनेल नीचे उतरकर सिगरेट जलाने लगा। वह खुद को बेहद बेकार महसूस कर रहा था। उसे लग रहा था कि पहिए हमेशा के लिए फंस गए हैं।"
केन ने कहा, "एक ही उपाय है कि उसे बाहर निकाल लिया जाए।"
उसने ट्रक से सामान उतारना शुरू किया और पानी और पेट्रोल से भरे जेरीकैन थेम्बा को सौंप दिए। फेनेल ने अपने रकसैक, स्लीपिंग बैग और अपना भारी औजारों का बैग बाहर निकाला।
"पहले पीछे के पहिए," केन ने कहा।
तीनों आदमियों ने ट्रक को कसकर पकड़ा और केन की आवाज़ सुनकर उसे ऊपर की ओर धकेलने लगे। उनकी संयुक्त शक्ति से पहिए ऊपर उठ गए और अगले ही झटके में ट्रक का पिछला हिस्सा वापस सड़क पर आ गया।
"मैं उसे अभी बाहर खींच सकता हूँ," केन ने कहा। "तुम दोनों किनारे पर धक्का दो ताकि वह दोबारा अंदर न फिसल जाए।"
तीन मिनट बाद, लैंड रोवर एक बार फिर सड़क पर थी। उन्होंने जल्दी से सामान दोबारा लोड

किया, फिर फेनेल ने कहा, "मैं एक ड्रिंक लेने जा रहा हूँ।"
केन ने सिर हिलाया और थेम्बा ने अपने लिए बीयर की दो बोतलें और टॉनिक वॉटर की एक बोतल खोली।
सौंफ ने थेम्बा की ओर देखा।
"आप कहते हैं कि हालात और खराब होने वाले हैं?"
"उसने यही कहा है," केन ने बीच में टोकते हुए कहा। "उससे बात करने का कोई फायदा नहीं, उसे अंग्रेजी समझ नहीं आती।"
सौंफ ने अपनी बीयर की बोतल खाली कर दी।
"लगता है हम तीनों ने ही सबसे खराब स्थिति चुन ली है, है ना?" उसने कहा।
"अब तो यही होना है।" केन ने अपनी बियर खत्म की, बोतल को नाली में फेंक दिया और गाड़ी के स्टीयरिंग व्हील के नीचे बैठ गया। "चलो चलते हैं।"
गियर लगाते हुए उसने सोचा कि कम से कम उन दो घटनाओं से फेनेल में थोड़ी इंसानियत तो आ गई है। उसने थेम्बा से बात की थी और उसने दोस्ती की भावना दिखाई थी।
अब वे कई तीखे घुमावदार मोड़ों पर आ पहुँचे। फोर व्हील ड्राइव का इस्तेमाल करते हुए केन ने चढ़ाई जारी रखी, लेकिन उनकी गति बारह किलोमीटर प्रति घंटे से थोड़ी ही अधिक थी। मोड़ों पर स्टीयरिंग व्हील को घुमाने और फिर सीधा करने में उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ रही थी, जिससे उन्हें पसीना आ रहा था। मोड़ अंतहीन लग रहे थे और वे ऊँचाई पर चढ़ते जा रहे थे।
सौंफ आगे की ओर झुकी।
"क्या मैं एक बार इसे संभाल लूँ? मैं इस बक्से को संभाल सकता हूँ।"
केन ने अपना सिर हिलाया।
"धन्यवाद... मैं संभाल लूंगा।" उसने थेम्बा से अफ़्रीकान्स में बात की और थेम्बा ने जवाब दिया।
खुद को असमंजस में पाते हुए, फेनेल ने पूछा, "तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
"सबसे ऊपर होना ही खतरनाक स्थिति है। थेम्बा का कहना है कि यहीं पर हम हमेशा के लिए फंस सकते हैं।"
"अच्छा है! बुरी जगह! इसे वो क्या कहते हैं?" केन हँसा।
"उसके कहने से तो ऐसा लगता है जैसे हम पिकाडिली रोड से होते हुए उस जगह की ओर जा रहे हैं जहाँ हम पहुँच रहे हैं।"
फिर अचानक कहीं से धूसर, सुस्त बादल सूरज को ढकने लगे और ठंड बढ़ गई। जैसे ही केन आखिरी घुमावदार मोड़ से निकलकर एक लंबी, संकरी, पथरीली चढ़ाई पर चढ़ने लगा, गर्म बारिश की तेज बौछारें बरसने लगीं।
तीनों आदमी पल भर में पूरी तरह भीग गए और केन, जिसकी आँखों में रोशनी नहीं थी, ने लैंड रोवर रोक दी। वे सब आगे की ओर झुक गए और बारिश की बूंदों से अपने चेहरे ढक लिए, जबकि बारिश उनकी झुकी हुई पीठों पर ज़ोर से बरस रही थी। वे कुछ मिनट तक उसी स्थिति में रहे। लैंड रोवर में पानी भर गया था और इधर-उधर छलक रहा था। फेनल के जूते और उनके सामान को ढकने वाली तिरपाल पर पानी कई इंच गहरा जमा हो गया था।

जैसे बारिश शुरू हुई थी, वैसे ही अचानक रुक गई, बादल छंट गए और सूरज निकल आया। कुछ ही मिनटों में उनके कपड़ों से भाप निकलने लगी।

"ये तो वाकई एक अजीबोगरीब पिकनिक है," फेनेल ने कहा। "मेरी सिगरेटें तो पूरी तरह भीग गईं!"

केन ने कार के ग्लव कंपार्टमेंट से एक पैकेट निकाला और उसे देते हुए कहा, "ये ले लो।"

मैं एक ले लूँगा... बाकी वहीं रहने दो। अगर वो कुतिया ऐसा करने वाली है तो...

फिर से शुरू करो, हम कमी नहीं होने देना चाहते।

दोनों ने सिगरेट जलाई और फिर ट्रक में वापस बैठ गए। थेम्बा आगे निकल गया था। अब तक वह पहाड़ी की चोटी पर पहुँच चुका था और इंतज़ार करने लगा।

जैसे ही वे उसके पास पहुँचे, उसने केन को रुकने का इशारा किया। दोनों आदमियों ने उसके पीछे आगे सड़क की ओर देखा। वे एक पहाड़ की चोटी पर प्रतीत हो रहे थे और रास्ता अचानक संकरा हो गया। एक तरफ मोटी घास और झाड़ियों से ढकी ढलान थी; दूसरी तरफ घाटी में एक सीधी खाई थी।

फेनल लैंड रोवर में खड़ा हो गया और रास्ते को घूरने लगा। ऊँची जगहों पर वह कभी भी आत्मविश्वास से भरा नहीं होता था, और नीचे फैली घाटी और संकरे, ऊबड़-खाबड़ रास्ते को देखकर वह पसीने से तर हो गया।

"हम तो गए काम से!" उसने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा। "हम वहाँ से निकल ही नहीं सकते!"

केन मुड़ा और उसे घूरकर देखा। उसका पीला पड़ा चेहरा और कांपते हाथ देखकर उसे एहसास हुआ कि यह आदमी ऊंचाई से डरता है और उसे उस पर दया आई।

"देखो, लू, तुम बाहर निकलो। मुझे लगता है मैं निकल सकता हूँ। जगह थोड़ी तंग होगी, लेकिन हो जाएगा।"

"मूर्ख मत बनो! तुम खुद को मार डालोगे!"

केन ने थेम्बा से चिल्लाकर पूछा, "क्या मैं यह कर सकता हूँ?"

बंटू व्यक्ति ट्रैक के बीच में खड़ा हो गया और लैंड रोवर को देखने के बाद उसने सिर हिलाया।

"बस," उसने कहा।

"उसने क्या कहा?" फेनेल ने पूछा।

"उसे लगता है कि यह सब ठीक है।"

"ठीक है? अरे! तुम तो पार जाओगे!"

"तुम बाहर जाओ।"

फेनेल हिचकिचाया, फिर अपना टूल बैग उठाकर वह ट्रैक पर उतर गया।

"एक मिनट रुको," उसने पसीने से तर चेहरे के साथ कहा, "अगर तुम खुदकुशी करने जा रही हो, तो मैं पहले सारा सामान उतार लेता हूँ। अगर वह गिर गई, तो हम बिना खाने-पीने के फंस जाएंगे।"

"शायद तुम्हें वहाँ कुछ मिल जाए," केन ने चौड़ी मुस्कान के साथ कहा। वह पीछे की ओर चढ़ गया और थेम्बा, उनकी हरकत समझकर, उनके साथ शामिल हो गया। तीनों आदमियों ने

सावधानीपूर्वक तिरपाल हटाया, बारिश का पानी पटरी पर बहा दिया, फिर उन्होंने जल्दी से सारा सामान उतार दिया।
फेनल ने अपनी घड़ी पर नजर डाली। 10:55 बज रहे थे।
"हम एक बियर पिएंगे," उसने कहा। "पांच मिनट में आपको एडवर्ड्स से संपर्क करना होगा। हमें और कितनी दूर जाना है?"
केन ने दो बीयर की बोतलें खोलते हुए थेम्बा से सलाह ली।
"लगभग बीस किलोमीटर। फिर बड़े घर तक दस किलोमीटर और," थेम्बा ने उसे बताया।
केन ने अनुवाद किया।
"मुश्किल भरा सफर?"
थेम्बा ने कहा कि इस हिस्से को पार करने के बाद रास्ता ठीक था।
उन्होंने बीयर खत्म की और फिर केन ने टू-वे रेडियो उठा लिया।
"केन से गैरी... क्या तुम मुझे सुन पा रहे हो?"
तुरंत: "गैरी से केन... ज़ोर से और साफ़-साफ़। कैसा चल रहा है?"
केन ने संक्षेप में स्थिति समझाई।
"यह जोखिम भरा लग रहा है। देखो, केन, विंच का इस्तेमाल क्यों नहीं करते? आगे लंगर डालो और खुद को अंदर खींच लो। अगर ट्रक फिसल जाए तो तुम्हारे पास कूदने का मौका होगा।"
"ठीक है। रॉजर। मैं आपको बाद में कॉल करता हूँ। बाहर।"
"मुझे यकीन है कि वो बहुत खुश होगा," फेनेल गुर्राया। "क्या उसने बताया कि उसने उस कुतिया के साथ संबंध बनाया है या नहीं?"
"छोड़ो इसे, लू," केन ने अधीरता से कहा। उसने थेम्बा से बात की, जिसने सिर हिलाया और चरखी से तिरपाल का आवरण हटाकर, उसने केबल को तब तक बाहर निकाला जब तक वह ट्रैक के सबसे संकरे हिस्से से आगे नहीं निकल गया। केन ने फेनेल को खींचने का काम सौंप दिया।
"क्या तुम तार जोड़ने में माहिर हो? यह सुरक्षित होना चाहिए।"
मैं इसे ठीक कर दूंगा।
दाईं ओर दिख रही खाई से नज़रें हटाते हुए, फेनेल लंगर हाथ में लिए और औजारों का थैला कंधे पर टांगे थेम्बा के पास पहुँच गया। उसे संतुष्ट होने में आधे घंटे से थोड़ा ज़्यादा समय लगा। जब वह काम कर रहा था, केन गाड़ी चला रहा था और सिगरेट पी रहा था। वह शांत और संयमित था। उसे पता था कि जोखिम है, लेकिन उसे पूरा भरोसा था कि वह इसे पार कर लेगा।
अंततः सौंफ खड़ी हो गई।
"कोई बात नहीं।"
उसने पास ही उग रहे एक विशाल पेड़ की जड़ में ड्रैग को मजबूती से बांध दिया था और एक क्लब हैमर का उपयोग करके, उसने ड्रैग को अच्छी तरह से जड़ में ठोक दिया था।
वह वापस लैंड रोवर की ओर चल पड़ा।
"वह बाहर नहीं निकलेगा। केबल नहीं फटेगी। अब देखना यह है कि क्या विंच अपने आवरण से बाहर निकल पाती है या नहीं।"

"हिम्मत रखो," केन ने मुस्कुराते हुए कहा। "चलो कोशिश करते हैं। लू, क्या तुम मेरे पीछे रहोगे? अगर गाड़ी फिसलने लगे तो उसे संभाल लेना या अगर संभाल नहीं पा रहे तो मुझे बता देना। मैं चाहता हूं कि थेम्बा आगे रहे और दूसरी तरफ के पहियों पर नज़र रखे।"

"मैं तुम्हें एक बात बताऊँ," फेनेल ने भारी साँस लेते हुए कहा। "तुम्हारे अंदर मुझसे कहीं ज़्यादा हिम्मत है।"

दोनों आदमियों ने एक-दूसरे को देखा, फिर केन मुड़ा, इंजन चालू किया, हैंडब्रेक छोड़ा और विंच को चलाने वाले लीवर को आगे बढ़ाया। ड्रम घूमने लगा। उसने झट से ड्रम की गति कम कर दी और लैंड रोवर धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी।

फेनेल पीछे-पीछे चल रहा था, उसके दोनों हाथ ट्रक के टेलबोर्ड पर थे, उसकी निगाहें थेम्बा पर टिकी थीं जो नीचे बैठा था, उसकी निगाहें सामने के पहियों पर टिकी थीं, और वह केन को आगे आने का इशारा कर रहा था।

ट्रक दस मीटर ही आगे बढ़ा था कि थेम्बा ने अचानक हाथ उठाकर उसे रोक दिया।

केन ने विंच लीवर को न्यूट्रल पोजीशन में कर दिया।

"अब क्या बात है?" फेनेल ने पीछे से गुर्राते हुए कहा। थेम्बा गाड़ी के पास जाकर उसे देख रहा था।

"क्या उस काले बंदर को लगता है कि मैं इसे छूटने दूँगा?" फेनल गुर्राया। "यह अंदर है, और अंदर ही रहेगा!"

"इतना परेशान मत हो," केन ने एक गंदा रुमाल निकालकर अपना चेहरा पोंछते हुए कहा।

संतुष्ट होकर थेम्बा वापस ट्रैक के बीच में चला गया। "चार मीटर और, फिर तुम संकरे हिस्से पर पहुँच जाओगे," उसने पुकारा। केन ने ड्रम को फिर से घुमाना शुरू कर दिया।

लैंड रोवर फिर से धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी। तभी अचानक कुछ अप्रत्याशित हुआ, संकरे मोड़ से तीन मीटर पहले। बारिश से भीगी सड़क ट्रक के भार से धंस गई। फेनेल को लगा कि ट्रक का पिछला हिस्सा खाई की ओर फिसल रहा है और उसने ट्रक को वापस मोड़ने की कोशिश में अपना पूरा वजन टेलबोर्ड पर डाल दिया, और केन से कूदने के लिए चिल्लाया। उसे लगा जैसे उसे किनारे की ओर घसीटा जा रहा है, और कांपते हुए उसने टेलबोर्ड छोड़ दिया और घास के ढलान पर पीठ के बल लुढ़क गया। वह पल भर में अपने पैरों पर खड़ा हो गया, लेकिन लैंड रोवर जा चुकी थी।

उसने घबराकर सड़क की ओर देखा। खाई के किनारे पर खड़ा थेम्बा नीचे घूर रहा था, उसकी बड़ी-बड़ी आँखें घूम रही थीं। फेनेल ने गुस्से में देखा कि तना हुआ तार काँप रहा है, और हिम्मत जुटाकर वह किनारे पर गया, उसे चक्कर आ रहा था और उसने नीचे देखा।

चार मीटर नीचे, केबल से लटकी हुई लैंड रोवर थी।

केन सीट के पीछे खड़ा था, उसके हाथ विंडशील्ड को कसकर पकड़े हुए थे। बहुत दूर नीचे, हवाई नक्शे की तरह फैली हुई घाटी थी।

देखते ही देखते फेनेल ने पाया कि ड्रम धीरे-धीरे आवरण से अलग हो रहा था।

"ढोल के पास जाओ!" वह चिल्लाया। "केन... यह अलग हो रहा है! ढोल पकड़ो!"

केन ने खुद को संभाला, विंडशील्ड के ऊपर से कदम रखा और सीधे बोनट पर लेट गया। उसने ड्रम को सहारा देने वाले स्टील के एक खंभे को पकड़ा, आगे की ओर ज़ोर लगाया और ड्रम के केबल को अपने हाथों से जकड़ लिया। जैसे ही उसने पकड़ बनाई, ड्रम ट्रक से अलग हो गया और ट्रक खाई में जा गिरा।

केन केबल के एक सिरे पर झूल रहा था। थेम्बा के हाथों में केबल थी और वह उसे खींचने की कोशिश कर रहा था। सिर से पैर तक कांपता हुआ फेनेल भी उसके साथ शामिल हो गया। केन पहाड़ की ढलान पर ज़ोर से झूला और उसके पैर ज़मीन पर टिक गए। जैसे ही दोनों आदमी उसे खींच रहे थे, वह थोड़ी ढलान वाली तरफ चढ़ने लगा और कुछ ही पलों में वह लुढ़ककर ट्रैक पर आ गया।

वह उठकर बैठ गया और जबरदस्ती मुस्कुराने लगा।

"अब तो हमें पैदल ही चलना पड़ेगा," उसने कहा।

जैसे ही लैंड रोवर झाड़ियों में दाखिल हुई, गे ने राहत की सांस ली।

"अच्छा हुआ, वो रास्ते से हट गया," उसने कहा। "वो सच में मुझे बहुत परेशान कर रहा था।"

"मेरी भी।" गैरी ने सिगरेट जलाई। "क्या आपको और कॉफ़ी चाहिए?"

उसने अपना सिर हिलाया।

"जब उजाला हो जाएगा, तो मैं तैरने जाऊंगी। पूल बहुत सुंदर लग रहा है।" वह आग के पास गई और उसके सामने घुटनों के बल बैठ गई।

गैरी उसे देखता रहा, सोचता रहा कि आग की लपटों से उसका चेहरा कितना सुंदर लग रहा है। फिर वह तंबू में गया, अपना तार रहित इलेक्ट्रिक रेज़र निकाला और टॉर्च की रोशनी में दाढ़ी बनाई। दाढ़ी बनाते हुए वह उड़ान भरने से पहले के आने वाले घंटों के बारे में सोचने लगा। उसे इस बात का पूरा एहसास था कि वे दोनों अकेले हैं। उसने दृढ़ता से इस विचार को अपने मन से निकाल दिया। तौलिया उठाकर वह तंबू से बाहर निकल गया। अब रोशनी तेज़ हो गई थी। एक घंटे में सूरज निकल आएगा, लेकिन उसे ठंडे पानी की ज़रूरत महसूस हो रही थी और वह इंतज़ार करने के लिए बहुत बेचैन था।

"मैं पहले तैर लूँगा," उसने उससे कहा। "क्या तुम यहाँ अकेले ठीक हो?"

"हां, अगर कोई शेर आ गया तो ठंड होगी।"

मुझे यही पसंद है।

उसने उसे अंधेरे में जाते हुए देखा और थेम्बा द्वारा इकट्ठा की गई लकड़ियों के बड़े ढेर से आग में और लकड़ियाँ डालीं। वह आने वाले घंटों के बारे में भी सोच रही थी। उसने मन ही मन माना कि फेनल ने अपने क्रूर तरीके से उसके अंदर एक पुरुष के लिए दबी हुई इच्छा को जगा दिया था। उसने सोचा, कितने समय से उसे कोई संतोषजनक प्रेमी नहीं मिला था? उसका मन उन पुरुषों की यादों में खो गया जिन्होंने उसके साथ बिस्तर साझा किया था। उसे केवल दो ही याद थे जिन्होंने उसे सचमुच प्रसन्न और संतुष्ट किया था। पहला गैरी जैसा था, उतना लंबा नहीं और ज़्यादा सुंदर... एक अमेरिकी जो छुट्टियों पर आया था। वह पेरिस में कपड़ों की मॉडलिंग कर रही थी। जुलाई की एक गर्म रात को, वह भीड़ भरे फौकेट के कैफे में अकेली बैठी थी। वह आया

और पूछा कि क्या वह उसके साथ टेबल साझा कर सकता है। उन्होंने एक-दूसरे को देखा, और वह तुरंत समझ गई कि कुछ ही घंटों में वह उसके साथ सोएगी, जैसा कि उसे भी पता चल गया था। फिर, दूसरा आदमी, जो अमेरिकी था और दिखने में गैरी जैसा ही था, उस बार के धुंधले अंधेरे से बाहर आया जहाँ वह अपने दोस्तों का इंतज़ार कर रही थी और उसने उसे अपने साथ शराब पीने के लिए आमंत्रित किया। उसके दोस्तों के आने से पहले ही वे दोनों बार से निकल गए। उसने महसूस किया कि गैरी जैसे दिखने वाले इस आदमी में उसके लिए यौन आकर्षण था, जो उसके अंदर तुरंत ही भड़क उठा, जैसे दो पत्थरों को आपस में टकराने पर चिंगारी निकलती है।

वह इन दोनों पुरुषों से केवल एक बार मिली थी और केवल उनके पहले नाम जानती थी, लेकिन उनके साथ बिताए कुछ घंटे उसके दिमाग में बस गए थे, और अब जब उस बंदर फेनेल ने इतने लंबे समय बाद उसे उत्तेजित कर दिया था, तो वह जानती थी कि दिन के किसी समय गैरी उसका प्रेमी बन जाएगा।

सूरज उग रहा था और उसे उसकी गर्माहट महसूस होने लगी थी। वह आग से दूर हटकर तंबू के अंदर जाकर खुद को ठीक करने लगी। जब उसका काम खत्म हुआ, तो उसे तंबू के कैनवास से सूरज की गर्मी आती हुई महसूस हुई और वह एक तौलिया लेकर बाहर आ गई।

उसने गैरी को अपनी ओर आते देखा, उसने शॉर्ट्स और जूते पहने हुए थे और उसके कंधे पर तौलिया था।

उसने उसकी तरफ मुस्कुराया।

"क्या यह अच्छा था?"

"शानदार, लेकिन ठंड है। अब ठीक हो जाएगा।"

"फिर मिलेंगे।" उसे एहसास था कि वह उसे उसी तरह देख रहा था जैसे उन दोनों अमेरिकियों ने उसे देखा था, फिर उसने नज़रें हटा लीं।

उसने सिर हिलाया और तौलिया लहराते हुए पूल की ओर दौड़ पड़ी।

उसे नग्न होकर तैरने का मौका बहुत कम मिलता था, और उसे ऐसा करना बहुत पसंद था। उसने अपने कपड़े उतारे और पानी में छलांग लगा दी। अब तक सूरज पूरी तरह से पूल पर चमक रहा था और पानी की ठंडक भी कम हो गई थी। वह कुछ देर तैरी, फिर पीठ के बल लेट गई, आँखें बंद कर लीं और खुद को पानी में तैरने दिया।

पेड़ पर ऊँचाई पर बैठे दो भूरे, काले चेहरे वाले बंदर उसे देख रहे थे। फिर मानो सहमति से, वे पेड़ से नीचे उतरे, तेज़ी से उस जगह पहुँचे जहाँ उसने अपने शॉर्ट्स, कमीज़ और तौलिया छोड़े थे, उन्हें उठाया और फिर से पेड़ पर चढ़ गए। कपड़ों को देखकर और उनमें कोई दिलचस्पी न पाकर, उन्होंने उन्हें एक ऊँची शाखा पर लटका दिया और जंगल में आगे बढ़ते हुए एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर झूलते चले गए।

जैसे ही वे आगे बढ़े, गे ने अपनी आँखें खोलीं और उन्हें देखा। वह उन्हें देखती रही, सोचती रही कि वे कितने प्यारे लग रहे हैं, लेकिन जब वह पूल से बाहर निकली तो किनारे पर केवल अपने जूते देखकर उसे वे प्यारे नहीं लगे।

ऊपर देखते हुए, उसकी नज़र एक डाल पर टंगे अपने तौलिए पर पड़ी। वह हिचकिचाई, क्योंकि उसे पता था कि वह वहाँ कभी नहीं चढ़ पाएगी। फिर उसने कंधे उचकाए, जूते पहने और शिविर की ओर वापस चल पड़ी। गैरी तंबू की छाँव में बैठा शालिक द्वारा दिए गए हवाई नक्शे का अध्ययन कर रहा था। जैसे ही वह पेड़ों की कतार से निकली, उसने ऊपर देखा और चौंककर नक्शा उसके हाथ से गिर गया। एक पल के लिए उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ, फिर वह उठ खड़ा हुआ।

बिल्कुल बेपरवाह, जन्म के समय जैसी नग्न अवस्था में थी, गे आगे बढ़ी।

"बंदरों ने मेरे कपड़े चुरा लिए हैं... ये छोटे शैतान! ये तालाब के किनारे एक पेड़ पर चढ़ गए हैं। क्या तुम उन्हें मेरे लिए ला सकते हो, गैरी?" उसने मैदान के आधे रास्ते में पहुँचकर पुकारा। उसने अपने नग्न शरीर को छिपाने की कोई कोशिश नहीं की। चलते समय उसकी बाहें उसके बगल में ढीली लटक रही थीं। वह ऐसे व्यवहार कर रही थी मानो उसने पूरे कपड़े पहने हों।

"ज़रूर। । ।"

वह उसकी ओर बढ़ा, फिर जानबूझकर एक बड़ा अर्धवृत्त बनाया ताकि वह उसके करीब से न गुजरे और उसे उसकी यह बात पसंद आई।

वे गुजर गए और वह तम्बू में चली गई। उसे पूरा यकीन था कि उसने उसकी तरफ मुड़कर नहीं देखा था। उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। वह अपने बैग से अपनी दूसरी कमीज और शॉर्ट्स निकालने गई। उसने उन्हें निकाला, देखा, थोड़ी देर रुकी, फिर उन्हें जमीन पर गिरा दिया और स्लीपिंग बैग पर लेट गई। पैर मोड़कर और हाथों से अपनी छाती ढककर, वह उसके लौटने का इंतजार करने लगी।

"लगभग 11 बज रहे हैं," गैरी ने कहा। "वे रेडियो पर संपर्क करेंगे।"

वह उसे जाने देना नहीं चाहती थी, लेकिन जैसे ही वह उससे दूर जाने लगा, उसने अपनी बाहों को उसके शरीर से हटा लिया। उसने उसे खड़े होकर शॉर्ट्स पहनते हुए देखा, फिर उसने अपनी आँखें बंद कर लीं।

उसके बारे में उसका अनुमान सही था। यह उन दोनों अमेरिकियों के साथ हुए अनुभव से भी कहीं बेहतर था, और हाँ, उसे उसका उपनाम भी पता था। पिछले एक साल से उसके अंदर पनप रहा तनाव इस ज़बरदस्त मिलन से बाहर निकल आया था, और अब उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसने कोई तेज़ नशा कर लिया हो। वह किसी से दखल नहीं चाहती थी, बस शांत रहना और कुछ न करना चाहती थी। वह अर्ध-नींद में डूब गई, जो तंबू की गर्मी में और भी सुकून देने वाली और सुखद थी।

गैरी के तम्बू के द्वार पर आकर उसका नाम जोर से पुकारने की आवाज से वह चौंककर जाग गई। वह आधी उठकर बैठ गई और उसके चिंतित चेहरे को देखकर तुरंत पूरी तरह सतर्क हो गई।

"यह क्या है?"

"वे तीनों मुसीबत में हैं। अपना सामान पहनो और बाहर आओ। यहाँ बहुत गर्मी है।"

उसकी आवाज़ में कठोरता थी और वह समझ गई कि उसे वहाँ आग के सामने बिल्ली की तरह लेटे देखकर गुस्सा आ रहा था। उसने जल्दी से अपने कपड़े पहने और छाँव में उसके पास आ

गई।
"सड़क धंस गई और उनकी लैंड रोवर गाड़ी खो गई," गैरी ने उसे बताया। "केन बाल-बाल बच गया।"
"क्या उसे चोट लगी है?"
"नहीं... घबराए हुए हैं, लेकिन ठीक हैं, अब उन्हें चलना होगा और यह बहुत मुश्किल सफर होगा।"
"लेकिन वे वहाँ पहुँच जाएँगे?"
"वे ऐसा ही सोचते हैं। वे दो घंटे में मुझसे फिर संपर्क करेंगे।"
और उपकरण?
"कोई बात नहीं। ट्रैक के सबसे खराब हिस्से को पार करने की कोशिश करने से पहले ही उन्होंने सामान उतार दिया।"
वे वापस कैसे आएंगे?
"हम सभी को हवाई जहाज से जाना होगा... इसके अलावा कोई चारा नहीं है। यह थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन किया जा सकता है।"
वह पेड़ से पीठ टिकाकर आराम करने लगी।
"तो यह वास्तव में इतना बुरा नहीं है... उन्हें बस पैदल चलना होगा।"
"इस गर्मी में यह उतना अच्छा नहीं रहेगा।"
"अच्छा, ठीक है... उस बंदर की कुछ चर्बी उतारो। गैरी, क्या तुम्हें पक्षी के पंख नोचना और उसका चित्र बनाना आता है?"
"नहीं... क्या आप ऐसा करते हैं?"
"नहीं। तो हम गिनी-फाउल का शिकार करने की ज़हमत नहीं उठाएंगे। हम दोपहर के भोजन में बीन्स और बेकन खाएंगे।" वह खड़ी हो गई। "मैं एक और बार तैरने जा रही हूँ... आ रही हो?"
वह हिचकिचाया। "गे, वे तीनों मुझे चिंतित कर रहे हैं।"
"तो मेरे साथ तैरने से आप उन्हें भूल जाएंगे। हम उनके लिए कुछ नहीं कर सकते... तो आइए और तैरिए।"
वह तौलिए लेने के लिए तम्बू के अंदर गई और फिर वे दोनों चिलचिलाती धूप में पूल की ओर चल पड़े।
अब फेनेल को पछतावा हो रहा था कि उसने पहले इतनी ज़्यादा बीयर क्यों पी ली। पथरीला, ऊबड़-खाबड़ रास्ता, तेज़ धूप और केन की रफ़्तार, ये सब उसे उसकी कमज़ोरी का एहसास दिला रहे थे। उसके औज़ारों के थैले का पट्टा उसके कंधे पर रगड़ खा रहा था। पसीना उसके चेहरे से बहकर उसकी कमीज़ को काला कर रहा था। वह ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था।
अंदाजे से, उसने सोचा, उन्होंने सिर्फ छह किलोमीटर ही तय किए थे। केन ने काहलेनबर्ग के घर पहुँचने से पहले तीस किलोमीटर की बात की थी। चौबीस किलोमीटर! फेनेल ने दांत पीस लिए। उसे यकीन था कि वह इस टूल किट के साथ यह सफर तय नहीं कर सकता: हर कदम के साथ यह और भारी होता जा रहा था। टूल किट के अलावा, वह अपना बैग भी ढो रहा था।

यात्रा शुरू करने से पहले, उन्होंने स्लीपिंग बैग और शॉटगन वहीं छोड़ने का फैसला किया था। केन ने स्प्रिंगफील्ड राइफल और अपना बैकपैक उठाया हुआ था, जबकि थेम्बा ने खाने-पीने की चीजों से भरा बैकपैक और पांच लीटर पानी का एक जार उठाया हुआ था।

फेनल एक-एक कदम घसीटते हुए आगे बढ़ता रहा। उसे छाया की सख्त ज़रूरत थी, लेकिन इस संकरे रास्ते पर कहीं छाया नहीं थी। उसे पानी पीने की बहुत इच्छा हो रही थी और उसे उस बियर का अफ़सोस हो रहा था जो वे पीछे छोड़ आए थे। वह उसे अपने साथ ले जाना चाहता था, लेकिन जब केन ने कहा कि अगर फेनल उसे ले जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं है, तो फेनल ने अपना इरादा बदल दिया।

वह अपनी आंखों से पसीना पोंछने के लिए रुका और यह देखकर उसे बेहद शर्मिंदगी हुई कि बाकी दो लोग उससे काफी आगे एक साथ चलते और बातें करते हुए जा रहे थे।

केन ने पीछे मुड़कर देखा और फिर रुक गया। थेम्बा कुछ कदम आगे बढ़ा और फिर रुक गया।

फेनल को अचानक बहुत गुस्सा आया। वह लड़खड़ाते हुए उनके पास आया। उसका थका हुआ चेहरा देखकर केन समझ गया कि वह उनके लिए बोझ साबित होगा। थेम्बा को भी यही लगा और उसने जेरीकैन नीचे रखकर फेनल से कुछ कहा, जिसे फेनल समझ नहीं पाया।

"उसने कहा कि अगर तुम जेरीकैन उठाओगे तो वो तुम्हारा टूल बैग उठा लेगा," केन ने अनुवाद किया।

सौंफ हिचकिचाई, लेकिन वह जानती थी कि अब यह थैला उसके लिए बहुत भारी था।

"उसे ऐसा क्यों लगता है कि वह इसे उठा सकता है?" उसने बैग को कृतज्ञतापूर्वक जमीन पर रखते हुए पूछा।

"अगर उसे ऐसा नहीं लगता तो वह यह प्रस्ताव नहीं देता," केन ने कहा, जब थेम्बा ने बैग उठाया और उसे अपने कंधे पर टांग लिया।

फेनल हिचकिचाया, फिर बोला, "ठीक है, उसे बता दो... धन्यवाद। इसे उठाना बहुत मुश्किल है।" उसने जेरीकैन को पकड़ा और तीनों आदमी आगे बढ़ गए: बाकी दो लोग फेनल के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए धीरे हो गए।

अगला एक घंटा फेनल के लिए एक बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण सफर था, लेकिन वह लगातार आगे बढ़ता रहा, हांफता रहा और खुद पर बहुत गुस्सा था कि बाकी दोनों इस कठिन परीक्षा को कितनी आसानी से झेल रहे थे।

"एक ड्रिंक लें?" वह हांफते हुए रुक गया।

लेकिन उस पेय से उसे कोई संतुष्टि नहीं मिली क्योंकि पानी गर्म था और वैसे भी, सौंफ को पानी पीना बिल्कुल पसंद नहीं था।

केन ने अपनी घड़ी देखी।

"दस मिनट में हम गैरी को फोन करेंगे। फिर हम आराम करेंगे।"

“वो आदमी तो किस्मत वाला ही होगा,” फेनेल ने जेरीकैन उठाते हुए गुस्से से कहा। “उसे पता ही नहीं कि वो कितना खुशनसीब है।” वे आगे बढ़ते रहे और दोपहर 1 बजे, उन्होंने रास्ता छोड़ दिया और जंगल की छांव में बैठ गए। केन ने गैरी से संपर्क किया और प्रगति की जानकारी दी।

उन्होंने कहा, "हमें शाम 6 बजे तक अपनी स्थिति पर पहुंच जाना चाहिए," और साथ ही यह भी कहा कि रास्ता कठिन है।
गैरी ने सहानुभूति जताते हुए कहा कि वह दोपहर 3 बजे तक तैयार रहेगा और फिर फोन बंद कर दिया।
आधे घंटे आराम करने के बाद, वे एक घंटे और चले, फिर केन ने कहा कि खाने का समय हो गया है। उन्होंने धूप से तपते रास्ते को छोड़कर पेड़ों की छाँव में बैठ गए। थेम्बा ने स्टेक पाई और बेक्ड बीन्स के डिब्बे खोले।
"कितनी दूर और?" सौंफ ने मुंह भरकर पूछा।
केन ने थेम्बा से परामर्श लिया।
"लगभग छह किलोमीटर और फिर हम जंगल में होंगे।"
"उससे पूछो कि क्या वह चाहता है कि मैं दोबारा बैग उठाऊं।"
"वह ठीक है... इसके बारे में चिंता मत करो।"
"उससे पूछो! वो बैग बहुत भारी है!"
केन ने थेम्बा से बात की, जिसने मुस्कुराते हुए अपना सिर हिलाया।
"काले लोग गोरे पुरुषों का बोझ उठाने के आदी हैं," केन ने अपना चेहरा सीधा रखते हुए कहा।
सौंफ ने उसे घूर कर देखा।
"ठीक है, मैं इसे स्वीकार करता हूँ... तो वह मुझसे बेहतर इंसान है।"
"इसे छोड़ दो वरना मैं फूट-फूट कर रोने लगूंगी।"
सौंफ ने कड़वी मुस्कान दी।
"मेरा समय आ रहा है। तुम दोनों इस जंगल और इधर-उधर घूमने वाली बकवास से भले ही काफी उत्तेजित हो जाओ, लेकिन जब तुम मुझे एक्शन में देखोगे तो तुम्हें बहुत अच्छा लगेगा।"
केन ने सिगरेट का अपना पैकेट आगे बढ़ाया और दोनों आदमियों ने सिगरेट जला ली।
"क्या तुम्हें लगता है कि वह उसे ये दे रहा है?" फेनेल ने अचानक पूछा। जब उसका ध्यान अपनी परेशानियों से हटता था, तो बार-बार उसका ख्याल गे पर ही जाता था।
"कौन किसे क्या दे रहा है?" केन ने बेपरवाही से पूछा।
सौंफ हिचकिचाई, फिर कंधे उचकाते हुए बोली, "भूल जाओ!"
एक घंटे बाद, उन्होंने गैरी से फिर संपर्क किया और प्रगति की जानकारी दी, फिर वे पहाड़ी रास्ते से निकलकर जंगल में प्रवेश कर गए। उमस भरी गर्मी के बावजूद, लगातार छाया मिलने से उन्हें अपनी गति बढ़ाने में मदद मिली।
थेम्बा आगे-आगे चल रहा था और केन व फेनेल उसके पीछे-पीछे आ रहे थे। घनी झाड़ियों से होकर गुजरने वाला संकरा रास्ता उन्हें एक कतार में चलने पर मजबूर कर रहा था। ऊपर आसमान में, वर्वेट बंदर एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर झूलते हुए उन्हें देख रहे थे। एक विशाल सेबल हिरण, जो एक ऊँची झाड़ी के पास रास्ते के बीचोंबीच खड़ा था, अचानक जंगल में भाग गया, जिससे फेनेल चौंक गई।
उन्हें लंबे, नुकीले कांटों वाली झाड़ियों से सावधान रहना था, और वे सभी अपने सामने ज़मीन पर

ध्यान केंद्रित किए हुए थे। उनमें से किसी को भी यह आशय नहीं था कि उन पर नज़र रखी जा रही है। एक ऊंचे पेड़ की शाखा पर एक विशालकाय ज़ुलू बैठा था, जिसने केवल तेंदुए की खाल पहन रखी थी। उसके दाहिने हाथ में एक टू-वे रेडियो था। उसने तीनों आदमियों के गुजर जाने का इंतजार किया, फिर रेडियो के माइक्रोफ़ोन में तेज़ी से बोला। उसका संदेश काहलेनबर्ग के सचिव मिया ने सुना, जिसे एस्टेट में अजनबियों की गतिविधियों की सूचना देने के लिए तैनात बीस ज़ुलुओं से संपर्क बनाए रखने का काम सौंपा गया था।

जिस क्षण से तीनों व्यक्ति जंगल में दाखिल हुए, तब से वे कभी भी ज़ुलुओं की चौकस निगाहों से ओझल नहीं हुए, कभी झाड़ियों में छिपे तो कभी पेड़ों की चोटियों में छुपे।

मिया ने ज़ुलुओं की रिपोर्टों को तेज़ी से संक्षिप्त रूप में लिख लिया, उन्हें हो-डू को सौंप दिया, जिन्होंने उन्हें तुरंत टाइपराइटर पर टाइप किया और फिर उन्हें तुरंत काहलेनबर्ग को भेज दिया।

काहलेनबर्ग इसका आनंद ले रहा था। लैंड रोवर की घटना को देखा गया था और उसे इसकी सूचना दी गई थी, और अब उसे पता चल गया था कि ये तीनों व्यक्ति वास्तव में उसकी जागीर में थे।

उसने टाक की ओर मुड़कर कहा, "बांटू को हटाया जा सकता है। आदेश दे दो कि मौका मिलते ही उसे रास्ते से हटा दिया जाए। चूंकि वह मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है, इसलिए उसके बिना बाकी लोग अपना रास्ता नहीं खोज पाएंगे।"

टाक ने एक टू-वे रेडियो उठाया और उसमें धीरे से बात की।

जब वह बोल ही रहा था, तभी जंगल में एक खुली जगह पर पहुँचकर केन ने थोड़ी देर आराम करने का आदेश दिया। तीनों आदमी छाया में बैठ गए और सबने पानी पिया।

केन ने थेम्बा से कुछ मिनट बात की। थेम्बा ने इशारा किया। उनके आगे एक संकरा रास्ता था जो घनी झाड़ियों में जाता था।

"यही रास्ता सीधे काहलेनबर्ग के घर की ओर जाता है," केन ने फेनेल को समझाया। "हम इसे चूक नहीं सकते। हम थेम्बा को यहीं छोड़ देंगे और आगे बढ़ेंगे। अगर हम कहीं फंस जाते हैं, तो मैं नहीं चाहता कि वह इसमें शामिल हो। काम पूरा होने पर, हम उसे यहीं से ले लेंगे और वह हमें बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। ठीक है?"

"क्या आपको यकीन है कि हम उसके बिना अपना रास्ता ढूंढ लेंगे?"

"हम रास्ते का अनुसरण करते हैं। यह सीधे घर तक जाता है।"

"अच्छा, ठीक है।" फेनल ने अपनी घड़ी देखी। "घर पहुँचने में कितना समय लगेगा?"

"लगभग दो घंटे लगेंगे। हम अभी चलते हैं। अंधेरा होने से पहले हम घर के काफी करीब पहुँच जाएँगे।"

सौंफ ने गुर्राते हुए अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

केन ने फिर थेम्बा से बात की, जिस पर थेम्बा मुस्कुराया और सिर हिलाया।

"हम अपने साथ कुछ खाना ले जाएंगे। मेरे पास पानी की बोतल है," केन ने फेनेल की ओर मुड़ते हुए कहा। "तुम्हें अपना सामान फिर से खुद ही उठाना होगा।"

"ठीक है, ठीक है, मैं अपंग नहीं हूँ।"

थेम्बा ने कुछ डिब्बाबंद खाना केन के बैग में रख दिया।
“हम अपना बाकी सामान यहीं छोड़ देंगे,” केन ने अपना बैग कंधे पर रखते हुए कहा, “और राइफल भी।” उसने थेम्बा से हाथ मिलाया।
उन्होंने अफ़्रीकान्स भाषा में कहा, "हम परसों रात वापस आ जाएँगे। अगर हम चार दिनों में वापस नहीं आए, तो घर चले जाना।"
सौंफ थेम्बा के पास आई। वह थोड़ा शर्मिंदा लग रहा था, उसने अपने औजारों के थैले की ओर इशारा किया, फिर शरमाते हुए मुस्कुराते हुए अपना हाथ आगे बढ़ाया। थेम्बा प्रसन्न हुआ और चौड़ी मुस्कान के साथ उसने सौंफ का हाथ थाम लिया।
केन के बगल में कदम रखते हुए फेनेल ने कहा, "मैं उसके बारे में गलत था... वह एक अच्छा आदमी है।"
"हम सब गलतियाँ करते हैं," केन ने शरारती मुस्कान के साथ फेनेल की ओर देखा। "लगता है तुम्हारे बारे में मेरा अनुमान गलत था।"
थेम्बा ने उन्हें जंगल में जाते और गायब होते देखा। वह शाम ढलते ही आग जलाने के लिए लकड़ियाँ इकट्ठा करने लगा। उसे अकेले रहना अच्छा लगता था और जंगल में वह हमेशा सहज महसूस करता था। उसे थोड़ी जिज्ञासा हुई कि वे दोनों गोरे आदमी अकेले क्यों चले गए, लेकिन उसने सोचा कि इसमें उसका कोई लेना-देना नहीं है। उसे गाइड के तौर पर काम करने के लिए अच्छी तनख्वाह मिल रही थी, और केन ने उसे पहले ही इतना पैसा दे दिया था कि वह डरबन लौटने पर एक छोटी कार खरीद सके, जहाँ उसने एक बंगला किराए पर लिया था जिसमें उसकी पत्नी और बेटा रहते थे। वह उनसे ज़्यादा मिल नहीं पाता था क्योंकि वह लगातार ज़िले के विभिन्न वन्यजीव अभ्यारण्यों में रहता था, लेकिन हर दूसरे सप्ताहांत वह घर आता था... जिसका वह हमेशा बेसब्री से इंतज़ार करता था।
उसने उस पेड़ के पास लकड़ियों का एक साफ-सुथरा ढेर बनाया जहाँ उपकरण रखे थे, फिर आग को तेज करने के लिए कुछ सूखी शाखाएँ खोजने के लिए जंगल में चला गया।
अचानक वह रुक गया और सुनने लगा। उसके पास ही कुछ हलचल हुई थी। उसके तेज़ कानों ने पत्तों की सरसराहट साफ़ सुनी थी। क्या कोई बबून था? उसने सोचा। वह बिना हिले-डुले आवाज़ की दिशा में देखने लगा।
उसके पीछे घनी झाड़ियों से एक ज़ुलू उठा, जिसने अपने चौड़े, मांसल कंधों पर तेंदुए की खाल ओढ़ी हुई थी। सूरज की रोशनी उसकी असागाई (भाले) के चौड़े ब्लेड पर चमक रही थी। कुछ क्षणों के लिए उसने अपने विशाल काले हाथ में भारी भाले को संतुलित किया, फिर अचूक निशाने और ज़बरदस्त ताकत से उसे थेम्बा की असुरक्षित पीठ पर फेंक दिया।
शाम के समय आसमान में काफी ऊपर, छह गिद्ध धैर्यपूर्वक चक्कर लगाने लगे।

अध्याय सात

"यह तुम्हारे दाहिनी ओर है," गैरी ने अचानक कहा।

गे ने हेलिकॉप्टर की खिड़की से बाहर झाँका। वे घने जंगल के ऊपर से उड़ रहे थे, और जैसे ही गैरी ने हेलिकॉप्टर को मोड़ा, जंगल अचानक खत्म हो गया और उसे हरे-भरे लॉन, हरे सीमेंट के रास्ते और फूलों की विशाल क्यारियाँ दिखाई देने लगीं जो किसी वनस्पति उद्यान को शोभा देतीं। लॉन के पार उसने एक मंजिला घर देखा जो हल्के घुमावदार आकार में बना था, और इस ऊँचाई से देखने पर उसे वह कम से कम सत्तर मीटर लंबा लग रहा था। घर के पीछे, लगभग दो सौ मीटर की दूरी पर, फूस की छतों और सफेद रंग से रंगी दीवारों वाले कई छोटे बंगले थे, जिनमें शायद कर्मचारी रहते थे।

"यह तो बहुत विशाल है!" उसने हैरानी से कहा। "कितना अद्भुत आकार है! कल्पना कीजिए, दिन में कई बार एक छोर से दूसरे छोर तक चलना कितना मुश्किल होगा।"

"शायद वे स्केट का इस्तेमाल करते हैं," गैरी ने कहा। "यह वाकई बहुत बड़ा है।" उसने घर का एक चक्कर फिर लगाया। उन्हें एक स्विमिंग पूल, छतें, धूप से बचने के लिए छाते और आराम करने वाली कुर्सियाँ दिखाई दीं। "हमें नीचे उतरना चाहिए। क्या तुम घबरा रहे हो?"

उसने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया।

"बिल्कुल भी उत्साहित नहीं हूं। मुझे आश्चर्य है कि क्या हमें प्रवेश मिलेगा।"

"आपको हमें अंदर आने देना होगा," गैरी ने कहा।

उसने हवाई अड्डा और एक हैंगर देखा। जैसे-जैसे वह नीचे आया, उसने सफेद वर्दी में तीन ज़ुलू लोगों को हेलीकॉप्टर की ओर घूरते हुए देखा।

वह उनसे कुछ ही दूरी पर उतरा और जैसे ही उसने दरवाजा पीछे की ओर सरकाया, उसने देखा कि घर से सड़क पर एक जीप आ रही है, जिसे एक ज़ुलू चला रहा है और उसके बगल में एक सफेद आदमी ग्रे रंग के सिटी-सूट में बैठा है।

"देखो, स्वागत समिति आ रही है," उसने कहा और जमीन पर गिर पड़ा।

गे ने उसे रोलेफ्लेक्स कैमरा और अपना कैमरा बैग थमा दिया, और फिर जैसे ही जीप आकर रुकी, वह भी उसके साथ रनवे पर आ गई। टाक जीप से बाहर निकला और उनकी ओर बढ़ा।

गैरी से मिलने के लिए गे आगे बढ़े।

"मैं एनिमल वर्ल्ड पत्रिका की गे डेसमंड हूं," उसने कहा और अपना हाथ आगे बढ़ाया।

टाक ने उसे निहारा और सोचा कि वह अपनी तस्वीर से भी कहीं अधिक सुंदर है। उसने कुछ पल के लिए उसका हाथ पकड़ा और थोड़ा झुककर अभिवादन किया।

"इस तरह से उतरने के लिए मैं माफी मांगती हूं," गे ने आगे कहा। उस लंबे आदमी में कुछ ऐसा था जिस पर उन्हें तुरंत अविश्वास और नापसंदगी महसूस हुई। "मैं वानॉक गेम रिजर्व जा रही थी, और मुझे यह प्यारा सा घर दिखा और मैं कॉल करने से खुद को रोक नहीं पाई। अगर मुझे कॉल नहीं करना चाहिए था, तो कृपया मुझे बताएं, और मैं तुरंत चली जाऊंगी।"

"बिल्कुल नहीं, मिस डेसमंड," टाक ने मधुर स्वर में कहा। "हमारे यहाँ इतनी खूबसूरत मेहमान बहुत कम आती हैं। अब जब आप यहाँ हैं, तो मुझे उम्मीद है कि आप दोपहर के भोजन के लिए रुकेंगी।"

"आपकी कृपा हो! हमें बहुत खुशी होगी, श्रीमान..." उसने जिज्ञासा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।

"गुइलियो टाक."

उसने गैरी की ओर रुख किया, जो उनके साथ शामिल हो गया।

"श्री टाक, ये गैरी एडवर्ड्स हैं, मेरे पायलट।"

टाक ने फिर से सिर झुकाया।

श्री टाक ने हमें दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया है।

गैरी ने टाक से हाथ मिलाया। उसे भी टाक का चेहरा पसंद नहीं आया।

गे ने आगे कहा, "यह घर अद्भुत और एकदम एकांत में है! इसे देखकर मुझे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ। क्या यह आपके पास लंबे समय से है, श्री टाक?"

"यह मेरा निवास स्थान नहीं है, मिस डेसमंड। यह श्री मैक्स काहलेनबर्ग का है।"

गेय उसे घूरती रही, उसकी आंखें चौड़ी हो गईं।

"आपका मतलब उस करोड़पति से है? वही मिस्टर मैक्स काहलेनबर्ग?"

टाक ने जब कहा, "यह सही है," तो उसकी काली आँखों में थोड़ा व्यंग्य का भाव था।

"लेकिन मैंने सुना है कि वह एकांतप्रिय हैं!" गे ने कहा। उसे देखते हुए गैरी को लगा कि वह अच्छा अभिनय कर रही है। "हमें चलना चाहिए। हमें उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए।"

"आप ऐसा नहीं करेंगे। श्री काहलेनबर्ग एकांतवासी नहीं हैं। मुझे यकीन है कि वे आपसे मिलकर प्रसन्न होंगे।"

"क्या घर की तस्वीरें लेना संभव होगा? मैं लाइफ मैगज़ीन के लिए फ्रीलांस भी करती हूं। यह मेरे लिए एक शानदार अवसर होगा।"

"इसके बारे में आपको श्री काहलेनबर्ग से पूछना होगा। लेकिन आइए हम यहां धूप में खड़े न रहें।" टाक जीप की ओर बढ़ा। "मैं आपको घर तक छोड़ देता हूँ।"

गे और गैरी पीछे की सीट पर बैठ गए और टाक ड्राइवर के बगल में। ज़ुलू ने जीप को मोड़ा और तेज़ी से सड़क पर वापस चला गया।

कुछ मिनट बाद, गे और गैरी को एक विशाल लाउंज में ले जाया गया, जहाँ चौड़ी फ्रेंच खिड़कियों से होते हुए फूलों से सजी एक छत पर एक बड़ा स्विमिंग पूल था। कमरे की भव्यता देखकर गैरी दंग रह गए, क्योंकि उन्होंने पहले कभी ऐसी भव्यता नहीं देखी थी। गे भी इससे प्रभावित हुईं, जो अपने जीवन में कई आलीशान घरों में रह चुकी थीं।

"अगर आप यहीं इंतजार करेंगे, तो मैं श्री काहलेनबर्ग को आपके आने की सूचना दे दूंगा।"

सफेद वर्दी पहने एक ज़ुलू चुपचाप अंदर आया।

"जब तक आप इंतजार कर रहे हैं, कृपया कुछ पी लीजिए," टाक ने आगे कहा और फिर चला गया।

ज़ुलू व्यक्ति बार के पीछे गया और इंतजार करने लगा।
उन्होंने दो जिन और टॉनिक मंगवाए और फिर छत पर चले गए।
“मुझे वो आदमी ठीक नहीं लग रहा,” गैरी ने धीमी आवाज़ में फुसफुसाते हुए कहा। “उसमें कुछ तो गड़बड़ है...”
"हाँ। उसे देखकर मुझे डर लगता है। ऐसा लगता है जैसे वह ताबूत में सोता हो।"
"क्या आपको नहीं लगता कि हमें अंदर आने में बहुत आसानी हो गई?" गैरी ने आगे कहा, और गे के लिए एक टोकरी वाली कुर्सी खींचकर खुद बैठ गया।
"यह मेरा आकर्षण है," गे मुस्कुराई। "जासूसों के लिए मैं बेहद लुभावना हूँ। पूरी संभावना है कि जैसे ही मिस्टर के. को हमारे आने की खबर मिलेगी, हमें बाहर निकाल दिया जाएगा। मुझे लगता है कि टाक उनका मुख्य नौकर या सचिव होगा।"
ज़ुलू व्यक्ति दो प्लेट स्वादिष्ट दिखने वाले कैनपेस लेकर आया और चुपचाप चला गया।
"जीने का कितना शानदार तरीका है!" गे ने आह भरी। "मुझे यह जगह बहुत पसंद है। क्या आप इसे खरीदना नहीं चाहेंगे?"
गैरी ने अपने पेय की एक घूंट ली, फिर अपना सिर हिलाया।
"यह मेरे लिए नहीं है। मुझे कुछ अधिक रफ और रफ पसंद है। यह बहुत ज्यादा हरा-भरा है।"
"अरे नहीं!" उसने कैवियार से ढका एक क्रैकर उठाया। "मुझे तो यह बहुत ही शानदार लगा।"
टाक के दोबारा आने से पहले वे ज्यादातर कैनपे खा चुके थे और अपने पेय पदार्थ भी खत्म कर चुके थे।
उन्होंने कहा, "श्री काहलेनबर्ग आपको यहाँ देखकर प्रसन्न हैं, मिस डेसमंड। दुर्भाग्यवश, वे कई लंबी दूरी की फोन कॉलों और अन्य व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त हैं और आज रात तक आपसे मिलने के लिए समय नहीं निकाल पाएंगे। क्या आप यहाँ रुक सकती हैं?"
"तुम्हारा मतलब है... रात यहीं रुकना?" गे ने पीले पड़े चेहरे की ओर देखते हुए पूछा।
"बिल्कुल। श्री काहलेनबर्ग का यही सुझाव है।"
"लेकिन मेरे पास पहनने के लिए कोई कपड़े नहीं हैं।"
"इसमें कोई दिक्कत नहीं है। हमारे पास यहां कई महिला सचिव हैं। उनमें से कोई न कोई आपको खुशी-खुशी कुछ उधार दे देगी।"
"कितना अच्छा! क्या आपने उनसे पूछा कि क्या मैं तस्वीरें ले सकती हूँ?"
टक ने अपना सिर हिलाया।
"मुझे लगा कि अगर यह अनुरोध आपकी तरफ से आए तो बेहतर होगा, मिस डेसमंड।"
"ठीक है, तो हम यहीं रात रुकेंगे। श्री काहलेनबर्ग का बहुत-बहुत धन्यवाद।"
"उन्हें खुशी होगी।" टाक ने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। "एक घंटे में दोपहर का भोजन परोसा जाएगा। शायद आप बदलना चाहेंगे?"
जैसे ही वे उठे, टाक ने गैरी की ओर रुख किया।
"श्री एडवर्ड्स, आपके पास भी तो कपड़े नहीं हैं?"
"सिर्फ वही जो मैंने पहना हुआ है।"

“इसका इंतज़ाम हो जाएगा।” मिया के छत पर आते ही टाक मुड़ा। “ये मिस दास हैं। ये आप दोनों का ख्याल रखेंगी। अब मुझे इजाज़त दें,” और थोड़ा झुककर टाक उनसे विदा हो गया।
मिया आगे आई।
"कृप्या मेरा पीछा करें।"
वह उन्हें लाउंज से होते हुए एक चौड़े गलियारे में ले गई जो दूर तक फैला हुआ था। पास ही एक इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट जैसी दिखने वाली गाड़ी खड़ी थी और वह ड्राइविंग व्हील के नीचे खिसक गई जबकि बाकी दोनों पीछे की सीटों पर बैठ गए।
"यह गलियारा इतना लंबा है," उसने मुस्कुराते हुए उनकी ओर मुड़कर कहा, "हमें अपने पैरों को बचाने के लिए इसका इस्तेमाल करना होगा।"
"मैं सोच रही थी कि आपने यह सब कैसे किया," गे ने जवाब दिया। "जब मैंने हवाई जहाज से घर देखा, तो मुझे लगा कि वहां तक पहुंचने के लिए कितनी लंबी पैदल यात्रा करनी पड़ती होगी।"
चुपचाप ट्रॉली उन्हें कई बंद दरवाजों के पास से तेजी से ले गई जब तक कि वे अंतिम छोर तक नहीं पहुंच गए।
"यह अतिथि कक्ष है," मिया ने कार रोकते हुए कहा। वह एक दरवाजे तक गई और उसे खोला। "कृपया अंदर आइए।"
वे एक लंबे, संकरे, शानदार ढंग से सुसज्जित कमरे में दाखिल हुए, जो एक छोटे से टैरेस की ओर खुलता था, जहाँ एक स्विमिंग पूल और एक बार भी था।
"आपको यहाँ सब कुछ मिल जाएगा," मिया ने कहा। "आपका दोपहर का भोजन दोपहर 1 बजे छत पर परोसा जाएगा। यह आपका शयनकक्ष है, मिस डेसमंड।" वह कमरे के उस पार गई और एक दरवाजा खोला। "मैं आपको कपड़े पहनाने में मदद के लिए एक नौकरानी भेज रही हूँ। मुझे लगा कि आपके लिए मेरी साड़ी पहनना सबसे आसान होगा। क्या यह ठीक रहेगा?"
"यह बिल्कुल सही रहेगा।" गेय दरवाजे पर खड़ी होकर बेडरूम में झाँक रही थी। कमरा बेहद खूबसूरत था, हल्के नीले रंग से सजा हुआ, जिसमें एक किंग साइज बेड, अलमारियाँ, एक बड़ी ड्रेसिंग टेबल थी जिस पर तरह-तरह की फेस क्रीम, लोशन, परफ्यूम और एक चांदी के डिब्बे में मेकअप किट रखी थी। कमरे में घूमते हुए गेय ने बेड के सामने वाली दीवार पर एक बड़ा सा दर्पण देखा, जिससे कमरा अपने वास्तविक आकार से दुगना बड़ा लग रहा था। बाथरूम में हर तरह की सुविधा थी, जिसमें सन लैंप, गर्म हवा छोड़ने वाले नोजल से लैस एक कैबिनेट जिससे तौलिये से शरीर सुखाने की थकान दूर हो जाती थी, और एक वाइब्रो-मसाज मशीन शामिल थी।
जब गे उस कमरे को देखकर आश्चर्यचकित हो रही थी, तब गैरी बैठक कक्ष में इधर-उधर घूम रहा था और दरवाजों और खिड़कियों का सावधानीपूर्वक निरीक्षण कर रहा था।
मिया उसे उसका शयनकक्ष और स्नानघर दिखाने आई थी, जो दोनों ही गे के शयनकक्ष और स्नानघरों की तरह ही आलीशान थे।
एक लंबी ज़ुलू नौकरानी साड़ी लेकर अंदर आई। गे ने कहा कि उसे उसकी मदद की ज़रूरत नहीं है और वह खुद ही कर सकती है। एक ज़ुलू नौकर गैरी के लिए सफेद पैंट, बिना एड़ी वाली चप्पल और एक सफेद कमीज़ लेकर आया।

"श्रीमान काहलेनबर्ग काफी अनौपचारिक हैं," मिया ने कहा। "आज रात का भोजन मुख्य छत पर होगा। कृपया आराम से रहें। अगर आप तैरना चाहें, तो चेंजिंग रूम में स्विमसूट उपलब्ध हैं। बगीचे में ज़रूर घूमें। अगर आपको किसी चीज़ की ज़रूरत हो, तो कृपया फ़ोन करें।" सिर हिलाकर और मुस्कुराते हुए वह कमरे से चली गई।

गे और गैरी ने एक दूसरे को देखा और गैरी ने सीटी बजाई। "मौज-मस्ती की बात ही क्या है..."

दरवाजे पर दस्तक हुई और एक ज़ुलू अपने बैग लेकर अंदर आया। उसने बैग ज़मीन पर रखे और चला गया।

गैरी जल्दी से अपने बैग के पास गया और यह सुनिश्चित किया कि उसमें से टू-वे रेडियो निकाला तो नहीं गया है। उसने गे की तरफ देखा।

"मुझे आश्चर्य है कि क्या उन्होंने इसे देखा?"

"अगर उन्होंने ऐसा किया भी तो क्या फर्क पड़ता है?" गे का मन अपने चारों ओर फैली विलासिता में मग्न था। उसकी आँखें चमक रही थीं, और वह बोली, "क्या यह वाकई अद्भुत नहीं है! मैं नहाने जा रही हूँ। फिर मिलते हैं।" अपना बैग उठाकर वह अपने बेडरूम में गई और दरवाजा बंद कर लिया।

उसने जल्दी से अपने कपड़े उतार दिए। नग्न अवस्था में, वह कुछ पल के लिए बड़े दर्पण में खुद को निहारती रही, फिर बाथरूम में गई और बाथटब के नल चालू कर दिए। बाथटब भरने का इंतजार करते हुए, वह फिर से दर्पण में खुद को निहारती रही, तरह-तरह के पोज़ बनाती रही और मन ही मन खुशी से हंसती रही।

उसे इस बात का एहसास नहीं था कि दोनों बड़े दर्पण दोतरफा थे: दर्पणों के पीछे से कोई भी उसे ऐसे देख सकता था जैसे दर्पण साधारण कांच के हों, जबकि सामने से वह कल्पना करती थी कि दर्पण असली हैं, नकली नहीं।

अपने सारे कामों को भुलाकर, अपनी डेस्क को उपेक्षित छोड़कर, काहलेनबर्ग एक संकरे, वातानुकूलित गलियारे में अपनी व्हीलचेयर पर बैठे रहे और गे की नग्न सुंदरता का भरपूर आनंद लिया।

जंगल के किनारे से, फेनेल ने हेलीकॉप्टर को उतरते हुए देखा। उसने और केन ने मिट्टी के कटाव से बनी एक बड़ी चट्टान पर एक सुविधाजनक स्थान ढूंढ लिया था, जो पेड़ों और झाड़ियों से घिरी हुई थी, फिर भी उन्हें नीचे दूर स्थित काहलेनबर्ग के घर, बगीचे और हवाई अड्डे का उत्कृष्ट दृश्य दिखाई दे रहा था।

फेनेल की आँखों में तेज़ रोशनी थी। उसने टाक को जीप में आते देखा और गे को उससे मिलते देखा। उसने गे और गैरी को जीप में बैठकर घर की ओर जाते देखा। उसने उन्हें अंदर जाते और सामने का दरवाज़ा बंद होते देखा।

"उनके लिए अच्छा है! वे अंदर आ गए!" उसने गिलास नीचे करते हुए कहा।

"यह तो काफी आसान था, है ना?" केन ने हैरानी से पूछा। "मैंने काहलेनबर्ग के बारे में जो सुना है, उसके अनुसार वह अजनबियों का स्वागत नहीं करता।"

"शालिक ने कहा कि वह ग्लैमरस लड़कियों के प्रति आकर्षित हो जाता है। लगता है शालिक को

पता था कि वह क्या कह रहा है।"
"हाँ... लेकिन मुझे नहीं लगा था कि यह इतना आसान होगा।" केन ने टू-वे रेडियो उठाया। "मैं इसे चालू रखूंगा। गैरी किसी भी समय आ सकता है।"
फेनल ने सिगरेट जलाई और चट्टान पर लेट गया। औजारों का थैला ढोते हुए लंबी पैदल यात्रा के बाद वह थका हुआ महसूस कर रहा था। केन के पहरा देते हुए वह ऊंघने लगा। थोड़ी देर बाद, फेनल उठ बैठा, सिगरेट जलाई, जम्हाई ली और फिर पूछा, "जब तुम्हारे पास पैसे आ जाएँगे, तो तुम उनका क्या करोगे?"
"जोहान्सबर्ग में मेरा एक दोस्त ट्रैवल एजेंसी शुरू कर रहा है," केन ने उसे बताया। "उसे और पूंजी की जरूरत है। मैं उसके साथ साझेदारी करने जा रहा हूं।"
"ट्रैवल एजेंसी? क्या ये इतना लोकप्रिय है?"
"यह अच्छा है। हम एक शानदार सेवा की योजना बना रहे हैं। वन्यजीव अभ्यारण्यों में व्यक्तिगत रूप से निर्देशित दौरे। यहीं से मुझे फायदा होगा। इसमें बहुत पैसा है। अगर आप अमेरिकियों को वास्तव में व्यक्तिगत सेवा दें तो वे दिल खोलकर खर्च करते हैं। मैं कई सालों से उनके साथ काम कर रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे क्या चाहते हैं, और मैं उन्हें वही देने की योजना बना रहा हूं।"
सौंफ गुर्राई।
"मुझे तो ये बहुत मेहनत का काम लगता है। मैं काम में विश्वास नहीं करता। सिर्फ बेवकूफ लोग ही काम करते हैं।"
तो आप अपने हिस्से का क्या करेंगे?
"खर्च करो... पैसा इसीलिए तो होता है। मुझे उन निकम्मों के लिए कोई समय नहीं है जो पैसा बचाते हैं। नतीजा क्या होता है? वे हंगामा करते हैं और किसी दूसरे निकम्मे को उसकी मार पड़ती है।"
"हो सकता है कि वे यही चाहते हों।"
भाड़ में जाए वो सब! पैसा तो हमेशा रहता है। जब मेरे पास
शालिक से जो मिलता है, उससे मैं एक और छोटा-मोटा काम कर लूंगा। मेरे पास काफी संपर्क हैं। वे जानते हैं कि मैं अच्छा काम करता हूं, इसलिए मुझे कभी काम की कमी नहीं होती।
केन ने हाथ उठाकर उसकी बात काट दी। उसने टू-वे रेडियो पर एक कर्कश आवाज सुनी और उसे अपने कान से लगा लिया।
"केन... हाय, गैरी... आपकी आवाज़ साफ़ सुनाई दे रही है... ओवर।" वह कुछ देर सुनता रहा जबकि फेनेल उसे ध्यान से देख रही थी। "ठीक है। शुभकामनाएँ। आउट," और उसने फ़ोन बंद कर दिया।
"कुंआ?"
"वे रात यहीं रुकेंगे," केन ने उसे बताया। "काहलेनबर्ग को लगता है कि वे अचानक आ गए हैं, इससे मुझे हैरानी हुई। खैर, वे उससे रात 9 बजे मिलेंगे। गैरी ने कहा है कि वह रात 11 बजे वापस फोन करेगा, और हमें तैयार रहना है।"
सौंफ ने कराहते हुए अपनी घड़ी देखी। दोपहर के कुछ ही पल हुए थे।

"क्या मतलब, हमें इस घटिया चट्टान पर बारह घंटे रहना पड़ेगा?"
"मुझे लगता है ऐसा ही है। हम किसी भी गार्ड के सामने नहीं आना चाहते। मुझे लगता है कि यहाँ ऊपर सुरक्षित है। चलिए बैठते हैं।" उसने हमेशा की तरह बीन्स का डिब्बा निकाला।
"धिक्कार है! क्या सेम के अलावा खाने के लिए और कुछ नहीं है?"
"स्टेक पाई... क्या आप वो खाना चाहेंगे?"
"ये तो बीन्स से बेहतर है।" केन जब अपने बैग में डिब्बा ढूंढ रहा था, तब सौंफ सोच में डूबी हुई थी। "मुझे यकीन है कि वो दोनों अपना काम अच्छे से कर रही होंगी।" उसका दिमाग गे पर अटक गया और गुस्से की एक भयंकर लहर उसके अंदर दौड़ गई। उसने खुद से कहा, "जल्दी ये काम खत्म करो, फिर उसे सबक सिखाओ, और अच्छे से सबक सिखाओ।"
"तुम्हें क्या हो गया है?" केन ने फेनल के चेहरे पर क्रूर भाव देखकर पूछा।
"कुछ नहीं... उस डिब्बे को खोलने में तुम्हें और कितना समय लगेगा?"
"काश मुझे पता होता कि हमें कोई परेशान नहीं करेगा," गैरी ने कहा। गे और वह दो ज़ुलू वेटरों द्वारा परोसे गए शानदार दोपहर के भोजन के बाद छत पर बैठे थे।
गे एक आरामकुर्सी पर लेटी हुई थी, उसकी उंगलियों के बीच एक सिगरेट थी। गैरी को लाल और सुनहरी साड़ी में वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। यह उस तरह का पहनावा था जो उस पर जंचता था और जिसकी वह प्रशंसा करता था।
"क्यों?" गे ने उसकी ओर देखते हुए पूछा।
"स्पष्ट कारण हैं," गैरी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। "मैं तुम्हें बेडरूम में ले जाऊंगा।"
वह हंसी।
"काश मुझे भी यह पता होता कि हमें परेशान नहीं किया जाएगा।"
"अगर मिस्टर टाक मौके पर आ गए तो शर्मनाक स्थिति हो सकती है।"
"ऐसा हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि हम कुछ काम करें।" वह उठ बैठी और सिगरेट बुझा दी। "क्या तुमने सोचा है कि सौंफ अंदर कैसे आएगी?"
"यहाँ से।" गैरी ने बड़े लाउंज की ओर हाथ हिलाते हुए कहा। "हमारे यहाँ होने से, उसे बस अंदर आना है।"
"क्या यह इतना आसान होगा?"
"मुझे ऐसा लगता है। रात में घर की रखवाली के लिए गार्ड तैनात हो सकते हैं। अभी तो मुझे उनमें से कोई नज़र नहीं आ रहा है।"
"शायद काहलेनबर्ग को इतना यकीन है कि जंगल से कोई भी अंदर नहीं आ सकता, इसलिए घर की सुरक्षा नहीं की जाती है।"
"क्या आप बगीचा देखना चाहेंगे?"
"अभी नहीं। बाहर बहुत गर्मी होगी।"
"तो तुम थोड़ी देर सो लो... मैं जा रहा हूँ।" गैरी खड़ा हो गया। "तुम्हारे पास मुझसे ज़्यादा ऊर्जा है। तुम भुन जाओगे।"
"फिर मिलेंगे," कहकर गैरी ने हाथ हिलाया और हरे सीमेंट के रास्ते पर आगे बढ़ गया।

उसने उसे जाते हुए देखा, फिर अपनी आँखें बंद कर लीं और उसके बारे में सोचने लगी। काम खत्म होने पर वे सब अलग हो जाएँगे। वह सोच रही थी कि वह क्या करेगा। वह उसके साथ पेरिस में एक लंबा वीकेंड बिताना चाहती थी, और फिर उसे अलविदा कहना चाहती थी। उसकी उम्र छब्बीस साल थी, और उसे यकीन था कि शालिक कम से कम पाँच साल और उसका इस्तेमाल करता रहेगा, उसके बाद ही वह किसी कम उम्र की महिला की तलाश करेगा। शालिक के बारे में उसे कोई गलतफहमी नहीं थी। उन पाँच सालों में वह इतना पैसा कमा और बचा लेगी कि उसे पूरी आज़ादी मिल जाएगी, और यही वह सबसे ज़्यादा चाहती थी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र होकर आराम से जीना, यात्रा करना और शायद शादी करना।

उसने गैरी से शादी करने की संभावना पर विचार किया, लेकिन फैसला किया कि यह संभव नहीं होगा। हालाँकि वह शारीरिक रूप से आकर्षक था, वह जानती थी कि वह उससे प्यार नहीं करती और न ही उसमें विलासितापूर्ण जीवन जीने की उसकी चाहत थी। विलासिता उसके लिए आवश्यक थी, जबकि गैरी के लिए नहीं। नहीं... वह एक अच्छा बिस्तर साथी था, लेकिन इससे ज़्यादा कुछ नहीं। अगर उसे शादी करनी थी, तो उसे एक ऐसे पुरुष को ढूंढना था जो धनी, बुद्धिमान, सुसंस्कृत और विलासिता पसंद करने वाला हो। वह जानती थी कि यह एक कोरी कल्पना थी क्योंकि उसने अपने जीवन में कई पुरुषों से मुलाकात की थी, शादी के कई प्रस्ताव मिले थे, लेकिन हमेशा कोई न कोई अड़चन आ जाती थी, या शायद वह अपनी स्वतंत्रता को ज़रूरत से ज़्यादा महत्व देती थी?

खैर, आरामदायक कुर्सी पर छांव में लेटे हुए, विलासिता से घिरे होने पर हवाई सपने देखना सुखद लगता था।

वह सो गई, और एक घंटे से अधिक समय बाद गैरी वापस आकर उसे जगाया।

"आलसी, कुछ पीना चाहोगे?" उसने बार की ओर बढ़ते हुए पूछा।

उसने सिर हिलाया, अंगड़ाई ली और बैठ गई।

"क्या आपको कुछ दिलचस्प मिला?"

"हाँ और ना। घर के आखिरी छोर तक जाने का कोई रास्ता नहीं है।" गैरी दो टॉम कॉलिन्स लेकर आया और बैठ गया। "उस तरफ जाने वाले रास्ते पर एक ज़ुलू पहरा दे रहा है जो किसी फिल्म के किरदार जैसा दिखता है। उसने तेंदुए की खाल, शुतुरमुर्ग के पंख पहन रखे थे और उसके हाथ में ढाल और एक असगाई (चाकू) थी। उसने बिना शिष्टाचार दिखाए मुझे वापस भेज दिया।"

"काहलेनबर्ग का क्वार्टर, मुझे लगता है।"

"हाँ। एक और बात: बगीचे के बिल्कुल आखिरी छोर पर एक बड़ा तालाब है जिसमें विशालकाय मगरमच्छ भरे हुए हैं और आसपास के पेड़ों पर लगभग दस अच्छी तरह से पोषित दिखने वाले गिद्ध बैठे हैं। बगीचे का वह कोना मुझे बहुत डरावना लगा।"

गेय हंस पड़ी।

"लेकिन क्यों?"

"मुझे अचानक यह ख्याल आया कि शव को ठिकाने लगाने के लिए यह एक शानदार जगह होगी।"

उसने उसकी तरफ देखा और जब उसने देखा कि वह गंभीर है, तो उसने पूछा, "काहलेनबर्ग किसी शव को ठिकाने क्यों लगाना चाहेगा?"
गैरी ने अपने पेय की एक घूंट ली, फिर गिलास को हाथ में थामकर, उसे थोड़ा सा हिलाया जिससे बर्फ के टुकड़े खनक उठे, और फिर उसने कंधे उचका दिए।
"उस जगह का माहौल देखकर मुझे ऐसा लगा, लेकिन मुझे इस सब से बेचैनी हो रही है, गे। मुझे लगता है कि हमें बहुत आसानी से अंदर बुला लिया गया। मुझे टाक का चेहरा ठीक नहीं लग रहा। जब तुम उससे बात कर रही थी, तो एक-दो बार मुझे लगा कि वह तुम पर हंस रहा था। खासकर तब जब तुमने पूछा कि क्या यह जगह उसकी है। मुझे लगा कि उसे पता था कि तुम्हें पता है कि यह जगह काहलेनबर्ग की है।"
"क्या आपको लगता है कि उसे हम पर शक है?"
मुझे लगता है कि वह ऐसा कर सकता है।
"क्या आपको नहीं लगता कि उसे अंदाजा हो गया है कि हम अंगूठी के पीछे पड़े हैं?"
"मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह सोचता है कि हम पाखंडी हैं।"
"तो हम क्या करें?"
मानो इसी सवाल का जवाब देते हुए, गैरी ने देखा कि टाक उसी रास्ते से उनकी ओर आ रहा है।
"वह अब यहाँ है," उसने उठते हुए कहा।
"कृपया मुझे आपको परेशान न करने दें," टाक ने पास आते हुए कहा।
उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी और उसकी चमकती आंखें गैरी से गे की ओर घूमीं। "क्या आपको दोपहर का भोजन अच्छा लगा?"
"बहुत अच्छा लगा, धन्यवाद।" गे ने उन्हें अपनी सबसे प्यारी मुस्कान दी। "यह जगह वाकई बहुत सुंदर है।"
"जी हाँ... यह बहुत सुखद है।" वह रुका, फिर बोला, "मिस डेसमंड, क्या आप श्री काहलेनबर्ग का संग्रहालय देखना चाहेंगी?"
हालांकि उसका दिल एक पल के लिए धड़कना भूल गया, लेकिन गे ने अपने चेहरे पर थोड़ी दिलचस्पी का भाव बनाए रखा।
"क्या श्री काहलेनबर्ग का कोई संग्रहालय है?"
"श्री काहलेनबर्ग दुनिया के सबसे प्रसिद्ध संग्राहकों में से एक हैं।"
मुझे यह तो पता था, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि उनका कोई संग्रहालय भी है। मैंने सोचा...
"उनका एक संग्रहालय है, और उन्होंने सोचा कि क्या आपको इसे देखने में रुचि होगी।"
"बिल्कुल। मैं इसे देखना पसंद करूंगा।"
"और आप, श्री एडवर्ड्स?"
"ज़रूर... धन्यवाद।" गैरी ने अपने चेहरे पर कोई भाव नहीं आने दिया, लेकिन गे की तरह वह भी चौंक गया था।
गे खड़ी हो गई। "क्या यह यहाँ से बहुत दूर है?"
गैरी ने एक बार फिर उन काली आँखों में उपहास का भाव देखा। यह इतनी जल्दी आया और

चला गया कि अगर वह ध्यान से नहीं देख रहा होता तो उसे पता ही नहीं चलता।
"तुम इस पर खड़े हो," टाक ने कहा।
"आपका मतलब है कि यह भूमिगत है?"
"यह सही है।"
"क्या मैं अपना कैमरा ला सकता हूँ, श्रीमान टाक?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"मुझे कोई अफसोस नहीं है।" वह मुड़ा। "क्या आप मेरे पीछे आएंगे, कृपया?"
वह लाउंज में दाखिल हुआ और गलियारे में चला गया।
गे और गैरी ने एक-दूसरे को जल्दी से देखा और उसके पीछे-पीछे चलने लगे। वे सभी इलेक्ट्रिक ट्रॉली में बैठ गए और टाक लंबी गलियारे से होते हुए, बड़े लॉबी और घर के सामने के दरवाजे से आगे निकल गया।
"यहीं पर श्री काहलेनबर्ग का कमरा है," उन्होंने कई दरवाजों के पास से गुजरते हुए समझाया। उन्होंने ट्रॉली को एक खाली दीवार के पास रोक दिया और बाहर निकल गए। गैरी ने उन्हें ध्यान से देखते हुए पाया कि उन्होंने अपनी उंगलियां एक बड़ी खिड़की के किनारे के नीचे डालीं। जिस दीवार के सामने वे खड़े थे, वह पीछे हट गई और दोहरे दरवाजे दिखाई दिए। जैसे ही वे इन दरवाजों के पास पहुंचे, वे खुल गए।
"श्री काहलेनबर्ग विकलांग हैं," टाक ने गे के बारे में बताते हुए कहा। "उनके कमरे के सभी दरवाजे इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित हैं। यह वह लिफ्ट है जो हमें संग्रहालय तक ले जाती है।"
तीनों हरे रंग के साटन से बने पिंजरे में दाखिल हुए। कंट्रोल पैनल पर चार अलग-अलग रंगों के बटन थे। गैरी ने देखा कि टाक ने हरा बटन दबाया और लिफ्ट सुचारू रूप से और चुपचाप नीचे उतरने लगी। नीचे उतरते समय टाक ने लाल बटन दबाया, थोड़ी देर रुका, फिर पीला बटन दबाया।
"ये सारे बटन किसलिए हैं, मिस्टर टाक?" गे ने मासूमियत से पूछा।
"हरा बटन लिफ्ट को नियंत्रित करता है। पीला बटन संग्रहालय की रोशनी चालू करता है और लाल बटन अलार्म बंद करता है," टाक ने उसे बताया।
"धन्यवाद... आपके पास अद्भुत सामर्थ्य है।"
दरवाजे पीछे की ओर सरक गए और वे एक ठंडे, गुंबददार कक्ष में प्रवेश कर गए।
"क्या आप थोड़ी देर यहीं रुकेंगे?" टाक ने कहा और वह एक भूरे रंग के दरवाजे की ओर बढ़ गया। उसने दरवाजे पर लगभग एक मिनट बिताया।
उसके हाथ व्यस्त थे, उसका शरीर उसके द्वारा की जा रही क्रिया को छिपा रहा था।
गैरी ने फिर से गे की ओर देखा, अपनी भौहें उठाईं, फिर जैसे ही टाक मुड़ा, उसने नज़रें हटा लीं।
उन्होंने कहा, “संग्रहालय में कई अनमोल धरोहरें हैं। हमने चोरी रोकने के लिए हर संभव सावधानी बरती है। संग्रहालय में प्रवेश करने वाला यह दरवाजा कवच से ढका हुआ है और इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि इसे काटना नामुमकिन है। दोनों तरफ की दीवारें पांच फीट मोटी हैं। दरवाजे का ताला एक टाइमर स्विच से नियंत्रित होता है जो हर रात 10 बजे अपने आप

बंद हो जाता है और अगले दिन सुबह 10 बजे तक कोई भी दरवाजा नहीं खोल सकता। कृपया अंदर आइए।"

वे उसके पीछे-पीछे एक विशाल गुंबदनुमा छत वाले कमरे में गए, जो हल्की रोशनी से जगमगा रहा था। दीवारों पर कई तस्वीरें टंगी थीं। गे ने एक रेम्ब्रांट, कई पिकासो और पुनर्जागरण काल की कई उत्कृष्ट कृतियों को पहचाना, जिन्हें वह निश्चित रूप से उफ्फीजी, वेटिकन संग्रहालय और लूव्र में देख चुकी थी।

"ये असली नहीं हैं, श्रीमान टाक?" उसने पूछा।

"बेशक, ये असली हैं।" टाक ने ऐसे सवाल पर नाराज़गी जताते हुए भौंहें चढ़ाईं। "मैंने आपको बताया था कि श्री काहलेनबर्ग के पास दुनिया का सबसे बेहतरीन निजी संग्रहालय है। मुझे लगता है कि अंदर का कमरा आपको ज़्यादा पसंद आएगा।" वह चित्र दीर्घा से आगे बढ़ते हुए एक विशाल कमरे में दाखिल हुए।

कमरे के बीचोंबीच सोने की चमक से सजी चार मीटर ऊंची बुद्ध प्रतिमा खड़ी थी।

"यह एक दिलचस्प कलाकृति है," टाक ने आगे कहा। "यह बैंकॉक से आई है। पिछले युद्ध के दौरान, जापानी सेना को पता था कि यह शहर में है, इसलिए उन्होंने इसकी तलाश की, लेकिन पुजारी उनसे कहीं अधिक चालाक थे। उन्होंने इसे एक छोटे मंदिर में ले जाकर गंदे सीमेंट से ढक दिया। हालांकि जापानी सेना ने इस मंदिर का दौरा किया, लेकिन वे उस चीज़ को पहचान नहीं पाए जिसकी वे तलाश कर रहे थे।"

"क्या तुम्हारा मतलब है कि यह शुद्ध सोना है?" गैरी ने चमकती हुई आकृति को हैरानी से देखते हुए कहा।

"हां, यह शुद्ध सोना है।"

वह उन्हें कमरे में घुमाते हुए, विभिन्न कलाकृतियों के बारे में विस्तार से बताते रहे। गैरी को कला के खजानों की कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन वह भी जो कुछ उन्होंने देखा उससे प्रभावित हुए।

"लेकिन यकीनन यह गिबर्टी की कृति 'गेट्स टू पैराडाइज' के पैनलों में से एक है," गे ने दीवार पर खूबसूरती से तराशे गए एक पैनल के सामने रुकते हुए कहा। "कितनी अद्भुत प्रतिकृति है!"

"इसकी प्रति फ्लोरेंस में है, मिस डेसमंड। असली तो यह है," टाक ने तीखे स्वर में कहा। "और बर्निनी द्वारा बनाई गई डेविड की यह मूर्ति भी असली है। इसकी प्रति फ्लोरेंस के बारगेलो संग्रहालय में है।"

इस बेशर्म टिप्पणी से गे इतनी चौंक गईं कि उन्होंने मुंह फेर लिया। तभी उनकी नज़र रोशन आले में एक चबूतरे पर रखे छोटे से कांच के डिब्बे में सीज़र बोर्जिया की अंगूठी पर पड़ी। "यह क्या है?" उन्होंने कांच के डिब्बे के पास जाकर अंगूठी को गौर से देखते हुए पूछा।

"सीज़र बोर्जिया की अंगूठी," टाक ने कहा। "इसे बोर्जिया के कहने पर एक अज्ञात सुनार ने बनाया था। यह एक ज़हरीली अंगूठी है और कहा जाता है कि सुनार ही इसका पहला शिकार बना। इसकी असरदारता परखने और उस आदमी को चुप कराने के लिए, बोर्जिया ने अंगूठी पहने हुए ही उससे जानलेवा हाथ मिलाया। हीरों के गुच्छे में एक सुई छिपी हुई है और बोर्जिया से हाथ मिलाते समय इसी सुई ने पीड़ित के हाथ पर खरोंच लगा दी। कमाल है, है ना?"

"वो बहुत ही क्रूर और भयानक समय था," गे ने थोड़ा मुंह बनाते हुए कहा। "क्या अब भी खतरा है?"
"ओह नहीं, मिस डेसमंड। खतरनाक होने से पहले इसे जहर से पुनः भरवाना पड़ेगा, और मुझे संदेह है कि सुई अब खरोंचने के लिए पर्याप्त तेज है।"
वह उन्हें अपने साथ ले गया और उन्हें एक सुंदर अलबास्टर (सम्रदी का बना इत्र का जार) दिखाया, जिसके बारे में उसने बताया कि यह तुतनखामेन की कब्र से आया है। उन्होंने संग्रहालय में आधा घंटा और बिताया और फिर टाक ने अपनी घड़ी देखते हुए सुझाव दिया कि वे रात के खाने से पहले कुछ पीना चाहेंगे। वह उन्हें संग्रहालय से बाहर ले गया, दरवाजा बंद किया और गैरी उसे घड़ी का डायल घुमाते हुए और कॉम्बिनेशन बदलते हुए देखता रहा; फिर वे लिफ्ट से गलियारे में ऊपर गए। वह उन्हें वापस उनके सुइट तक ले गया और उनके धन्यवाद स्वीकार करने के बाद कहा कि एक नौकर उन्हें डेढ़ घंटे में मुख्य छत तक ले जाएगा और उन्हें वहीं छोड़ दिया।
अब समय 19:30 बज रहा था और वे दोनों छत पर चले गए।
"मुझे कुछ छोटा और दमदार चाहिए," गे ने बैठते हुए कहा। "वोदका मार्टिनी ऑन द रॉक्स।"
"मैं उसे भी ढूंढ लूंगा।" गैरी ने ड्रिंक मिलाना शुरू किया। उसने दो कॉकटेल गिलास भरे और उन्हें मेज पर ले जाकर बैठ गया। "क्या तुमने दोनों कमरों में टीवी पर ताक-झांक करने वालों को देखा?"
"नहीं... क्या आपने ऐसा किया?"
"हाँ। फेनेल ने कहा था कि संग्रहालय में छह मॉनिटर हैं और इसलिए छह कमरे हैं। टाक ने हमें केवल दो कमरे दिखाए। गे, मुझे यह सब अब कम पसंद आ रहा है। मुझे लगता है कि हम किसी जाल में फंस गए हैं।"
गेय चौंक गई।
"बिल्कुल नहीं! अगर उसे वाकई हम पर शक होता तो वह हमें यह सब नहीं दिखाता।"
"यही बात मुझे हैरान करती है। उन्हें ज़रूर पता होगा कि हमने अनुमान लगा लिया है कि इनमें से ज़्यादातर चीज़ें चोरी की हैं। फिर उन्होंने हमें उन्हें देखने क्यों दिया? उन्होंने हमें लिफ्ट के काम करने का तरीका और टाइम लॉक के बारे में क्यों बताया? उन्हें ज़रूर पता होगा कि जब हम यहाँ से जाएंगे तो हम इस यात्रा के बारे में बात करेंगे, वरना..." वह थोड़ी देर रुके, भौंहें चढ़ाकर सिर हिलाया।
"जब तक कि... क्या?"
"जब तक कि वह हमें जाने नहीं देगा।"
गेय अकड़ गया।
"वह हमें हमेशा के लिए नहीं रख सकता। गैरी, समझदारी से बात करो।"
गैरी ने अपने पेय की एक घूंट ली।
"ठीक है, लेकिन मुझे यह पसंद नहीं है। अगर फेनेल और केन वहां नहीं होते, तो मुझे चिंता होती। मैं उनसे बात करने जा रहा हूँ।" वह उठा और अपने बेडरूम में चला गया।
गेय इंतज़ार करती रही। उसे यह भी समझ नहीं आ रहा था कि टाक उन्हें संग्रहालय में क्यों ले

गया, लेकिन उसे कोई चिंता नहीं थी। उसने खुद को समझाया कि काहलेनबर्ग अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इतना आश्वस्त था कि उसे अजनबियों के संग्रहालय देखने से कोई फर्क नहीं पड़ता था।

गैरी लगभग बीस मिनट बाद लौटा।

"फेनेल भी इस बात से सहमत है कि यह संदिग्ध लग रहा है। थेम्बा को उपकरणों की रखवाली के लिए छोड़ दिया गया है। फेनेल अकेले ही यहाँ आ रहा है, और केन को निगरानी के लिए छोड़ गया है। अगर काहलेनबर्ग कोई गड़बड़ करता है, तो कम से कम केन हमारी मदद कर सकता है। जब हमें अंगूठी मिल जाएगी, तो हम केन को संकेत देंगे और हम सब हवाई अड्डे पर मिलेंगे और उड़ान भरेंगे। हम थेम्बा को साथ लेंगे और मेनविले वापस लौटेंगे।"

"क्या आपको लगता है कि काहलेनबर्ग परेशानी खड़ी करेगा?"

"मैं उससे मिलने के बाद आपको बता दूंगा," गैरी ने जवाब दिया। "एक और ड्रिंक लें?"

ठीक रात 9 बजे, एक ज़ुलू नौकर उन्हें मुख्य छत पर ले जाने के लिए आया।

अपनी कुर्सी पर बैठे काहलेनबर्ग उनका इंतजार कर रहे थे। उन्होंने उनका सौहार्दपूर्वक अभिवादन किया और उन्हें अपने पास की कुर्सियों पर बैठने का इशारा किया।

"टक ने मुझे बताया कि आप एनिमल वर्ल्ड से हैं, मिस डेसमंड," गे द्वारा उन्हें स्वीकार करने के लिए धन्यवाद देने के बाद उन्होंने कहा। "क्या आप उनके साथ लंबे समय से हैं?"

"बहुत ज्यादा नहीं... छह महीने।"

"यह एक पत्रिका है जिसे मैं नियमित रूप से लेती हूँ। मुझे जानवरों में रुचि है। मिस डेसमंड, वे आपको क्रेडिट लाइन क्यों नहीं देते?"

यह सब देखकर गैरी को राहत मिली कि गे शांत और सहज लग रही थी। वह थोड़ी उदास हंसी हंसी।

"मैं तो एक मामूली कर्मचारी हूँ, श्रीमान काहलेनबर्ग। मैं रोज़मर्रा के काम करता हूँ। मुझे उम्मीद थी कि आप मुझे इस खूबसूरत घर की तस्वीरें लेने की अनुमति देंगे। इसके लिए मुझे श्रेय मिलेगा।"

उसने उसे गौर से देखा।

मुझे खेद है कि आपको अपने लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

क्रेडिट। यहां फोटोग्राफी प्रतिबंधित है।

उसने मुस्कुराते हुए उसकी नीली-भूरी आँखों में देखा।

"क्या मेरे लिए भी? मैं वादा करता हूँ कि मैं पूरी सावधानी बरतूँगा और केवल घर और बगीचे की ही तस्वीरें खींचूँगा।"

"मुझे खेद है।" उसने विषय बदलते हुए पूछा कि क्या उसे उसका संग्रहालय दिलचस्प लगा।

"यह शानदार है। मैं आपको बधाई देता हूं।"

तीन ज़ुलू चुपचाप छत पर आए और खूबसूरती से सजी मेज के सामने खड़े होकर प्रतीक्षा करने लगे। उसी समय, हिंडेनबर्ग, जिन्होंने अभी-अभी अपना भोजन समाप्त किया था, धीरे-धीरे छत पार करके काहलेनबर्ग के पास आए।

"कितना सुंदर है!" गे ने कहा। "क्या मैं उसे सहला सकती हूँ?"
"यह ठीक नहीं होगा," काहलेनबर्ग ने चीते के कान सहलाते हुए कहा। "मेरा पालतू जानवर अजनबियों से थोड़ा घबराता है... यहाँ तक कि खूबसूरत अजनबियों से भी, मिस डेसमंड।" उन्होंने अपनी कुर्सी खींची और मेज के पास पहुँच गए। "चलिए, खाना खाते हैं।"
जब वे बैठ गए, तो काहलेनबर्ग ने गैरी की ओर रुख किया।
"और आप, श्री एडवर्ड्स, क्या आप लंबे समय से पेशेवर पायलट हैं?"
गैरी ने अपना सिर हिलाया।
"अभी-अभी शुरू किया है," उन्होंने सहजता से कहा। "मिस डेसमंड मेरी पहली ग्राहक हैं। बेशक मैंने अमेरिका में बहुत हेलीकॉप्टर उड़ाए हैं, लेकिन मुझे बदलाव पसंद है, इसलिए मैंने डरबन में अपना व्यवसाय शुरू किया है।"
"अच्छा ऐसा है।"
बर्फ से ढके तरबूज परोसे गए।
"क्या आप किसी बड़े शिकार की तलाश में हैं, मिस डेसमंड?"
"जी हां। हम वानॉक गेम रिजर्व जा रहे थे तभी हमें यह खूबसूरत घर दिखाई दिया और मुझे लगा कि मुझे इसे और अच्छे से देखना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे अहंकारी नहीं समझेंगे।"
"बिल्कुल नहीं। अगर मैं नहीं चाहता कि आप यहाँ हों, तो टाक आपको वापस भेज देता। नहीं, ऐसे अप्रत्याशित मेहमानों का आना मेरे लिए खुशी की बात है।"
"आप सचमुच जंगल में हैं... क्या आपको अकेलापन महसूस नहीं होता?" उसने पूछा।
"जब कोई मेरी तरह इतना व्यस्त होता है, तो उसे अकेलापन महसूस करने का समय ही नहीं मिलता। मुझे आश्चर्य है कि आप एक फोटोग्राफर हैं।" काहलेनबर्ग ने सीधे उसकी ओर देखा।
"तुम्हारे चलने के तरीके और तुम्हारी सूरत देखकर तो मुझे लगा था कि तुम एक मॉडल हो।"
मैंने मॉडलिंग की है, लेकिन मुझे फोटोग्राफी ज्यादा दिलचस्प लगती है।
"मुझे भी शौकिया तौर पर फोटोग्राफी में दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि आप पूरी तरह से रंगीन फोटोग्राफी करते हैं?"
फोटोग्राफी के बारे में बेहद कम जानकारी रखने वाले गे को एहसास हुआ कि वे एक खतरनाक रास्ते पर कदम रख रहे हैं।
"हां, मैं रंगीन तस्वीरों में काम करता हूं।"
"बताइए, मिस डेसमंड..." ब्लू ट्राउट का दूसरा कोर्स परोसे जाने पर काहलेनबर्ग ने बोलना शुरू किया।
गे ने तुरंत ही मछली के बारे में उत्साह से बात करना शुरू कर दिया, इस उम्मीद में कि इससे विषय बदल जाएगा।
"यह मेरी पसंदीदा मछली है," उसने उससे कहा।
"कितना सौभाग्यशाली था मैं..."
गैरी को भी खतरे की घंटी सुनाई दी और उसने बातचीत को दूसरे विषय पर मोड़ने की कोशिश की।

"श्रीमान काहलेनबर्ग, मैं आपके खूबसूरत बगीचे में टहल रहा था और मुझे पूरी युद्ध पोशाक में एक ज़ुलू दिखाई दिया... कम से कम, फिल्मों में मैंने जो देखा है उससे तो मुझे यही लगता है कि यह युद्ध पोशाक है... एक शानदार नमूना।"

"जी हां, मेरे पास ऐसे सौ से ज़्यादा आदमी हैं," काहलेनबर्ग ने कहा। "मुझे पसंद है कि वे अपनी पारंपरिक पोशाक पहनें। वे जानवरों और इंसानों के बेहतरीन शिकारी हैं... वे मेरी जागीर के रखवाले हैं। कोई भी यहां बिना देखे और वापस लौटाए नहीं आ सकता। वे दिन-रात बारी-बारी से आसपास के जंगल में गश्त करते हैं।"

"बगीचे में नहीं?" गैरी ने जितना हो सके लापरवाही से पूछा, और साथ ही उसने मछली की रीढ़ की हड्डी निकाल दी।

इतनी देर तक सन्नाटा छाया रहा कि उसने ऊपर देखा तो पाया कि काहलेनबर्ग की निगाहें उस पर टिकी हुई हैं। उन आँखों में छिपी व्यंग्यात्मक अवमानना को देखकर गैरी ने तुरंत अपनी मछली की ओर देखना शुरू कर दिया।

"नहीं, श्री एडवर्ड्स, वे रात में बगीचे में गश्त नहीं करते हैं, लेकिन जब यहां अजनबी होते हैं तो दिन के समय उनमें से कुछ बगीचे में मौजूद रहते हैं।"

"वाह, ये तो वाकई बहुत शानदार हैं," गैरी ने अपना चाकू और कांटा नीचे रखते हुए कहा। "ये तो लाजवाब थे।"

"हाँ," काहलेनबर्ग ने अनमने ढंग से अपना हाथ बढ़ाया और हिंडेनबर्ग के खुरदुरे फर को सहलाने लगा। चीता गुर्राने लगा।

"कितनी अद्भुत आवाज़ है!" गे ने कहा। "क्या वह आपके पास लंबे समय से है?"

"लगभग तीन साल से ज़्यादा। हम कभी अलग नहीं हुए।" काहलेनबर्ग ने गैरी की ओर देखा। "वह एक शानदार रखवाली करने वाला कुत्ता है, या शायद मुझे रखवाली करने वाली बिल्ली कहना चाहिए। कुछ महीने पहले मुझे इसका अच्छा सबूत मिला। मेरा एक नौकर पागल हो गया और मुझ पर हमला करने की कोशिश की। वह चाकू लेकर मेरे दफ्तर में आया, लेकिन मेरे पास पहुँचने से पहले ही हिंडेनबर्ग ने उसे टुकड़े-टुकड़े कर दिया। चीता धरती पर सबसे तेज़ दौड़ने वाला जानवर है। क्या आपको यह पता है, मिस्टर एडवर्ड्स?"

गैरी ने चीते को देखा और अपना सिर हिलाया।

"ऐसा लगता है कि वह खुद को अच्छी तरह साबित कर सकता है।"

"वह कर सकता है।"

एक वेटर ने मुख्य व्यंजन पेश किया, जो एक कैसरोल में भूना हुआ चिकन था, जिसकी पसलियों को हटा दिया गया था और चिकन को क्रीम सॉस में कटे हुए लॉबस्टर से भरा गया था, जिसे लॉबस्टर के मूंगे के रंग से रंग दिया गया था।

"वाह! यह तो कुछ असाधारण है," काहलेनबर्ग ने कहा। "मुझे यह नुस्खा पेरिस के एक महान शेफ से मिला है। मुझे लगता है कि आपको यह बहुत पसंद आएगा।"

जब वेटर चिकन काट रहा था, काहलेनबर्ग उनसे मजे से बातें कर रहा था, लेकिन गे और गैरी दोनों समझ गए थे कि उनका ध्यान पूरी तरह से उन पर नहीं था। जाहिर तौर पर वे किसी

व्यापारिक समस्या में उलझे हुए थे और उन्हें अपना पूरा ध्यान नहीं दे रहे थे।
चिकन उतना ही शानदार था जितना कि काहलेनबर्ग ने कहा था, और दोनों ने अपनी प्रशंसा व्यक्त की।
खाना स्वादिष्ट तो था, लेकिन खाना खत्म होते ही गे को राहत मिली। उसने पाया कि काहलेनबर्ग का ध्यान बनाए रखने के लिए उसे काफी मेहनत करनी पड़ रही थी। वह मुश्किल लोगों से घुलने-मिलने की आदी थी, लेकिन उसने मन ही मन ठान लिया था कि काहलेनबर्ग अब तक का सबसे अड़ियल मेजबान था। वह विनम्र तो था, लेकिन दूरी बनाए रखता था और गे जानती थी कि उसका ध्यान सिर्फ आधा ही उस पर था। फिर भी उसने बातचीत जारी रखी, खतरनाक विषयों से बचते हुए, उसके बारे में सवाल पूछे, न्यूयॉर्क, पेरिस और लंदन के बारे में उससे चर्चा की, जबकि गैरी लगभग चुप रहा और उसकी लगन की सराहना करता रहा।
जब वे कॉफी पी रहे थे, तभी टाक छत पर आ गया। वह काहलेनबर्ग चला गया।
"क्षमा कीजिए महोदय, श्री वोर्स्टर फोन पर हैं।"
काहलेनबर्ग ने भौंहें चढ़ाईं।
"ओह, हाँ, मैं भूल गया था। उसे बता देना कि मैं पाँच मिनट में वापस कॉल करूँगा।"
टक ने सिर झुकाया और चला गया।
मुझे खेद है, मिस डेसमंड, लेकिन मुझे अफसोस है कि अब मुझे आपको अकेला छोड़ना पड़ेगा। मुझे काम करना है। मुझे नहीं लगता कि आपके जाने से पहले हमारी दोबारा मुलाकात हो पाएगी। तस्वीरों के लिए मुझे खेद है। मुझे उम्मीद है कि आपने भोजन का आनंद लिया होगा।
वे दोनों खड़े हो गए और उन्होंने आतिथ्य सत्कार के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।
उसने अपनी आँखों में एक अजीब भाव लिए उनकी ओर देखा, सिर हिलाया, फिर अपनी कुर्सी को गति दी और हिंडेनबर्ग के पीछे-पीछे छत से गाड़ी चलाकर निकल गया।
अपने कार्यालय पहुँचकर उसने देखा कि टाक उसका इंतजार कर रहा था।
"धन्यवाद, टाक, वे दोनों मुझे ऊबने लगी थीं। बेशक, दिखने में सुंदर महिला थी, लेकिन मानो खिलौना हों।" वह अपनी डेस्क के पीछे चला गया। "उन पर नज़र रखी जा रही है?"
"जी श्रीमान।"
"अच्छा। और बाकी तीन?"
"गाइड अब मौजूद नहीं है। फेनेल और जोन्स संतुलन चट्टान पर खड़े होकर दूरबीन से देख रहे हैं। वे दो-तरफ़ा रेडियो के ज़रिए एडवर्ड्स के संपर्क में थे। उनकी बातचीत को इंटरसेप्ट कर लिया गया। फेनेल अकेले ही यहाँ आ रहा है, जोन्स को वहीं छोड़कर। एडवर्ड्स को लगता है कि हमें उस पर शक है और इसलिए वह एहतियात बरत रहा है।"
"बहुत ही समझदारी का काम किया उन्होंने। ठीक है, टाक, तुम अपने बंगले पर जा सकते हो। मुझे कुछ काम करना है, लेकिन मैं अपने तय समय पर सोने जाऊंगा। बाकी कर्मचारी जा सकते हैं।"
टाक हिचकिचाया।
"क्या यह बुद्धिमानी है, महोदय?"

"गार्ड और हिंडेनबर्ग यहाँ होंगे। हाँ, सब ठीक है।" काहलेनबर्ग ने टाक की ओर ध्यान से देखा। "यह बेहतर होगा कि आप इस छोटे से मामले से दूर रहें। शुभ रात्रि।"

"शुभ रात्रि महोदय," कहकर टाक चला गया।

काहलेनबर्ग दोपहर में हवाई जहाज से आए ढेर सारे कागजात पढ़ने के लिए बैठ गए।

साढ़े दस बजे के कुछ देर बाद दरवाजे पर हल्की सी दस्तक हुई। उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "अंदर आ जाओ।"

केमोसा ने प्रवेश किया।

"यह क्या है?"

"मालिक, माली ज़्विडे की मृत्यु हो गई है।"

काहलेनबर्ग ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।

"मर गए? यह कैसे हुआ? क्या यह एक दुर्घटना थी?"

"मुझे नहीं पता, स्वामी जी। उसने सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द की शिकायत की। चूंकि वह हमेशा शिकायत करता रहता था, इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया। बाद में उसने कहा कि उसका गला जल रहा है। कुछ मिनट बाद, वह गिर पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।"

"असाधारण बात है। ठीक है, केमोसा, उसे दफना दो। मुझे पूरा यकीन है कि उसकी पत्नी खुश होगी। उसका कोई नुकसान नहीं है।"

केमोसा ने अपने स्वामी को देखा, फिर प्रणाम किया।

"मैं यह काम करवा दूंगा, मालिक," और वह दरवाजा धीरे से बंद करते हुए बाहर चला गया।

काहलेनबर्ग अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गए। उनके चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कान थी जिससे उनके भावों में एक शैतानी चमक आ गई।

इसलिए बोर्जिया गिरोह घातक था।

अध्याय आठ

जब गे और गैरी अपने सुइट में वापस लौटे, तो उन्होंने पाया कि सभी खिड़कियां और छत की ओर जाने वाले दरवाजे बंद थे और एयर कंडीशनर चल रहा था।

गैरी तुरंत छत के दरवाजों के पास गया और उन्हें खोलने की कोशिश की, लेकिन वे मजबूती से बंद थे और चाबी गायब थी। जब उसने एक खिड़की खोलने की कोशिश की, तो वह हिली नहीं।

"रात के लिए सब बंद कर दिया है," उसने सिर खुजाते हुए कहा। अब सौंफ अंदर कैसे आएगी?"

"मुझे लगा कि तुम कुछ ज़्यादा ही आशावादी हो रहे हो। क्या ऐसा हो सकता है कि वे रात में सब कुछ खुला छोड़ दें?" गे ने एक आरामकुर्सी के आर्मरेस्ट पर बैठते हुए पूछा। "अब तुम क्या करोगे?"

"फेनेल को अलर्ट करो। अंदर जाना उसका काम है। शायद वो इस ताले को खोल सके।" गैरी ने अपनी घड़ी देखी। समय 10 बज रहा था। वह बैठ गया और गे की तरफ देखा। "हमारे पास एक घंटा है। काहलेनबर्ग के बारे में तुम्हारा क्या विचार है?"

गे ने मुंह बनाया।

"मुझे वो पसंद नहीं आया। मुझे लगता है कि वो मुझसे ऊब गया था, और जो आदमी मुझे उबाऊ समझता है, वो मेरा पसंदीदा कैसे हो सकता है?" वह हंस पड़ी। "तुम्हें वो कैसा लगा?"

"वह खतरनाक है," गैरी ने गंभीरता से कहा। "मैं इससे भी आगे जाऊंगा। उसे देखकर मुझे ऐसा लग रहा है कि वह पूरी तरह से होश में नहीं है। मुझे अब भी लगता है कि हम किसी जाल में फंस गए हैं। लेकिन चूंकि हम यहां हैं, तो रिंग में जाकर देखना तो बनता है। मुझे शक है कि जब उसने कहा था कि रात में मैदान में गश्त नहीं होती, तो क्या वह झूठ बोल रहा था। मुझे फेनेल को चेतावनी देनी होगी कि वह आते समय सावधान रहे।"

"तुम्हें नहीं लगता कि वह समझदार है... तुम्हारा मतलब क्या है?"

"उसकी आँखों में कुछ तो है... मैं यह नहीं कह रहा कि वह पागल है, लेकिन वह मानसिक रूप से अस्थिर जरूर है।"

"मुझे यकीन है कि तुम यह सब कल्पना कर रहे हो, गैरी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि अगर उसे हम पर वाकई शक होता तो वह हमें संग्रहालय देखने देता। मुझे लगता है कि वह अपाहिज होने की वजह से चिड़चिड़ा हो गया है, और अगर वह मुझसे दूरी बनाए हुए था, तो शायद इसी वजह से था... तुम्हें क्या पता, हो सकता है वह दर्द में हो।"

"हो सकता है आप सही हों," गैरी ने कंधे उचकाते हुए कहा। "लेकिन मुझे तो यह पूरी व्यवस्था कुछ ज्यादा ही आसान लग रही है।"

क्या आप लिफ्ट की जाँच करने जा रहे हैं?

"ज़रूर। अगर यह काम नहीं कर रहा है, तो मुझे नहीं लगता कि हम संग्रहालय के दरवाज़े तक पहुँच पाएँगे। मैं आधा घंटा इंतज़ार करूँगा, फिर बाहर जाकर देखूँगा।" वह उठा, दरवाज़े तक गया और उसे खोला। उसने सुनसान गलियारे में देखा। वहाँ रोशनी थी, और दूर उसे गलियारे का अंत दोहरे दरवाज़ों में होता हुआ दिखाई दिया। "यहाँ कोई नहीं है।" वह दरवाज़ा बंद करके लाउंज में

लौट आया। "मुश्किल हो सकती है। अगर टाक या कोई नौकर मेरे बाहर रहते हुए उन कमरों में से किसी से बाहर आ गया, तो मैं फँस जाऊँगा। वहाँ तो मक्खी भी नहीं छिप सकती।"
"आप हमेशा कह सकते हैं कि आप नींद में चल रहे हैं।"
गैरी ने उसकी ओर भौंहें चढ़ाकर देखा।
"काश आप इसे और गंभीरता से लेते। आपको शायद इस बात का एहसास नहीं है कि अगर हम पकड़े गए तो हम बहुत ही खतरनाक स्थिति में फंस सकते हैं।"
"जब ऐसा होगा तब हम इसके बारे में सोचेंगे।"
गैरी अचानक मुस्कुरा उठा।
"मुझे लगता है तुम सही हो। इधर आओ और चुम लो।"
उसने अपना सिर हिलाया।
"अभी नहीं... हम काम कर रहे हैं।"
वह हिचकिचाया, फिर सिगरेट जलाकर कुर्सी पर बैठ गया।
"अगर हम इसमें कामयाब हो गए, तो तुम पैसों का क्या करोगे, गे?" उसने पूछा।
"इसे बचाकर रखो। मैं अपनी सारी बचत करता हूँ और उसे एक स्विस बैंक में छह प्रतिशत ब्याज पर निवेश करता हूँ। जल्द ही मेरी अच्छी आमदनी होगी और फिर शालिक की देखभाल कर पाऊँगा।"
किसी दूसरे गुलाम के लिए।"
"तुम्हें वो पसंद नहीं है?"
"कौन करेगा? वह काम का तो है, बस इतना ही। और तुम, अपने हिस्से का क्या करोगे?"
"इलेक्ट्रॉनिक्स का कोर्स करो," गैरी ने तुरंत कहा। "मैं हमेशा से पढ़ाई करना चाहता था, लेकिन अब तक मुझे मौका नहीं मिला। शालिक के पैसों से मैं पढ़ाई करूंगा और फिर अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी ढूंढ लूंगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में बहुत सारे अवसर हैं।"
"तुम मुझे आश्चर्यचकित करते हो... तुम मुझे पढ़ाई-लिखाई में रुचि रखने वाले व्यक्ति नहीं लगते। क्या तुम्हारी शादी करने की योजना है?"
"हां, लेकिन तब तक नहीं जब तक मैं क्वालीफाई नहीं कर लेता। उसके बाद मैं जरूर करूंगा।"
"क्या तुमने लड़की को पटा लिया है?"
उसने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।
"हां मुझे ऐसा लगता है।"
"वह कॉन हे?"
"तुम्हारे जान-पहचान वालों में से कोई नहीं... बस एक लड़की है। हमारी आपस में ठीक-ठाक बनती है।"
मुझे लगा था कि आप 'मैं' कहेंगे।
वो हंसा।
"तुम तो वैसे भी मना ही कर देते।"
"आपको इतना यकीन क्यों है?"

"तुम ऐसा करोगे, है ना?"
गे ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।
"हां। मैं किसी इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर से शादी नहीं करना चाहूंगी। जब मैं शादी करूंगी तो वह एक ऐसा आदमी होगा जो बड़ी सोच रखता हो, बड़ी जिंदगी जीता हो और अमीर हो।"
मुझे पता है। इसीलिए मैं टोनी को चुन रहा हूँ।
"क्या यही उसका नाम है?"
गैरी ने सिर हिलाया।
"मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं, गैरी, और मुझे उम्मीद है कि आप उसके साथ बहुत खुश रहेंगे।"
"धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आप भी खुश रहेंगे, लेकिन पैसे को लेकर ज्यादा चिंतित मत रहिएगा।"
गेय सोच में डूबी हुई लग रही थी।
"इसके बिना जीवन काफी कठिन हो सकता है।"
"हाँ।" उसने सिगरेट बुझाई और छत की ओर देखने लगा। "ज़रूरत तो होनी ही चाहिए, लेकिन ये सब..." उसने शानदार ढंग से सजे कमरे में हाथ घुमाते हुए कहा। "इसकी कोई ज़रूरत नहीं है।"
"यह मेरे लिए है।"
"यहीं पर हमारी राय अलग है।" उसने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। "मुझे लगता है कि मुझे लिफ्ट देख लेनी चाहिए।"
गेय खड़ी हो गई।
"मैं तुम्हारे साथ चलूँगा। अगर रास्ते में कोई मिल जाए तो हम कह सकते हैं कि हमें बगीचे में टहलने का मन हुआ और क्योंकि हम छत वाले रास्ते से बाहर नहीं निकल पाए, इसलिए हमने सामने वाले दरवाजे से निकलने की कोशिश की।"
"थोड़ा पतला है... लेकिन काम चल जाएगा। चलो चलते हैं।"
वे चुपचाप लंबे गलियारे में चले गए, रुककर सुनने लगे, कुछ सुनाई नहीं दिया और फिर तेज़ी से गलियारे में आगे बढ़े, सामने के दरवाज़े से गुज़रते हुए छिपी हुई लिफ़्ट की ओर चल दिए। गैरी खिड़की के किनारे पर गया और उसके नीचे हाथ फेरा। उसकी उंगलियों को एक बटन मिला जिसे उसने दबा दिया। दीवार पीछे हट गई। उन्होंने एक-दूसरे को देखा, फिर उसे वहीं रुकने का इशारा करते हुए, वह लिफ़्ट के दरवाज़ों की ओर बढ़ा जो चुपचाप खुल गए। वह लिफ़्ट के पिंजरे में दाखिल हुआ, फिर पहले लाल बटन दबाया जिसके बारे में टाक ने उसे बताया था कि इससे अलार्म बंद हो जाता है, फिर उसने हरा बटन दबाया। दरवाज़े बंद हो गए और लिफ़्ट नीचे उतरने लगी। जब वह ज़मीन पर पहुँची, गैरी ने फिर से हरा बटन दबाया और लिफ़्ट ऊपर चढ़ने लगी। वह गलियारे में आ गया और खिसकने वाली दीवार को फिर से बंद कर दिया।
गे का हाथ अपने हाथ में लेकर, वह चुपचाप गलियारे से होते हुए वापस अपने सुइट में चला गया।
"अच्छा, यह काम करता है," उसने दरवाजा बंद करते हुए कहा। "अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि फेनेल अंदर आ पाता है या नहीं और फिर, ज़ाहिर है, क्या वह संग्रहालय का

दरवाजा खोल पाता है या नहीं।"
पंद्रह मिनट इंतजार करने के बाद गैरी ने टू-वे रेडियो उठाया।
सौंफ ने तुरंत जवाब दिया।
गैरी ने स्थिति समझाई और फेनेल को बताया कि लिफ्ट काम कर रही है। फेनेल ने कहा कि घर के दोनों छोरों की खिड़कियों में अभी भी रोशनी दिखाई दे रही है।
"दाईं ओर की बत्ती मेरी है," गैरी ने कहा। "दूसरी बत्ती काहलेनबर्ग के क्वार्टर से आ रही है।"
"बाईं ओर की बत्ती बुझ गई है," फेनेल ने बताया। "अब केवल वही रोशनी दिखाई दे रही है जहाँ आप हैं।"
"काहलेनबर्ग ने मुझे बताया था कि यहाँ गश्त नहीं होती, लू," गैरी ने कहा, "लेकिन मुझे उस पर भरोसा नहीं है। आराम से आओ और छिपने के लिए हर संभव जगह का इस्तेमाल करो। हो सकता है यहाँ कुछ ज़ुलू गार्ड मौजूद हों।"
मैं इस पर नज़र रखूंगा। मैं अभी शुरू करता हूं। आप तक पहुंचने में मुझे पूरा आधा घंटा लगेगा। जब तक हम उसे संकेत नहीं देते, केन यहीं रहेगा।
"रोजर... बाहर," कहते हुए गैरी ने फोन बंद कर दिया। गे की ओर मुड़कर उसने आगे कहा, "वह अब रास्ते में है। बाकी सारी बत्तियाँ बुझ चुकी हैं।" वह बिस्तर के पास रखी बत्तियों के पास गया और उन्हें जलाया, फिर उसने छत की बत्तियाँ बंद कर दीं। खिड़की के पास जाकर उसने अंधेरे में झाँका। बड़ा चाँद बादलों से थोड़ा छिपा हुआ था, लेकिन कुछ क्षणों बाद उसकी आँखें अंधेरे की आदी हो गईं और वह छत पर रखे फर्नीचर और फूलों की क्यारियों को देख सका।
"हम कुछ ही घंटों में मेनविले वापस जा सकते हैं," गे ने कहा। "मैं कपड़े बदलने जा रहा हूँ।"
वह बेडरूम में गई, साड़ी उतारी और कमीज़ व शॉर्ट्स पहन लिए। जब वह लाउंज में लौटी तो देखा कि गैरी ने भी कपड़े बदल लिए थे। वे दोनों बिस्तर पर बैठ गए और खिड़की से बाहर देखते हुए सौंफ का इंतज़ार करने लगे।
मिनट धीरे-धीरे बीत रहे थे। दोनों बैठे-बैठे बेचैनी से इंतज़ार कर रहे थे। मानो एक लंबा समय बीत गया हो, तब गैरी ने गे के हाथ पर अपना हाथ रखा।
"वह यहाँ है।" वह उठा और खिड़की की ओर गया।
अंधेरे से निकलकर सौंफ खिड़की के पास आकर रुकी और सिर हिलाया। उसने अपना औजारों का किट ज़मीन पर रखा और छत के दरवाज़े की ओर बढ़ा। पेंसिल टॉर्च की मदद से उसने ताला जांचा। गैरी की ओर देखते हुए उसने अंगूठा ऊपर उठाया और फिर अपना औजारों का किट उठा लिया।
कुछ ही मिनटों में, छत के दरवाज़े खुल गए। अपना औज़ार उठाते हुए, फेनेल लाउंज में चला गया। उसने गे को ऐसे नज़रअंदाज़ किया जैसे वह कमरे में थी ही नहीं। गैरी की ओर मुड़कर उसने कहा, "तुम्हारा हाल अच्छा ही रहा है, है ना?" उसने कमरे में चारों ओर देखा। "केन और मुझे तो इस मामले में सबसे बुरा अंजाम भुगतना पड़ा, है ना?"
"मुश्किल है," गैरी ने मुस्कुराते हुए कहा। "कोई बात नहीं। तुम ठीक हो जाओगे।"
फेनल ने उसे गुस्से भरी नज़र से देखा और फिर मुँह फेर लिया। उसकी मनोदशा देखकर गे उसे

देखता रहा, लेकिन कुछ बोला नहीं।
"लिफ्ट कहाँ है?" फेनेल ने पूछा। "इस काम में मुझे तीन-चार घंटे लग सकते हैं।"
गैरी ने गे की ओर रुख किया।
"अगर इतना समय लगने वाला है तो बेहतर होगा कि तुम यहीं रुक जाओ।" उसने सिर हिलाया।
"ठीक है।"
"टीवी पर ताक-झांक करने वालों के बारे में क्या ख्याल है?" फेनेल ने पूछा।
"वे संग्रहालय में तो हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि निगरानी कक्ष कहाँ है या रात में कोई वहाँ पहरा देता है या नहीं।"
सौंफ गुस्से से लाल हो गई।
"पता लगाना तुम्हारा काम था!" उसने गुस्से से कहा।
गैरी दरवाजे के पास गया, उसे खोला और फेनेल को इशारा किया।
"ज़रा देख लीजिए... उस गलियारे में करीब पैंतीस दरवाजे हैं। यह उनमें से किसी के भी पीछे हो सकता है। हम अंदर जाकर जाँच नहीं कर सकते। क्या बगीचे से गुज़रते समय आपको कोई ज़ुलू दिखाई दिया?"
नहीं। इससे इसका क्या लेना-देना है?
"संभावना यही है कि अगर वे मैदान में गश्त नहीं कर रहे हैं, तो वे रात में टीवी मॉनिटर पर भी नजर नहीं रखते होंगे।"
"अगर उन्होंने ऐसा किया, तो हम डूब जाएंगे।"
"ये रहा। क्या आपके पास इसे जांचने का कोई तरीका है?"
सौंफ ने सोचा, फिर कंधे उचका दिए।
"यह कहीं भी हो सकता है... घर से दूर किसी झोपड़ी में भी हो सकता है।" वह हिचकिचाया।
"यह बहुत बड़ा जोखिम लेने जैसा है।"
"या तो हम जोखिम उठाएंगे या फिर बिना अंगूठी लिए ही वापस लौट जाएंगे।"
"क्या तुम जोखिम उठाओगे?" फेनल ने पूछा।
"ज़रूर, अगर आप चाहें तो।"
"तो चलिए चलते हैं।"
वे चुपचाप गलियारे में चले गए, गेय को बिस्तर पर ही बैठा छोड़कर। कुछ मिनट बाद, वे लिफ्ट से नीचे उतर रहे थे। जब वे गुंबददार कमरे में पहुँचे, तो गैरी ने छत में लगे टीवी लेंस की ओर इशारा किया।
"वहाँ है।"
फेनल कैमरे के लेंस के नीचे आया और उसे गौर से देखने लगा। फिर उसने एक गहरी सांस ली।
"यह काम नहीं कर रहा है।"
"ज़रूर?"
"हाँ।"
गैरी ने अपने पसीने से तर हाथों को अपनी शॉर्ट्स की सीट पर पोंछा।

"वह रहा संग्रहालय का दरवाजा। क्या आप मुझसे कुछ करवाना चाहते हैं?"
फेनेल दरवाजे के पास गई और डायल और ताले की जांच की।
"नहीं... इसे मुझ पर छोड़ दो। इसमें समय लगेगा, लेकिन मैं इसे खोल लूंगा।" उसने अपना टूल किट खोला और कुछ औजार फर्श पर फैला दिए। गैरी एक ऊँची पीठ वाली चमड़े की कुर्सी पर जाकर बैठ गया। उसने एक सिगरेट जलाई और अपनी बेचैनी को काबू करने की कोशिश की।
सौंफ बड़ी सावधानी से काम कर रही थी, गुनगुनाते हुए धीरे से सीटी बजा रही थी। उसका शरीर उसके काम को छुपा रहा था, और थोड़ी देर बाद गैरी उसकी चौड़ी पीठ को देखते-देखते ऊब गया, और उठकर इधर-उधर टहलने लगा। वह एक के बाद एक सिगरेट पीता रहा और लगातार अपनी घड़ी देखता रहा। एक घंटा बीत जाने के बाद, वह टहलते-चलते रुका और पूछा, "काम कैसा चल रहा है?"
"मैंने टाइम स्विच को निष्क्रिय कर दिया है," फेनेल ने अपनी एड़ियों पर बैठते हुए और अपनी बांह से अपना माथा पोंछते हुए कहा। "सबसे मुश्किल काम हो गया। अब मुझे ताले को खोलना है।"
गैरी बैठ गया और इंतजार करने लगा।
एक और घंटा धीरे-धीरे बीत गया, फिर सौंफ ने हल्की सी गुर्राहट की।
"मैंने कर दिखाया!" उसने खुशी से कहा।
गैरी भी दरवाजे पर उसके साथ आ गया।
"जितना आपने सोचा था उससे भी जल्दी।"
"बस किस्मत की बात है। इससे पहले भी मैं इन घटिया तालों में से एक पर पाँच घंटे बिता चुका हूँ।" वह खड़ा हुआ और दरवाजा खोल दिया। "क्या तुम्हें पता है अंगूठी कहाँ है?"
मैं तुम्हें वहां ले चलूंगा।
फेनेल ने जल्दी से अपना औजारों का थैला दोबारा पैक किया और दोनों आदमी साथ मिलकर चित्र दीर्घा में चले गए। आगे बढ़ते हुए, गैरी दूसरे कमरे में दाखिल हुआ और रोशनी वाले आले की ओर बढ़ा। तभी वह रुक गया, मानो उसे गहरा सदमा लगा हो। चबूतरा तो वहीं था, लेकिन कांच का डिब्बा और अंगूठी गायब थे।
"यह क्या है?" फेनल ने पूछा।
"यह गायब हो गया!" गैरी ने अपने सूखे होंठ चाटे। "यह वहीं था... यह गायब हो गया! मैंने सोचा था..."
वह अचानक रुक गया जब उसने देखा कि फेनेल, जिसका चेहरा फड़क रहा था, उस चौड़े मेहराब को घूर रहा था जिससे वे चित्र दीर्घा से इस कमरे में आए थे।
मेहराबदार द्वार पर, केवल तेंदुए की खाल पहने हुए, चार विशालकाय ज़ुलू खड़े थे, जिनमें से प्रत्येक के हाथ में एक चौड़ा धारदार भाला था, और उनकी क्रूर, भयंकर काली आँखें उन दो चौंके हुए पुरुषों पर टिकी हुई थीं।
उनमें से एक ने कर्कश अंग्रेजी में कहा, "तुम हमारे साथ चलो।"
"इसे कहते हैं निष्पक्ष पुलिस वाला," गैरी ने कहा और ज़ुलू लोगों की ओर बढ़ गया।

फेनल हिचकिचाया, लेकिन वह जानता था कि इन चार दिग्गजों के सामने उनका कोई चांस नहीं है। मन ही मन बड़बड़ाते हुए उसने अपना औजारों का थैला उठाया और गैरी के पीछे चल पड़ा।

जैसे-जैसे मिनट बीतते गए, गे की बेचैनी बढ़ती गई। वह आलीशान लाउंज में इधर-उधर घूमती रही और सोचती रही कि फेनल का क्या हाल होगा। लाउंज से निकले हुए अब लगभग दो घंटे हो चुके थे। वह खुद को बार-बार याद दिला रही थी कि फेनल ने कहा था कि काम में चार घंटे लग सकते हैं। अब उसे पछतावा हो रहा था कि काश वह उनके साथ क्यों नहीं चली गई। यह लंबा इंतजार उसे बहुत परेशान कर रहा था।

तभी उसे दरवाजे पर हल्की सी दस्तक सुनाई दी। गैरी को देखकर वह जल्दी से लाउंज पार करके दरवाजा खोलने गई। उसके सामने एक विशालकाय ज़ुलू खड़ा था, जिसकी लंबाई उससे कहीं ज़्यादा थी। ऊपर की रोशनी में उसकी काली त्वचा चमक रही थी और उसकी तलवार (असिगाई) की धार दमक रही थी।

उसने चीख को दबा लिया और जल्दी से पीछे हट गई, अपना हाथ अपने मुंह पर रख लिया। ज़ुलू ने उसे घूरकर देखा, उसकी आँखें गीले पत्थरों जैसी थीं।

"तुम मेरे साथ आओ," वह गुर्राया और एक तरफ हट गया।

"तुम क्या चाहते हो?" गे ने सदमे से भरी भारी आवाज में पूछा।

"गुरुजी तुम्हें बुला रहे हैं... आओ!"

वह हिचकिचाई। उसने सोचा, तो गैरी सही था, वे एक जाल में फंस गए थे। अब तक वह सदमे से उबर रही थी। आज्ञा मानने के अलावा कोई चारा नहीं था, और सिर ऊंचा करके वह गलियारे में चली गई।

ज़ुलू ने अपने अस्सिगाई (एक प्रकार की छड़ी) से गलियारे के दूसरे छोर पर स्थित दोहरे दरवाजों की ओर इशारा किया।

वह जानती थी कि भागने की कोशिश करना बेकार है, इसलिए वह गलियारे में आगे बढ़ गई, और ज़ुलू उसके पीछे-पीछे चलने लगा।

जब वह अंततः दोहरे दरवाजों तक पहुँची, तो वे अपने आप खुल गए। ज़ुलू की ओर देखे बिना, वह धड़कते दिल और सूखे मुँह के साथ काहलेनबर्ग के कार्यालय में चली गई।

उस विशाल कमरे के दूसरे छोर पर, काहलेनबर्ग अपनी मेज पर बैठे थे, उनकी उंगलियों के बीच एक सिगरेट थी, और हिंडेनबर्ग उनके बगल में बैठे थे।

"आह, मिस डेसमंड," उन्होंने ऊपर देखते हुए कहा। "कृपया आइए और मेरे साथ बैठिए। मैं कुछ बहुत ही दिलचस्प देख रहा हूँ।"

जैसे ही वह डेस्क के चारों ओर घूमी, उसने देखा कि छोटा टीवी चालू था। काहलेनबर्ग ने अपने पास वाली कुर्सी की ओर इशारा किया, जो हिंडेनबर्ग से दूर थी, जिसने कमरे में उसके प्रवेश करने के बाद से उससे अपनी नज़रें नहीं हटाई थीं।

बैठ जाइए और इसे देखिए।

वह बैठ गई, अपने हाथों को गोद में मोड़कर रोशन स्क्रीन की ओर देखने लगी। संग्रहालय की ओर जाने वाले दरवाजे के सामने फेनेल को घुटनों के बल बैठे देखकर उसका दिल ज़ोर से

धड़कने लगा।
"मुझे लगता है कि वह सचमुच मेरे खूबसूरत बालों को हरा रहा है," काहलेनबर्ग ने कहा। "बनाने वालों ने मुझे भरोसा दिलाया था कि कोई भी ऐसा नहीं कर सकता।"
सौंफ अचानक अपनी एड़ियों पर पीछे की ओर बैठ गई।
"मैंने कर दिखाया!" उसने उत्साह से कहा। उसकी आवाज़, थोड़ी दबी हुई सी, स्पीकर से ठीक-ठाक सुनाई दी।
फिर गैरी की एंट्री हुई।
"तुम्हारा दोस्त बहुत चालाक है," काहलेनबर्ग ने कहा। हालांकि उनकी आवाज़ में नरमी थी, लेकिन उनकी आँखों में गुस्से की चमक थी। "मुझे विश्वास नहीं था कि वह ऐसा कर सकता है, लेकिन जैसा कि तुम देख रहे हो, उसने कर दिखाया है।"
गे ने कुछ नहीं कहा।
"आम तौर पर हम लिफ्ट को निष्क्रिय कर देते हैं," काहलेनबर्ग ने अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए, स्क्रीन पर नज़रें गड़ाए हुए कहा। "लेकिन मैं यह देखना चाहता था कि क्या यह विशेषज्ञ अंदर घुस सकता है। मुझे निर्माताओं से गंभीरता से बात करनी होगी। यह बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"
उन्होंने फेनेल और गैरी को संग्रहालय में प्रवेश करते देखा। जैसे ही काहलेनबर्ग ने आगे बढ़कर सेट पर एक बटन दबाया, तस्वीर का कोण बदल गया।
"मैं आपके दोस्तों को डराना नहीं चाहता था, इसलिए मैंने इस सेट को तब तक नहीं चलाया जब तक उन्हें यह यकीन नहीं हो गया कि यह काम नहीं कर रहा है," काहलेनबर्ग ने आगे कहा। "अब मुझे डर है कि उन्हें निराशा और हैरानी का सामना करना पड़ेगा।"
तस्वीर में दोनों व्यक्ति रोशनी से जगमगाते आले में स्थित चबूतरे को घूरते हुए दिखाई दे रहे थे।
गे ने फेनल को यह कहते हुए सुना, "यह क्या है?"
आगे की ओर झुकते हुए, काहलेनबर्ग ने सेट बंद कर दिया।
"कुछ ही मिनटों में वे यहाँ आ जाएँगे, मिस डेसमंड," उन्होंने कहा। उन्होंने सोने के रंग का सिगरेट का डिब्बा उठाया और पेश किया। "एक सिगरेट?"
"धन्यवाद।" गे ने एक सिगरेट ली और माचिस की तीली ली। "वैसे, श्री शालिक कैसे हैं?"
अगर उसने उसे चौंकाने की उम्मीद की थी, तो वह निराश हुआ। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था और उसने कहा, "पिछली बार जब मैंने उसे देखा था, तो वह बिल्कुल ठीक लग रहा था।"
"क्या वह अपनी घटिया छोटी-मोटी धोखाधड़ी जारी रखेगा?"
"मुझे सच में नहीं पता। वह हमेशा व्यस्त लगता है, लेकिन वह क्या करता है, मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं है।"
"अब उसे हमेशा के लिए रोकने का समय आ गया है।" काहलेनबर्ग की आँखों में दिखी तीव्र क्रोध की चमक ने उसे याद दिलाया कि गैरी को लगता था कि यह आदमी मानसिक रूप से अस्थिर है।
"वह एक उपद्रव बनता जा रहा है।"
"क्या आपको ऐसा लगता है? मुझे तो लगा था कि वह दूसरों से ज़्यादा परेशानी पैदा नहीं करता,"

गे ने शांत भाव से कहा। "आखिरकार, श्रीमान काहलेनबर्ग, आप दोनों एक जैसे ही हैं ना?"
काहलेनबर्ग की आंखें थोड़ी सिकुड़ गईं।
"आप ऐसा क्यों कह रही हैं, मिस डेसमंड?"
"श्री टाक मुझसे कहते हैं कि आपके संग्रहालय में सब कुछ असली है। मुझे नहीं लगता कि फ्लोरेंस के अधिकारियों ने आपको गिबर्टी पैनल या बर्निनी डेविड बेचा होगा। मुझे यह ज़रूर पता है कि आपने बोर्जिया की अंगूठी चुराई थी। यकीनन आप भी विभिन्न संग्रहालयों के क्यूरेटरों के लिए उतने ही परेशानी का सबब हैं जितने श्री शालिक आपके लिए हैं।"
काहलेनबर्ग मुस्कुराया।
"हाँ, मैं मानता हूँ कि मेरे संग्रहालय की हर चीज़ चोरी हो गई है, लेकिन इसके पीछे एक कारण है। मुझे सुंदर चीज़ें पसंद हैं। मुझे सुंदरता चाहिए। यूरोप जाने का समय नहीं है, इसलिए मैं अपनी सुंदरता को यहीं रखना पसंद करता हूँ, जहाँ मैं जब चाहूँ उसे देख सकूँ। लेकिन शालिक सिर्फ़ पैसे के लिए साज़िश रचता है, सुंदरता के लिए नहीं। वह पैसे के लिए जीता है, जैसे मैं सुंदरता के लिए जीता हूँ। मैं उसे रोकना चाहता हूँ।"
"शायद उसे पैसों की ज़रूरत है," गे ने कहा। "आपके पास ज़रूरत से ज़्यादा है। अगर आपके पास पैसे न होते तो शायद आप भी श्री शालिक की तरह होते।"
काहलेनबर्ग ने अपनी सिगरेट बुझाई। वह देख सकती थी कि वह बड़ी मुश्किल से अपने गुस्से पर काबू पा रहा था।
"आप एक उत्साही महिला हैं, मिस डेसमंड। मुझे यकीन है कि श्री शालिक को यह सुनकर बहुत खुशी होगी कि आप उनका बचाव कर रही हैं।"
"मैं उसका बचाव नहीं कर रहा हूँ। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि मुझे आप दोनों में कोई अंतर नहीं दिखता," गे ने धीमी आवाज़ में कहा।
इसी क्षण दोहरे दरवाजे खुल गए और गैरी और फेनेल अंदर आ गए।
चारों ज़ुलू लोग दरवाजे पर रुक गए और देखने लगे।
काहलेनबर्ग ने हाथ के इशारे से उन्हें विदा कर दिया। वे पीछे हट गए और दरवाजे बंद हो गए।
"अंदर आइए, सज्जनों, बैठ जाइए," काहलेनबर्ग ने अपनी मेज के सामने रखी कुर्सियों की ओर इशारा करते हुए कहा। "जैसा कि आप देख रहे हैं, मिस डेसमंड पहले ही मेरे साथ बैठ चुकी हैं।"
गैरी एक कुर्सी पर जाकर बैठ गया, लेकिन फेनेल वहीं खड़ी रही और काहलेनबर्ग को घूरती रही।
"कृपया बैठ जाइए, श्रीमान फेनेल," काहलेनबर्ग ने धीमी आवाज़ में कहा। "मैं आपको बधाई देना चाहता हूँ। मुझे विश्वास नहीं था कि कोई मेरे संग्रहालय का दरवाज़ा खोल पाएगा, फिर भी आपने यह कर दिखाया। यह एक बड़ी उपलब्धि है।"
"मीठी-मीठी बातें बंद करो!" फेनल गुस्से से बोली। "हम अंगूठी लेने आए थे और हमें वो नहीं मिली, इसलिए अब हम यहाँ से निकल रहे हैं और तुम हमें रोक नहीं सकते!"
"निश्चित रूप से आप जा सकते हैं," काहलेनबर्ग ने कहा, "लेकिन पहले हमें कुछ बात करनी है।"
"मैं तुमसे कुछ भी बात नहीं करूँगा!" फेनेल गुस्से से आग बबूला हो गया। वह क्रोध और निराशा से आग बबूला था। उसने गे और गैरी की तरफ देखा। "चलो... उसकी हिम्मत नहीं होगी हमें

रोकने की।" और वह दरवाजे की तरफ बढ़ा, हैंडल पकड़ा लेकिन दरवाजा बंद पाया। वह घूम गया और काहलेनबर्ग को घूरते हुए बोला, "यह दरवाजा खोलो वरना मैं तुम्हारी गर्दन तोड़ दूँगा!"

काहलेनबर्ग ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।

"यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है, श्रीमान सौंफ," उसने कहा और अपनी जीभ को दांतों से हल्के से चटकाया। तुरंत ही, हिंडेनबर्ग खड़ा हो गया और धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा, उसकी निगाहें सौंफ पर टिकी थीं, उसके होंठ दांतों से हटकर एक भयंकर गुर्राहट में बदल गए जिससे सौंफ पीछे हट गई। "मैं आपको यकीन दिलाता हूँ," काहलेनबर्ग ने आगे कहा, "अगर मैंने उसे एक और इशारा दिया तो मेरा पालतू जानवर आपको टुकड़े-टुकड़े कर देगा। बैठ जाओ!"

चीते से डरकर फेनेल अचानक गैरी के पास बैठ गई। "धन्यवाद," काहलेनबर्ग ने कहा, फिर आगे बोला, "बोर्जिया की अंगूठी पाने के लिए आप तीनों ने जो मेहनत की है, उसे मैं व्यर्थ नहीं जाने देना चाहता। जैसा कि मिस डेसमंड ने सही कहा है, कानूनी तौर पर यह अंगूठी मेरी नहीं है। चूंकि आप तीनों ने इतनी मेहनत करके यहाँ तक पहुँचने में बहुत उत्साह दिखाया है, इसलिए मैंने कुछ शर्तों पर आपको यह अंगूठी देने का फैसला किया है।" उसने अपनी मेज की दराज खोली और अंगूठी वाला कांच का डिब्बा निकाला। उसने डिब्बा अपनी मेज पर ऐसी जगह रख दिया जहाँ तीनों उसे देख सकें।

फेनेल ने अंगूठी को घूरकर देखा और फिर गैरी की ओर देखा।

"बस इतना ही?" और जब गैरी ने सिर हिलाया, तो फेनेल काहलेनबर्ग की ओर मुड़ा। "तुम्हारा मतलब क्या है... शर्तें?"

काहलेनबर्ग ने गे को संबोधित किया।

"मिस डेसमंड, हालांकि मैं बेहद विलासितापूर्ण जीवन जीता हूँ, हालांकि मैं बहुत व्यस्त रहता हूँ, फिर भी कई बार मैं खुद से बहुत ऊब जाता हूँ। जैसा कि आप देख रही हैं, मैं अपाहिज हूँ। मैं इस कुर्सी से बंधा हुआ हूँ। जवानी में मेरी एक ख्वाहिश शिकारी बनने की थी। सफारी पर जाने से बढ़कर मुझे और किसी चीज से संतुष्टि नहीं मिलती। लेकिन अपाहिज होने के कारण यह नामुमकिन हो पाया है और मैं मानता हूँ कि मुझे कुछ हद तक निराशा होती है। मेरे जैसे शक्तिशाली और धनी व्यक्ति के लिए किसी भी प्रकार की निराशा असहनीय है।"

"ये सब क्या बकवास है?" फेनल ने अधीरता से पूछा। "ये किन परिस्थितियों की बात कर रहे हो?"

काहलेनबर्ग ने उसे नजरअंदाज कर दिया।

"ये रही बोर्जिया की अंगूठी।" उसने कांच का डिब्बा उठाया और गे को दे दिया। "मुझे पता चला है कि जब आप शालिक को अंगूठी सौंपेंगे तो आपमें से प्रत्येक को नौ हजार डॉलर मिलेंगे।" उसने उदास मुस्कान के साथ कहा, "देखिए, मेरे पास एक बेहतरीन जासूसी प्रणाली है। नौ हजार डॉलर आपके लिए बड़ी रकम है और स्वाभाविक रूप से इससे आपको अंगूठी शालिक को सौंपने की प्रेरणा मिलेगी।"

"क्या मतलब, तुम हमें अंगूठी दे रहे हो?" फेनेल ने पूछा।

"मिस डेसमंड के पास यह पहले से ही है। अब मैं आपको एक और प्रोत्साहन देने जा रहा हूँ...

एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रोत्साहन... अंगूठी को शालिक तक पहुँचाने के लिए। लेकिन इन दोनों प्रोत्साहनों के बावजूद, आपको अंगूठी मेरी संपत्ति से बाहर निकालनी ही होगी।"
"तो बस यही बात है," फेनेल की आंखें सिकुड़ गईं। "तुम्हारे बर्बर लोग हमें रोकेंगे... क्या यही सच है?"
"अगर वे कर सकते हैं तो करेंगे। मैं एक शिकार का इंतज़ाम करने जा रहा हूँ। तुम तीनों और मिस्टर जोन्स, जो तुम्हारा इंतज़ार कर रहे हो, शिकार बनोगे और मेरे ज़ुलू शिकारी बनेंगे। तुम्हें इसे उतना ही रोमांचक खेल समझना होगा जितना मैं समझ रहा हूँ। तुम्हारे पास शिकारियों से बचने का अच्छा मौका होगा क्योंकि मैं तुम्हें तीन घंटे की बढ़त देने जा रहा हूँ। तुम यहाँ से सुबह 4 बजे निकलोगे, जब इतनी रोशनी होगी कि तुम अच्छी गति पकड़ सको और तुम्हें अच्छी गति की ज़रूरत होगी। सुबह 7 बजे मेरे ज़ुलू तुम्हारा पीछा करेंगे। उनसे बचने के लिए तुम्हारी गति और चतुराई ही सब कुछ होगी।"
"क्या तुम सच कह रहे हो?" गैरी ने पूछा।
"निश्चित रूप से मैं बहुत गंभीर हूं, जैसा कि आपको तब पता चलेगा जब आप दुर्भाग्यवश पकड़े जाएंगे।"
"मान लीजिए कि हमें पकड़ लिया गया? तब क्या होगा?"
काहलेनबर्ग ने अपना सिर झुकाया।
"श्री एडवर्ड्स, यह एक समझदारी भरा सवाल है। अगर आप पकड़े गए, तो आपको बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया जाएगा। मेरे आदमी बेहद आदिम हैं। शाका, जो कि प्रसिद्ध ज़ुलू सरदार थे, उनके ज़माने में जब वे अपने दुश्मनों को पकड़ते थे, तो उन्हें सूली पर चढ़ा देते थे। इसके लिए एक नुकीली सींक को आंत में ठोक दिया जाता था और पीड़ित को धीरे-धीरे और असहनीय पीड़ा में मरने के लिए छोड़ दिया जाता था।"
गैरी का चेहरा तनावग्रस्त हो गया।
"और अगर तुम्हारे बर्बर लोग हमें पकड़ लें तो क्या वे हमारे साथ भी ऐसा ही करेंगे?" उसने पूछा।
"हां, वे ऐसा करेंगे।"
कुछ देर की खामोशी के बाद गैरी ने कहा, "तो तुम अपनी विकृत, क्रूर कुंठा को संतुष्ट करने के लिए इस शिकार का नाटक कर रहे हो। क्या यही बात है?"
काहलेनबर्ग का चेहरा बदल गया: एक विनम्र, मृदुभाषी व्यक्ति से वह अचानक एक क्रूर, दुष्ट दिखने वाले पागल में बदल गया।
“मैं तुम्हें सबक सिखाऊंगा कि मेरी जागीर में घुसपैठ कैसे करनी चाहिए,” उसने आगे झुकते हुए गैरी को घूरते हुए कहा। “तुमने अपनी बेतुकी कहानी लेकर यहाँ आने की हिम्मत की है और अब तुम्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी!” उसने खुद पर काबू पाया और वापस बैठ गया, उसके मुँह से लगातार बातें निकल रही थीं और वह तब तक स्थिर रहा जब तक उसका गुस्सा शांत नहीं हो गया। “तुम सबको यहाँ से निकालना ज़रूरी है क्योंकि तुमने मेरा संग्रहालय देख लिया है। यह ज़रूरी है कि तुम भागने की कोशिश न करो।”
यह जानकर गैरी थोड़ा विचलित हो गया कि काहलेनबर्ग के मानसिक रूप से अस्थिर होने का

उसका विचार अब पुष्ट हो गया था, और उसने कहा, "तो फिर हमें अंगूठी क्यों दी? अपने आदमियों को बुलाकर हमें अभी क्यों नहीं मार देते?"

"मुझे यह खोज मनोरंजक लगेगी। अंगूठी तुम्हारे पास इसलिए है क्योंकि अगर तुम भागने में कामयाब हो जाते हो, तो इसे रखने का हक तुम्हारा ही है... लेकिन मैं तुम्हें यकीन दिलाता हूं, तुम्हारे भागने की संभावना बहुत कम है।"

"मान लीजिए हम आपको वचन दें कि हम किसी से बात नहीं करेंगे और रिंग आपके साथ छोड़ देंगे?" गैरी ने कहा। "क्या आप हमें हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके वहां से उड़ने की अनुमति देंगे?"

"नहीं, और अगर आप अपने हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने की सोच रहे हैं, तो मैं आपको तुरंत बता दूं कि वह पहरे में है। मेरे दस ज़ुलू सैनिक उसे घेरे हुए हैं और कल सुबह मेरा एक पायलट उसे उस कंपनी में वापस ले जाएगा जहाँ से आपने उसे किराए पर लिया था।" उसने अपनी मेज पर एक बटन दबाया और सामने वाली दीवार पर एक पैनल पीछे हट गया, जिससे जागीर और घर का नक्शा दिखाई देने लगा। मैं आपको एक उचित मौका दूंगा और अगर शिकार कुछ ही घंटों में खत्म हो गया तो मुझे निराशा होगी। मैं चाहता हूं कि यह कई दिनों तक चले। इसलिए कृपया नक्शा देखें और उसका अध्ययन करें। आप देखेंगे कि पूर्व से निकलने का रास्ता पहाड़ों की एक श्रृंखला से अवरुद्ध है। जब तक आप सभी विशेषज्ञ रॉक क्लाइंबर न हों, मैं आपको उस रास्ते से जाने की सलाह नहीं दूंगा। मैं आपको चेतावनी देता हूं कि मेरे ज़ुलू लोग इन खतरनाक ऊंचाइयों से पहाड़ की ढलान से नीचे उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ते और वे जल्दी ही आपको पकड़ लेंगे। न ही मैं दक्षिण की ओर निकलने की सलाह दूंगा। जैसा कि आप नक्शे में देख सकते हैं, वहां एक नदी है, लेकिन जो नहीं दिखाया गया है वह यह है कि नदी तक जाने वाला रास्ता दलदली भूमि है और मगरमच्छों और नेटाल के कुछ सबसे घातक सांपों से भरा हुआ है। उत्तर की ओर निकलने का रास्ता सीधा है। आप उसी रास्ते से आए थे। हालांकि, मेरे बीस ज़ुलू लोग हमेशा उस रास्ते की रखवाली करते हैं। श्री फेनेल, जब आप अंदर आए थे तो आपने उन्हें नहीं देखा था, लेकिन उन्होंने आपको और श्री जोन्स को देखा था और लगातार आपकी प्रगति की रिपोर्ट कर रहे थे। इसलिए मैं आपको उस रास्ते से न जाने की सलाह दूंगा क्योंकि हालांकि उन्होंने आपको मेरी जानकारी दी थी निर्देशों का पालन न करने पर, आप निश्चिंत रहें कि वे आपको बाहर नहीं निकलने देंगे। तो अब केवल पश्चिम की ओर का रास्ता ही बचा है। यह आसान नहीं है, लेकिन संभव है। वहाँ आपको पानी नहीं मिलेगा, लेकिन एक अच्छा जंगल का रास्ता है जो अंततः मेनविले जाने वाले मुख्य राजमार्ग तक जाता है। यह लगभग एक सौ बीस किलोमीटर है और आपको जल्दी करनी होगी। एक ज़ुलू आसानी से तेज़ दौड़ते घोड़े के साथ चल सकता है, लेकिन आपके पास शुरुआत के लिए तीन घंटे का समय है।" काहलेनबर्ग ने अपनी घड़ी देखी। "मेरे सोने का समय हो गया है। कृपया अतिथि कक्ष में लौटें और थोड़ा आराम करें। सुबह 4 बजे आपको छोड़ दिया जाएगा। मैं आपको फिर से सलाह देता हूँ कि जितनी जल्दी हो सके चलें।" उन्होंने अपनी मेज पर एक बटन दबाया और दरवाजे खुल गए। इंतज़ार कर रहे चार ज़ुलू अंदर आ गए।

"कृपया इन आदमियों के साथ जाइए," काहलेनबर्ग ने आगे कहा। "एक पुरानी अफ्रीकी कहावत

है जिसे आप सभी को याद रखना चाहिए। वह यह है कि गिद्ध एक धैर्यवान पक्षी है। व्यक्तिगत रूप से, मैं अपने किसी ज़ुलू साथी की बजाय एक गिद्ध को पसंद करूंगा। शुभ रात्रि।"
अतिथि कक्ष में वापस आकर और जब फेनेल ने दरवाजा बंद किया, तो गैरी ने कहा, "वह एक मनोरोगी है। उसे देखते ही मुझे उसके बारे में कुछ आभास हो गया था। क्या आपको लगता है कि वह ज़ुलुओं के बारे में झूठ बोल रहा है?"
"नहीं।" गे ने कंपकंपी को दबाते हुए कहा। "वह एक क्रूर और विकृत मानसिकता वाला व्यक्ति है। जब उसने मुखौटा हटाया तो उसके चेहरे का हावभाव देखो! चलो अब चलते हैं, गैरी। उन्हें लगता है कि छत के दरवाजे बंद हैं। अगर हम अभी निकल जाएं तो हमें सात घंटे का समय मिल सकता है।"
गैरी छत के दरवाजों तक गया और उन्हें खोला। वह थोड़ी देर रुका, फिर पीछे हटकर दरवाजे बंद कर दिए।
"वे पहले से ही वहां मौजूद हैं... इंतजार कर रहे हैं।"
गेय उसके पास गई और शीशे से झाँका। उसे ज़ुलू लोगों का एक अर्धवृत्त दिखाई दिया जो उसके सामने उकड़ू बैठे थे: चाँदनी उनकी भालों पर चमक रही थी, उनके शुतुरमुर्ग के पंख हल्की हवा में लहरा रहे थे। भयभीत होकर वह दरवाज़ों से दूर हट गई और बैठ गई।
"हम क्या करने वाले हैं, गैरी?"
"क्या तुम पहाड़ों पर चढ़ने में माहिर हो?" गैरी ने उसके पास आकर बैठते हुए पूछा।
मुझे ऐसा नहीं लगता... मैंने कभी कोशिश नहीं की।
"पहाड़ों को काट कर हटा दो," फेनेल ने अपनी बांह के पिछले हिस्से से अपना चेहरा पोंछते हुए कहा। "मुझे ऊंचाई से डर लगता है।"
"हमें केन से सलाह लेनी होगी। हमें थेम्बा को लेने के लिए उत्तर की ओर जाना होगा। उसके बिना हम बाहर नहीं निकल पाएंगे।"
"बिल्कुल सही," फेनेल ने कहा। "केन का कहना है कि उस आदमी के दिमाग में एक कंपास है। वह हमें इस मुसीबत से बाहर निकाल लेगा।"
"चलो एक ड्रिंक लेते हैं।" गैरी उठ खड़ा हुआ और बार की ओर चला गया। "क्या लोगे, गे?"
"अभी इस समय कुछ भी उपलब्ध नहीं है।"
"ल्यू?"
"स्कॉच।"
जब गैरी ड्रिंक्स मिला रहा था, उसने पूछा, "क्या केन के पास स्प्रिंगफील्ड है?"
"नहीं। हमने इसे थेम्बा के पास छोड़ दिया था।"
"हमें इसकी जरूरत पड़ सकती है।"
"हाँ। हम केन को साथ ले लेंगे और फिर सीधे वहीं जाएंगे जहाँ हमने थेम्बा को छोड़ा था। उसके पास न सिर्फ राइफल है, बल्कि अतिरिक्त पानी और ज़्यादातर खाना भी है। अगर हमें पूरा रास्ता पैदल चलना पड़ा, तो हमें तीन या चार दिन भी लग सकते हैं।"
गैरी ने देखा कि गेय डिब्बे के शीशे से अंगूठी को देख रही थी। वह भी उसके पास गया और

उसके कंधे के ऊपर से देखने लगा।
उन्होंने कहा, "इसे निकालो और पहन लो। वह डिब्बा ले जाने में असुविधाजनक है और टूट भी सकता है। अंगूठी डिब्बे में रखने की तुलना में तुम्हारे हाथ में ज्यादा सुरक्षित रहेगी।"
"अगर इसे कोई पहनने वाला है, तो वह मैं ही होऊंगा," फेनेल ने अपना पेय नीचे रखते हुए कहा।
"उसने इसे पहना हुआ है," गैरी ने धीमी आवाज़ में कहा। "मुझे उस पर भरोसा है, लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि मुझे तुम पर भरोसा है।"
सौंफ ने उसे घूरकर देखा, लेकिन गैरी की स्थिर निगाहों ने उसे झिझकने पर मजबूर कर दिया। आखिरकार, वह बेमन से बैठ गया और अपना गिलास उठाकर उसे पूरा पी गया। ठीक है, कमीने, उसने मन ही मन सोचा। मैं तुम्हें सबक सिखाऊंगा।
जब मैं उसे ठीक कर दूँगी।
गे ने अंगूठी को डिब्बे से बाहर निकाला।
"हीरे तो बहुत प्यारे हैं, पर अंगूठी इतनी खूबसूरत नहीं है, है ना?" उसने अपने दाहिने हाथ की तीसरी उंगली पर अंगूठी पहनकर देखी, लेकिन वह बहुत ढीली थी। "हाँ, मैं भूल ही गई थी... ये तो मर्दों की अंगूठी है।" उसने उसे अपने अंगूठे पर पहना लिया। "ये ठीक है। थोड़ी अटपटी है, पर उतरेगी नहीं।"
गैरी ने अपनी घड़ी देखी। समय 2 बज रहा था।
"जाओ और लेट जाओ, गे। मैं अपने कमरे में जा रहा हूँ। हमें जितना हो सके आराम चाहिए। हमें नहीं पता कि अगली नींद कब आएगी।"
उसने उसे अपने कमरे में जाते हुए देखा, फिर वह सौंफ को नजरअंदाज करते हुए अपने कमरे में चला गया।
फेनल सोफे पर लेट गया। उसे पता था कि उसे नींद नहीं आएगी। गे के बारे में सोचते ही उसकी सारी इच्छा और निराशा फिर से जाग उठी।
अगर उसे उसका पीछा करते हुए इंग्लैंड वापस जाना पड़ा, तो उसने मन ही मन सोचा, वह उससे बदला ज़रूर लेगा। उसे उम्मीद थी कि मेनविले लौटते समय उसे सबक सिखाने का मौका मिल जाएगा, लेकिन अगर उन्हें ज़ुलुओं से पीछा छुड़ाना था, तो उन्हें आगे बढ़ते रहना होगा। फेनल बेचैनी से हिलने लगा। ज़ुलुओं के झुंड द्वारा पीछा किए जाने के ख्याल से उसका मुंह सूख गया।
सुबह 4 बजे से कुछ ही पहले, गे ढोल की आवाज़ से जाग उठी। वह उठ बैठी, अपने पैर ज़मीन पर रखे और सुनने लगी।
पास ही में, उसे ढोल की लयबद्ध ध्वनि किसी धड़कन की तरह सुनाई दे रही थी। उसने जल्दी से अपनी घड़ी देखी और पाया कि घंटे बजने में दो मिनट बाकी थे। उसने अपना बैग उठाया और बैठक में चली गई।
गैरी और फेनेल टेरेस के दरवाजों के पास खड़े थे।
एक विशालकाय ज़ुलू व्यक्ति चबूतरे के पार आया और उन्हें इशारा किया। तेंदुए की खाल और शुतुरमुर्ग के पंखों से सुसज्जित वह व्यक्ति भव्य और आकर्षक लग रहा था।
"चलिए शुरू करते हैं," गैरी ने कहा और टेरेस के दरवाजे खोल दिए।

अब ढोल की थाप बहुत तेज़ हो गई थी। लगभग तीस ज़ुलुओं की एक पंक्ति तेंदुए की खाल से ढके चमकदार काले शरीरों की दीवार जैसी लग रही थी। ढोल की थाप पर थिरकते और पैर पटकते हुए उनके सिर पर शुतुरमुर्ग के पंखों से बने मुकुट लहरा रहे थे। वे भैंस की खाल से बनी लंबी और पतली ढालें लिए हुए थे और अपने बाएं हाथों में छह भाले पकड़े हुए झुकते, सीधे होते, थिरकते और पैर पटकते हुए चल रहे थे। उनका दृश्य भयावह और विस्मयकारी था।

अकेले ज़ुलू ने एक क्रूर इशारा किया, पहले तीनों की ओर और फिर दूर जंगल की ओर अपनी असिगाई को झटका दिया।

दोनों व्यक्तियों ने अपने-अपने बैग कंधों पर टांगे और गे को अपने बीच में लेकर छत पर चले गए।

उन्हें देखते ही नाचते हुए पुरुषों ने एक ज़ोरदार, क्रूर गुर्राहट निकाली जिससे गे का दिल तेजी से धड़कने लगा। ढोल की थाप तेज हो गई।

वे तेजी से लॉन पार करते हुए आगे बढ़ रहे थे, उनका ध्यान ज़ुलुओं की ओर नहीं था। गे को खुद को रोकना पड़ा ताकि वह भाग न जाए। वे चलते रहे और कुछ ही मिनटों में वे जंगल में पहुँच गए।

"ये तो देखने में अच्छे लग रहे हैं," गैरी ने कहा। "ये वही लड़के हैं जो हमारा पीछा कर रहे हैं। केन कहाँ है?"

सौंफ नुकीली।

"ऊपर वह संतुलन बनाने वाली चट्टान दिख रही है? वह वहीं है।" उसने अपना हाथ मुंह पर रखकर चिल्लाया, "केन! जल्दी नीचे आ जाओ!" फिर उसने अपनी टॉर्च निकाली, उसे जलाया और लहराने लगा। चट्टान से एक रोशनी वापस आई और उन्होंने केन को चिल्लाते हुए सुना, "मैं आ रहा हूँ। अपनी टॉर्च जलाए रखना।"

पांच मिनट बाद, वह भी उनके साथ शामिल हो गया।

"क्या तुम्हें मिल गया? मुझे लगा था कि तुम हवाई अड्डे जा रहे हो।"

"हमें मिल गया!" फेनेल ने कहा। "हमें जल्दी से थेम्बा पहुंचना होगा। हेलीकॉप्टर रवाना हो गया है। चलो, मैं तुम्हें रास्ते में सब कुछ बताता रहूंगा।"

केन ने उसे गौर से देखा।

"मुश्किल?"

मैं कहूंगा... चलो चलें!

केन ने अपने बगल में बैठी सौंफ के साथ बातचीत शुरू की। गैरी और गे एक साथ रहे।

जब केन को स्थिति समझ में आई, तो उसने अपनी गति बढ़ा दी।

"क्या तुम्हें सच में लगता है कि वे हमारे पीछे आएंगे?"

"मुझे पूरा यकीन है। राइफल मिल जाने के बाद मुझे इतनी चिंता नहीं होगी," फेनेल ने कहा। "अगर वे हमें पकड़ने की कोशिश करते हैं, तो हम उन पर घात लगा सकते हैं, लेकिन राइफल के बिना हम बहुत बड़ी मुसीबत में पड़ जाएंगे।"

जैसे ही वे जंगल के रास्ते पर तेज़ी से आगे बढ़े, गैरी ज़ुलुओं से बचने के सबसे अच्छे तरीके के

बारे में सोच रहा था। अगर वे पश्चिम से निकलने का रास्ता लेते, जिसके बारे में काहलेनबर्ग ने कहा था कि वह अपेक्षाकृत आसान है, तो यह उनके और ज़ुलुओं के बीच एक दौड़ में बदल जाता, जो सरपट दौड़ते घोड़े की गति से चल सकते थे। पूर्वी रास्ता तो संभव ही नहीं था। उनमें से किसी को भी पहाड़ चढ़ने का अनुभव नहीं था, जबकि काहलेनबर्ग के अनुसार, ज़ुलुओं को इसका अनुभव था। उत्तरी रास्ता बहुत खतरनाक था। गैरी को पूरा यकीन था कि काहलेनबर्ग ने जब कहा था कि उसने वहाँ पहले से ही अपने आदमी तैनात कर रखे हैं, तो वह सच कह रहा था। अब बचा था दक्षिणी रास्ता... दलदल और मगरमच्छों से भरा हुआ, और शायद यह आखिरी रास्ता था जिसके बारे में ज़ुलुओं ने सोचा होगा कि वे कोशिश करेंगे।

लगभग चालीस मिनट में वे उस खुले मैदान में पहुँच गए जहाँ उन्होंने थेम्बा को छोड़ा था। केन और फेनेल को संतुलन वाली चट्टान तक पहुँचने में जितना समय लगा था, उससे बीस मिनट कम। वे सभी थोड़े हाँफ रहे थे और थोड़े घबराए हुए भी थे।

"वो पेड़ वहीं है," केन ने इशारा करते हुए कहा।

"पक्का? वह वहाँ नहीं है।" भोर की धुंधली रोशनी में फेनेल खुले मैदान में दूर तक देखती रही।

"आशा!" केन चिल्लाया। "आशा!"

वहाँ के सन्नाटे ने उन्हें कंपकंपा दिया। केन दौड़ पड़ा। बाकी लोग भी उसके पीछे-पीछे भागे।

पेड़ के पास पहुँचकर केन रुक गया। वह जानता था कि यही वह पेड़ है जिसके नीचे उन्होंने थेम्बा को छोड़ा था। उसने न केवल उस बौने कंटीले झाड़ी को पहचान लिया जिसे उसने फेनेल के साथ जाते समय देखा था, बल्कि पेड़ के पास लकड़ियों का ढेर भी लगा था। इसी पेड़ के नीचे उनका पानी का जार, खाने का थैला और स्प्रिंगफील्ड राइफल रखी थी। इनमें से किसी भी चीज़ का कोई निशान नहीं था। "वह कमीना हमारा सामान लेकर भाग गया!" फेनेल गुस्से से बोली। "वह ऐसा नहीं करेगा। उसके साथ कुछ हुआ है।"

गैरी ने ही अपने दाहिनी ओर दूर स्थित कब्र को देखा था।

"यह क्या है?"

उन्होंने ताजा खोदी गई मिट्टी के ढेर को देखा और एक साथ आगे बढ़ते हुए उसकी ओर बढ़े।

इसलिए इस बात में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि मिट्टी के नीचे क्या था, उसके ऊपर थेम्बा की ऑस्ट्रेलियाई झाड़ी वाली टोपी रखी हुई थी।

केन को सबसे पहले इस बात का एहसास हुआ कि क्या हुआ था।

"उन्होंने उसे मार डाला, और वे खाना, पानी और राइफल ले गए हैं," उसने भारी आवाज में कहा।

कुछ देर तक वे सभी कब्र को टकटकी लगाकर देखते रहे।

खुद को संभालते हुए गैरी ने कहा, "ठीक है, अब हमें पता चल गया है कि क्या होने वाला है। हमें चलना होगा। देखो, केन, फेनेल ने तुम्हें चारों निकासों के बारे में बताया है। मैं दक्षिण की ओर जाने का विकल्प चुन रहा हूँ। वे उम्मीद करेंगे कि हम पश्चिमी निकास से जाएँगे। अगर किस्मत अच्छी रही, तो दक्षिण की ओर दलदल से होकर जाने पर वे हमारा पीछा नहीं कर पाएँगे। तुम्हारा क्या ख्याल है?"

"यह इस बात पर निर्भर करता है कि दलदल कितने खराब हैं। वे बेहद खतरनाक हो सकते हैं,

और वह मगरमच्छों का इलाका है।"
फिर भी, मुझे लगता है कि यही हमारा सबसे अच्छा विकल्प है। क्या आपके पास कंपास है?
केन ने अपनी जेब से एक छोटा सा कंपास निकाला।
"मैं एक कुशल नाविक हूँ," गैरी ने आगे कहा। "क्या आप चाहते हैं कि मैं आगे चलूँ या आप खुद आगे चलें?"
"तुम ही कर लो। मैंने हमेशा थेम्बा पर भरोसा किया है।"
"तो फिर हम दक्षिण की ओर चलते हैं।" गैरी ने कंपास को स्थिर किया और दिशा का पता लगाया। "चलो चलते हैं।"
वह गे के साथ एक रास्ते पर चलने लगा। फेनेल और केन उसके पीछे-पीछे चल रहे थे।
उनमें से किसी ने कुछ नहीं कहा। थेम्बा की मौत ने उन सभी को गहरा सदमा पहुँचाया था। उन पर मंडरा रहे खतरे का उन्हें स्पष्ट अहसास हो गया था।
वे तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे। अब समय 4:50 बज रहा था। दो घंटे से कुछ अधिक समय में ज़ुलू लोग उनका पीछा कर रहे होंगे।
वे लगभग बीस मिनट से चल रहे थे जब गैरी रुका और उसने कंपास में कंपास की जांच की।
"यह रास्ता पश्चिम की ओर मुड़ने लगा है," उसने कहा, तभी बाकी दो लोग भी आ गए। "हमें इसे छोड़कर जंगल से होकर जाना होगा।"
उन्होंने ऊंची, उलझी हुई घास, कांटेदार झाड़ियों और पेड़ों को देखा।
"इससे हमारी गति बहुत धीमी हो जाएगी," फेनेल ने शिकायत की।
"कोई चारा नहीं है। हमें दक्षिण की ओर ही जाना होगा और दक्षिण की ओर जाने का यही रास्ता है।"
"मैं आपको डराना नहीं चाहता," केन ने धीरे से कहा, "लेकिन यह सांपों का इलाका है। सावधान रहना।"
गे ने गैरी की बांह को कसकर पकड़ लिया।
"चिंता मत करो," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "मैं तुम्हारा ख्याल रखूंगा। चलो चलते हैं।"
वे घनी, उलझी हुई घास में मेहनत करते हुए आगे बढ़ने लगे, पेड़ों के चारों ओर टेढ़े-मेढ़े रास्ते बनाते हुए, ऊपर उड़ते बंदरों की चहचहाहट से अवगत थे।
गैरी लगातार कंपास देख रहा था। काहलेनबर्ग की बातों के दौरान गैरी दीवार पर लगे नक्शे का अध्ययन कर रहा था। उसे एहसास हुआ कि नदी ही उनकी मुक्ति का मार्ग हो सकती है, क्योंकि उसे याद आया कि जब वह जागीर के ऊपर से उड़ रहा था, तो उसने दूर नदी देखी थी और उसके दक्षिण में एक छोटा सा कस्बा भी दिखाई दिया था। अब नदी उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थी क्योंकि उनके पास पानी नहीं था।
लेकिन वह इस बात से भी अवगत था कि जंगल में प्रवेश करने के बाद से उनकी गति धीमी हो गई थी और उसे पूरा यकीन था कि ज़ुलू लोगों को इस तरह के क्षेत्र को तय करने में उतनी कठिनाई नहीं होगी जितनी उन्हें अभी हो रही थी।
लगभग तीन किलोमीटर चलने के बाद, वे एक और जंगल के रास्ते पर आ गए जो सीधे दक्षिण

की ओर जाता था।
"तुम कैसी हो?" गैरी ने अपनी चाल तेज करते हुए पूछा, और गे का हाथ पकड़कर उसे अपने साथ खींचने लगा।
मैं ठीक हूँ, लेकिन काश हमें पता होता कि हमें अभी कितना लंबा रास्ता तय करना है।
"मुझे नहीं लगता कि यह बहुत दूर है... एस्टेट से बाहर निकलने से पहले लगभग बीस किलोमीटर। मैंने उस दीवार पर लगे नक्शे का अध्ययन किया है। यह काहलेनबर्ग की सीमा से निकलने का सबसे नज़दीकी रास्ता है।"
फेनेल अपने औजारों से भरे थैले के वजन के कारण धीमी गति से पीछे-पीछे चल रहा था और उसे चलने में कठिनाई हो रही थी।
"मैं इसे थोड़ी देर के लिए उठा लेता हूँ," केन ने सौंफ को थकते देख कहा। सौंफ रुक गई और गुस्से से थैले को देखने लगी।
"नहीं, तुम नहीं ले जाओगे! मैं इस घटिया चीज़ से तंग आ चुका हूँ। अगर हम इसे ढोते रहे तो हम कभी कहीं नहीं पहुँच पाएँगे। ठीक है, इसमें मेरा पैसा खर्च हो गया, लेकिन अगर हम यहाँ से निकल गए तो मैं एक नया किट खरीद सकता हूँ। अगर हम नहीं निकले, तो मुझे इसकी ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी। भाड़ में जाए यह सब।" उसने औजारों का थैला जंगल में दूर फेंक दिया।
"मैं इसे ले जाता," केन ने कहा।
सौंफ ने टेढ़ी मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा।
"मुझे पता है और धन्यवाद। इससे छुटकारा पाकर मुझे खुशी है।"
वे बाहर निकले और जल्द ही बाकी दोनों के साथ मिल गए। फिर अचानक रास्ता एक बड़े कीचड़ भरे गड्ढे में जाकर खत्म हो गया।
"यहीं से दलदल शुरू होता है," केन ने कहा। "जो बारिश हुई है, उससे हालात खराब हो सकते हैं।"
वे पगडंडी छोड़कर जंगल में चले गए। ज़मीन उनके पैरों के नीचे नरम लग रही थी, लेकिन वे आगे बढ़ते रहे। थोड़ी देर बाद, ज़मीन उनके भार से धंसने लगी और चलना मुश्किल हो गया।
अब तक सूरज निकल चुका था और उन्हें उमस भरी गर्मी महसूस होने लगी थी। गैरी लगातार कंपास देख रहा था। जब ज़मीन बहुत गीली हो जाती, तो उन्हें उसके चारों ओर से रास्ता ढूंढना पड़ता और फिर कंपास की दिशा में वापस आना पड़ता। सड़ती हुई खाद की गंध, सूरज के पेड़ों के ऊपर चढ़ने के साथ लगातार बढ़ती उमस भरी गर्मी और फिसलन भरी दलदली ज़मीन के कारण आगे बढ़ना धीमा और कष्टदायक हो गया था।
वे लगातार आगे बढ़ते रहे, उनकी निगाहें जमीन पर सांपों की तलाश करती रहीं।
केन ने अचानक कहा, "वे रास्ते में हैं।"
गैरी ने अपनी घड़ी देखी। ठीक 7 बज रहे थे। उन सभी ने थोड़ी घबराहट के साथ अपनी गति बढ़ा दी, लेकिन यह तेजी ज्यादा देर तक नहीं टिकी: रास्ता बहुत कठिन था।
केन ने अचानक कहा, "मुझे पानी की गंध आ रही है। नदी ज्यादा दूर नहीं है।"
दस मिनट बाद, वे पेड़ों की छाया से निकलकर एक चौड़े, फिसलन भरे किनारे पर आ गए जो

नीचे एक भूरे रंग की धारा की ओर जाता था, जिसकी चौड़ाई बीस मीटर से अधिक नहीं थी।
"अगर हम पार कर पाए तो यही हमारी दिशा होगी," गैरी ने कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि यह गहरा है?"
"हो सकता है।" केन उसके पास गया और पानी का जायज़ा लिया। "दूरी तो कुछ भी नहीं है... बस उस गंदे पानी में भीगने का झंझट है। मैं देखता हूँ।" उसने अपने जूते और कमीज़ उतारे, कीचड़ में पैर रखते हुए आगे बढ़ा और एक पेड़ की शाखा पकड़कर रुके हुए पानी में पैर से तल खोजने लगा।
"यह गहरा है। हमें तैरना पड़ेगा।" उसने खुद को पानी में छोड़ दिया, फिर एक ज़ोरदार, बांह के बल तैरते हुए नदी के दूसरे किनारे की ओर चल पड़ा।
यह सब इतनी जल्दी हुआ कि उसे देख रहे बाकी तीनों को अपनी आँखों पर विश्वास ही नहीं हुआ। सामने वाले किनारे पर घनी घास में अचानक कुछ हलचल हुई। हरे और भूरे रंग के पेड़ के तने जैसी कोई चीज़ केन के पास पानी में तेज़ी से चमकी। एक भयानक दिखने वाली खुरदरी थूथन कुछ पल के लिए दिखाई दी। केन चीख पड़ा और उसने अपने हाथ ऊपर उठा लिए।
फिर वह और मगरमच्छ पानी के नीचे गायब हो गए, जो अशांत हो गया और तेजी से बदबूदार भूरे पानी के झागदार भंवर में बदल गया, जो भयानक रूप से लाल रंग से रंगा हुआ था।

अध्याय नौ

दोपहर होते ही बारिश शुरू हो गई। पिछले दो घंटों से घने, काले बादल धीरे-धीरे घिरते जा रहे थे, जिससे आसमान काला हो गया था और चिलचिलाती धूप भी छिप गई थी। शांत बहती नदी के किनारे गर्मी असहनीय होती जा रही थी। तभी अचानक बारिश ऐसे बरसी मानो आसमान फट गया हो और गर्म पानी की मूसलाधार बौछार हुई, जिसने तीनों को पल भर में पूरी तरह भिगो दिया। बारिश इतनी तेज थी कि पानी की तेज धार से उनकी आंखें चौंधिया गईं और वे भाप से भरी धुंध में घिर गए।

गे का हाथ पकड़कर गैरी जंगल में भागा और एक विशाल बाओबाब पेड़ की आड़ में रुक गया, जिसकी घनी पत्तियां उसे एक रिसती हुई सी पनाह दे रही थीं।

बड़बड़ाते और गालियां देते हुए, सौंफ भी उनके साथ शामिल हो गई। वे पेड़ से पीठ टिकाकर बैठ गए और चुपचाप उफनती नदी को निहारने लगे।

चार घंटे तक उनमें से कोई नहीं बोला था। केन की भयानक मौत के सदमे ने उन्हें सन्नाटे में डाल दिया था। हालाँकि वे उसे ज़्यादा समय से नहीं जानते थे, फिर भी वे सभी उसे पसंद करते थे क्योंकि उसमें नापसंद करने लायक कुछ भी नहीं था। उन्हें सबसे ज़्यादा सदमा उसकी अचानक और अप्रत्याशित मौत से लगा था।

गे को पूरा यकीन था कि वह भयानक दृश्य अब उसके मन में हमेशा के लिए छप चुका था। केन का भयभीत चेहरा, मगरमच्छ के दांतों से उसकी टांग कुचलते समय उसकी चीख और उस भयानक, खुरदरी थूथन की एक झलक, ये सब भविष्य के बुरे सपनों के तत्व बन गए थे।

गैरी को भी गहरा सदमा लगा था, लेकिन वह गे और फेनेल की तुलना में मानसिक रूप से कहीं अधिक मजबूत था। जब उसने केन को गायब होते देखा और झागदार पानी पर खून देखा, तो वह समझ गया कि वह उसकी मदद करने के लिए कुछ नहीं कर सकता। दूसरों और खुद के प्रति उसका कर्तव्य था कि वह आगे बढ़ता रहे, क्योंकि वह जानता था कि वे एक पल भी बर्बाद नहीं कर सकते, क्योंकि उन्हें काहलेनबर्ग की धमकी का डर सता रहा था कि पकड़े जाने पर उन्हें सूली पर चढ़ा दिया जाएगा, और उसकी कल्पना शक्ति इतनी थी कि वह जानता था कि ऐसी मौत केन की मौत से कहीं अधिक भयानक होगी। इसलिए गे का हाथ पकड़कर, उसकी सिसकियों को अनसुना करते हुए, वह उसे घटनास्थल से खींचकर जंगल में ले गया। वह तब तक चलता रहा जब तक कि आखिरकार गे ने खुद को संभाला, सिसकना बंद किया और उसके साथ एक ज़ॉम्बी की तरह चलने लगी।

शायद उन तीनों में से फेनल सबसे ज़्यादा प्रभावित था। वह केन की प्रशंसा करने लगा था। संकरे रास्ते पर लैंड रोवर वाली घटना ने उसे बहुत प्रभावित किया था। वह जानता था कि उसमें ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। केबल के सिरे पर लटकते हुए केन की शांति ने फेनल की सारी दुश्मनी मिटा दी थी। केन की मौत ने अब उसे बुरी तरह गुस्से में डाल दिया था, और वह एक उदास,

हिंसक मानसिकता में डूबा हुआ था। यह कमीना एडवर्ड्स पहले नदी में क्यों नहीं कूद गया? वह और उसकी रखैल केन की कीमत के दसवें हिस्से के भी बराबर नहीं थे। उसने अपनी छोटी, चमकती आँखों के कोनों से उन्हें देखा। गैरी ने गे के कंधे पर हाथ रखा हुआ था और फेनल के सिर में खून का एक तेज़, उग्र प्रवाह दौड़ गया। खैर, मैं उन्हें सबक सिखाऊंगा, उसने सोचा। कोई मुझे उस कमीनी की तरह धक्का नहीं दे सकता, बिना कीमत चुकाए।

गैरी धीरे-धीरे गे से बात कर रहा था।

"यह बारिश सौभाग्य की बात है। इससे हमारे पदचिह्न मिट जाएंगे। मैं इसी के लिए प्रार्थना कर रहा था। इस तूफान के बाद वे हमारा पता नहीं लगा पाएंगे।"

गे ने उसका हाथ कसकर पकड़ लिया। वह अभी भी इतनी सदमे में थी कि कुछ बोल नहीं पा रही थी।

लगभग दस मिनट बाद बारिश धीमी पड़ने लगी।

“हमें चलना होगा,” गैरी ने उठते हुए कहा। “हमें नदी पार करनी है।” उसने फेनेल की ओर मुड़कर पूछा, “क्या हम एक बेड़ा बना सकते हैं?”

"मैंने अपना औजारों का किट फेंक दिया है," फेनेल ने उससे कहा, "हम बिना औजारों के बेड़ा कैसे बना सकते हैं?"

गैरी नदी के किनारे तक गया। नदी का दूसरा किनारा घनी ऊँची घास और झाड़ियों से भरा था। क्या किनारे पर और भी मगरमच्छ छिपे हुए थे, नज़रों से ओझल होकर उनका इंतज़ार कर रहे थे? केन के साथ जो हुआ था, उसके बाद उसने नदी पार करने का जोखिम बहुत ज़्यादा समझ लिया। उसने नदी में आगे बढ़ने का फैसला किया, इस उम्मीद में कि शायद उन्हें कोई खुला इलाका मिल जाए जहाँ मगरमच्छ खुद को छिपा न सकें।

"आगे बढ़ने से पहले, चलो खाना खा लेते हैं," उसने कहा और केन का बैग खोलकर उसमें से बीफ़ स्टू का एक डिब्बा निकाला। "हम इसे हम तीनों आपस में बाँट लेंगे।"

"मुझे भूख नहीं है... मुझे कुछ नहीं चाहिए," गे ने बेरुखी से कहा।

"तुम्हें खाना होगा!" गैरी ने तीखे स्वर में कहा। "अब चलो।"

"नहीं... मुझे अकेला छोड़ दो।"

गैरी ने उसे गौर से देखा। उसका पीला पड़ा हुआ चेहरा, धंसी हुई आंखें, उसे चिंतित करने लगीं।

"तुम ठीक हो?"

मुझे सिरदर्द हो रहा है। खाने के बारे में सोचते ही मेरी तबीयत खराब हो जाती है... बस मुझे अकेला छोड़ दो।

क्या यह सदमा था? उसने खुद से पूछा। या वह बीमार थी? यह सोचकर वह सहम गया। इस समय बीमार पड़ना एक बड़ी मुसीबत होगी।

खाना खत्म होने पर दोनों आदमी खड़े हो गए। गैरी, गे के पास गया और उसके कंधे पर हल्के से हाथ रखा। उसने अपनी आँखें खोलीं, और उसकी आँखों में उदासी और निराशा देखकर गैरी को फिर से चिंता हुई। वह धीरे-धीरे खड़ी हुई।

"क्या तुम बीमार तो नहीं हो, गे?" उसने पूछा।

"नहीं।"
"चलो!" फेनल भौंकते हुए बोली। "अगर तुम नहीं जाओगे तो मैं भी जाना चाहती हूँ!"
गैरी, गे के बगल में चलने लगा। वह बेजान सी चल रही थी और उसके कदमों में फुर्ती नहीं बची थी। उसने उसका हाथ पकड़ लिया।
"चिंता मत करो!" उसने दूर हटने की कोशिश की। "मैं ठीक हूँ। बस सिरदर्द हो रहा है।"
उसने उसे पकड़े रखा और आगे बढ़ता रहा, लेकिन वे उस गति से नहीं चल रहे थे जिस गति से वे पहले चल रहे थे।
"भगवान के लिए, जल्दी चलो!" फेनल अचानक चिल्लाई। "तुम दोनों यहाँ किसलिए मंडरा रहे हो?"
गे ने कोशिश की और अपनी गति बढ़ा दी। वे चलते रहे, लेकिन कुछ किलोमीटर बाद, वह फिर से पिछड़ने लगी और गैरी को उसे आगे बढ़ाने के लिए मजबूर करना पड़ा। अब वह सचमुच चिंतित था। ऐसा लग रहा था जैसे वह नींद में चल रही हो, एक-एक पैर घसीटते हुए।
"तुम्हारी तबीयत ठीक नहीं लग रही है, है ना?" उसने आखिर में कहा। "क्या बात है?"
"मेरा सिर ऐसा लग रहा है जैसे फट जाएगा... शायद सूरज की वजह से।"
"चलिए थोड़ी देर आराम करते हैं।"
"नहीं... मैं संभाल लूंगा। बस ज्यादा परेशान मत हो।"
तीन किलोमीटर और चलने पर वे उस जगह पर पहुँच गए जहाँ गैरी को उम्मीद थी। नदी के दोनों ओर फैला जंगल दूर तक फैला हुआ था, और उनके सामने कहीं भी कोई छाया नहीं थी।
"यहीं से हमें नदी पार करनी है," गैरी ने कहा। उसने तेज़ी से बहती नदी पर नज़र डाली। "क्या तुम्हें लगता है कि तुम पार कर पाओगी, गे?"
"हां, अगर तुम मेरे पास रहो।"
सौंफ नदी के किनारे तक आई और संदेह भरी नजरों से पानी का जायजा लेने लगी।
"क्या तुम पहले जाओगे?" उसने गैरी से पूछा।
“ज्यादा उत्साहित मत हो... यह काफी सुरक्षित है और ज्यादा दूर भी नहीं है,” गैरी ने संक्षिप्त लहजे में कहा। वह गे को छाया में ले गया। “बैठ जाओ। मैं किसी पेड़ की शाखा ढूंढकर अपना सामान सुखाना चाहता हूँ।”
गैरी के जंगल की ओर चले जाने पर वह नीचे बैठ गई।
फेनेल ने उसे घूरकर देखा, यह सोचते हुए कि अब उसका सारा आकर्षण खत्म हो चुका है।
"तुम्हें आखिर क्या हो गया है?" उसने उसके ऊपर खड़े होकर पूछा।
उसने अपना सिर अपने हाथों में रख लिया।
मुझे अकेला छोड़ दो।
"क्या आप बीमार हैं?"
मुझे सिरदर्द हो रहा है... मुझे अकेला छोड़ दो।
बोरगिया की अंगूठी के हीरों पर सूरज की रोशनी पड़ रही थी, जिससे वे जगमगा रहे थे। सौंफ ने अंगूठी को ध्यान से देखा।

"मुझे अंगूठी दे दो। मैं नहीं चाहती कि यह खो जाए। चलो, मुझे दे दो!"
"नहीं!"
गैरी जंगल से बाहर आया और अपने पीछे पत्तों से ढकी एक लंबी शाखा को घसीटता हुआ ले जा रहा था।
कुछ बुदबुदाते हुए, फेनेल गे से दूर चला गया।
गैरी को बैग और जूतों को शाखा से बांधने में कुछ ही मिनट लगे।
"चलो चलते हैं," उसने गे से कहा। "शाखा को पकड़ लो। मैं इसे धक्का देकर गिरा दूंगा।"
फेनेल बेचैनी से उन्हें पानी में उतरते हुए देखता रहा। उसने मगरमच्छ दिखने की उम्मीद में सामने वाले किनारे पर ऊपर-नीचे देखा, लेकिन कुछ नहीं दिखा। कुछ ही मिनटों में वे दूसरी तरफ पहुँच गए, और जब उसने देखा कि गे कीचड़ वाले किनारे पर औंधे मुँह गिर पड़ी है, तो उसकी आँखें सिकुड़ गईं। वह पानी में उतरा और घबराकर तेज़ी से दूसरी तरफ तैरने लगा।
गैरी ने गे को पलटा और उसके ऊपर घुटनों के बल बैठकर, उसके पीले पड़े चेहरे को चिंता से देख रहा था। वह बेहोश लग रही थी। उसके शरीर से पानी बह रहा था, तभी सौंफ ऊपर उठी।
"क्या बात है?" उसने रूखेपन से पूछा।
“वह बीमार है।” गैरी ने बेहोश लड़की को उठाया और उसे कीचड़ भरे मैदान से होते हुए एक पेड़ की छाँव में ले गया। उसने उसे सड़ी हुई पत्तियों के ढेर पर लिटा दिया। “अपने बैग और जूते ले आओ,” उसने आगे कहा।
फेनल ने वैसा ही किया जैसा उसे कहा गया था, अपने जूते पहने और वापस वहीं आ गया जहां गैरी बेसब्री से गे को देख रहा था।
"लगता है उसे कोई बीमारी लग गई है," फेनेल ने बेपरवाही से कहा। "चलो एडवर्ड्स, चलते हैं। हो सकता है वो काले बदमाश हमारे ठीक पीछे हों।"
"आस-पास देखो और पता लगाओ कि क्या तुम्हें दो सीधी शाखाएँ मिल सकती हैं। हम अपनी कमीजों से एक स्ट्रेचर बना सकते हैं।"
सौंफ उसे घूरती रही।
"क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है? क्या तुम्हें लगता है कि मैं उस कुतिया को इस भयानक जंगल में और इस भीषण गर्मी में ले जाने में मदद करूँगा, जबकि वे काले लोग हमारा पीछा कर रहे हैं? अगर तुम चाहो तो उसे ले जाओ, लेकिन मैं नहीं ले जाऊँगा।"
गैरी ने उसकी ओर देखा, उसका चेहरा सख्त हो गया।
"क्या आप कह रहे हैं कि हमें उसे यहीं छोड़ देना चाहिए?"
"क्यों नहीं? वो हमारे लिए क्या है? तुम समय बर्बाद कर रहे हो। उसे छोड़ो और जाओ।"
गैरी खड़ा हो गया।
"तुम जाओ। मैं उसके साथ रहूंगी। जाओ... निकल जाओ!"
गैरी को घूरते हुए फेनल ने अपने होंठ चाटे।
"मुझे कंपास और अंगूठी चाहिए," उसने धीरे से कहा।
"तुम्हें इनमें से कुछ भी नहीं मिलेगा! निकल जाओ!"

अपने भारी-भरकम शरीर के बावजूद, फेनल बहुत फुर्तीला था। जैसे ही वह आगे कूदा, उसकी मुट्ठी तेज़ी से निकली, लेकिन गैरी को इस हरकत की उम्मीद थी। वह मुट्ठी से बचते हुए नीचे झुका और फेनल के जबड़े पर एक जोरदार मुक्का मारा: एक ऐसा करारा प्रहार जिससे फेनल ज़मीन पर गिर पड़ा।

"मैंने कहा, बाहर निकलो!" गैरी ने गुस्से से कहा।

फेनल पीठ के बल गिरा, उसकी बाहें पूरी तरह फैली हुई थीं। उसकी उंगलियाँ घास में आधे छिपे एक पत्थर पर जा पहुँचीं। उसने उसे पकड़ा और एक ज़ोरदार झटके में गैरी पर फेंक दिया। पत्थर गैरी के सिर के किनारे से टकराया और वह ऐसे गिर पड़ा जैसे उस पर कुल्हाड़ी से वार किया गया हो।

जबड़े में तेज़ दर्द के साथ, फेनेल किसी तरह उठ खड़ा हुआ। वह सावधानी से गैरी के पास पहुँचा और उसके ऊपर झुक गया। गैरी के बेहोश होने की पुष्टि होने पर, फेनेल ने अपनी उंगलियाँ गैरी की कमीज़ की जेब में डालीं और कंपास ढूंढ लिया। वह गे के पास गया, जहाँ वह लेटी हुई थी। उसका दाहिना हाथ पकड़कर उसने उसके अंगूठे से बोर्जिया की अंगूठी खींच ली। ऐसा करते ही गे ने अपनी आँखें खोलीं और उसका चेहरा अपने पास देखकर उसने अपने बाएं हाथ से उस पर प्रहार किया।

यह इतना हल्का प्रहार था कि फेनल को इसका एहसास भी नहीं हुआ। उसने क्रूरता से मुस्कुराया।

"अलविदा, जान," उसने झुकते हुए कहा। "मुझे उम्मीद है कि तुम तड़पोगी। मैं कंपास और अंगूठी ले जा रहा हूँ। तुम दोनों यहाँ से ज़िंदा नहीं निकल पाओगी। अगर तुम मेरे साथ अच्छा बर्ताव करतीं, तो मैं भी तुम्हारे साथ अच्छा बर्ताव करता। तुमने यही चाहा था और अब तुम्हें यही मिलेगा।" वह खड़ा हो गया। "अगर ज़ुलू तुम्हें नहीं ढूँढ़ेंगे, तो गिद्ध ढूँढ़ लेंगे। अलविदा, और जब तक हो, मज़े करो।"

गे ने अपनी आँखें बंद कर लीं। उसे शक था कि उसने उसकी आधी बातें भी समझी होंगी या नहीं, लेकिन अपनी बात कहने से उसे बहुत संतुष्टि मिली।

उसने बचे हुए खाने और पानी की बोतल से भरा बैग उठाया, दिशा जानने के लिए कंपास देखा और फिर जंगल की अंधेरी, उमस भरी गर्मी में तेजी से आगे बढ़ गया।

गैरी हिला और उसने अपनी आँखें खोलीं। उसके चेहरे पर एक साया पड़ा, फिर दूसरा। उसने पेड़ की ओर देखा। पत्तों के बीच से उसे घने भूरे बादल धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ते हुए दिखाई दिए। तभी उसने दो गिद्धों को पेड़ की सबसे ऊपरी शाखा पर भारी-भरकम ढंग से बैठे देखा, जो अपने संयुक्त भार से पेड़ को झुका रहे थे। उनके गंजे, घिनौने दिखने वाले सिर, क्रूर, नुकीली चोंचें और झुके हुए कंधे देखकर गैरी के मन में डर की एक सिहरन दौड़ गई।

उसके सिर में तेज़ दर्द हो रहा था और जब उसने अपने चेहरे के किनारे को छुआ तो उसे जमा हुआ खून महसूस हुआ। वह अभी भी सदमे में था, लेकिन कुछ मिनट आराम करने के बाद उसका दिमाग साफ़ होने लगा। उसने अपना हाथ अपनी कमीज़ की जेब में डाला और पाया कि कंपास गायब था। वह लड़खड़ाते हुए उठा और लड़खड़ाते हुए गे के पास गया जहाँ वह लेटी हुई

थी। अब उसका चेहरा लाल हो गया था और उसके माथे पर पसीने की बूँदें थीं। ऐसा लग रहा था कि वह या तो सो रही है या बेहोश है। उसने उसके दाहिने हाथ को देखा। अंगूठी का न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी।

वह उसके बगल में बैठ गया और अपनी स्थिति का जायजा लेने लगा। सीमा के निकास तक पहुँचने से पहले उसके सामने संभवतः पंद्रह किलोमीटर का दलदली जंगल था। उसने अपने थैलों की ओर देखा और पाया कि भोजन वाला थैला भी गायब था। बिना भोजन और पानी के वह ज्यादा देर तक टिक नहीं सकता था। उसकी घड़ी में 16 बज रहे थे। ज़ुलू लोग नौ घंटे से उनकी तलाश कर रहे थे। क्या बारिश ने उनके पदचिह्नों को मिटा दिया था? अगर ऐसा नहीं था, तो वह किसी भी समय ज़ुलू लोगों के प्रकट होने की उम्मीद कर सकता था।

अगर वह अकेला होता, तो वह फेनेल को पकड़ने की उम्मीद में तुरंत निकल जाता, लेकिन वह गे को नहीं छोड़ सकता था।

उसने नीचे उसकी ओर देखा। शायद सौंफ सही कह रही थी कि उसे कोई संक्रमण हो गया है। वह बहुत बीमार लग रही थी और साफ तौर पर उसे तेज बुखार था। जैसे ही उसने उसे देखा, उसने धीरे-धीरे अपनी आँखें खोलीं। उसे अपना ध्यान केंद्रित करने में कुछ पल लगे, फिर उसने भौंहें चढ़ाईं और दर्द में होने का आभास देते हुए हिलने लगी।

"तुम्हें चोट लगी है," उसने भारी आवाज़ में कहा।

"कोई बात नहीं।" उसने उसका गर्म हाथ अपने हाथ में ले लिया। "उसकी चिंता मत करो।"

"उसने कंपास और अंगूठी ले ली है।"

मुझे पता है। आराम करो। किसी बात की चिंता मत करो।

ऊपर से अचानक शाखाओं के टूटने की आवाज़ से वे चौंक गए और दोनों ने ऊपर देखा। एक गिद्ध ऊपर की शाखा से नीचे की शाखा पर उतर आया था और अपनी खुरदरी गर्दन फैलाकर उन्हें नीचे देख रहा था।

गैरी उठ खड़ा हुआ, उसने खून से सना पत्थर उठाया और उसे पेड़ पर फेंक दिया। पत्थर गिद्ध के पास से सीटी बजाता हुआ गुजरा। गिद्ध अपने पंख फड़फड़ाते हुए और पत्तों की सरसराहट के साथ उड़ गया।

"इसे पता है कि मैं मर रही हूँ," गे ने कांपती आवाज़ में कहा। "गैरी! मैं बहुत डरी हुई हूँ।"

"आप मर नहीं रहे हैं! आपको कोई मामूली संक्रमण हो गया है। एक-दो दिन में आप ठीक हो जाएंगे।"

उसने उसकी ओर देखा, और उसकी आँखों में भय और निराशा देखकर उसका दिल बैठ गया।

"तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकते," उसने कहा। "मुझे छोड़ दो। तुम्हें सिर्फ अपने बारे में सोचना चाहिए, गैरी। मेरा समय खत्म होने वाला है। मुझे नहीं पता क्या है, लेकिन ऐसा लगता है जैसे कोई चीज मेरे अंदर धीरे-धीरे पनप रही है और मुझे टुकड़ों-टुकड़ों में मार रही है। मेरे पैर इतने ठंडे हैं, फिर भी मेरा पूरा शरीर जल रहा है।"

गैरी ने उसके नंगे पैरों को छुआ। वे बर्फ की तरह ठंडे थे।

"बिल्कुल, मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जा रहा। क्या तुम्हें प्यास लगी है?"

"नहीं। मुझे अपने गले में कोई संवेदना नहीं है।" उसने कांपते हुए अपनी आँखें बंद कर लीं। "तुम्हें जाना होगा, गैरी। अगर उन्होंने तुम्हें पकड़ लिया तो..."

तब उसे एहसास हुआ कि वह मर सकती है। उसके साथ होने पर जंगल पार करने का प्रयास उसके लिए कोई बाधा नहीं बनता, लेकिन यह सोचकर कि उसे यह अकेले ही करना पड़ सकता है, उसके मन में घबराहट की लहर दौड़ गई।

"क्या आप भगवान में विश्वास करते हैं?" उसने पूछा।

"कभी-कभी।"

वह झिझका।

"हम दोनों के लिए यही सही समय है विश्वास करने का, है ना?"

तुम ठीक हो जाओगे।

"यही है ना?"

"मुझे भी ऐसा ही लगता है।"

उनके ऊपर पेड़ में अचानक हलचल हुई क्योंकि गिद्ध फिर से बैठ गए।

उसने उसका हाथ पकड़ लिया।

"क्या तुम सचमुच मेरे साथ रहने वाले हो?"

"हां, प्रिय। मैं यहीं रुक रही हूँ।"

"शुक्रिया, गैरी, तुम बहुत अच्छे हो। मैं तुम्हें ज़्यादा देर नहीं रोकूँगी।" उसने ऊपर गिद्धों की ओर देखा जो उसे घूर रहे थे। "मुझसे एक वादा करो।"

"कुछ भी।"

"तुम मुझे दफना नहीं पाओगे। तुम नंगे हाथों से नहीं खोद सकते, प्रिये, है ना? कृपया मुझे नदी में डाल दो। मुझे मगरमच्छों से कोई डर नहीं है, लेकिन गिद्धों से..."

"ऐसी नौबत नहीं आएगी। आप अभी आराम कीजिए। कल तक आप ठीक हो जाएंगे।"

"वादा करता हूँ, गैरी।"

"ठीक है, मैं वादा करता हूँ, लेकिन..."

उसने उसे बीच में ही रोक दिया।

"जब तुमने मुझसे कहा था कि सब कुछ पैसे पर मत टिकाओ, तो तुम बिल्कुल सही थे। अगर पैसा मेरे लिए इतना मायने न रखता तो मैं आज यहाँ नहीं होती। गैरी, क्या तुम्हारे पास कागज और कलम है? मैं अपनी वसीयत बनाना चाहती हूँ।"

"अब देखो, गे, तुम्हें निराशावादी होना बंद करना होगा।"

वह बेबस होकर रोने लगी।

"गैरी... प्लीज़... तुम्हें पता भी नहीं कि बात करना कितना मुश्किल है। मुझे अंदर से बहुत तकलीफ हो रही है। प्लीज़ मुझे अपनी वसीयत बनाने दो।"

उसने अपने बैग की ओर हाथ बढ़ाया और उसमें से एक नोटबुक और एक बॉलपेन निकाला।

"मुझे यह खुद ही करना होगा," उसने कहा। "स्विस बैंक का मैनेजर मेरी लिखावट पहचानता है। गैरी, मेरी मदद करो।"

जैसे ही उसने उसे उठाया और सहारा दिया, वह दर्द से कराहते हुए सिसकती हुई सांस लेने लगी। उसे पत्र लिखने में बहुत समय लगा, लेकिन आखिरकार उसने लिख ही दिया।

"मेरे प्यारे गैरी, मेरी सारी संपत्ति तुम्हारे लिए है। बर्न में मेरे पंजीकृत खाते में 100,000 डॉलर से अधिक की प्रतिभूतियाँ हैं। जाओ और डॉ. कर्स्ट से मिलो। वो वहाँ के निदेशक हैं। उन्हें सब कुछ बताओ... उन्हें सब कुछ बताओ और खासकर काहलेनबर्ग संग्रहालय के बारे में बताओ। उन्हें पता होगा कि क्या करना है और वे तुम्हें बचा लेंगे। उन्हें यह वसीयत दे दो और वे तुम्हारे लिए सब कुछ व्यवस्थित कर देंगे।"

"ठीक है... तुम ठीक हो जाओगी, गे। अब आराम करो," और गैरी ने उसे चूमा।

तीन घंटे बाद, जब आकाश में लाल जलते गोले की तरह चमकता सूरज पेड़ों के पीछे डूब गया, तो गेय जीवन से मृत्यु की ओर चल पड़ी। उस जानलेवा खरोंच से, जिसे उसने महसूस भी नहीं किया था, बोर्जिया गिरोह ने एक और शिकार को अपनी चपेट में ले लिया।

पिछले दो घंटों से फेनल तेज़ी से चल रहा था। बीच-बीच में दलदली ज़मीन की वजह से उसे लंबा चक्कर लगाना पड़ता था, जिससे उसका समय और ऊर्जा दोनों बर्बाद होती थी। एक बार तो ज़मीन धंसने से वह घुटनों तक बदबूदार गीली मिट्टी में धंस गया था। उसने खुद को निकालने के लिए बहुत संघर्ष किया, जिससे वह पूरी तरह थक गया था।

जंगल का सन्नाटा, अकेलापन और गर्मी, ये सब उसे परेशान कर रहे थे, लेकिन वह खुद को दिलासा देता रहा कि अब वह सीमा के निकास द्वार से ज्यादा दूर नहीं हो सकता और फिर उसकी सारी परेशानियां खत्म हो जाएंगी।

वह उस विजयी क्षण के बारे में सोचता रहा जब वह शालिक के दफ्तर में जाकर उसे बताएगा कि अंगूठी उसके पास है। अगर शालिक ने सोचा भी था कि उसे नौ हज़ार डॉलर में अंगूठी मिल जाएगी, तो उसे बहुत बड़ा झटका लगने वाला था। फेनेल ने मन बना लिया था कि जब तक शालिक उसे बाकी तीन लोगों के साथ बाँटी जाने वाली पूरी रकम यानी छत्तीस हज़ार डॉलर नहीं दे देता, तब तक वह अंगूठी नहीं देगा। अगर किस्मत अच्छी रही, तो चार-पाँच दिनों में वह लंदन वापस आ जाएगा। वह पैसे लेगा और तुरंत नीस के लिए निकल जाएगा। उसने खुद से कहा कि इस कारनामे के बाद उसे एक शानदार छुट्टी चाहिए। नीस से ऊब जाने पर वह एक नौका किराए पर लेगा, किसी लड़की को ढूंढेगा और भूमध्य सागर में सैर करेगा, रास्ते में तट के बंदरगाहों पर रुककर खाना खाएगा और आसपास घूमेगा: एक आदर्श छुट्टी और मोरोनी से सुरक्षित।

उसने अब गे और गैरी को अपने मन से निकाल दिया था, उसे पूरा यकीन था कि उसने उन्हें आखिरी बार देखा है। उस मूर्ख, घमंडी कुतिया ने खुद ही मुसीबत मोल ली थी। कोई भी लड़की उसे ठुकराए बिना पछताए नहीं रहती। काश केन उसके साथ होता। केन की मौत के बारे में सोचकर उसका चेहरा उतर आया। केन के साथ होता तो वह खुद को कहीं ज़्यादा आत्मविश्वासी महसूस करता। अब सूरज डूब रहा था और जंगल में भयानक अंधेरा छा रहा था। उसने तय किया कि अब रात के लिए रुकने का समय आ गया है। वह तेज़ी से आगे बढ़ा, ऐसी खुली जगह की तलाश में जहाँ वह संकरे रास्ते से हट सके। कुछ देर ढूंढने के बाद उसे वह मिल गया जिसकी उसे तलाश थी: झाड़ियों से मुक्त, खुरदरी घास का एक टुकड़ा, जिसके नीचे एक पेड़ था जिसकी

ओट में वह बारिश होने पर शरण ले सकता था।
उसने अपना बैग नीचे रखा और सोचने लगा कि क्या वह आग जलाने की हिम्मत कर सकता है। उसने सोचा कि जोखिम नगण्य है और लकड़ियाँ और जलाने वाली सामग्री इकट्ठा करने लगा। जब उसने पेड़ के पास लकड़ियों का एक बड़ा ढेर इकट्ठा कर लिया, तो उसने आग जलाई और फिर पेड़ से पीठ टिकाकर बैठ गया। उसे भूख लगी थी, इसलिए उसने बैग खोला और उसमें रखी चीज़ों की जाँच की। उसमें तीन डिब्बे स्ट्यूड स्टेक, दो डिब्बे बीन्स और एक डिब्बा स्टेक पाई था। संतुष्टि से सिर हिलाते हुए उसने स्टेक पाई का डिब्बा खोला। खाना खत्म करने के बाद उसने एक सिगरेट जलाई, आग में और लकड़ियाँ डालीं और आराम किया।
अब जब वह स्थिर बैठा था, तो उसे जंगल की आवाज़ें सुनाई देने लगीं: धीमी, विचलित करने वाली और ध्यान भटकाने वाली आवाज़ें: पत्तों की सरसराहट, दूर से किसी जानवर की हल्की सी गुर्राहट सुनाई दी: फेनल को लगा कि शायद वह तेंदुआ हो। पेड़ों में उसे छिपे हुए बंदरों की अचानक चहचहाहट सुनाई दी जो तुरंत बंद हो गई। कुछ बड़े पक्षी ऊपर उड़ते हुए दिखाई दिए।
उसने अपनी सिगरेट खत्म की, आग में चार और सिगरेट डालीं और लेट गया। नमी उसके कपड़ों में समा गई थी और वह सोच रहा था कि क्या उसे नींद आएगी। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। तुरंत ही, जंगल की परेशान करने वाली आवाज़ें तेज़ और डरावनी हो गईं। वह उठ बैठा, उसकी आँखें आग की रोशनी से परे बाहर के अंधेरे में कुछ ढूंढ रही थीं।
मान लीजिए कि ज़ुलुओं ने आग देख ली होती और वे चुपके से उसकी ओर बढ़ रहे होते? उसने सोचा।
काहलेनबर्ग ने कहा था, "वे आपकी छोटी आंत में एक सींक ठोक देते हैं।"
सौंफ के चेहरे पर ठंडे पसीने की बूंदें उभरने लगीं।
आग जलाना उसकी मूर्खता थी। तेज नजर वाले जंगली लोग इसे दूर से ही देख सकते थे। उसने एक बड़ी सी छड़ी उठाई और आग को बिखेर दिया। फिर खड़ा होकर उसने जलते हुए अंगारों को तब तक कुचला जब तक कि गीली घास में चिंगारियां बुझ नहीं गईं। फिर स्थिति और भी खराब हो गई क्योंकि अंधेरा उस पर एक गर्म, दम घोंटने वाले, काले लबादे की तरह छा गया। उसने पेड़ को टटोला, बैठ गया, अपनी पीठ उस पर टिका ली और डरते हुए आगे देखा, लेकिन अब ऐसा लग रहा था जैसे वह अंधा हो गया हो। उसे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।
वह एक घंटे से अधिक समय तक उसी स्थिति में रहा, हर आवाज को सुनता और चौंकता रहा। लेकिन अंततः उसे नींद आने लगी। अचानक वह इतना थक गया था कि उसे किसी बात की परवाह नहीं रही।
वह कितनी देर सोया, उसे पता नहीं था, लेकिन वह अचानक चौंककर जागा, उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था। उसे यकीन था कि वह अब अकेला नहीं है। खतरे को भांपने की उसकी सहज प्रवृत्ति ने उसके दिमाग में आपातकालीन अलार्म बजा दिया था। उसने अंधेरे में टटोला और वह मोटी लकड़ी ढूंढ ली जिससे उसने आग बुझाई थी। उसने उसे कसकर पकड़ लिया और ध्यान से सुनने लगा।
काफी करीब... उससे पांच मीटर से भी कम दूरी पर, पत्तों के कालीन पर किसी चीज के सरकने

की स्पष्ट आवाज सुनाई दी। उसके पास टॉर्च थी और धड़कते दिल से, मानो दम घुट रहा हो, उसने टॉर्च को आवाज की दिशा में किया और फिर बटन दबा दिया।

तेज रोशनी की किरण ने एक बड़े, दुबके हुए जानवर को रोशन कर दिया, जिसे फेनेल ने उसके लोमड़ी जैसे सिर और उसके गंदे भूरे और काले धब्बेदार फर से पहचान लिया कि वह एक पूरी तरह से विकसित कुत्ता लकड़बग्घा था।

उसे जानवर की बस एक झलक ही मिली थी कि वह रास्ते के दूसरी तरफ झाड़ियों में गायब हो गया, लेकिन वह झलक ही फेनेल को घबराकर अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए काफी थी।

उन्हें केन के साथ हुई वह बातचीत याद आई जो उन्होंने काहलेनबर्ग की जागीर की यात्रा के पहले आसान चरण में लैंड रोवर में रहते हुए की थी।

"यहाँ के सभी जानवरों से मेरी अच्छी बनती है, सिवाय लकड़बग्घे के," केन ने कहा था। "वह एक घिनौना और क्रूर जानवर है। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस जानवर के दांत और जबड़े किसी भी जानवर से कहीं ज़्यादा ताकतवर होते हैं। वह पालतू गाय की जांघ को अखरोट की तरह तोड़ सकता है। खतरनाक होने के साथ-साथ वह घोर कायर भी है। वह रात के अलावा शायद ही कभी हिलता-डुलता है, और किसी गंध का पीछा करते हुए मीलों तक जा सकता है। अपने शिकार को अचानक पकड़ने के लिए उसमें असीम धैर्य होता है।"

आँखें फटी रह गईं, हाथ काँप रहे थे, फेनेल ने टॉर्च की रोशनी झाड़ियों पर डाली। एक पल के लिए उसने जानवर को अपनी ओर घूरते हुए देखा, फिर वह गायब हो गया।

उसके पास अपने शिकार को अचानक पकड़ने के लिए असीम धैर्य है।

फेनल जानता था कि उस रात उसे और नींद नहीं आएगी, इसलिए उसने अपनी घड़ी देखी। समय 3 बज रहा था। उजाला होने और हिलने-डुलने से पहले एक घंटा और था। बैटरी बर्बाद न करने की हिम्मत करते हुए उसने टॉर्च बंद कर दी। बैठकर वह पेड़ से टिक गया और सुनने लगा।

अंधेरे से एक भयानक, पागलों जैसी हंसी निकली जिसने उसके खून में सिहरन पैदा कर दी और गर्दन के बाल खड़े कर दिए। वह भयानक, अवर्णनीय रूप से डरावनी आवाज बार-बार सुनाई दी... एक भूखे लकड़बग्घे की दहाड़।

फेनल केन के साथ की बहुत याद कर रहा था। उसे गैरी के साथ की भी बहुत चाह थी। घोर अंधेरे में बैठा, यह जानते हुए कि वह बदबूदार जानवर अपने गंदे पेट के बल रेंगता हुआ, लार टपकाता हुआ, उसकी ओर बढ़ रहा होगा, वह बिना हिले-डुले, तनाव में और किसी भी हल्की सी आवाज़ को सुनने के लिए बेताब बैठा रहा। अगले एक घंटे तक वह उसी स्थिति में रहा, उसका शरीर नींद के लिए तड़प रहा था और उसका दिमाग दहशत से भरा हुआ था।

जब भी उसे झपकी आती, लकड़बग्घे की दहाड़ उसे जगा देती और वह बड़बड़ाने लगता। काश उसके पास स्प्रिंगफील्ड राइफल या फिर एक असिगाई होती, उसने सोचा, लेकिन उसके पास अपनी रक्षा के लिए मोटी छड़ी के अलावा कुछ नहीं था, और उसे यकीन था कि अगर जानवर उस पर झपटा तो वह छड़ी भी बेकार साबित होगी।

जब आखिरकार सुबह हुई, तो फेनल लगभग पूरी तरह थक चुका था। उसके पैर अकड़ गए थे और मांसपेशियों में दर्द हो रहा था। उसका शरीर आराम के लिए तड़प रहा था। उसने खुद को

घसीटते हुए सीधा किया, अपना बैग उठाया और यह सुनिश्चित करने के बाद कि लकड़बग्घे का कोई निशान नहीं है, वह जंगल के रास्ते पर दक्षिण की ओर चल पड़ा। हालांकि उसने खुद को आगे बढ़ने के लिए मजबूर किया, लेकिन उसकी गति धीमी हो गई थी और वह उतनी दूरी तय नहीं कर पा रहा था जितनी उसने कल की थी। वह चाहता था कि उसे पता होता कि सीमा के निकास तक पहुँचने से पहले उसे कितना और चलना है। जंगल कल की तरह ही घना था और कहीं से भी साफ होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा था। वह दो घंटे चला, फिर उसने आराम करने और खाने का फैसला किया। एक गिरे हुए पेड़ पर बैठकर उसने बीन्स का डिब्बा खोला और धीरे-धीरे खाया, फिर उसने पानी की बोतल से थोड़ा पानी पिया। उसने एक सिगरेट पी, हिलने का मन नहीं कर रहा था, लेकिन वह जानता था कि वह खतरनाक तरीके से समय बर्बाद कर रहा है। बड़ी मुश्किल से वह उठा और फिर से चल पड़ा। लगभग पाँच किलोमीटर चलने के बाद, वह कंपास देखने के लिए रुका। पढ़ते-पढ़ते उसे निराशा के साथ एहसास हुआ कि वह अब सीधे दक्षिण की बजाय दक्षिण-पश्चिम की ओर चल रहा था। रास्ता थोड़ा मुड़ गया था, जिससे वह अपनी दिशा से भटक गया था और उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया था।

गुस्से में बड़बड़ाते हुए उसने अपना रुख स्पष्ट किया और देखा कि सही दिशा में जाने के लिए उसे पगडंडी छोड़कर घनी, दुर्गंधयुक्त झाड़ियों से होकर रास्ता बनाना होगा। वह हिचकिचाया, क्योंकि उसे केन की सांपों के बारे में कही बात याद आ गई थी।

उसने सोचा, इतनी दूर आने के बाद सांप का काटना कितना भयानक होगा! अपनी छड़ी को कसकर पकड़े हुए, वह घनी, उलझी हुई घास में आगे बढ़ा, घास की नुकीली पत्तियां उसकी नंगी टांगों को खरोंच रही थीं। सूरज निकल रहा था और गर्मी असहनीय हो चुकी थी। अब चलना बहुत धीमा हो गया था, और जैसे ही वह अपनी छड़ी से घास और झाड़ियों को चीरता हुआ आगे बढ़ा, पसीना बहने लगा, वह जोर-जोर से बड़बड़ा रहा था। एक किलोमीटर के थका देने वाले संघर्ष के बाद, उसे आगे एक खुला मैदान दिखाई दिया और उसने राहत की सांस ली। वह मैदान में पहुंचा, लेकिन लगभग तुरंत ही, उसके पैर गीली, चिपचिपी मिट्टी में टखनों तक धंस गए और वह पीछे हटकर झाड़ियों में लौट गया। जिस मैदान को उसने आसानी से पार करने की कल्पना की थी, वह एक खतरनाक दलदल से ज्यादा कुछ नहीं था। अब वह दलदल के चारों ओर से जाने के लिए मजबूर था, एक थका देने वाला चक्कर लगा रहा था, और सांस फूलने वाली गर्मी में संघर्ष करते हुए उसे महसूस हो रहा था कि उसकी ताकत धीरे-धीरे उससे छिन रही है।

अब उसे यह चिंता सताने लगी थी कि क्या वह कभी इस नरक जैसी जगह से निकल पाएगा। उसने खुद से कहा कि उसे फिर से आराम करना होगा। यही तो समस्या थी। पूरी रात नींद न आने के कारण वह बुरी तरह थक चुका था। शायद अगर वह तीन-चार घंटे सो ले, तो उसे अपनी वह ताकत वापस मिल जाएगी जिस पर वह हमेशा भरोसा करता आया था और जिसे वह स्वाभाविक मानता था।

उसने सोचा, यह एक जोखिम था, लेकिन दलदल से होकर आखिरी पड़ाव पार करने के लिए अपनी ताकत बचाए रखने के लिए यह जोखिम उठाना ही था। उसे याद आया कि केन ने कहा था कि लकड़बग्घे सिर्फ रात में शिकार करते हैं। वह जानवर अब तक शायद मीलों दूर जा चुका

होगा। उसे कहीं छिपने की जगह ढूंढनी होगी, तभी वह उस नींद को लेने की हिम्मत कर पाएगा जिसके लिए उसका शरीर तड़प रहा था। वह खुद को घसीटता हुआ आगे बढ़ा, तभी उसे पगडंडी से कुछ दूरी पर झाड़ियों से घिरा एक बड़ा, गिरा हुआ पेड़ दिखाई दिया। यह जगह भी ठीक लग रही थी, और जब वह वहाँ पहुँचा तो उसने पाया कि पेड़ के तने के दूसरी तरफ की ज़मीन काफी सूखी थी। शुक्र है, वह लेट गया। उसने अपने बैग को तकिया बनाया, खाने का बैग पास में रखा और मोटी लकड़ी को अपने बगल में रख लिया। उसने अपना सिर बैग पर रखा, अंगड़ाई ली और कुछ ही पलों में सो गया।

उसे सोए हुए अभी कुछ ही मिनट हुए थे कि जंगल से एक लकड़बग्घा निकला। उसने ज़मीन को सूंघा, थोड़ी देर रुका, फिर गिरे हुए पेड़ को देखते हुए अपना सिर एक तरफ झुकाया। चुपचाप एक लंबा चक्कर लगाते हुए, वह पेड़ के दूसरी तरफ चला गया जहाँ सौंफ सो रही थी।

लकड़बग्घे ने दो दिन से कुछ नहीं खाया था और भूख से लगभग पागल हो चुका था, लेकिन सामने भोजन होने के बावजूद वह अभी तक इतना डरपोक था कि हमला नहीं कर सका। वह नीचे बैठ गया, अपना मुंह अपने पंजों पर टिकाकर सोए हुए आदमी को अपनी चमकती लाल आँखों से घूरने लगा।

दुर्भाग्य से, फेनेल इतना थका हुआ था कि वह गहरी नींद में सो गया, न कोई आवाज कर रहा था और न ही हिल-डुल रहा था। आधे घंटे तक देखने के बाद, लकड़बग्घे ने आखिरकार खुद को आश्वस्त कर लिया कि अब उस पर हमला करके भागने का कोई खतरा नहीं है।

उसने अपने पिछले पैरों को मोड़ा, खुद को ऊपर उठाया और हमला किया।

फेनल इतनी तेज पीड़ा से जागा कि आँखें खोलते ही चीखने लगा। वह आधा उठने की कोशिश करने लगा, लेकिन पैरों में हो रहे असहनीय दर्द ने उसकी सारी ताकत छीन ली और वह वापस गिर पड़ा। दर्द इतना बढ़ गया कि वह बेकाबू हो गया और मुट्ठियाँ उसके सिर के किनारों पर पटकने लगीं। नीचे देखने पर वह भयभीत हो गया कि जहाँ उसकी दाहिनी पिंडली थी, वहाँ अब केवल खून और टूटी हुई हड्डियों का ढेर था। उसे अपनी पिंडली की हड्डी का वह सफेद हिस्सा भी दिखाई दे रहा था जहाँ से पिंडली का मांसल हिस्सा फटकर अलग हो गया था।

सिसकते और कराहते हुए, उसने घबराकर चारों ओर देखा और उसने अपने से लगभग दस मीटर दूर लकड़बग्घे को देखा, जिसका थूथन खून से सना हुआ था क्योंकि वह मांस के टुकड़े को चबा रहा था।

भयानक घाव से खून बह रहा था और फेनेल को एहसास हो गया कि अगर कोई तुरंत उसकी मदद के लिए नहीं आया तो कुछ ही मिनटों में उसकी मौत हो जाएगी। उसे पहले से ही कमजोरी महसूस हो रही थी। अपनी बची हुई ताकत को इकट्ठा करते हुए उसने पूरी ताकत से चिल्लाकर कहा, "मदद करो!"

वह चीख जंगल में गूंज उठी। चौंककर लकड़बग्घा झाड़ियों में घुस गया और अपनी भयानक हंसती हुई दहाड़ निकाली।

सौंफ ने दोबारा चिल्लाने की कोशिश की, लेकिन उसके मुंह से निकली कर्कश आवाज दूर तक सुनाई नहीं दी। उसके शरीर में मची असहनीय पीड़ा उसे बेहोशी के करीब ले आई। उसके घाव से

बहते खून ने मक्खियों के झुंड को आकर्षित किया, जो अब तेजी से बढ़ते खून के कुंड के चारों ओर उत्तेजित होकर भिनभिना रही थीं।

सौंफ अब इतनी कमजोर हो चुकी थी कि दर्द से कराहते हुए ज़मीन पर लेटने के अलावा कुछ नहीं कर सकती थी। उसे धूसर बादलों के बीच ऊपर आसमान में मंडराते हुए कई गिद्ध दिखाई दिए। उसने उन्हें एक-एक करके पास के एक पेड़ पर उतरते और उसे संदेह भरी निगाहों से देखते हुए देखा।

उसे पता ही नहीं चला कि लकड़बग्घा पेट के बल रेंगता हुआ उसकी ओर आ रहा है। उसे इसका एहसास तब हुआ जब उसे अचानक एक ज़ोरदार झटका लगा, सड़ी हुई गंध आई और जानवर उस पर झपटा, फिर असहनीय दर्द हुआ जब उसके नुकीले, शक्तिशाली जबड़े और दांतों ने उसकी शॉर्ट्स के ऊपरी हिस्से को चीरते हुए उसके पेट को चीर दिया।

शानदार कद-काठी वाले ज़ुलू नागरिक न्गोमाने ने कभी काहलेनबर्ग एस्टेट में काम किया था, लेकिन महिलाओं से संबंधित समस्याओं के कारण उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था।

अपनी बर्खास्तगी से पहले, न्गोमेन उन चालीस गार्डों में से एक था जो जंगल में गश्त लगाकर अवांछित आगंतुकों और शिकारियों पर नज़र रखते थे। वह जंगल को इतनी अच्छी तरह जानता था जैसे अपनी हथेली को। बर्खास्तगी के बाद, उसने सोचा कि वह अपना जीवन यापन कैसे करेगा। उसने फैसला किया कि चूंकि काहलेनबर्ग की जागीर में बहुत सारे मगरमच्छ थे और वह जानता था कि वे कहाँ मिलेंगे, और अन्य गार्ड उसकी बर्खास्तगी के प्रति सहानुभूति रखते थे, इसलिए समय-समय पर कुछ मगरमच्छों को मारकर उनकी खाल मेनविले के उस श्वेत दुकानदार को बेचना सुरक्षित और लाभदायक होगा जो कभी सवाल नहीं पूछता था और अच्छी कीमत देता था।

न्गोमाने दक्षिणी सीमा से जंगल में प्रवेश कर नदी की ओर चुपचाप पगडंडी पर चल रहा था, तभी उसने फेनल की मदद के लिए बेताब चीख सुनी। वह अचानक रुक गया, अपनी पुरानी राइफल को टटोलते हुए बेचैनी से आवाज़ की दिशा में देखने लगा। फिर सावधानी पर जिज्ञासा हावी हो गई और वह जंगल में घुस गया और कुछ ही क्षणों में उसे फेनल का बचा हुआ शरीर मिल गया।

गैरी धीरे-धीरे नदी के किनारे-किनारे चलता रहा, जहाँ तक संभव हो छाया में रहने की कोशिश करता रहा, उसकी आँखें सामने जमीन पर साँपों और छिपे हुए मगरमच्छों के संकेतों की तलाश करती रहीं।

उसने तय कर लिया था कि बिना कंपास के जंगल के रास्ते सीमा के निकास तक पहुँचने की कोशिश करना मुसीबत को दावत देना होगा। उसे याद आया कि काहलेनबर्ग के दफ्तर में मौजूद मानचित्र में दिखाया गया था कि नदी जागीर की सीमा पार करने के बाद लगभग बीस किलोमीटर आगे एक छोटे से कस्बे से होकर गुजरती है। हालाँकि उसे जंगल के रास्ते सीधे दक्षिण की ओर जाने वाले मार्ग से कम से कम दोगुनी दूरी तय करनी पड़ती, लेकिन वह जानता था कि अगर वह चलता रहा, तो वह रास्ता नहीं भटकेगा और अगर किस्मत अच्छी रही, तो उसे दलदली ज़मीन नहीं मिलेगी और उसे थका देने वाले चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

दूसरी ओर, वह मगरमच्छों के हमले का खतरा मोल ले रहा था और अगर ज़ुलू लोग नदी में इतनी

दूर तक आ जाते तो उसे आसानी से देखा जा सकता था। लेकिन फायदे और नुकसानों पर विचार करने के बाद, उसने अंततः नदी मार्ग को चुना।

वह उदास और थका हुआ महसूस कर रहा था। उसने गेय के शव को नदी में विसर्जित कर दिया था और उसे अंधेरे में बहते हुए देख रहा था। उसे यह काम बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन उसके पास कब्र खोदने का कोई औजार नहीं था। उसे जाते हुए देखकर वह जंगल में चला गया और लेट गया। उसे नींद नहीं आई, वह उसके सपने देखता रहा और सुबह 5 बजे के कुछ ही देर बाद उसने अपनी यात्रा शुरू कर दी।

वह चार घंटे से चल रहा था, तेज़ी से नहीं, बल्कि धीरे-धीरे, अपनी ऊर्जा बचाने के लिए सावधानी से कदम बढ़ा रहा था। उसे भूख और प्यास लगी थी। बीच-बीच में वह नदी के गंदे पानी से अपने होंठ गीले करता, लेकिन उसे पीता नहीं। उसके बैग में सिगरेट के चार पैकेट थे, और लगातार सिगरेट पीने से उसकी भूख कुछ हद तक शांत हो जाती थी और मच्छर भी दूर रहते थे।

चलते-चलते वह सोचने लगा कि फेनल अब तक कितनी दूर पहुँच गया होगा। जब तक वह खुद मेनविले पहुँचेगा—अगर कभी पहुँच भी पाया—तब तक फेनल जोहान्सबर्ग के लिए निकल चुका होगा। गैरी को पूरा यकीन था कि फेनल तुरंत लंदन के लिए उड़ान भरेगा, अंगूठी सौंप देगा, अपना हिस्सा लेगा और फिर गायब हो जाएगा। गैरी सोच रहा था कि अंगूठी मिलने के बाद शालिक उसे उसका हिस्सा देगा या नहीं: शायद नहीं देगा। गैरी ने खुद से कहा, कोई बात नहीं। गे की बदौलत अब उसके पास 100,000 डॉलर थे। इतनी रकम से वह इलेक्ट्रॉनिक्स का कोर्स कर सकता था और फिर अपने लिए एक पार्टनरशिप खरीद सकता था। लेकिन पहले उसे इंग्लैंड वापस जाना था।

दोपहर में उसने एक घंटे आराम किया और फिर आगे बढ़ गया। शाम होते-होते उसने पच्चीस किलोमीटर की दूरी तय कर ली थी। नदी के किनारे-किनारे चलने से, भूख और प्यास की असहनीय पीड़ा को छोड़कर, जंगल में जाने की तुलना में उसकी यात्रा कहीं अधिक आसान रही थी, लेकिन वह जानता था कि अगली सुबह उसे कम से कम तीस किलोमीटर और चलना होगा और वह, सौंफ की तरह, सोचने लगा कि क्या वह वहाँ तक पहुँच पाएगा।

जब अंधेरा इतना बढ़ गया कि उसे रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था, तो वह जंगल में चला गया और एक पेड़ के नीचे लेटकर सो गया। सुबह 5 बजे के कुछ ही देर बाद, जब सूरज निकलने लगा, तो वह जाग गया। नदी के किनारे जाकर उसने गंदे भूरे पानी को अपने चेहरे और सिर पर डाला और बिना निगले अपने होंठ गीले किए। उसे पानी पीने की तीव्र इच्छा हो रही थी, लेकिन उसने खुद को रोका, क्योंकि उसे यकीन था कि पानी में कई घातक बैक्टीरिया हो सकते हैं।

उसने अपनी चाल स्थिर रखते हुए नदी के मोड़ की ओर बढ़ना शुरू किया और सोचने लगा कि आगे क्या मिलेगा। उसने मन ही मन कहा, अगर किस्मत अच्छी रही तो वह जागीर के निकास द्वार पर पहुँच सकता है।

मोड़ तक पहुँचने और नदी का साफ़ नज़ारा देखने में उसे एक घंटा लग गया, जो अब चौड़ी और सीधी थी। नदी के दोनों किनारों का मुआयना करने के लिए रुकते ही वह अचानक चौंक गया। क्या उससे लगभग साठ मीटर आगे कीचड़ में फंसी कोई नाव थी या कोई गिरा हुआ पेड़?

वह आगे बढ़ा, मंद रोशनी में झाँकते हुए, और कुछ ही मिनटों में, उसने फैसला किया कि यह एक सपाट तल वाली डोंगी थी।

भूख-प्यास भूलकर, धड़कता दिल लिए वह लड़खड़ाते हुए दौड़ने लगा। वह डोंगी तक पहुँचा और फिर अचानक रुक गया।

डोंगी के तल में एक मृत ज़ुलू पड़ा था। उसके बगल में दो थैले थे जिन्हें गैरी ने केन और फेनेल के रूप में पहचाना, और उससे भी ज़्यादा राहत की बात यह थी कि वहाँ केन की पानी की बोतल भी थी।

जुलू व्यक्ति के दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली पर, सूर्य की रोशनी में चमकती हुई, सीज़र बोर्जिया की अंगूठी थी।

लंदन हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क की प्रक्रिया पूरी करते ही गैरी तुरंत एक टेलीफोन बूथ पर पहुंचा और टोनी का नंबर डायल किया। समय 10:25 बज रहा था और उसे पूरा यकीन था कि वह अभी भी सो रही होगी। कुछ मिनट तक घंटी बजने के बाद, उसे एक क्लिक की आवाज़ सुनाई दी, फिर नींद में डूबी एक आवाज़ ने कहा, "मिस व्हाइट बाहर हैं।"

यह जानते हुए कि वह फोन रखने ही वाली है, गैरी चिल्लाया, "टोनी! मैं हूँ!"

कुछ देर की खामोशी के बाद, टोनी, जो अब पूरी तरह जाग चुकी थी, ने उत्साह से चीख मारी। "गैरी! क्या सच में तुम हो, प्यारे?"

"जी हां। मैं अभी-अभी जोहान्सबर्ग से आया हूं।"

"और तुम मुझे फोन कर रहे हो? ओह, प्यारे! तो वो उतनी भी शानदार नहीं है जितनी मैंने सोची थी?"

"उसके बारे में बात मत करो।" गैरी की आवाज़ थोड़ी धीमी हो गई। "सुनो, टोनी, तुम्हारा हालचाल क्या है? मैं कल सुबह बर्न जा रहा हूँ और मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे साथ चलो।"

"बर्न? बर्न कहाँ है?"

"यह स्विट्जरलैंड में है। क्या तुमने स्कूल में कुछ नहीं सीखा?"

मैंने प्यार करना सीख लिया है। बर्न कहाँ है, इससे किसे फर्क पड़ता है? क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे साथ चलूँ? क्यों नहीं, प्रिय, बिल्कुल! अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हारे साथ वियरवाल्डस्टैटरसी जाऊँगी।

"वाह, बढ़िया। यह कहाँ है?"

वह खिलखिलाकर हंस पड़ी।

"यह स्विट्जरलैंड में भी है। हम वहां कितने दिन रुकेंगे?"

"एक-दो दिन बाद, मैंने सोचा कि हम दो सप्ताह के लिए कैप्री जाएंगे और खूब मौज-मस्ती करेंगे। आप जानते ही हैं ना कि कैप्री कहाँ है?"

"हाँ, बिल्कुल। गैरी, मुझे बहुत खुशी होगी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। मुझे..."

काम। मैं तीन दिन तो संभाल सकता हूँ, लेकिन दो हफ्ते नहीं।

"पत्नियों को काम नहीं करना चाहिए, टोनी।"

वहाँ सन्नाटा छा गया। उसे फोन पर उसकी साँसें सुनाई दे रही थीं और उसने कल्पना की कि वह

अपनी छोटी सी नाइटड्रेस में बिस्तर पर घुटनों के बल बैठी है, उसकी बड़ी-बड़ी नीली आँखें गोल और आश्चर्यचकित हैं, और वह मुस्कुरा उठा।
"क्या आपने कहा कि पत्नियों को काम नहीं करना चाहिए?" उसने कर्कश आवाज में पूछा।
"उस आदमी ने यही कहा था।"
"लेकिन मैं शादीशुदा नहीं हूँ, गैरी।"
"जल्द ही हो जाएगा। दो घंटे बाद मिलते हैं," और उसने जल्दी से फोन काट दिया।
उसने अपना सामान एक टैक्सी में रखा और ड्राइवर को उसे रॉयल टावर्स होटल ले जाने के लिए कहा।
होटल पहुँचकर उन्होंने अपना सामान सामान रखने वाले कमरे में रखवाया और फिर हॉल पोर्टर से शालिक के सुइट में फोन करके उन्हें सूचित करने के लिए कहा।
थोड़ी देर की देरी हुई, फिर हॉल पोर्टर ने उसे ऊपर जाने के लिए कहा।
सुइट में पहुँचकर उसने दस्तक दी और बाहरी कमरे में प्रवेश किया। एक गोरी लड़की डेस्क पर बैठी तेज़ी से टाइप कर रही थी। काम रोककर उठते हुए उसने गैरी को देखा। काले कपड़े पहने वह लंबी और पतली थी, बिल्कुल वैसी ही लड़की थी जिससे गैरी हमेशा दूर रहना चाहता था: सख्त, चतुर, बुद्धिमान और बेहद कुशल।
"श्री एडवर्ड्स?"
"सही।"
"श्री शालिक अब आपसे मिलेंगे।" उसने शालिक के कार्यालय का दरवाजा खोला और उसे आगे आने का इशारा किया, मानो वह किसी घबराई हुई मुर्गी को अंदर भगा रही हो।
गैरी ने दोस्ताना व्यवहार के बजाय आदतवश ही उसे देखकर मुस्कुराया। उसे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी। वह उसकी तरफ देख भी नहीं रही थी और उसकी बेरुखी ने उसे चिढ़ा दिया।
उसने शालिक को अपनी डेस्क पर बैठे हुए, सिगार पीते हुए पाया, उसके मोटे हाथ सोख्ता कागज पर टिके हुए थे।
जैसे ही गैरी उसकी ओर बढ़ा, उसने कहा, "सुप्रभात, श्री एडवर्ड्स। क्या आपके पास अंगूठी है?"
"हाँ, मेरे पास है।" गैरी शालिक के सामने वाली आरामकुर्सी पर बैठ गया। उसने अपने लंबे पैर क्रॉस किए और शालिक को देखने लगा।
"आपने कर लिया? बहुत-बहुत बधाई। मुझे लगता है कि बाकी तीन लोग भी थोड़ी देर में हमारे साथ शामिल होने आ रहे हैं?"
गैरी ने अपना सिर हिलाया।
"नहीं, वे हमारे साथ शामिल होने नहीं आएंगे।"
शालिक ने भौंहें चढ़ाईं।
"लेकिन वे अपनी फीस तो जरूर चाहेंगे?"
"वे नहीं आएंगे और न ही अपनी फीस लेंगे।"
शालिक पीछे की ओर झुककर बैठ गया, अपनी सिगार के सिरे को गौर से देखा, फिर गैरी को ध्यान से देखा।

"और क्यों नहीं, श्री एडवर्ड्स?"
"क्योंकि वे मर चुके हैं।"
शालिक अकड़ गया और उसकी आंखें सिकुड़ गईं।
"क्या आप मुझे बता रहे हैं कि मिस डेसमंड की मृत्यु हो गई है?"
"हां, और बाकी दो भी वैसे ही हैं।"
शालिक ने अधीरता भरी हरकत की जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसे बाकी दोनों में कोई दिलचस्पी नहीं थी।
"लेकिन हुआ क्या?"
"उसे एक कीड़ा लग गया... जंगल में बहुत सारे खतरनाक कीड़े होते हैं, और उसकी मौत हो गई।"
शालिक उठा और गैरी की तरफ पीठ करके खिड़की की ओर चला गया। खबर सुनकर उसे गहरा सदमा लगा। उसे यह बात बिल्कुल पसंद नहीं थी कि अजनबी यह जान लें कि वह भी सदमे में आ सकता है।
कुछ क्षण बाद, वह मुड़ा और पूछा, "मुझे कैसे पता चलेगा कि आप मुझे सच बता रहे हैं, श्री एडवर्ड्स? बाकी दो की मौत कैसे हुई?"
"जोन्स को मगरमच्छ खा गया। मुझे नहीं पता फेनल का क्या हुआ। शायद उसे किसी ज़ुलू ने मार डाला होगा। मुझे वह ज़ुलू फेनल के बैग और अंगूठी के साथ मरा हुआ मिला। फेनल ने अंगूठी और मेरा कंपास चुरा लिया था और गे और मुझे जंगल से बाहर निकलने का रास्ता खुद ढूंढने के लिए छोड़ दिया था। मैं तो निकल गया, लेकिन गे नहीं निकल पाया।"
"क्या आपको पूरा यकीन है कि वह मर चुकी है?"
"मुझे यकीन है।"
शालिक बैठ गया। उसने अपने गीले हाथों को रुमाल से पोंछा। गे के लौटने पर उसे दस लाख डॉलर का एक महत्वपूर्ण काम सौंपा गया था। अब वह क्या करे? उसे तीव्र क्रोध का अनुभव हुआ। उसे गे की जगह लेने के लिए एक और महिला की तलाश शुरू करनी होगी, जो एक लंबा और कठिन काम होगा, और इस बीच, वह काम भी हाथ से निकल जाएगा।
"और अंगूठी?" उसने गुस्से पर काबू पाते हुए कहा।
गैरी ने अपनी जेब से माचिस की डिब्बी निकाली और उसे डेस्क पर शालिक की ओर सरका दिया। शालिक ने उसे उठाया, उसमें से निकली हुई चिंगारी को ब्लॉटिंग पेपर पर झाड़ा और उसे ध्यान से देखा। खैर, कम से कम यह काम तो नाकाम नहीं हुआ। वह अचानक खुद पर बहुत खुश हुआ। अपनी बुद्धि और इन चार लोगों को मोहरे बनाकर उसने कुछ ही दिनों में पांच लाख डॉलर कमा लिए थे।
उन्होंने अंगूठी को ध्यान से देखा, फिर संतुष्टि में सिर हिलाया। अंगूठी नीचे रखते हुए उन्होंने कहा, "मुझे यकीन है कि ऑपरेशन आसान नहीं था, श्री एडवर्ड्स। मैं बहुत खुश हूँ। आपके साथ न्याय करते हुए, मैं आपकी फीस दोगुनी कर देता हूँ। ज़रा देखिए... यह नौ हज़ार डॉलर थी। मैं इसे अठारह हज़ार कर देता हूँ। क्या यह आपको ठीक लगता है?"

गैरी ने अपना सिर हिलाया।
"नौ ही काफी हैं," उसने संक्षिप्त लहजे में कहा। "जितना कम पैसा मेरे पास होगा, उतना ही मुझे सुकून मिलेगा।"
शालिक की आंखें गुस्से से चमक उठीं, लेकिन उसने कंधे उचका दिए। उसने अपनी डेस्क की दराज खोली और एक लंबा लिफाफा निकाला जिसे उसने डेस्क पर फेंक दिया।
गैरी ने लिफाफा उठाया। उसने अंदर क्या है यह देखने की जहमत नहीं उठाई। लिफाफे को अपनी जेब में रखकर वह उठा और दरवाजे की ओर चल दिया।

श्री एडवर्ड्स...

गैरी रुक गया।

"यह क्या है?
"यदि आप ऑपरेशन के दौरान हुई पूरी घटना की रिपोर्ट लिखवा दें तो मुझे बहुत खुशी होगी। मुझे सभी विवरण चाहिए। मेरी सचिव आपको टेप रिकॉर्डर उपलब्ध करा देंगी।"
"तुम्हें यह किसलिए चाहिए... पुलिस को देने के लिए?" गैरी ने कहा। "तुम्हारे पास अंगूठी है... बस यही तुम्हें मुझसे मिल रहा है," और वह बाहर चला गया, गोरी सेक्रेटरी के पास से बिना देखे गुज़रा और जल्दी से लिफ्ट की ओर बढ़ गया, अब उसका एकमात्र विचार टोनी के पास वापस जाना था।
शालिक बंद दरवाजे को देखता रहा, कुछ पल सोचा, फिर कंधे उचका दिए। शायद जो कुछ हुआ उसके बारे में ज्यादा न जानना ही बेहतर था, उसने फैसला किया। गे के लिए दुख की बात है। वह जानता था कि उसके कोई रिश्तेदार नहीं थे। कोई अटपटा सवाल नहीं पूछा जाएगा। वह उसके जीवन में आई थी, एक उपयोगी भूमिका निभाई थी, और अब वह चली गई थी। यह दुखद था, लेकिन कोई भी महिला अपूरणीय नहीं होती।
उसने अंगूठी उठाई और उसे गौर से देखा। उसे अपने बाएं हाथ में पकड़े हुए, उसने अपना टेलीफोन उठाया और एक नंबर डायल किया।
हीरे तो अच्छे हैं, उसने सोचा और अपनी तर्जनी उंगली को हीरे के गुच्छे पर फेरा, तभी उसे लगा जैसे किसी सुई जैसी नुकीली चीज ने उसकी उंगली काट दी हो। उसने अंगूठी गिरा दी, भौंहें चढ़ा लीं और खून बहती उंगली को मुंह पर रख लिया।
तो बोर्जिया की अंगूठी से अब भी खरोंच लग रही थी, उसने सोचा। ज़हर तो ज़ाहिर सी बात है, कब का सूख चुका होगा: आख़िरकार अंगूठी लगभग चार सौ साल पुरानी थी। उसने अपनी उंगली देखी। काफ़ी बुरी खरोंच थी। वह टेलीफोन की घंटी की भुर्र-भुर्र की आवाज़ सुनते हुए अपनी उंगली चूसता रहा, और सोचता रहा कि अंगूठी वापस पाकर उसका ग्राहक कितना खुश होगा।

***** समाप्त *****

sjeet